



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 51] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 22, 1979 (पौष 1, 1901)
No 51] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 22, 1979 (PAUSA 1, 1901)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate pagling is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली, दिनांक अक्टूबर 1979

सं० ए०-12026/1/79-प्रशा० II—अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के० स० से० के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री बाई० आर० गांधी को 11-10-79 से 31-12-1979 तक अथवा नियमित नियुक्ति होने तक अथवा आगामी आदेश तक जो भी पहले हो, आयोग के कार्यालय में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

2. श्री गांधी की नियुक्ति स्थानान्तरण के आधार पर प्रतिनियुक्ति पर होगी और उनका वेतन समय पर संशोधित वित्त मंत्रालय के का० शा० सं० ए० 10(24)-सं० III/60 दिनांक 4-5-1961 की शर्तों के अनुसार विनियमित होगा।

ए० बालचन्द्रन,
अवर सचिव
कूने अध्यक्ष
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 18 अक्टूबर 1979

सं० ए० 12025/11/78-प्रशा० III—कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग के का० जा० सं० 5/28/79-सी० ए० I दिनांक 18-9-1979 के अनुसरण में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के खाद विभाग के स्थायी सहायक श्री ए० सी० जैन को राष्ट्रपति द्वारा, 28 नवम्बर, 1979 के पूर्वाह्न से, आगामी आदेशों तक, केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के संघ लोक सेवा आयोग में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

ए० बालाचन्द्रन,
अवर सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 3 दिसम्बर 1979

सं० ए० 9 आर० सी० टी० 21—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एनद्वांग श्री के० ए० अहजा, स्थायी सहायक को स्थानापन्न रूप से 30 नवम्बर, 1979 (अपराह्न) से 90 दिन के लिए 28

1980 (अपराह्न) तक या अगले आदेश तक जो भी हो, अनुभाग अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 4 दिसम्बर 1979

सं० 09 आर० सी० टी०—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद्वारा आयोग के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री मनोहर लाल को 30 नवम्बर, 1979 से 28 फरवरी, 1980 तक या अगले आदेश तक जो भी पहले हो स्थानापन्न रूप से अनुसंधान अधिकारी नियुक्त करते हैं।

कृष्ण लाल मल्होत्रा,
अवर सचिव
कृते केन्द्रीय सतर्कता आयोग

राष्ट्रपति, डा० निरंजन ब्रह्मा को जनरल ड्यूटी आफिसर ग्रेड II के पद पर दिनांक 22-6-1979 से स्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 29 नवम्बर 1979

सं० पी० एल०-2/79-स्थापना—श्री मोहन सिंह, कार्यालय अधीक्षक को महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में तदर्थ रूप में दिनांक 3-11-79 (पूर्वह्न) से अनुभाग अधिकारी के पद पर पदोन्नत किया जाता है।

ए० के० बन्दोपाध्याय,
सहायक निदेशक (प्रशासन)

गृह मंत्रालय

का० एवं प्र० सु० विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर 1979

सं० ए०-19021/6/75-प्रशा० 5—श्री यू० एन० बिस्वास, भारतीय पुलिस सेवा (1968 पश्चिम बंगाल), पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो/विशेष पुलिस स्थापना ने दिनांक 27-8-79 के अपराह्न में अपने पद का कार्यभार त्याग दिया। उनकी सेवाएं पश्चिम बंगाल राज्य सरकार को वापस सौंप दी गई।

दिनांक 30 नवम्बर 1979

सं० जी०-10/65-प्रशासन-5—निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर, श्री जी० पी० मोटवानी ने दिनांक 31-10-1979 के अपराह्न में वरिष्ठ लोक-अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, अहमदाबाद के पद का कार्यभार त्याग दिया है।

सं० के० 92/68-प्रशासन-5—निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर, श्री के० राघवन, कार्यालय अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, दिनांक 31 अगस्त, 1979 के अपराह्न में सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

सं० ए०-35013/1/79-प्रशासन-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री बी० एल० जोशी, भारतीय पुलिस सेवा (1971-राजस्थान) को दिनांक 17 नवम्बर, 1979 के पूर्वह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में स्थानापन्न पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

की० ला० ग्रांवर,
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

सहानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 28 नवम्बर 1979

सं० एफ०-2/38/78-स्थापना—इस महानिदेशालय की सम संख्यक अधिसूचना दिनांक 12/13-7-79 के क्रम में।

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 30 नवम्बर 1979

सं० ई०-32015(3)/4/77-कार्मिक—के० श्री० सु० ब० में पुनर्नियुक्ति से रिलीव होने पर श्री ए० के० नायर ने 31 अक्टूबर, 1979 के अपराह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट आई० एम० आर० ओ० थुम्बा के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013(3)/79-कार्मिक—सलेम को स्थानांतरित होने पर श्री पी० डेविड ने 31 अक्टूबर, 1979 के अपराह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट बी० पी० टी० विनाखापटनम के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013(3)/18/79-कार्मिक—बोकारो को, स्थानांतरित होने पर श्री एस० पी० मूलचंदानी ने 30 अक्टूबर 1979 के अपराह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट बी० आई० एल० भिलाई के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013(3)/18/79-कार्मिक—बोकारो से स्थानांतरित होने पर श्री ओ० पी० जैटली, सहायक कमांडेंट ने 28 सितम्बर, 1979 के पूर्वह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट बी० आई० एल० भिलाई के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013(3)/19/79-कार्मिक—दुर्गापुर से स्थानांतरित होने पर श्री एस० एम० सैनी ने 15 अक्टूबर, 1979 के पूर्वह्न से उप महानिरीक्षक (द० क्षेत्र) के अधीन प्रशिक्षण रिजर्व बल के सहायक कमांडेंट पद का, जिसका मुख्यालय थुम्बा में होगा, कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013(3)/19/79-कार्मिक—श्री एस० एम० सैनी ने प्रशिक्षण रिजर्व बल (द० क्षेत्र) के सहायक कमांडेंट के पद का, जिसका मुख्यालय थुम्बा में था, कार्यभार 31 अक्टूबर, 1979 के अपराह्न से छोड़ दिया और उन्होंने 1 नवम्बर, 1979 के पूर्वह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट आई० एम० आर० ओ० थुम्बा के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 3 नवम्बर 1979

सं० ई०-28099/1/78-कार्मिक—निवर्तन की आयु होने पर श्री जे० बी० भट्टाचार्य ने 30 अप्रैल, 1979 के अपराह्न से के० आर० सु० ब० यूनिट डी० एस० पी० दुर्गापुर के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013(2)/1/79-कार्मिक—देवास (म० प्र०) को स्थानांतरित होने पर श्री बी० के० भल्ला ने 24 सितम्बर, 1979 के अपराह्न से के० आर० सु० ब० यूनिट, एच० ई० सी० रांची के कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013(2)/1/79-कार्मिक—विशाखापटनम को स्थानांतरित होने पर श्री ए० के० सिंह ने 20 सितम्बर, 1979 के अपराह्न से के० आर० सु० ब० यूनिट बी० एस० एल० बोकारो के कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने 5 अक्टूबर, 1979 के पूर्वाह्न से के० आर० सु० ब० यूनिट बी० पी० टी० विशाखापटनम के कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013(3)/15/79-कार्मिक—राष्ट्रपति, श्री एम० शंकर नारायणन को तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं और श्री नारायणन ने 3 सितम्बर, 1979 के पूर्वाह्न से के० आर० सु० ब० यूनिट आई० डी० पी० एल० हैदराबाद के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

म० ई०-38013(3)/18/79-कार्मिक—भिलाई से स्थानांतरित होने पर श्री एस० पी० मूलचंदानी ने 8 नवम्बर, 1979 के पूर्वाह्न से के० आर० सु० ब० यूनिट बी० एस० एल० बोकारो के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

(ह०) अपठनीय

महानिरीक्षक/के० आर० सु० ब०

मुद्रण निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 30 नवम्बर 1979

सं० बी० (13)/प्रशा०-II—मुद्रण निदेशक ने श्री रामचन्द्रन वेंकटचलम, तकनीकी अधिकारी (फोटोलिथो) की 15 नवम्बर, 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक, भारत सरकार रिप्रो-ग्राफिक यूनिट, रक्षा सेवाएं स्टाफ कालिज, बैलिंगटन (नीलगिरी) में उप प्रबन्धक (फोटोलिथो) के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया है।

पी० बी० कुलकर्णी,

संयुक्त निदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर 1979

सं० के० 30 प्रशा० II मुद्रण निदेशालय श्री एम परीत कूजू, सहायक अभिलेखापाल (भारत का राष्ट्रीय अभिलेखागार) को 15-10-79 के अपराह्न से अगले आदेश होने तक रु० 650-30 740-35-810-द रो-35-880-40-1000 द रो -40-1200

के वेतनमान में भारत सरकार मुद्रणालय मिन्टो रोड नई दिल्ली में सहायक प्रबंधक प्रशासन के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया

मदन मोहन जोशी

उप निदेशक, प्रशासन

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 28 नवम्बर 1979

सं० बी०एन०पी०/सी०/5/79—इस कार्यालय की सम-सूचक अधिसूचना दिनांक 30-5-79 के क्रम में निम्नलिखित तदर्थ नियुक्तियों की अवधि उन्ही शर्तों पर दिनांक 1-9-79 से आगे उनके नाम के सम्मुख दर्शाई गई दिनांक तक बढ़ाई जाती है :-

क्र सं०	नाम	पद जिस पर तदर्थ आधार पर नियुक्ति (वास्तविक) हुई	दिनांक जब तक तदर्थ नियुक्ति बढ़ाई गई
1	2	3	4
	सर्वश्री		
1.	ए० एस० व्हटकर	तकनीकी अधिकारी (मुद्रण व प्लेट निर्माण)	7-10-79
2.	एम० पोन्नुराई	—यथा—	31-12-79
3.	डी० आर० कोंडावर	—यथा—	"
4.	व्हाय० जनार्दनराव	—यथा—	"
5.	रामपाल सिंह	—यथा—	"
6.	एन० आर० जयरामन	—यथा—	"
7.	समरेन्द्र दास	—यथा—	"
8.	एम० दत्ता	तकनीकी अधिकारी (अभिकल्पन एवं उत्कीर्णन)	"
9.	अरुण कुमार इंगले	तकनीकी अधिकारी (स्थाही कारखाना, अनु० एवं प्रयोग)	"
10.	जे० एन० गुप्ता	तकनीकी अधिकारी (स्थाही कारखाना उत्पा- दन)	"
		पी० एस० शिवराम, महा प्रबन्धक	

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

कार्यालय : निदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली, दिनांक 5 दिसम्बर 79

सं० प्रशा०-I/का० आ० 450/5-8/77-80/1677—निदेशक लेखापरीक्षा से मूल नियम 30(1) के 2 परन्तुक के अन्तर्गत इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों की लेखा अधिकारियों के पदक्रम में रु० 840-1200 के समय

वर्तमान में पूर्वव्यापी प्रभाव सहित 30 जुलाई 1979 (पूर्वाह्न)
से प्रोफार्मा पदोन्नति का आदेश दिया है:—

1. श्री डी० डी० भारद्वाज
2. श्री बनाराम शर्मा

सं० प्रशा०-I/का० आ० सं० 457/पी० एफ०/एम० सी० भटनागर/79-80/1704—भारत सरकार, गृह मंत्रालय के कार्यालय ज्ञापन सं० 25013/7/77-इस्ते (ए) दिनांक 26-8-77 के अनुसार 20 वर्ष से अधिक की ग्रहक सेवा पूरी करने के बाद 22 नवम्बर, 1979 (पूर्वाह्न) से इस कार्यालय के एक स्थानापन्न लेखापरीक्षा अधिकारी श्री एम० सी० भटनागर, भारत सरकार की सेवा में स्वेच्छापूर्वक सेवा निवृत्त हो गए हैं।

2. श्री भटनागर सरकारी सेवा में 4-6-47 को प्रविष्ट हुए और उनकी जन्म तिथि 30-9-30 है।

प्रशासन-I/का० आ० सं० 458/5-6/79-80/1711—निदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्व आगे आदेश होने तक इस कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री सी० एल० अग्रोरा को 3-11-79 पूर्वाह्न से स्थानापन्न रूप में लेखापरीक्षा अधिकारी के पद पर नियुक्त करने हैं। यह इस कार्यालय की अधिगूचना संख्या प्रशासन-1/का० आ० 361/5-6/पदोन्नति/79-80/1387 दिनांक 28-9-79 के आंशिक सुधार में जारी की जाती है।

सं० प्रशासन-I/का० आ० सं० 459/5-6/79-80/1713—वाधेक्य निवृत्ति की प्राप्ति प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप इस कार्यालय के स्थायी लेखापरीक्षा अधिकारी श्री कृपाल सिंह, भारत सरकार की सेवा में दिनांक 30 नवम्बर, 1979 के अपराह्न से सेवा निवृत्त हो गए हैं।

को० छिआया,
संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा
(प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय, केरल

तिरुवनन्तपुरम, दिनांक 23 नवम्बर 1979

सं० ए० 7/9-86/खण्ड 2/173—इस कार्यालय के नीचे बताये स्थानापन्न लेखा अधिकारियों (लेखा और लेखापरीक्षा) को प्रत्येक के नाम के सामने दर्शायी गयी तारीख से रु० 840-40 1000-६० री०-40-1200 के लेखा अधिकारियों के ग्रेड में मौलिक क्षमता में नियुक्त करने के लिए महालेखाकार केरल संतुष्ट हुए हैं।

1. श्री के० राधाकृष्णन मनोन—1-6-1979
2. श्री एम० के० शंकर नारायणन—1-10-1979
3. श्री बी० श्रीनिवासन पोर्टी—1-10-1979

डी० एम० अय्यर, वरिष्ठ उप-
महालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियन्त्रक

नई दिल्ली-22 दिनांक 28 नवम्बर 79

संख्या 44016 (i)/73/प्रशा०-I राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के निम्नलिखित अधिकारियों को (उनके नाम के समक्ष उल्लिखित प्रतिनियुक्तियों पर) उक्त सेवा के कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के प्रवर्णन ग्रेड (रूपरेखा 2000-125/2-2250) में आगामी आदेश पर्यन्त, तारीख 19 नवम्बर 1979 पूर्वाह्न से अनुक्रम नियम के अन्तर्गत स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए, तदर्थ आधार पर महर्ष नियुक्त करने हैं:—

क्रमिक	नाम	सम्प्रति दत्त कार्य
1	श्री बी० एम० जाफा	संयुक्त सचिव, वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग सिविल, नई दिल्ली।
2	श्री आर० कल्याणसुन्दरम	मुख्य वित्तीय नियंत्रक, हिन्दुस्तान एअरोनाटिक्स लिमिटेड, बंगलौर

आर० एल० बरुशी
रक्षा लेखा अपर महानियन्त्रक (प्रशासन)

वाणिज्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

मुख्य नियन्त्रक आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 नवम्बर 1979

आयात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण

(स्थापना)

सं० 6/587/59-प्रशासन (राज०)/8356—सेवा निवृत्ति की प्राप्ति होने पर श्री पी० के० सेन ने 31 अक्तूबर, 1979 के अपराह्न से गांधीधाम में नियंत्रक, आयात-निर्यात के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० 6/395/56-प्रशासन (राज०)/8363—सेवा निवृत्ति की प्राप्ति होने पर, श्री सी० एल० शाटपाडे ने 31 अक्तूबर, 1979 के अपराह्न से संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई में नियंत्रक, आयात-निर्यात के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 28 नवम्बर 1979

सं० 6/1325/79-प्रशा० (राज०)/8369—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय आगुलिफिड सेवा के स्थायी वर्ग "ग" के अधिकारी श्री एम० एम० लाल को 15-11-1979 (दोपहर पूर्व) से 31 दिसम्बर, 1979 तक या जब तक इस पद को नियमित रूप में नहीं भरा जाता, इनमें से जो भी पहले हो, उस तक के लिए बिल्कुल अस्थायी आधार पर मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में उसी सेवा के वर्ग "ख" में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

दिनांक 29 नवम्बर 1979

सं० 6/1281/79-प्रशासन (राज०)/ 8382—मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, श्री अनिल कुमार तनेजा अन्वेषक ग्रेड-I, धर्म मंत्रालय, नई दिल्ली को 30 अक्तूबर, 1979 के दोपहर पूर्व में अगला आदेश होने तक संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, बम्बई के कार्यालय में नियंत्रक, आयात-निर्यात (श्रेणी "ख") के रूप में स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

2. श्री तनेजा, नियंत्रक के रूप में 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रूप में वेतनमान में वेतन प्राप्त करेंगे।

सी० एन० आर्य
उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 3 दिसम्बर 1979

सं० ए-19018(417)/79-प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपति, श्री एन० के० मिह को लघु उद्योग शाखा संस्थान, राउरकेला में दिनांक 19 सितम्बर, 1979 (पूर्वाह्न) में अगले आदेशों तक के लिए सहायक निदेशक, ग्रेड-I (धातु कर्म) नियुक्त करते हैं।

महेन्द्रपाल गुप्त
उपनिदेशक (प्रशा०)

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 23 नवम्बर 1979

सं० सी० एल० बी० 1/1/6-जी/77—स्ती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1948 के खंड 3-I में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय सरकार की पूर्वस्वीकृति से मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० सी० एल० बी० 1/1/6-जी/77 दिनांक 13 जनवरी 1972 में निम्नलिखित संशोधन करता हूँ, अर्थात् —

उक्त अधिसूचना में संलग्न सारणी में क्र० सं० 12(6) के सामने स्तंभ 2 में विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

“महा-प्रबंधक-गण, जिला उद्योग केन्द्र/वर्गिष्ठ जिला उद्योग अधिकारी-गण/जिला उद्योग अधिकारी-गण/ जिलों के कार्य-भारी योजना अधिकारी-गण (उद्योग)”

सं० 18(1)/77/सी० एल० बी० II—वस्त्र (शक्तिचालित कार्यों द्वारा उत्पादन) नियंत्रण आदेश, 1956 के खंड II में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० 15(2)/67-सी० एल० बी०

11/वी दिना० 13 जनवरी 1972 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूँ, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में संलग्न सारणी में क्रम संख्या 12(5) के सामने स्तंभ 2 में विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी :—

“महा-प्रबंधक-गण, जिला उद्योग केन्द्र/वर्गिष्ठ जिला उद्योग अधिकारी-गण/जिला उद्योग अधिकारी-गण/जिलों के कार्यभारी योजना अधिकारी-गण (उद्योग)”

भ० वा० चेंबुरकर
संयुक्त वस्त्र आयुक्त

पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन-शाखा-)

नई दिल्ली-1 दिनांक 30 नवम्बर 1979

सं० प्र०-1/1(1146)—राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी श्री के० एल० चोपड़ा को दिनांक 13-11-79 (पूर्वाह्न) में इसी महानिदेशालय नई दिल्ली में सहायक निदेशक (बित्री कर) (ग्रेड-1) के पद पर तदर्थ प्रतिनियुक्ति के आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

कृष्ण किशोर,
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

(प्रशासन अनुभाग-8)

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1979

सं० ए०-17011/158-78 प्र०-6—राष्ट्रपति, श्री ए० के० महरोत्रा को दिनांक 24-10-79 के पूर्वाह्न में श्री आगामी आदेशों तक निरीक्षण (इंजी०) (भारतीय निरीक्षण सेवा, ग्रुप ए इंजीनियरी शाखा के ग्रेड III) के रूप में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री महरोत्रा ने दिनांक 24-10-79 के पूर्वाह्न में निरीक्षण निदेशालय, उत्तरी निरीक्षण मंडल नई दिल्ली के अधीन उप निदेशक निरीक्षण कानपुर के कार्यालय में निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) का पदभार सम्भाल लिया।

दिनांक 23 नवम्बर 1979

सं० प्र-6/247(578)/67—इस महानिदेशालय के अधीन निरीक्षण निदेशक, बम्बई के कार्यालय में स्थानापन्न सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) श्री मदन लाल ने दिनांक 22 अक्तूबर 1979 के अपराह्न से सरकारी सेवा से त्यागपत्र दे दिया है।

पी० डी० सेठ
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

नई दिल्ली, दिनांक 27 नवम्बर 1979

सं० प्र-6/247(388)—राष्ट्रपति ने निर्णय किया है कि श्री एम० सी० आनन्द, जिनकी पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में उप निदेशक निरीक्षण (इंजी०) भारतीय निरीक्षण सेवा (श्रेणी I) ग्रुप ए के ग्रेड II में पदोन्नति दिनांक 16-9-74 को हुई थी अब उस पदोन्नति की वास्तविक तारीख 16-9-1971 (पूर्वाह्न) होगी।

पी० डी० मेठ
उप निदेशक (प्रशासन)

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

महामर्षेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 4 दिसम्बर 1979

सं० स्थान 5576/881-अधिकारी—डाक्टर अनिल कुमार रमनोगी, एम० बी० बी० एस०, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, औपधातय देहरादून में, डाक्टर ए० एन० चटर्जी जो दिनांक 30-6-1979 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हो गए हैं, के स्थान पर दिनांक 22-10-1979 से 19-1-1980 (अपराह्न) तक केवल 90 दिन तक की अवधि के लिए पूर्णतया अस्थायी आधार पर, कुल मिलाकर 1155/- रु० प्रतिमाह पर, चिकित्सा अधिकारी सा० मि० सेवा ग्रुप 'बी' में प्रथमतः नियुक्त किए जाते हैं।

प्राधिकारः—स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय का पत्र सं० ए०-12034/20/79-के० स्वास्थ्य सेवाएं—दिनांक 8-8-1979।

के० एल० खोसला
मेजर जनरल
भारत के महामर्षेक्षक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 26 नवम्बर 1979

सं० ए०-24013/11/79-सिबन्दी-I—फिल्म प्रभाग के मुख्य निर्माता ने, फिल्म प्रभाग नागपुर के स्थानापन्न विक्रेता कु० एस० सेन को दिनांक 24-9-79 के पूर्वाह्न से, श्री आर० पी० शर्मा छुट्टी पर जाने के बजह समान कार्यालय में शाखा प्रबन्धक के पद पर नियुक्त किया है।

नरेन्द्र नाथ शर्मा
सहायक प्रशासकीय अधिकारी
कृते मुख्य निर्याता

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 नवम्बर 1979

सं० ए० 19012/4/71-प्र० (रा०)—विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक श्री अमल मुखर्जी को जो इस निदेशालय में स्थायी प्रदर्शनी सहायक हैं कलकत्ता स्थित क्षेत्रीय प्रदर्शनी कार्यालय

(परिवार कल्याण) में 9-10-79 (पूर्वाह्न) से तदर्थ आधार पर श्री डी० सी० राय क्षेत्रीय प्रदर्शनी अधिकारी (प० क०) (छुट्टी पर है) के स्थान पर स्थानापन्न रूप से क्षेत्रीय प्रदर्शनी अधिकारी नियुक्त करते हैं।

जनक राज लिखी
उप निदेशक (प्रशासन)

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 नवम्बर 1979

सं० ए० 19020/22/77-प्रशासन-2—केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में अपनी बदली हो जाने के फलस्वरूप डा० नरेन्द्र कुमार वर्मा ने 30 जून, 1979 के अपराह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना के अधीन दन्त चिकित्सक के पद का कार्यभार तदर्थ आधार पर संभाल लिया है।

केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना के अधीन दन्त चिकित्सक के पद पर अपनी नियुक्ति हो जाने पर डा० नरेन्द्र कुमार वर्मा ने 30 जून, 1979 के अपराह्न से सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली में दन्त चिकित्सक के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए० 12026/22/79-(जे० आई० पी०)/प्रशासन-I—राष्ट्रपति ने जवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पाण्डिचेरी में अंग्रेजी की लेक्चरर कुमारी ए० पी० सारदा को कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग के 26 अगस्त, 1977 के कार्यालय आदेश संख्या 25013/7/77-स्थापना (ए) में उल्लिखित व्यवस्था के अन्तर्गत 3 अक्टूबर, 1979 के अपराह्न से सरकारी सेवा से स्वैच्छिक आधार पर रिटायर होने की आज्ञा दे दी है।

दिनांक 27 नवम्बर 1979

सं० ए० 12025/5/79 (ए० आई० आई० एच० पी० एच०) प्रशासन-I—राष्ट्रपति ने अखिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान एवं जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता में सफाई इंजीनियरिंग (डिजाइन) के सहायक प्रोफेसर श्री कुमार ज्योति नाथ को 30 अक्टूबर 1979 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी संस्थान में पर्यावरण स्वच्छता के प्रोफेसर के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 29 नवम्बर 1979

सं० ए० 12026/26/78 (जे० आई० पी०) प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने जवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पाण्डिचेरी की सहायक नर्सिंग अधीक्षक, श्रीमती ए० चैटर्जी को 29 सितम्बर, 1979 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी संस्थान में उप नर्सिंग अधीक्षक के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 12026/28/78-(एस० डी०) प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने, भारत के सीरम विज्ञानी और

रासायनिक परीक्षक, कलकत्ता के वरिष्ठ तकनीकी सहायक डा० एस० राम गुप्ता को 2 नवम्बर, 1979 पूर्वाह्न में आगामी आदेशों तक उसी संस्थान में इम्प्यूनो-कैमिस्ट के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 19019/14/78-(एच० क्यू०) प्रशासन-I—अपनी पुनर्नियुक्ति की अवधि पूरी हो जाने पर एयर कमांडर पी० धर्मराज ने 14 अक्टूबर, 1979 अपराह्न में स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली में मिजिल डिफेंस के निदेशक (चिकित्सा) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए० 19020/18/77(सी० आर० आई०) प्रशासन-I—राष्ट्रीय क्षयरोग संस्थान, बंगलौर में पशु चिकित्सक के पद पर नियुक्त हो जाने के फलस्वरूप श्री के० एन० टंडन ने 28 सितम्बर, 1979 अपराह्न को केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान, कसौली से पशु (वेटेरीनरी) सहायक सर्जन के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

दिनांक 30 नवम्बर 1979

सं० ए० 31014/3/79-(एच० क्यू०)/प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्रीमती इंदिरा सक्सेना को 29 जून, 1976 से केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी (शिक्षक प्रशिक्षण) के स्थाई पद पर स्थाई आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 3 दिसम्बर 1979

सं० ए० 11013/2/78-(एच० क्यू०)/प्रशासन-I—राष्ट्रपति ने स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो में सहायक सम्पादक (अंग्रेजी एवं हिन्दी) श्री एन० जी० श्रीवास्तव को 25 अक्टूबर, 1979 अपराह्न में आगामी आदेशों तक उसी ब्यूरो में संपादक (हिन्दी) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 5 दिसम्बर 1979

सं० ए० 12026/34/77-(मुख्या०) प्रशासन—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने राष्ट्रीय मेडिकल लाइब्रेरी, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली की लाइब्रेरीयन ग्रेड II, श्रीमती कृष्णा बसरा को 7 नवम्बर, 1979 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी लाइब्रेरी में लाइब्रेरीयन ग्रेड-I के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

शाम लाल कुठियाणा
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 29 नवम्बर 1979

सं० ए० 12026/22/78-भण्डार-I—राष्ट्रपति, श्री सी० विट्टोबा को सरकारी चिकित्सा सामग्री भण्डार डीपो मद्रास में 27 अक्टूबर 1979 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उप

सहायक महानिदेशक (चिकित्सा सामग्री भण्डार) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

शिवश्याल
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 4 दिसम्बर 1979

सं० ए० 19019/6/79-के० स० स्वा० यो-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० (श्रीमती) जे० मुजाया को 12 मार्च, 1979 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में फिजिशियन के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

एन० एन० घोष
अवर सचिव

भारतीय डाक तार विभाग

डाक तार महानिदेशक का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 नवम्बर 1979

सं० 25-1/79-एल० आई०—निम्नांकित डाक जीवन बीमा पालिसियां विभाग के संरक्षण में गुम हो गई हैं। यह सूचित किया जाता है कि उक्त पालिसियों का भुगतान रोक दिया गया है। निदेशक डाक जीवन बीमा कलकत्ता को बीमेदारों के नाम पालिसियों की दूसरी प्रति जारी करने के लिए प्राधिकृत कर दिया गया है। जनता को सावधान किया जाता है कि मूल पालिसियों के संबंध में वे कोई लेन देन न करें :—

क्रमांक	पालिसी नं०	बीमेदार का नाम	राशि
1. एल-99207 दिनांक 15-2-78	2754960 एल० एन० के० मासती जादव	रु० 5,000/-	
2. एल-43369 दिनांक 1-12-75	1565867 मपर० गुरुदेव सिंह	रु० 5,000/-	
3. एल-80288 दिनांक 11-7-77	1276473 गनर हरिबंस मिश्रा	रु० 5,000/-	
4. एल-54663 " 28-2-76	1454098 मपर० केदार सिंह	रु० 5,000/-	
5. एल-37416 " 31-1-76	6291416 हव० बी० विश्वनाथन	रु० 5,000/-	
6. एल-96277 " 1-6-77	सि प०/एन० ए० रामनाथ प्रसाद	रु० 5,000/-	
7. एल-22099 " 30-11-75	एन० के० राम व्यास पाण्डे	रु० 5,000/-	

सु० च० जैन
निदेशक (डाक जीवन बीमा)

ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्रालय

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 3 दिसम्बर 1979

सं० ए० 19025/14/79-प्र० III—विभागीय पदोन्नति समिति की संस्तुतियों के अनुसार श्री एम० डी० गायकवाड, बरिष्ठ निरीक्षक को इस निदेशालय में नागपुर में तारीख 26-9-79 (अपराह्न) से अगले आदेशों तक स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग III) नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 19025/15/79-प्र० III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री भोजराज देवराव शेरकार को इस निदेशालय में नागपुर में तारीख 16-10-79 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग-I) के रूप में नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 19025/16/79-प्र० III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री तपन कुमार घोष को इस निदेशालय में कलकत्ता में तारीख 31-10-79 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप में सहायक विपणन (वर्ग-I) नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 19025/18/79-प्र० III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री ब्रह्म देव शर्मा को इस निदेशालय में बम्बई में तारीख 24-11-79 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग II) नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 19025/20/79-प्र० III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री कृष्ण वीर सिंह पुन्डीर को इस निदेशालय में नई दिल्ली में तारीख 12-10-1979 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग I) के रूप में नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 19025/21/79-प्र० III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री अर्जुन कुमार सिंह को तारीख 18-10-1979 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक इस निदेशालय में नई दिल्ली में स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग II) के रूप में नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 19025/22/79-प्र० III—श्री धर्म राज किशोर सिंह, बरिष्ठ निरीक्षक को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय, फरीदाबाद में दिनांक 16-11-1979 (पूर्वाह्न) से 31-12-1979 तक या जब तक कोई नियमित व्यवस्था होती है, जो भी पहले हो, हो, अल्पकालीन आधार पर स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग I) नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 19025/23/79-प्र० III—श्री अभिमन्यू विश्वकर्मा, बरिष्ठ निरीक्षक को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय, फरीदाबाद में दिनांक 16-11-1979 (पूर्वाह्न)

से 31-12-1979 तक या जब तक कोई नियमित व्यवस्था होती है, जो भी पहले हो, अल्पकालीन आधार पर स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग I) नियुक्त किया गया है।

दिनांक 4 दिसम्बर 1979

सं० ए० 39013/1/79-प्र० II—इस निदेशालय में श्री अमल कुमार दास, सहायक विपणन अधिकारी द्वारा दिए गए त्याग पत्र की स्वीकृति के बाद तारीख 29-10-1979 (अपराह्न) से उन्हें उनके कार्यभार से मद्रास में मुक्त किया गया है।

वी० एल० मनिहार

निदेशक प्रशासन,

कृषि विपणन मन्त्रालय

परमाणु ऊर्जा विभाग

नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना

नरौरा, दिनांक 28 नवम्बर 1979

सं० न० प० वि० प०/प्रशा०/1(163)/79-एस०/13145—नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना अभियन्ता विद्युत परियोजना अभियन्त्रण प्रभाग के स्थायी सहायक फोरमैन, श्री पी० पी० सोनी, जो वर्तमान में नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना में स्थानापन्न फोरमैन के पद पर कार्यरत हैं, को इसी परियोजना में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० के पद पर दिनांक 1-8-1979 के पूर्वाह्न से अग्रिम आदेशों तक के लिए स्थानापन्न रूप में नियुक्त करने हैं।

सं० न० प० वि० प०/प्रशा०/1(165)/79-एस०/13161—नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना अभियन्ता, विद्युत परियोजना अभियन्त्रण प्रभाग के, केन्द्रीय समूह के स्थायी ड्राफ्ट्समैन 'बी०' श्री एच० के० करबल, जो वर्तमान में नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना में स्थानापन्न ड्राफ्ट्समैन 'सी०' के पद पर कार्यरत हैं, को नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० के पद पर दिनांक 1-8-1979 के पूर्वाह्न से स्थानापन्न रूप में अग्रिम आदेशों तक के लिए नियुक्त करते हैं।

एस० कृष्णन

प्रशासन अधिकारी

कृषि मुख्य परियोजना अभियन्ता

परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500016, दिनांक 27 नवम्बर, 1979

सं० प० ख० प्र०-1/8/79-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक, डा० बी० के० वालाजी वैज्ञानिक सहायक 'ए०' को परमाणु खनिज प्रभाग में 1 अगस्त, 1979 की पूर्वाह्न से लेकर अगले आदेश होने तक

अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड एम० बी० नियुक्त करते हैं।

एम० एम० राव,
वरिष्ठ प्रणामन एवं लेखा अधिकारी

भारी पानी परियोजना

बम्बई-400008, दिनांक 28 नवम्बर 1979

सं० 05052/79/6569—भारी पानी परियोजना के विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री प्रमोदा कुमार पण्डा, भारी पानी-परियोजना (तलचर) के अस्थायी वैज्ञानिक सहायक 'सी' को उसी परियोजना में एक अगस्त पूर्वाह्न, 1979 से आगे आदेश होने तक के लिए स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता (ग्रेड एम० बी०) नियुक्त करते हैं।

सं० 05052/79/6570—भारी पानी परियोजना के, विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री सतीश रमिकलाल देसाई, भारी पानी-परियोजना (तलचर) के अस्थायी फार्मैन को उसी परियोजना में एक अगस्त, 1979 (पूर्वाह्न) से आगे आदेश होने तक के लिए स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी अभियन्ता (ग्रेड एम० बी०) नियुक्त करते हैं।

सं० 05052/79/6571—भारी पानी परियोजना के, विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री गुंडेमुडीगोपाल कृष्णमूर्ति, भारी पानी-परियोजना (तलचर) के अस्थायी पर्यवेक्षक (वास्तु) को उसी परियोजना में एक अगस्त पूर्वाह्न, 1979 से आगे आदेश होने तक के लिए स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता (ग्रेड एम० बी०) नियुक्त करते हैं।

आर० सी० कोटियनकर,
प्रणामन अधिकारी,

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 14 नवम्बर 1979

सं० ए० 32013/7/78-ई०-I—इस विभाग की दिनांक 24-11-1978 की अधिसूचना संख्या ए० 32013/7/78-ई० I के क्रम में राष्ट्रपति जी ने श्री एम० सी० मजुमदार, उपनिदेशक को दिनांक 30-8-1979 के बाद 31-12-1979 तक या पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इसमें से जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर निदेशक, रेडियो निर्माण एवं विकास एकक के रूप में नियुक्त किया है।

सी० के० वत्स,
सहायक निदेशक प्रणामन

समाहर्तलिय केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नागपुर-440001, दिनांक 28 नवम्बर 1979

सं० 5/79—इस समाहर्ता क्षेत्र के अमरावती प्रभाग में तैनात सहायक समाहर्ता श्री एन० एम० मेहता, सेवानिवृत्ती 2-37631/79

की प्राप्ति प्राप्त करने पर दिनांक 30-9-79 को अपराह्न में सेवानिवृत्त हो गये हैं।

के० शंकररामन,
समाहर्ता

निर्माण महानिदेशालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 24 नवम्बर 1979

सं० 33/10/78-ई० सी०-9—राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित श्री डी० डी० बाकडे को वास्तु-विद् के ताने अस्थायी पद पर रुपये 1100/- प्रतिमाह वेतन पर रुपये 1100-50-1600 के वेतनमान में सामान्य नियमों एवं शर्तों के अन्तर्गत दिनांक 16-10-1979 से सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री बाकडे को उनकी नियुक्ति की तिथि से 2 वर्ष की परीक्षा अवधि पर वास्तुविद् के ताने रखा गया है।

सं० 33/12/77-ई० सं०-9—निर्माण महानिदेशक, के० लो० नि० वि०, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित श्री हरमण चन्द्र को सहायक वास्तुविद् के ताने अस्थायी पद पर रुपये 650/- प्रतिमाह वेतन पर रुपये 650-30-740-35 810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में सामान्य नियमों एवं शर्तों के अन्तर्गत दिनांक 7-11-1979 से सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. उपर्युक्त अनुसार उनको सहायक वास्तुविद् के ताने उनका नियुक्ति के दिन से 2 वर्ष का अवधि के लिए परावर्तित पर रखा गया है।

3. उनका तैनात वरिष्ठ वास्तुविद् (न० दि० प्रवर्ग)-4 एकक, के० लो० नि० वि०, नई दिल्ली में का जाता है।

दिनांक 30 नवम्बर 1979

सं० 27/10/70-ई० सी०-9—इस विभाग के स्थानापन्न श्री चांद नारायण एम० शर्मा, वास्तुविद्, वार्धक्य की आयु प्राप्त करने पर सरकार सेवा में दिनांक 30 नवम्बर 1979 (अपराह्न) को सेवानिवृत्त हो गए।

हर्ष देव मिहता,
प्रणामन उप-निदेशक

मध्य रेलवे

महाप्रबन्धक का कार्यालय

बम्बई वी० टी०, दिनांक 27 नवम्बर 1979

सं० एच० पी० बी०/220/जा०/11/एन०—निम्नलिखित सहायक सिग्नल एवं दूर संचार इंजिनियरों (श्रेणी II) को

उनके नाम के सामने दिखायी गयी तारीख से उसी पद में स्थायी किया जाता है।

नाम	श्रेणी दो की सेवा में स्थायीकरण की तारीख
(1) श्री ए० के० सेत गुप्ता	5-5-1976
(2) श्री ए० काडोमो	26-10-1976
(3) श्री टी० एन० राव	17-11-1976

कुण्डल चन्द,
महाप्रबन्धक

उत्तर रेलवे

प्रधान कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 3 दिसम्बर 1979

सं० 17--श्री के० चित्र तथा श्री आर० खोमला, इण्डियन रेलवे सर्विस मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के अधिकारियों ने रेल सेवा में दिनांक 31-5-1979 अर्पणपत्र में दिया गया त्याग पत्र रेल मंत्रालय ने स्वीकार कर लिया है।

आर० के० नटेमन,
महाप्रबन्धक

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनी लॉ बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और फिल्टरोडम प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 27 नवम्बर, 1979

सं० 1941/560/79--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवमान पर फिल्टरोडम प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कारडोड मिल्वर प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 27 नवम्बर 1979

सं० 1940/560/79--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा

यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवमान पर कारडोड मिल्वर प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

पी० टी० गजबानी,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,
कनटिक

मैमर्स अकाल कारपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में, कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445(2) के अन्तर्गत नोटिस।

नई दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर 1979

सं० 3128-13365--माननीय उच्च न्यायालय दिल्ली के दिनांक 28-5-1976 के आदेश से मैमर्स अकाल कारपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड का परिष्कारित होना, आदेशित हुआ है।

सं० आर० मेहता,
कम्पनी रजिस्ट्रार,
दिल्ली एवं हरियाणा

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मैमर्स ओरीएन्ट इनस्युलेन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

वम्बई, दिनांक 26 नवम्बर 1979

सं० 12196/560(3)--कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवमान पर मैमर्स ओरीएन्ट इनस्युलेन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

बी० एल० मीना,
कम्पनियों का अनिर्विक्त रजिस्ट्रार
महाराष्ट्र

संगठन और प्रबन्ध सेवा निदेशालय
(आय-कर)

नई दिल्ली-110002, दिनांक 24 नवम्बर 1979

सं० 36/40/76-प्रशा०/डी० ओ० एम० एम०/पा० ई०-1000--संगठन और प्रबन्ध सेवा निदेशालय (आय-कर), नई दिल्ली के स्थाई अधीक्षक श्री पी० एम० जैन ने, तदर्थ पदोन्नति पर दिनांक 17 नवम्बर, 1979 पुरातन से संगठन और प्रबन्ध सेवा निदेशालय आय-कर, नई दिल्ली में अपर-महायक निदेशक के पद का कार्यभार सम्भाल लिया है।

ए० सं० जैन,
निदेशक

आय-कर अपील अधिकरण

बम्बई-4 0020, दिनांक 22 नवम्बर 1979

सं० एफ० 48-ए० डी० (ए० टी०) 79—1. श्री वार्ड० बाल सुब्रमनियम, अध्यक्ष, आय-कर अपील अधिकरण, बम्बई, जिन्हें आय-कर अपील अधिकरण बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में तदर्थ आधार पर अस्थायी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर स्थानापन्न रूप से तीन महीने के लिए अर्थात् दिनांक 1-6-1979 से 31-8-1979 तक कार्य करते रहने का अनुमति प्रदान का गया था, देखिये, इस कार्यालय दिनांक 25-7-1979 को अधिसूचना क्रमांक एफ० 48-ए० डी० (ए० टी०)/79, को अब उसी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर, आय-कर अपील अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में और तीन महीने के लिए अर्थात् दिनांक 1-9-1979 से 30-11-1979 तक या तबतक जबतक कि उक्त पद हेतु नियमित नियुक्ति नहीं हो जाती, जो भा. शा.घ्नतर हो, कार्य करते रहने का अनुमति प्रदान की जाती है।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थ आधार पर है और यह श्री वार्ड० बालसुब्रमनियम को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा नहीं प्रदान करेगा और उनके द्वारा तदर्थ आधार पर प्रदत्त सेवाएं न तो बरीयता के अभिप्राय से उस श्रेणी में परिगणित का जायेंगे और न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोन्नत किये जाने की पात्रता ही प्रदान करेगा।

2. श्री एम० बा० नारायणन, वरिष्ठ आणुलिपिक आय-कर अपील अधिकरण, हैदराबाद न्यायपीठ, हैदराबाद, जिन्हें तदर्थ आधार पर अस्थायी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर आय-कर अपील अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में तीन महीने के लिए अर्थात् दिनांक 1-6-1979 से 31-8-1979 तक स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने का अनुमति प्रदान का गया था, देखिये, इस कार्यालय के दिनांक 25-7-1979 का अधिसूचना क्रमांक एफ० 48-ए० डी० (ए० टी०)/79, को अब उसी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर आय-कर अपील अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में और तीन महीने के लिए अर्थात् दिनांक 1-9-79 से 30-11-1979 तक या तबतक जबतक कि उक्त पद हेतु नियमित नियुक्ति नहीं हो जाती, जो भा. शा.घ्नतर हो, कार्य करते रहने का अनुमति प्रदान की जाती है।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थ आधार पर है और यह श्री एम० बा० नारायणन को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा नहीं प्रदान करेगा और उनके द्वारा तदर्थ आधार पर प्रदत्त सेवाएं न तो बरीयता के अभिप्राय से उस श्रेणी में परिगणित का जायेंगे और न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोन्नत किये जाने की पात्रता ही प्रदान करेगा।

3. श्री निरंजन दाम, स्थानापन्न सहायक अध्याक्ष, आय-कर अपील अधिकरण, दिल्ली न्यायपीठ, दिल्ली, जिन्हें तदर्थ आधार पर सहायक पंजीकार के पद पर आय-कर अपील अधिकरण, अमृतसर न्यायपीठ, अमृतसर में तीन महीने के लिए अर्थात् दिनांक 1-6-1979 से 31-8-1979 तक

स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने का अनुमति प्रदान की गयी थी। देखिये, इस कार्यालय के दिनांक 25-7-1979 को अधिसूचना क्रमांक एफ० 48-ए० डी० (ए० टी०)/79, को अब उसी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर आय-कर अपील अधिकरण, अमृतसर न्यायपीठ, अमृतसर में और तीन महीने के लिए अर्थात् दिनांक 1-9-1979 से 30-11-1979 तक या तबतक जबतक कि उक्त पद हेतु नियमित नियुक्ति नहीं हो जाती, जो भा. शा.घ्नतर हो, कार्य करते रहने का अनुमति प्रदान की जाती है।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थ आधार पर है और यह श्री निरंजन दाम को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा नहीं प्रदान करेगा और उनके द्वारा तदर्थ आधार पर प्रदत्त सेवाएं न तो बरीयता के अभिप्राय से उस श्रेणी में परिगणित का जायेंगे और न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोन्नत किये जाने की पात्रता ही प्रदान करेगा।

4. श्री एम० के० दलवी, जो आय-कर अपील अधिकरण के उत्तरी क्षेत्र नई दिल्ली के उपाध्यक्ष के वैयक्तिक सहायक हैं और जिन्हें तदर्थ आधार पर सहायक पंजीकार के पद पर आय-कर अपील अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में तीन महीने के लिए अर्थात् दिनांक 1-6-1979 से 31-8-1979 तक स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने का अनुमति प्रदान का गया था, देखिये, इस कार्यालय के दिनांक 25-7-1979 को अधिसूचना क्रमांक एफ० 48-ए० डी० (ए० टी०)/79, को अब उसी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर आय-कर अपील अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में दिनांक 1-9-1979 से 18-10-1979 (अपराह्न) तक कार्य करते रहने का अनुमति प्रदान की जाती है।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थ आधार पर है और यह श्री एम० के० दलवी को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा नहीं प्रदान करेगा और उनके द्वारा तदर्थ आधार पर प्रदत्त सेवाएं न तो बरीयता के अभिप्राय से उस श्रेणी में परिगणित का जायेंगे और न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोन्नत किये जाने की पात्रता ही प्रदान करेगी।

दिनांक 27 नवम्बर, 1979

सं० एफ० 48-ए० डी० (ए० टी०)/79—श्री ए० रामचंद्रन, सहायक अध्याक्ष, आय-कर अपील अधिकरण, मद्रास न्यायपीठ, मद्रास को नियमित आधार पर (प्रोन्नति यथांश में) उसी न्यायपीठ में सहायक पंजीकार के पद पर रु० 650-30-740-35-810-द० री०-35-880-40-1000-द० री०-40-1200 के वेतनमान पर दिनांक 17-11-1979 (अपराह्न) से अगले आदेश तक स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

श्री ए० रामचंद्रन दिनांक 17-11-1979 (अपराह्न) से दो वर्षों के लिए परीक्षाधीन रहेंगे।

डा० रंगास्वामी,
अध्यक्ष

प्ररूप आई० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 5 दिसम्बर, 1979

निर्देश सं० बी० जी० आर०/डी० एल० आई०/37/78-79—प्रतः मुझे, जी० एस० गोपाल, निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त, अर्जुन रंज, रोहतक।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० सम्पत्ति जो कि "होली डे इन" के नाम से कहलाती है तथा सहायक कुटीर जो कि ब्लाक 'ए' सैक्टर-11, फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहली में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1979।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. मैमर्स डी० एल० एफ० युनाईटेड लिमिटेड, 21-22 नरेन्द्रा प्लेस, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. दि ऑरियण्टल फायर एण्ड जनरल इन्सुरेंस कम्पनी लिमिटेड, ए-25/27, आसफ अली रोड, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किनो अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जो कि "होली डे इन" तथा सहायक कुटीर जो कि ब्लाक 1 ए, सैक्टर 11, फरीदाबाद में स्थित है तथा जैसा कि और अधिक रजिस्ट्रीकर्ता देहली के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 146 दिनांक 28-3-1979 में उल्लेख किया गया है।

जी० एस० गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, रोहतक

तारीख : 5-12-1979

मोहर :

धरूप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ दिनांक 16 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० बी-42/अर्जन—अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि सदावर ममानि निम्नका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान मय जमीन तथा जो चौक नजीबाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नजीबाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-6-79

को पूर्णतः संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घटारित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और घटारक (घटारकों) और घटारिती (घटारितियों) के बीच ऐसे घटारण के लिए तयपाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घटारण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) घटारण से हुई संपत्ति का बाजार, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के घटारक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धारा या किसी धन या अन्य धारा में को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घटारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री जितेंद्र कुमार (अन्तरक)

2. श्रीमती विमला देवी (अन्तरिती)

3. (1) किरायेदारान व विक्रेता 1. अनिल कुमार वर्मा, 2. महेंद्र कुमार वर्मा, 3. रफीक अहमद, 4. मनेजर गांधी आश्रम, 5. मो० इस्माइल, 6. गेन्दाराम। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के घटार व लिए कार्यवाहिया करना हूँ।

उक्त संपत्ति के घटार के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त सदावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान मय इमारत दूकानें व भूमि स्थित बाजार चौक नजीबाबाद व संपत्ति का वह सब विवरण जो सेलडीड व फार्म 37 जी संख्या 1037/79 में वर्णित है जो कि सब रजिस्ट्रार नजीबाबाद के कार्यालय में दिनांक 27-6-1979 को पंजीकृत हो चुके हैं।

अमर सिंह बिसेन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 16-11-1979

मोहर:

प्रकाश पाई. टी. एन. एम.—

भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायुक्त, महाराष्ट्र आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बंगलूर, दिनांक 15 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० 62/23341/79-80/एक्वी० B—यतः मुझे,
पि० रंगनाथन्

भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इनमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-अ के अधीन समय प्राधिकारी को, वह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० 151, 4th क्रॉस, केम्ब्रिज ले आउट तथा
जी, केम्ब्रिज लेन उत्तर, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, शिवाजी नगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता०
5-3-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती
(प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है --

(क) प्रन्तरण से हुई किसी धार का बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
भार/मा

जहाँ: एका किसी धार या किसी धन या धन्य प्राप्ति
को, जिन्हें भारतीय भाष्यकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनन्तर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किंचा
जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के प्रन्तरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्बाद:—

- (1) श्रीमती पापामल पत्नी श्री एम० शाम,
(2) श्री एम० लंगनाथन, (3) श्री एम० चंद्रा
शेखर, (4) श्री एम० नटराजन, सभी पुत्र (स्वर्गीय)
श्री एम० शाम सं० 151, 44 क्रॉस, केम्ब्रिज लेन,
सोमेश्वरापुरा, अलभूर, बंगलूर-8। (अन्तरक)
- (1) श्री जयम गोविंदराय (2) श्री जे० रामा-
चंद्रा, पुत्र (स्वर्गीय) श्री पेरुमन्तय्या, निवासी सं०
20, नन्दनबेनेम जी, स्ट्रीट क्रॉस, अलभूर-बंगलूर-8।
(अन्तरिती)

- (1) वरधीम
(2) रमेश
(3) वामुदेव
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

- (1) श्री कनकाकरन
(2) एन० वी० रंगनाथन (वह व्यक्ति, जिसके
बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रबधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की प्रबधि, जो भी प्रबधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम
के प्रधाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ
होगा जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज 3356 / 78-79 ता० 5-3-79)

No. 151, 4th Cross, Cambridge Layout, now called as Somes-
warapuram, Ulsoor, Bangalore-8.

चक्रवर्ती :

पू० : रोड

प० : खाली जगह का सं० 142

उ० : खाली जगह का सं० 150 और

द० : खाली जगह का सं० 152।

पि० रंगनाथन,

सक्षम प्राधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 15-9-79

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, जयपुर

बंगलूर, दिनांक 4 अक्तूबर, 1979

निर्देश सं० 62/23319/79-80—/एक्वी० B—

यतः मुझे, पि० रंगनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1029/26, है, तथा जो Ist मेन IV, ब्लॉक राजाजी नगर, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपा-वद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजाजीनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-3-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी धारा या किसी धन या अन्य प्रक्रियाओं को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सी० सम्माना, नं० 9, 'वेद' टेम्पल स्ट्रीट, जयलक्ष्मीपुरम, मैसूर-13 (अन्तरक)

2. श्री टी० बी० चलमैय्या,

2 श्रीमती शरादमा पत्नी श्री चलमैय्या नं० 1029/26, एम० एन० Ist मेन, IV ब्लॉक, राजाजीनगर, बंगलूर-560010। (अन्तरिती)

ता यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज 5359/78-79 ता० 26-3-79)

नं० 1029/26, Ist मेन, IV ब्लॉक, राजाजीनगर, बंगलूर-560010।

चक्रबंशी :

उ० : प्रापटी नं० 1028

द० : प्रापटी नं० 1030

पू० : 80 रोड़ और,

प० : कंजरबेनसी

पी० रंगनाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, बंगलूर

तारीख : 4-10-1979

मोहर :

प्रकृप धार्मिक टो. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 4 अक्टूबर, 1979

निर्देश सं० 62/23438/79-80/एमिक्व्यू B—
यतः मंजूर, पि० रंगनाथन्
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसका सं० खाली जमीन का नं० 48, है, तथा जो ईस्ट लेजनेया टेम्पल स्ट्रीट, बामाबानागुड, बंगलूर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूच. में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बामाबाना गृह, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 23-3-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् 1—

1. श्री (1) आर० एम० जयशंकर
- (2) आर० जे० श्रीरामचंद्र
- (3) आर० जे० मुचिचंद्रा
- (4) आर० जे० दत्त।

श्री Minors, Repld. by father आर० एम० जयशंकर सभा निवास: नं० 16(21), अधात्राया अग्रहारा, हमराज पेट, बंगलूर-560018 (अन्तरक)

(2) श्री डि० के० विट्टल नं० 34, II मेन रोड, गोविन्दपुरम एक्मटेंशन, बंगलूर-560019।

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क, में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज 4323/78-79 ता० 23-3-1979)
खाली जगह का नं० 48, ईस्ट अंजनेया टेम्पल स्ट्रीट,
बनबनगुडि, बंगलूर-560004।

चकवर्दा :

- उ० : श्रीनिवास गेंगार की प्रापटी,
- द० : श्री स्तेलविम की प्रापटी,
- पू० : कंजरवेनसी लेन और
- प० : ईस्ट फंजनेया टेम्पल स्ट्रीट।

पि० रंगनाथन्,
सक्षम प्राधिकारी,
(निरीक्षण) सहायक आयकर आयुक्त,
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 4-10-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलौर-560001

बंगलौर, दिनांक 4 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० ७2/23439/79-80/एक्वि०/बी०—यतः,
मुझे, पी० रंगनाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ब
के अधीन प्राप्त अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० 14/27, मावाक्ली है, तथा जो टैंक बंड
रोड, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचा में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रारकी अधिकारी के कार्या-
लय, बसवनगुडि, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन ता० 22-3-1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269अ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

3-376GI/79

1. डा० बी० दौरायस्वामी नायडू पुत्र श्री राहावलु नायडू
नं० 34, II क्राम जर्नलिस्ट कालोनी, बंगलूर-2।

(अन्तरक)

2. श्री पेडुप्पा पुत्र श्री मुनीस्वामी नायडू, नं० 4, मवाल्ली
टैंक बंड रोड, बंगलूर-4

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 4307/78-79 ता० 22-3-79)

नं० 14/27, टैंक बंड रोड, बंगलूर

चक्रबंदी

उ० : प्रापटी नं० 7,

द० : खाली जगह नं० 5,

पू० : ड्रेन और

प० : टैंक बंड रोड।

पी० रंगनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 4-10-1979

मोहर :

प्ररूप धाई. टी. एम. एम.—(

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

289-ब (1) के अन्तर्गत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेड्डी, बेंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 11 अक्टूबर, 1979

निर्देश सं० सी० आर० 62/23263/79-80/एक्वि०-(यतः मुझे, पि० रंगनाथन्
भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मन्त्रम बाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपय से अधिक है

और जिसकी सं० 822, है, तथा जो महालक्ष्मी लेआउट 3 क्रॉस वेस्ट आफ चौड रोड, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजाजीनगर, बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-3-1979

को पूर्वांकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अन्तर्पूर्वांकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब बाया गया प्रतिफल, अन्तरिक्षी उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अन्तरिक्षी दिया गया है :-

(क) प्रत्यक्ष से हुई क्रिया का बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक का दाखिल्व में

(ख) ऐसी क्रिया तब या किन्हीं प्रत्यय या प्रत्यय प्रणितियों को प्रकट करने के लिए प्रयुक्त प्रणितियों, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रणितियों, या प्रत्यय-प्रणितियों, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन के अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या क्रिया प्रणितियों या, छिपाने में सुबोध के लिए;

प्रतः अब उक्त प्राधिनियम की धारा 269-ग के प्रसंग में,
मैं, उक्त प्राधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित शर्तियों, यर्थात् :—

1. श्री वीर कथाधर्या नं० 852, महालक्ष्मी लेआउट
बेंगलूर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती जि० श्यामला, नं० 5, 9 मेंत 4 ब्लाक,
जयनगर, बेंगलूर-11।

(अन्तरिती) -

को यह सूचना जारी करत सूचना अधिन के अधिन क
निए कार्यवाहिया करता ह ।

उक्त सभ्यता के अर्जन के सम्बन्ध में लोई को ध्यातेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समस्तथा व्यक्तियों पर सूचना की समीक्षा से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होना हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अणुश्रवणकारी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों की ओर नीचे का, या उक्त प्रति-
नियम के प्रमाण 20-क में परिभाषित है;
नीचे प्रत्येक बोधा, जो उस अवधार में दिया गया है।

અનુસૂચી

(दस्तावेज सं० 5202/78-79 ता० 8-3-1979)
 घर का नं० 822/87, 13 काम, महानगरी ले आउट
 वेस्ट ग्राफ बोर्ड रोड, बेंगलूर ।

पि० रंगनाथन,
 सक्षम प्राधिकाारी
 सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, बेंगलूर

तारीख: 11-10-1979
मोहर:

प्रकृप आई० टी० एन० एस० --

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 12 अक्तूबर, 1979

निर्देश सं० सी० आर० 62/23493/79-80/एक्यू/बी०--

यतः मुझे, पि० रंगनाथन

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 105, शेवाद्रिपुरम्, है, तथा जो रोड़, पेलेस गुट्टाहल्लि, बेंगलूर में स्थित है (और हमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर, बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-3-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :--

1. श्री क० ए० न० नन्दगोबर, अरपिकेरे, हामन जिला (अन्तरक)
2. श्री क० व्ही० नरंजन, 105, पेलेस गुट्टाहल्लि, बेंगलूर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज 4456/79-80 ता० 30-3-79)

पोर्शन आफ हाउस प्रापर्टी बेरिंग नं० 105, शेवाद्रिपुरम् रोड़, पेलेस गुट्टाहल्लि, बेंगलूर।

पि० रंगनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 12-10-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 16 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० सी०आर० 62/23904/79-80/एक्वि०-(बी)

—यतः मुझे, पि० रंगनाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० पोर्शन आफ प्रिमेसस ह, तथा जो बोरिंग
नं० 141, डि० एण्ड जि० रोड़, बसवनगुडि, बेंगलूर-4
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बसवन-
गुडि, बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन ता० 5-3-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री एल० विश्वनाथाचार पुत्र श्री बी० के० लिंगयार,
नं० 141, डि० एण्ड जि० रोड़, बसवनगुडि, बेंगलूर-4।
(अन्तरक)

2. (1) टि० के० आचार, रेसि० पोलिस सब इन्स्पेक्टर
(2) टि० रामलिंगाचार

(3) टि० चन्द्रशेखर, प्रोप्राइटर आफ जी थंडवेश्वर
आपटिसिन्स सभी निवासी नं० 10, डि० एण्ड जि० रोड़
बसवनगुडि, बेंगलूर-4 या नं० 141, डि० एण्ड जि० रोड़
बसवनगुडि, बेंगलूर-4। पुत्र श्री वि० के० थांडवांचर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज नं० 4040/78-79, तारीख 5-3-79)

पोर्शन आफ प्रिमेसस बोरिंग नं० 141, डि० एण्ड
जि० रोड़, बसवनगुडि, बेंगलूर-4।

चकबंदी:—

पू०: जि० एण्ड जि० रोड़ और श्रीमती कृष्णाम्याज
खाली जगह।

प०: कंजरवनसी

उ०: प्रिमेसस बोरिंग नं० 9, आफ श्रीमती नागप्पा
और

द०: प्रिमेसस बोरिंग नं० 11 आफ श्री रंगास्वामी।

पि० रंगनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 16-10-1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 16 अक्तूबर, 1979

निर्देश सं० सी आर०-62/23552/79-80/एफि०/

बी०—यतः मुझे, पी० रंगानाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 38, है, तथा जो सवर पतरप्पा रोड,
बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
गांधीनगर, बंगलूर में (वस्तावेज सं० 4089/78-79)
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 1-3-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. (1) सारोजा बाय, पुत्री लेट मेलवानामबी
(2) श्री पी० डी० चेलूपाराज पुत्र श्री सारोजा
बायी।
(3) श्रीमती पी० डी० सीतारानी पुत्री सारोजा बायी
सबका पता : सं० 127/2, सेप्पीनांस रोड, बंगलूर।
(अन्तरक)

2. (1) श्री कुशलराज पुत्र श्री मानिकलाल
(2) श्री पि० विनोद कुमार माइनर रेप्रेजेंट कर
रहे हैं उसके पिता एम० शाबरलाल
(3) सी० हसमुखलाल रेप्रेजेंट कर रहे हैं उनके
पिता चैनराज।
(4) जे० अमरित कुमार रेप्रेजेंट कर रहे हैं उनके
पिता जवाहरलाल। सबका पता है : सं० 38,
सदरपतरप्पा रोड, बंगलूर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 4089/78-79 दिनांक 1-3-1979)
घर सम्पत्ति सं० 38 नया और पुराना सं० 110
तथा जो सवरपतरप्पा रोड, बंगलूर।

पि० रंगानाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 16-10-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 23 अक्टूबर, 1979

निर्देश सं० सीआर 62/23551/79-80/एक्वि०/बी०—

यतः मुझ, पि० रंगानाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 8 है, तथा जो केमपे गौडा रोड, बेंगलूर-560009 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर बंगलूर (दस्तावेज सं० 4075/78-79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ता० 2-3-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और यह कि प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जागा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) नीलकेष एच० पाटेल
- (2) अजे० एच० पाटेल
- (3) राजेश एच० पाटेल
- (4) सुमीताबेन एच० पाटेल
- (5) ताराबेन एच० पाटेल सं० 105, आनंदा राव एक्सटेंशन, गांधीनगर बंगलूर-560009। (अन्तरक)
2. मेसर त्रिमूर्ति नटरप्रीयसज एम० जी रोड, चिक-कामबलूर रेप्रजेंट कर रहे हैं उनके पार्टनर श्री एम० एन० सथयम। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 4075/78-79 ता० 2-3-79)
कामशियल सम्पत्ति सं० 8 और पुराना सं० 7 तथा श्री जो प्रभात टाकीज" के नाम से कहलाता है जो केमपेगौडा रोड बेंगलूर-9 में है।

चकबंदी:

पू०: एफ० के० सी० मी० आई० की सम्पत्ति

प०: फ्रास रोड

उत्तर: केमपेगौडा रोड

द०: मेनाका टाकीज

पि० रंगानाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

तारीख: 23-10-1979

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 अक्तूबर 1979

निदेश सं० ए. सी. व्यू० 23-I-2305(875)/
10-1/79-80—यतः, मुझे, एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 4/1/1, प्लॉट नं० 3 है तथा
जो उद्योगनगर रोड, सुमेर क्लब रोड के पीछे, जामनगर
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
जामनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 15-3-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री चन्दुलाल राजपर, ग्रेन मार्केट, जामनगर।

(अन्तरक)

2. श्री महेन्द्र अमृतलाल शाह, "महेन्द्र निकेतन" वजीर-
पारा दिग्विजय प्लॉट नं० 45, जामनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वे नं० 4/1/1 प्लॉट नं० 3 वाली खुली जमीन जिसका
क्षेत्रफल "5550-03" वर्ग फुट है जो मैन उद्योगनगर
रोड, सुमेर क्लब रोड के पीछे, जामनगर में स्थित है तथा
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जामनगर द्वारा बिक्री दस्तावेज नं०
507/15-3-1979 से रजिस्टर्ड किया गया है। तथा
प्रापटी का पूर्ण वर्णन उसमें दिया गया है।

एस० सी० परीख,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 30-10-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद-380009

अहमदाबाद, दिनांक 5 नवम्बर 1979

निदेश सं ए सी० ब्यू०-I—2482(877)/1-1/79-80—अतः, मुझे, एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० रेवेन्यू सर्वे नं० 48, 77, एफ० पी० नं० 744-745, प्लॉट नं० 4-बी, 4-सी, टी० पी० एस०-3 का है तथा जो छदवाड़, सिटी अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-3-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती तन्वुला इन्दुलाल पटेल, नेताजी सुभाष रोड़, एलीसब्रिज, अहमदाबाद। (अन्तरक)

2. निमिषा एपार्टमेंट को०-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 1130-एल०, लाजभाई नी पोल, गिरवरभाई नो खांचो, मांडवी नी पोल, अहमदाबाद-1। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और उदा का; जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 847 वर्गगज है जिसका रेवेन्यू सर्वे नं० 48, 77, फायनल प्लॉट नं० 744, 745 प्लॉट नं० 4-बी, 4-सी, टी० पी० एस०-3 का है जो छदवाड़ अहमदाबाद में स्थित है तथा रजिस्ट्रेशन नं० 2328 ता० 15-3-79 में रजिस्टर्ड बिक्री दस्तावेज में जैसे पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एस० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख : 5-11-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 नवम्बर 1979

निदेश सं० एसी० व्यू० 23-I-2213(878)/16-3/79-
80—अतः मुझे, एस० सी० परोख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० जिन प्लॉट नाम का, नवागढ़ में खुला
प्लॉट है तथा जो नवागढ़, जेतपुर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जेतपुर में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
5-3-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकर के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिकर से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकर का
पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिकर, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4-376GI/79

1. मैसर्स सीराष्ट्र आयल मिल्स क० मैनेजिंग
पार्टनर श्री बिट्ठलदास नाथुभाई पटेल के मारफत नवागढ़,
वाया जेतपुर। (अन्तरक)

2. बेल प्रिंट प्रोसेसर्स, मैनेजिंग पार्टनर श्री नटवरलाल
जुठालाल पटेल के मारफत, जिन प्लॉट, नवागढ़, जेतपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 3000 वर्ग
गज है जो जिन प्लॉट नाम से प्रख्यात है तथा नवागढ़ जेतपुर
में स्थित है तथा रजिस्ट्रेशन न० 403 ता० 5-3-79
से रजिस्टर्ड हुआ बिक्री दस्तावेज में जैसे पूर्ण वर्णन दिया
गया है।

एस० सी० परोख,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 5-11-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 नवम्बर 1979

निर्देश सं० ए सी क्यू०-23-I-2188(881)/
11-4/79-80—अतः, भूमे, एस० सी० परीख
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 400/4 है तथा जो रानावाव,
पोरबंदर में स्थित है (और इससे उगाबद्ध आसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री की अधिकारी व कार्यालय,
पोरबंदर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तरीब 27-3-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरण को गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

1. श्रीमती न.था हरभम, रानावाव। (अन्तरक)

2. उजीज। इंजोनिगरेग कं० छाया, प्लॉट पोरबंदर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ते:—

(क) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अधि वार में संपन्न होरी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोइस्ताजरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमोची

खुली जमीन का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 42713
वर्ग गज है जिसका सर्वे नं० 400/4 है जो रानावाव,
पोरबंदर में स्थित है तथा रजिस्ट्रेशन नं० 1055 ता०
27-3-1979 को रजिस्ट्री की अधिकारी, पोरबंदर द्वारा
रजिस्ट्री के बिना दस्तावेज में जैत पूर्ण वर्णन दिया गया
है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 5-11-1979

मोहर:

प्रकरण भा० सी० एन० एन०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का द्वारा

269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद-380009, दिनांक 5 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० ए० सी० एन० 23-3-2302(882)/
10-3/79-80—आ: मुझे ए० सी० परीखभायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक हैऔर जिसका सर्वे नं० 10, प्लॉट नं० 1 से 34 है
तथा जो धोन, धोल तालुजा, जिला जामनगर में स्थित
है (और दस्तावेज अप्रतिलिखित में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रार ऑफ़ टाइटल्स, जिला जामनगर में रजिस्ट्रेशन
नं० 28-3-1979को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चम प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तर-
नियम) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी घाव की वास्तविक उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा(ख) ऐसी किसी शर्त या किसी शर्त या अन्य शर्तों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अपेक्षापूर्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तिओं, अर्थात्:—1. श्री पटेल गोरधन बेशराम तथा पटेल अनन्त वसराम,
खंभावादा, ता० धोल। (अन्तरक)2. श्री पटेल भागजी लाडाभाई श्री उमीया को० प्राप०
हा० सोतावटी के प्रेसीडेंट, धोल, जिला जामनगर।
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त शर्तों के अर्जन के संबंध में कोई भी शर्त:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हस्तबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्तावेजी के पास स्थिति
में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—समस्त प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 164621
वर्ग मीटर जिसका सर्वे नं० 10, प्लॉट नं० 1 से 34
है, जो धोन, जिला जामनगर में स्थित है तथा रजिस्ट्रेशन
नं० 210 ता० 28-3-1979 से रजिस्टर्ड हुए बिक्री दस्तावेज
में जेत पूर्ण वर्णित किया गया है।

एस० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 5-11-1979

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद-380009, दिनांक 5 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० ए० सी० ब्यू०-23-3-2192(884)/
16-7/79-80—अतः मुझे, एस० सी० परीख

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
हमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन मन्त्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

श्रीर जिरकी सर्वे सं० 316 पैकी प्लॉट नं० 4 से 8
है तथा जो उपलेटा में स्थित है (श्रीर इससे उपायय अनु-
सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-रत अधिका-
री के कार्यालय उपलेटा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-3-1979 को
पूर्वकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वकत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
श्रीर अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक
निश्चित में वास्तविक कम से कमित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य व्यक्ति की
को, जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरक में,
न०, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :—

1. मटेर रिगोरकुमार नरोत्तमदास मालाबाडिया बोलकापा,
मालाबाडियानी की डहली, उपलेटा। (अन्तरक)

2. श्री नाथालाल नरसीभाई मांकीया, गीतांजलि को०
प्रो० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, नवापुरा, उपलेटा।
(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्मेन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के धर्मेन के सम्बन्ध में कोई भी धावेन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त
किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, धर्मोद्देशकारी के पास
निश्चित में किए जा सकेंगे।

सम्बोधन :—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर वशों का, जो उक्त
अधिनियम के धर्माव 20-क में परिभाषित है, वही
धर्म होगा जो उस धर्माव में विभा गया है।

अनुसूची

जुली जमीन का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 2419-6-0
वर्ग गज है जिसका सर्वे नं० 316 पैकी प्लॉट नं० 4 से 8
है जो उपलेटा में स्थित है तथा रजिस्ट्रेशन नं० 392 ता०
29-3-1979 से रजिस्टर्ड हुए बिक्री वस्तावेज में जैसे पूर्ण
वर्णन दिया गया है।

एस० सी० परीख

सहायक प्राधिकारी

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 9-11-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० पी० आर० नं० 811 एक्चू० 23/
1432/19-1/79-80—प्रति: मुझे, एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि म्हावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिला सं० नं० 275 है तथा जो बारडोली में स्थित है (और इसका उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री की अधिकारी के कार्यालय, बारडोली, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-3-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविकता, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री लक्ष्मण लखनभाई पटेल पी० ए० होल्डर जमीनभाई लक्ष्मणभाई शोहर, ता० बतौड़ा। (अन्तरक)

2. श्रीमती काशीबेन शबेरभाई पार्वती बेन रनछोड़भाई भूतनाथ दयाराम, बारडोली। (अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रवेश के विरुद्ध कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त म्हावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवरोधकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिल्ला सं० नं० 275 है और बारडोली जिला सूरत में स्थित है। ये जमीन रजिस्ट्री की अधिकारी बारडोली द्वारा रजिस्टर्ड नं० 819 ता० 22-3-79 को रजिस्टर्ड की गई है।

एस० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 6-11-1979

मोहर:

प्ररूप आई० एन० टी० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० पी० आर० नं० 813 ए० क्यू०—
23-1359/19-1/78-79—अतः मुझे, ए० सी० परीख
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन मन्त्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वावर वंगत जितका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० रेवेन्यू सर्वे नं० 189 ए तथा बी, 217
ए० तथा सी, तथा 513 है तथा जो स्टेशन रोड़, बारडोली
में स्थित है (जो इसका आकृति आकृतियों में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तरीक 7-3-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल से के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्य में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थी:—

1. (1) श्रीमती बुरसीदवानू जयसजी, कावजी दीनशजी
दस्तूर को अवधवा,

(2) 1. दीनशजी कावजी दस्तूर

2. जमशेदजी कावजी दस्तूर

श्री अनरशा माणेशा कापडीया, कुलमुखपार
भरुच।

(3) गोरीदवानू भाव दस्तूर, पूनः। (अन्तरक)

2. मेसर्स हीराचन्द क्षत्रेचन्द, स्टेशन रोड़, बारडोली।
(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति:—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होगी हो, के भीतर पूर्णतः व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर वंगत में द्वि-
वक्त किता अन्य व्यक्ति द्वारा प्रयोद्विस्तारों के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

राश्ट्रीकरण:—इसने उक्त तथ्यों और तथ्यों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमुसूची

जतिर तथा महान जितका रेवेन्यू सर्वे नं० 189 ए०
तथा बी, 217 ए, बी तथा 513 है जो स्टेशनरोड़ बार-
डोली में स्थित है तथा रजिस्ट्रेशन नं० 793 से ता० 7-3-
1979 को बारडोली में रजिस्टर्ड हुआ है।

एस० सी० परीख

संक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 12-11-1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

**आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, वहायत आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सद्रास

मद्रास, दिनांक 13 सितम्बर 1979

निदेश सं० 92/तार्च/79--प्रतः मुझे, श्री० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके तत्त्व 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के प्रमाणित अधिनियमों की, यह विश्वास करने का कारण है कि आधार सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 1090 है जो पुनर्माली रोड मद्रास-2 में स्थित है (और अपने उदात्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री की अधिकारी के कार्यालय, पेरिमेट मद्रास (डकू० नं० 221/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अर्जन, तारीख मार्च 1979

को उक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री जगन्नाथ ए० न.युडू (अन्तरक)
2. श्री ए० आर० विलडरस (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होगी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त आधार सम्पत्ति से हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डकूमेंट नं० 221/79 एम० आर० श्री० पेरिमेट मद्रास भूमि और कांजुज दीवार--डोर नं० 1090 पुनर्माली है रोड मद्रास-7।

श्री० आनन्दराम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-मद्रास

तारीख : 13-9-1979
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रार्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 अक्टूबर, 1979

निदेश सं० 19/मार्च/79—यतः, मुझे, श्री० आनन्दराम
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 14, नेहरूजी नगर
है, जो डिडुगल में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्ता अधिकारी के
कार्यालय, डिडुगल (डाकु नं० 153/79) में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख मार्च, 79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रत्यक्ष
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिकूल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की वास्तविक उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविरण से कमी
करने या उतरे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या अन्य प्राप्ति को,
जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुकरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्जित:—

1. (1) श्रीमती टी० लक्ष्मी अम्माज (2) टी०
सुब्रह्मनियम (3) श्रीमती ए० तिलगमाति (अन्तरक)
2. श्री के० रामचन्द्रण (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रार्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी प्रार्जन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रार्जितकारी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकु नं० 153/79 एस० आर० श्री० डिडुगल
भूमि और निर्माण—डोर नं० 14, नेहरूजी नगर, डिडुगल।

श्री० आनन्दराम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 4-10-79

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 अक्तूबर, 1979

निर्देश सं० 55 अप्रैल/79—ओ आनन्दम
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है और जिसकी स० 9 से 16 रेलवे स्टेशन रोड
है जो डिङ्गल में स्थित है (और इससे उपापन्न अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
गलनारूपट्टी (डाकु नं० 598/79) में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अप्रैल, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री टी० बालकृष्णन (अन्तरक)
2. श्री डि० एस० राजु (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्रवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 398/79 एस० आर० ओ० नगलनामक-
पट्टी डिङ्गल भूमि और निर्माण डोर नं० 9 16 रेल वे
स्टेशन रोड डिङ्गल

ओ० आनन्दम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 4-10-1979

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 नवम्बर 1979

निर्देश सं० 25/मार्च/79—यतः, सुझे ओ० आनन्दराम
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 108 ईस्ट पेल्माल मस्ट्री स्ट्रीट, मदुरै
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जे० एम० आर० III मदुरै (डाकु० नं० 617/79)
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख मार्च, 1979

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किन्हीं आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—

1. श्री आर० एम० के० शंकर (अन्तरक)

2. ओ० एम० एम० एम० सुन्दर महालियम
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अन्तर्न के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अन्तर्न के संबंध में कोई भी प्रारोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किन्हीं जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 617/79 जे० एस० आर० ओ० III
मदुरै
भूमि और निर्माण डोर नं० 108 ईस्ट पेल्माल मस्ट्री
स्ट्रीट मदुरै।

ओ० आनन्दराम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेंट रेंज-I, मद्रास

तारीख: 6-11-1979
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास-600006

मद्रास, दिनांक 7 नवम्बर 1979

निदेश सं० 43/मार्च/79-यतः, मुझे, श्री० आनन्दाय
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सख्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

श्री० जिसकी सं० सर्वे नं० 31 कामकाडु गांव है, जो यरकाड
तालुक में स्थित है (श्री० इसमें उपायुक्त अनुसूची
में श्री० पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, जे० ए० आर० ओ०-1 सेलम (डाकु० नं० 1518/
79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख मार्च 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
व्यय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

धनः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. दि० सेलम डायोमिस मोमाइटी रिप्रिजेंटेटिव बाई
चेयरमन डा० साइकल बी० दुरायमामी (अन्तरक)
2. डाक्टर (श्रीमती) एम० कमतूरी - (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए आवश्यकताओं करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(डाकुमेंट नं० 1518/79 जे० ए० आर० ओ०-1 सेलम)
अधिकृतचरल भूमि—सर्वे नं० 31 और निर्माण
कामकाडु गांव, यरकाड तालुक।

श्री० आनन्दाय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I मद्रास-600006

तारीख: 7-11-1979
मोहर:

प्रकृष घाई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 नवम्बर, 1979

निदेश सं० 16/मार्च/79—यतः, मुझे, ओ० आनन्दम
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है और

जिसकी सं० 77ए, और 78 सीताराम अय्यर स्ट्रीट
है, जो आरकार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, आरकाट (डाकु० सं० 558/79) में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख मार्च, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐन दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुकरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्मा :—

1. (1) ए० एम० सुब्रमण्यम मुदुलियार
(2) एस० साता बी
(3) टि० कस्तूरी बै (अन्तरक)
2. श्रीमति एम० सज्जन बै (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के अन्तरण में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 559/79 एस० आर० ओ० आरकाट
भूमि और निर्माण डोर नं० 77 ए और 78 सीताराम
अय्यर स्ट्रीट, आरकार।

ओ० आनन्दम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज मद्रास

तारीख : 7-11-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, भोपाल

मद्रास, दिनांक 7 नवम्बर 1979

निर्देश सं० 40/मार्च/79—यतः, मुझे, श्री० आनन्दम
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके
परचासु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० रास्ते नं० 33 अतिमूर गांव, शेखरास
है जो शेखरास हिल्स, मेरकाड ताल्लुक में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरकाड (डाकु० सं०
58/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित हो गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्ति की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वापिस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या निरा धन या अन्य प्राप्तियों,
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए?

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. के वी सौ मिल्स (अन्तरक)
2. श्रीमती आर० एम० नाच्चम्मै (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राश्न :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मालिकानादारी के रस लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रस्ताव 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उन प्रस्तावों में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट सं० 58/79 एस० आर० श्री० मेरकाड
भूमि सर्वे नं० 33—एकरार-24 अतिमूर गांव शेखरास
दिल्ल, मेरकाड ताल्लुक।

श्री० आनन्दम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 7-11-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास दिनांक 7 नवम्बर, 1979

निवेश सं० 11/मार्च/79—यतः, मुझे, ओ० आनन्दम
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/
र० से अधिक है।

और जिसकी सं० सर्वे नं० 119/1 कस्तूरीपट्टी गांव है, जो
संकेरी तालुक सलेम में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, एस० आर० ओ० संकेरीदुर्ग (डाकू नं० 274/79
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रति ल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्रीमती पावायी (2) के० सेल्लपा गावंडर
(3) पालानीरम्माल (4) माईनर कांता रुकमनि (5) श्री चन्द्र-
शेकरन। (अन्तरक)

2. (1) के० अन्नप्पा गावंडर
(2) रामासामी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

इस सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

डाकूमेंट नं० 274/79 एस० आर० ओ० संकेरीदुर्ग
अधिकलचरल भूमि सर्वे नं० 119/1, 118/1, 118/485,
कस्तूरीपट्टी गांव, संकेरी तालुक।

ओ० आनन्दम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-मद्रास

तारीख : 7-11-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. केवी सा मिल्स (अन्तरक)

2. (1) श्री बी० आर० सुब्रमनियम
(2) बी० आर० नारायणन (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 नवम्बर 1979

निदेश सं० 39/मार्च/79—यतः, मुझे, ओ० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', गृह्य गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 61 अतिमूर गांव शेवराम है, जो इलस, एरकाड तालुक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एरकाड (डाकु० सं० 57/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 57/79 एस० आर० ओ० एरकाड
भूमि सर्वे नं० 61 अतिमूर गांव शेवराम इलस एरकाड तालुक।

ओ० आनन्दराम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 7-11-1979
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I मद्रास,

मद्रास, दिनांक 7 नवम्बर 1979

निदेश सं० 19/मार्च/79—यतः, मुझे, श्री० आनन्दराम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 14, वार्ड II नेहरू नगर है, जो डिडुगल में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डिडुगल (डाकु० नं० 153/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च, 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री के० रामचन्द्रन (अन्तरक)
2. (1) टी० लक्ष्मी अम्माल (2) टी० सुबरमनियम
(3) जी० जमावागती (4) ए० तिलगवती।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 153/79 एम० आर० श्री० डिडुगल भूमि और निर्माण—डोर नं० 14, वार्ड नं०-II नेहरू नगर, डिडुगल।

श्री० आनन्दराम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 7-11-1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 नवम्बर 1979

निदेश सं० 20/मार्च/79—यतः, मुझे, ओ० आनन्दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 317 और 312 ए है, और जो "वैचूड" वार्ड नं० VI, कोडैकानल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोडैकानल (98/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

6—376G1/79

1. श्री करपगांबाल मित्त लि० (अन्तरक)
2. श्री एन० के० एस० रेन्गेस्वरण (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हस्त-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ड्रॉफ्ट नं० 98/79 एस० आर० ओ० कोडैकानल
भूमि और निर्माण सर्वे नं० 317 और 312-ए "वैचूड"
वार्ड नं० VI, कोडैकानल।

ओ० आनन्दास
सक्षम प्राधिकारी
आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 7-11-1979

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 नवम्बर, 1979

निदेश सं० 49/मार्च/79- यतः, मुझे, श्री० आनन्दराम
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 57, 58, 58 बी व 58 सी अरिजंर
अन्न स्ट्रीट है, जो रासीपुरम में स्थित है (और इससे
उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रासीपुरम (डाकु०
सं० 467/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1979
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान को
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-
सरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकट:—

1. (1) ए० डब्ल्यू० सामुबेल (2) श्री० मुत्तुकिरुण्ण
(3) श्री वी० केरुणाम्माल (अन्तरक)
2. श्री वी० के० आर० तिरुपति चेटीयार (अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जेन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जेन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दृष्टबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रसिद्धिस्तक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट सं० 467/79 एस० आर० श्री० रासीपुरम
भूमि और निर्माण डोर सं० 57, 58, 58 बी, व
58सी अरिजंर अन्ना स्ट्रीट, रासीपुरम, सेलम डिस्ट०।

श्री० आनन्दराम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 7-11-1979
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 नवम्बर, 1979

निदेश सं० 48/मार्च/79—यतः, मुझे, श्री० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 44 को० आप० कालोनी है, जो स्ट्रीट गांधी नगर, नामक्कल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नामक्कल (196/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के मानयुक्त प्रतिकल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और प्रस्तरिती (अन्तरिस्तरियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री के० आर० नमसिवायम (अन्तरक)

2. श्रीमती मारायम्माल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राश्नः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डकुमेंट सं० 196/79 जे० एम० आर० 1 नामक्कल भूमि और निर्माण डोर नं० 46, को० आप० कालोनी स्ट्रीट, गांधीनगर, नामक्कल।

श्री० आनन्दराम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 7-11-1979
मोहर:

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास दिनांक 7 नवम्बर, 1979

निदेश सं० 52/मार्च/79—यतः, मुझे, श्री० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 6, वुण हाल है जो रोड़ मधुरै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुदुमंडम मधुरै (526/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 79 के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथावतः—

1. श्रीमती नीला सुब्रमनियम (अन्तरक)
2. (1) के० सम्बंदम और
(2) के० एस० मार्वेनवाकनण (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्षः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डोकुमेंट नं० 526/79 एस० आर० श्री० पुदुमंडम, मधुरै

भूमि और निर्माण डोर नं० 6, दकुणहल रोड़, मधुरै।

श्री० आनन्दराम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 7-11-1979
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 नवम्बर, 1979

निदेश सं० 54/मार्च/79—यतः मुझे, श्री० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रयोग अर्जन अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 540/1 है, जो बेलायसाली ग्राम स्ट्रीट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पेरियकुलम (237/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती आर० पापामल और
(2) मेजर राजा @ सतियाबाबू द्वारा गाजियन पापामल। (अन्तरक)

2. (1) आर रामदोल, (2) आर० गनेसन, (3) आर० राजा (4) आर० बालसुबरामनियम पुत्र जी० बी० रामासामी थोबर, थेनी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिष्ट गया है।

अनुसूची

आकृमेट नं० 239/79 एस० आर० श्री० पेरिया-कुलम।

भूमि और निर्माण सर्वे नं० 540/1, बेलायमालिगा स्ट्रीट अलिनाग्राम थेनी।

श्री० आनन्दराम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 6-11-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास दिनांक 8 नवम्बर 1979

निर्देश सं० 37/मार्च/79—यतः, मुझे, श्री० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० सं० नं० 945/1, शोलिंगपुरम ठबुन है, जो नार्थ आरकाट डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, शोलिंगपुरम (डाकु० नं० 584-I 6/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री एम० श्रीनिवासण (अन्तरक)

2. (1) श्री एम० वेलु मुदलियार और

(2) श्रीमती शरस्वति अम्माल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 584/I/16/79 एस० आर० ओ० शोलिंगपुरम भूमि और निर्माण—सं० नं० 945/1, शोलिंगपुरम।

श्री० आनन्दराम,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 8-11-1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) एम० श्रीनिवासन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) ए० एम० वेन्नु मुदलीयार

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

अर्जन रेंज-I, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

मद्रास, दिनांक 8 नवम्बर, 1979

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अयोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

निदेश सं० 38/मार्च/79—यतः मुझे ओ० आनन्दा-
म आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 945/1 ओलिंगपुरम, नार्थ आरकाट
डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ओलिंगपुरम
डाकू० नं० 584-I-15/79 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के—
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाय
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए,

डाकूमेंट नं० 584-I/15/79 एस० आर० ओ० शोलिंगर
भूमि और निर्माण सं० नं० 945/1 शोलिंगपुरम टाऊन,
नार्थ आरकाट जिला।

ओ० आनन्दा-
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज मद्रास-600006

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 8-11-1979
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

1. (1) नागरतिनम्भाल (2) सुदा पदमावती
(अन्तरक)
2. श्री जी० कलानिदि
(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 नवम्बर 1979

निर्देश सं० 55/मार्च/79—यतः, मुझे, ओ० आनन्दाय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 737 जो टी एच रोड़ है, मद्रास-81 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रामपुरम, (डाकू० नं० 452/79) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हरष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकूमेंट नं० 452/79 एस० आर० ओ० रामपुरम, मद्रास।

भूमि और निर्माण डोर नं० 737, टि० एच० रोड़, मद्रास-81।

ओ० आनन्दाय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 8-11-1979

मोहर:

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० 84/मार्च/79—अतः, मुझे, श्री० आनन्दराम
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 24 है, जो कंदपफ, मुदलि स्ट्रीट, मद्रास-1
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सौकारपट, मद्रास (डाकु० सं० 174/79) में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, मार्च, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बारतविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्रा० की यावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायिख में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लि०; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

376 GI/79

1. (1) शानि देवी मेहता (2) बी० अरुणकुमार
मेहता पवर एजेंट श्री बी० गौतमचंद्र मेहता। (अन्तरक)

2. (1) श्री एम० राज खुराना
(2) श्रीमती रुक्मा देवी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्रवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताधरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 174/79 एस० आर० श्री० सौकारपट,
मद्रास।

भूमि और निर्माण और नं० 24, कंदपफमुवली स्ट्रीट,
मद्रास-1।

श्री० आनन्दराम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीखः 8-11-1979

मोहरः

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० 83/मार्च/79—यतः मुझे ओ० आनन्दराम
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 24, कंठफ मुदली है, जो स्ट्रीट, सद्राम 1 में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सोकारपट, मद्रास-1
(डाकू० नं० 175/79) में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 79 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) गोकुलचन्द मेहता
(2) बी० गौतमचन्द मेहता (अन्तरक)
2. (1) श्री एम० राज मुराणा
(2) श्रीमती रुक्म देवी (अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट सं० 175/79 एम० आर० ओ० सोकारपट,
मद्रास।

भूमि और निर्माण डोर सं० 24, कंठफ मुदली स्ट्रीट,
मद्रास-1।

ओ० आनन्दराम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 8-11-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 अक्तूबर 1979

निर्देश सं० 10084—यतः, मुझे, राधाबालकृष्ण
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इस
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 20/261, 1.2 है, जो वैसियाल स्ट्रीट/
ओपनकारा स्ट्रीट, कोयम्बतूर में स्थित है (और इसमें उपा-
बद्ध अनुपूर्वी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर (डाकूमेंट सं० 720/79)
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख मार्च, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सी० आर० नरेन्द्रन (अन्तरक)

2. श्री एस० नटराजन सक्तिवेल, मोहनराज (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
प्रमाण होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्रिस्तबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 20/261, 1.2, वैसियाल/ओपन-
कारा स्ट्रीट, कोयम्बतूर। (डाकूमेंट सं० 720/79)

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 17-10-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 31 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० 10082—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० सयिट सं० 8 है, जो जी० डी० नायडू
स्ट्रीट, पुलियकुलम ग्राम, कोयम्बतूर में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर (डाकुमेंट
सं० 1081/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च, 1979
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :

1. श्री आर० अय्याबू (अन्तरक)

2. श्रीमती सुधुना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में पता चलती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में केति
बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी ह
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि—8, जी० डी० नायडू स्ट्रीट, पुलियकुलम
(डाकुमेंट सं० 1081/79)

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास।

तारीख : 31-10-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 31 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० 10136—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० साइट सं० 4 है, जो वेस्ट वेनकट-स्वामी रोड आर० एम पुरम, कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर (डाकू-मेंट सं० 833/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कम करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री के० एन० वेनकटरामन (अन्तरक)

(2) श्री एम० सी० मोयटन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण साइट सं० 4, वेस्ट वेनकटस्वामी रोड, कोयम्बतूर। डाकूमेंट सं० 823/79)

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 31-10-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 31 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० 10139—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 22/33, 34 और 42 है, जो पेरियकट्टे स्ट्रीट, उप्पुकिनर लेन, कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 1149/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. श्री के० तनधवेलु (अन्तरक)

2. श्री एम० मुद्दुवन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सांग्रहण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 22/33, 34 और 42 पेरियकट्टे स्ट्रीट, उप्पुकिनर लेन, कोयम्बटूर। (डाकुमेंट सं० 1149/79)।

राधा बालकृष्ण

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 31-10-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

1. श्री जी० बी० ठोरेस्वामी नायडू (अन्तरक)

2. श्री बगटराजा टेकमटैलस (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन निम्न कार्यवाहियां शुरू करना हैं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 31 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० 10094—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो वेलनकुरिची ग्राम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर (डाकुमेंट सं० 1128/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:

अनुसूची

एग्रिकल्चरल भूमि वेलनकुरिची ग्राम, कोयम्बतूर।

(डाकुमेंट 1128/79)

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 31-10-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 नवम्बर 1979

निर्देश सं० 10093—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और

जिसकी सं० G.S. NO, 499/1, है, जो जी० एस० सं० 273/1.B 2-3 274/2.B, 3.A. and 275 भाग वेलनकुरिची ग्राम और उप्पिलिपालयम में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर (डाकूमेंट सं० 887/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) के अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर के लिए तय और प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में पाया गया वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. दि० कोयम्बतूर रियल एस्टेट कम्पनी आफिम के आऊट नं० 1 "बी", बलाक, कोयम्बतूर-14 (अन्तरक)
2. श्री पी० रामदाम स्पिनिय मास्टर राज्यलक्ष्मी मिल्स, मिगनालूर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवरोहताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—वेलनकुरिची और उप्पिलिपालयम (डाकूमेंट सं० 887/79)।

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज—II, मद्रास

तारीख : 2-11-1979

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 नवम्बर 1979

निर्देश नं० 10132--यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० है, जो ओदनयूरमाम में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेट्टुपालयम (डॉक्यूमेंट सं० 458/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह्व प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण व हुई किसी धार हो बावजू, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए कोर/या

(ख) ऐसी किया आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

8—376GU/79

1. श्री एम० जयचन्द्रन (अन्तरक)

2. श्री टी० ए० शेक थावुद, रावुत्तर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रभन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रभन के सम्बन्ध में कोई भी धात्रेय:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रचोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है; बड़ी पद होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मूिम ओदनयूराम ग्राम (डॉक्यूमेंट सं० 458/79)

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 2-11-1979

मोहर:

प्रकरण आई. टी. एन. एस.—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 नवम्बर, 1979

निदेश सं० 10122—यतः, मुझे, राधा बालाकृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख अधिनियम सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 14/26, रेखा है, जो टाटाबाद, कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीपुरम (डाकूमेंट सं० 952/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकलन के लिए अन्तरित हो गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकलन से ऐसे दृश्यमान प्रतिकलन का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकलन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में दस्तावेज़िक रूप से रुजिस्ट्री नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अधिकारों के कर्मों करने या उन्हीं कर्मों में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाता चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री के० आर० रामचन्द्रन (अन्तरक)

2. श्री आर० मुथुकुमारन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जा के संबंध में कोई भी शायद:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नवम्बर 1979 की अवधि में प्रकाशित सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दृष्टव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अनुच्छेद 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण --टी० एस० सं० 11/477, टाटा-बाद, कोयम्बतूर। (डाकूमेंट सं० 952/79)

राधा बालाकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 2-11-1979

मोहर:

रूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री सा० वी० कृष्णय्या (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री एम० एम० नारायण (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 अक्टूबर, 1979

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निदेश सं० 7069--यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 2, कामाक्षी नगर, जो मद्रास-18
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्री हर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर
(डाकूमेंट सं० 492/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च,
1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

अनुसूची

भूमि और निर्माण 2, कामाक्षी नगर, मद्रास-18
(डाकूमेंट सं० 492/79)

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाते
में सुविधा के लिए;

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 30-10-1979
मोहर :

प्रकरण आई. टी. एन. एस.—

1. श्री बी० थापालय्यर (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

2. श्री बापु शम्भाल (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना है।

मद्रास, दिनांक 8 नवम्बर, 1979

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति :-

निदेश सं० 8522—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० तुरग्रमपालयम स्ट्रीट है, जो कुमबकोनम में स्थित है (और इसने उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री नर्तक अधिकारी के कार्यालय, कुमबकोनम (डोकूमेंट सं० 502/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चद्व प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवाञ्छ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रबल होगा जो उन प्रध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किंवा पाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या पण्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भूमि तुरग्रमपालयम स्ट्रीट कुमबकोनम (5720 स्कोय फीट) (डोकूमेंट सं० 502/79)

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 8-11-1979

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 नवम्बर, 1979

निदेश सं० 8522---यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० तुल्यमालय स्ट्रीट है, जो कुम्बकोनम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कुम्बकोनम (डाकूमेंट सं० 503/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एम० एम० रफी फार बी० चायालयर (अन्तरक)

2. श्री ए० के० पी० पलनी अम्माल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि—तुल्यमालय स्ट्रीट कुम्बकोनम।
(डाकूमेंट सं० 503/79)

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 5-11-1979

मोहर :

प्रकृष प्राई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 नवम्बर, 1979

निदेश सं० 7090--प्रतः, मुझे, राधा बालकृष्ण
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 20 ए, सीत बांध रोड/, हिन्दी प्रचार
सभा रोड है, जो मद्रास, 17 में स्थित है (और इससे उपा-
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ती
अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर, मद्रास (डाकूमेंट सं०
355/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1979 के
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
वर्तमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वर्तमान
प्रतिफल से, ऐसे वर्तमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण व हुई उसी प्रायः की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करमें या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी प्रायः या किसी इन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,
उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति में, रखा है :--

1. श्री आर० उचिद्वन्दम फा० आर० कलावती (अन्तरक)

2. कुमारी आर० जयप्रदा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धांधल :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाप में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित्वद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, धर्मोद्देशों के पक्ष
लिखित में किए गए अवधि।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो इन अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण, हिन्दी प्रचार सभा रोड मद्रास-17
(डाकूमेंट सं० 355/79)

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 7-11-1979
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 नवम्बर 1979

निर्देश सं० 7033—यनः, मुझे, राधा बालकृष्ण,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० 206, लायठस रोड़ है, तथा जो मद्रास-86
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास
नगर (डाकूमेंट सं० 803/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
मार्च, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

धनः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती एन० पी० मुस्ताफ बिलजेन (अन्तरक)

2. श्रीमती नफीसा एन्टरप्रेनस (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया हुआ है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—206, लायठस रोड़, मद्रास-86
(पारट)

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज—, मद्रास

तारीख : 7-11-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 नवम्बर 1979

निदेश सं० 41/मार्च/79—अतः, मुझे, श्री० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 28, 28ए, और 28बी, तेप्पकुलम स्ट्रीट है, जो तिरुचेंगोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तिरुचेंगोड (डाक सं० 610/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ग) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) (1) श्री एन० सोमसुन्दरम, (2) एन० सडमप्पन (3) एस० ए० नन्दकुमार (माइनर) (4) एस० ए० प्रबुराम (माइनर) गार्डियन एन० सोमसुन्दरम (माइनर) एस० संगीतप्रिया—गार्डियन एन० सडमप्पन ।

(अन्तरक)

(2) श्री एन० मुत्तुसामी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

डाकनं० 610/79 एम० आर० ओ० तिरुचेंगोड (1) भूमि और निर्माण डोर नं० 28, 28ए, 28बी, तेप्पकुलम स्ट्रीट, तिरुचेंगोड ।

श्री० आनन्दराम,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 6-11-79
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना,
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 नवम्बर 1979

निदेश सं० 71/मार्च/79—अतः मझे श्री० आनन्दराम,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० 433, 434, 435, 436 और 437 जार्ज
स्ट्रीट है, जो तृतीकोरिन में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जे० एस० आर० तृतीकोरिन (डाक नं० 645/79) में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
मार्च 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एस० अय्यायुरै नाडार

(अन्तरक)

(2) श्री एस० ए० दनराज

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 645/79 जे० एस० आर० तृतीकोरिन
भूमि और निर्माण नडोर नं० 433, 434, 435, 436 और
437, जार्ज स्ट्रीट, तृतीकोरिन।

श्री० आनन्दराम),
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 10-11-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—-----

(1) श्री एस० अय्यादुरै

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) श्री एस० रामजमम

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 नवम्बर, 1979

निदेश सं० 72/मार्च/79—यतः मुझ ओ० आनन्दा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी पं० 428, 429, 430, 431 और 432
जार्ज स्ट्रीट है, जो तृतीकोरिन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जे० एस० आर० तृतीकोरिन (डाकू नं० 646/79 में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (108 का 16 के अधीन)
मार्च 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट सं० 649/79 जे० एस० आर० I तृतीकोरिन
भूमि और निर्माण डोर नं० 428, 429, 430, 431 और
432, जार्ज स्ट्रीट, तृतीकोरिन।

ओ० आनन्दा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 10-11-79

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 नवम्बर 1979

निदेश सं० 103/मार्च/79—अतः मुझे श्री० आनन्दराम
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 87 गोविन्दप्पनामक स्ट्रीट, है, जो मद्रास 1,
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सौकारपट (मद्रास)
(डाकू नं० 191/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

श्री (1) पी० वेंकटेश्वरन्, (2) डाक्टर पी० जैमकुमार,
(3) पी० राजकुमार (34) पी० बदरीनाथ
(5) पी० कृष्णमूर्ति, (6) पी० सतमनाराम ।
(7) पी० आदीनारामना (8) पी० एतिराज
(मैनर) (9) मैनर पी० शेषय्या गड्डिमन पी०
वनजा (10) पी० रागवैया गारडियन
पी० वनया (11) रंगनाथन
(अन्तरक)

(2) श्री (1) इमराव बै ीर (2) न बै
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्वच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 191/79 एस० आर० ओ० सौकारपट, मद्रास
भूमि और निर्माण डोर नं० 87, गोविन्दप्प नामक स्ट्रीट,
मद्रास ।

(श्री० आनन्दराम)

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I मद्रास

तारीख : 12-11-79

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री एस० लीलारानी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

289-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 नवम्बर, 1979

निदेश सं० 7101—यतः मुझे राधाबालकृष्ण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 289-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 6 है, जो हारलेस रोड मद्रास में स्थित है (और इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फुरसवासक (डाकुमेंट सं० 227/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन मार्च 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धर्मरिज की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और धर्मरक (धर्मरकों) और धर्मरिजों (धर्मरिजियों) के बीच ऐसे धर्मरण के लिए उय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धर्मरण लिखित में दायर किया जावे कबित नहीं किया गया है :—

(क) धर्मरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के धर्मरक के दायित्व में कमी करने या इससे बचन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धर्मरिजों को, जिन्हें आन्तीय धर्मरक अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धर्मरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय धर्मरिजों द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 289-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 289-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

(2) श्री शरदकुमार सी० शा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्मन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के धर्मन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही पर्य होना, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 6, हारलेस रोड, मद्रास (डाकुमेंट सं० 327/79)

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 7-11-79

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
296-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 नवम्बर, 1979

निदेश सं० 7103—यतः मुझे राधा बालकृष्ण
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और ज़मीन सं० 36, है, जो बारनबी रोड मद्रास में स्थित है (और
इससे उपाखण्ड अनुसूची और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री
अधिकारों के कार्यालय फरमवांखम (डाकुमेंट सं० 470/79 से
भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के
अधीन मार्च 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी खन या अन्य धातुओं
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की
उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री (1) धनमा बाय, (2) कृष्णाबाय (3) कामा-
कशोबाय (4) सारदा बाय (5) सम्पूरनी बाय,
कल्याणाबाय

श्री चन्द्रकिशोर टाखर मनजुला

(अन्तरक)

(2) श्री (1) जयन्तलाल के शा
(2) लालावट जे० शा (3) बरतकुमार जे० शा
(4) नरेन्द्र जे० पी० (5) दीपक जे० शा
(6) प्रकाश जे० शा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाक
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथवा हस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें, प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अबसूची

भूमि और निर्माण 36, बारनबी रोड (मद्रास डाकुमेंट
470/79)

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 8-11-79

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री बी० एस० सारावा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 नवम्बर, 1979

(2) श्रीमती हुसरा कादूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

निर्देश सं० 7044-यतः मुझे राधा बालकृष्ण आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जमकी सं० 36, है, जो श्रीनगर कालोनी सैदापेट, मद्रास में स्थित है, और इससे उपाय में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार कार्यालय के कार्यालय सैदापेट (डाकुमेंट सं० 747/79) में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन भाग 79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान प्रतिफल का पञ्चम प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और यह कि अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित रूप में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 36 श्रीनगर कालोनी मद्रास।
(डाकुमेंट सं० 747/79)

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1I मद्रास

तारीख : 9-11-79

मोहर :

प्राप्ति आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 नवम्बर 1979

निर्देश सं० 7054-यतः मुझे राधाबालकृष्ण
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सख्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 75, है, जो कतेदल रोड मद्रास 86 में स्थित है
है (और इससे उपावद्ध में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय मैलपूर (डाकुमेंट नं० 403/79) में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन मार्च 79
की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्री टी० बी० डोरेस्वामी नायडू
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती सुकवानी अकतवटसलम
(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताखरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 75 कतेदल रोड, मद्रास-86
(डाकुमेंट सं० 403/79)

राधा बालकृष्ण
सख्त प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, -2, मद्रास

तारीख : 13-11-79

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 नवम्बर 1979

निवेश सं० 8525—यतः मुझे राधाबालकृष्ण
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सं० 39/1 और 39/2 पुलनविलुती और
है, जो वनखनकाडु में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
पुडुकोट्टी (डाकुमेंट सं० 647/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन) मार्च 79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हाथिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धारता:—

(1) श्री के० पलनियप्पन शकन्तला

(अन्तरक)

(2) श्री निजाम पेपर और बारड मिलस

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाओप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

साष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-39/1 और 39/2 पुलनविलुती और
वनखनकाडु आलनघुटी तालुक (डाकुमेंट सं० 647/79)

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 13-11-79

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री सी० एम० सुरेश बाबू

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

की धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री पी० अरुणधरि

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 नवम्बर, 1979

निदेश सं० 8535—यतः मुझे राधाबालकृष्ण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है

और जिनकी सं० 142/1, है, जो पोन्नोरी स्थित है (और इससे उपाबद्ध और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पोन्नोरी (डाकुमेंट सं० 461/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 79 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

10—376GI/79

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि; जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 206 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि—142/1, पोन्नोरी (डाकुमेंट 461/79)

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख: 7-11-79

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री एस० आर० राजेश्वरी अम्मान ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री पी० आरुमुहम ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० 8535:—यन: मुझे, राधा बालकृष्ण,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ
के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० 66 है, जो अतिपेटु, पोन्नेरी में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, पोन्नेरी (डाकुमेन्ट सं० 462/79) में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
मार्च, 1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-
नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अन: अब उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे ।

संक्षेप:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20B में परिभाषित है वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि 66, अतिपेटु, पोन्नेरी (डाकुमेन्ट सं० 462/79) ।

राधा बालकृष्ण
सूक्ष्म प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, मद्रास ।

तारीख 7-11-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ---

(1) डाक्टर सी० मुनिरतिनम ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री पी० अरुनधरी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 नवम्बर, 1979

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

निर्देश सं० 8535:—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० 66, है, जो अतिपेठु, पोन्नेरी में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, पोन्नेरी (डाकुमेंट सं० 463/79) में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
मार्च, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

संश्लेषण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अमुसूची

भूमि 66, अतिपेठु, पोन्नेरी (डाकुमेंट सं० 463/79) ।

राधा बालकृष्ण,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 7-11-79
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री सी० राम० प्रेमलता ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्री पी० अरुनचिरी ।

(अन्तरिती)

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 नवम्बर, 1979

निदेश सं० 8535:—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 66, है तजी अतिपेटु, पोन्नेरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पोन्नेरी (डाकुमेंट सं० 464/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 66, अतिपेटु, पोन्नेरी (डाकुमेंट सं० 464/79) ।

राधा बालकृष्ण,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 7-11-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री डोरैस्वामी नायडु, चनकलवराय नायडु ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

(2) श्री पी० मुन्नमनियम, आर० पलनियप्प मुदलियार ।

(अन्तरिती)

की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज II मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 नवम्बर, 1979

निदेश सं० 8535:—यतः मूझे, राधा बालकृष्ण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 66, है जो अतिपेडु, पोन्नेरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पोन्नेरी (डाकुमेंट सं० 465/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों—अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि-66, अतिपेडु पोन्नेरी (डाकुमेंट सं० 465/79)।

राधा बालकृष्ण,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, II मद्रास

तारीख : 7 नवम्बर, 1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० 8536:—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 66, है जो अतिपेटु पोन्नेरी में स्थित है (और
इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, पोन्नेरी (डाकुमेंट सं० 467/79) में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
मार्च 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विज्ञापन करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का
पत्र प्रतिलिखित प्रतिकल है और प्रन्तरक (प्रन्तरकी)
और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती एस० आर० राजेश्वरी अम्माल ।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० लक्ष्मन्न् ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

भूमि 66, अतिपेटु, पोन्नेरी (डाकुमेंट सं० 467/79) ।

राधा बालकृष्ण,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख : 7 नवम्बर, 1979 ।
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 नवम्बर, 1979

निदेश सं० 8542:—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 1, बामानगर कीलकोमा स्ट्रीट, है जो सेन-
चुलाम, ट्रिची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ट्रिची (डाकु-
मेंट सं० 977/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च 79 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी प्राय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायिस्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्थियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:—

(1) (1) श्री मयद मिन्नाहिम, नूर मोहम्मद हैशर मोहम्मद,
लियोण मोहम्मद, मोहम्मद मुस्तफा मोहम्मद शाबी,
मोहम्मद रफीक ।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० तैयलनायकी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-1, बामनगर कील कोससस्ट्रीट, सेन
चुलाम, ट्रिची (डाकुमेंट सं० 77/79)

राधा बालकृष्ण,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
[अर्जन रेंज II, मद्रास]

तारीख: 9 नवम्बर, 1979
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एम०-----

(1) डाक्टर एन० राजामनी ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(अन्तरक)

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एन० बामकरन ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 नवम्बर 1979

निर्देश सं० 8543:—यतः मुझे, राधा बालकृष्णन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 89, है जो पुठुकीट्टै राजा कालनी कलकटरस आफिस रोड, टिचि-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टिचि (डाकुमेंट सं० 975/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 89, राजा कालनी, कलकटरस आफिस रोड, टिचि (डाकुमेंट सं० 975/79)

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 9 नवम्बर, 1979 ।
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री के० सुब्बरायन ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

(2) श्री रामकृष्णमूर्ती आस्टिन ।

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 नवम्बर 1979

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

निर्देश सं० 8545:—यतः मुझे, राधा बालकृष्णन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

और जिसकी सं० 208, है जो पोन्नघर कालनी ट्रिची 1 में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), जिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, ट्रिची (डाकुमेंट सं० 1096/79) में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन मार्च 79

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में दर्शाया नहीं किया गया है :-

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क
में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अनुसूची

भूमि और निर्माण - 208, पोन्नघर कालनी, ट्रिची (डाकु-
मेंट सं० 1096/79)।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

राधा बालकृष्णन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षीण)
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 9 नवम्बर, 1979 ।

मोहर :

प्रकट आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 नवम्बर, 1979

निदेश सं० 8546:—यतः मुझे, राधा बालकृष्णन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० 660, है जो कुलकुलि टिचिीरापल्ली-1 में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टिचिी (डाकुमेंट सं०
1388/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, मार्च 79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की जाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्त-
रण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पक्षांश 1:—

(1) श्री डाक्टर न्यानसेकरन ।

(अन्तरक)

(2) श्री के० रामकृष्ण ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रद्योतुस्तीकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-60 कुलकुलि, टिचिी (डाकुमेंट सं०
1388/79) ।

राधा बालकृष्णन,
सक्षम प्राधिकारी,
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त,
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख : 9 नवम्बर, 1979 ।
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री श्रीम रजक सेयट ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री बी० तम्मन्न थोडर ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 नवम्बर 1979

निर्देश सं० 10074:—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है और जिसकी

सं० 218 और 219 है, जो सालमन हाँस, ऊटी में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ऊटी (डाकुमेंट सं० 437/
79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, मार्च 79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वास्तविक उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उसमें बढ़ने से सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य वास्तविकियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
रूप अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्त-
रूप में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पार-
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 218 और 219, सालमन हाँस, ऊटी
(डाकुमेंट सं० 437/79) ।

राधा बालकृष्णन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास ।

तारीख : 9 नवम्बर, 1979
मोहर :

प्रारूप धार्मिक टी. एन. एस.-----

(1) श्रीमती जानकी मादव मेन ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(अन्तरक)

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) श्री के. एम. मोहम्मद अब्दुल कादर फेरम ।

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 नवम्बर 1979

निदेश सं० 7109,--यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 59, चौट्टि, कालनी है, जो मद्रास-34 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर (डाकुमेंट सं० 409/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च 79 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हैं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, जो हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रकरण 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन प्रकरण में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-59, चौट्टि कालनी, मद्रास-34, (डाकुमेंट सं० 409/79) ।

राधा बालकृष्ण,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 16-11-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 नवम्बर 1979

निदेश सं० 10285:—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 14/68 ए० सनघनूर है, जो कोयम्बतूर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, थादिपुरम (डाकुमेंट सं०
1100/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन मार्च 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्त-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती मीनाकशि अम्मल ।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० के० कन्दस्वामी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किस व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 14/68 ए०, सनघनूर, कोयम्बतूर,
(डाकुमेंट सं० 1100/79) ।

राधा बालकृष्णन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 16 नवम्बर, 1979

मोहर :

प्रकृष धाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० 10079:—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से
अधिक है।

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 986/1 है, जो बिलिनी में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेरियनायरवनपालयम
(डाकुमेंट सं० 394/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
आन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को
जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

(1) श्री वी० सी० दामोदरस्वामी, टी० बालमुन्दरम।
(अन्तरक)

(2) श्री जी० एस० वेनकटाचलम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि—बिलिचि, कोयम्बतूर जलूक (डाकुमेंट सं० 394/
79)।

राधा बालकृष्ण,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख : 16 नवम्बर, 1979।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री एफ० वी० अलबिम और अदरस ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री जी० जनार्दन राव ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 नवम्बर, 1979

गो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कायदवाहियां करता हू।

निर्देश सं० 8529:—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है ।

और जिसकी सं० टी० एम० सं० 1939 है, जो मालूमियारपेट,
कडलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कडलूर (डाकु-
मेंट सं० 346/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्य माम
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल के ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्त-
रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तन्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायिप्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य 1922
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अनुसूची

भूमि टी० एस० सं० 1939, मालूमियारपेट, कडलूर
(डाकुमेंट सं० 346/79) ।

राधा बालकृष्णन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख : 19 नवम्बर, 1979 ।
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर, 1979

निदेश सं० चण्डीगढ़/325/78-79:—यतः मुझे, आर० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जितना उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 20 कनाल 4.1/2 मरले है तथा जो गांव मनीमाजरा, यू० टी० चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1979।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तावित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप में उचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को जिन्हें आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री तेजा सिंह पुत्र श्री देवी दिसा, व गांव डा० मनीमाजरा, यू० टी० चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री कुलदीप सिंह नारंग पुत्र श्री किशन सिंह नारंग, श्रीमति दर्शी नारंग पत्नी श्री कुलदीप सिंह नारंग, कुमारी गीतिका नारंग, कुमारी लातीका नारंग, पुत्रीयाँ श्री कुलदीप सिंह नारंग, श्रीमति अमृता पत्नी श्री अरविन्द सिंह बबर, सारे वासी कोठी नं० 33, सैक्टर 5, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 20 कनाल 4.1/2 मरला है और जो गांव मनीमाजरा, यू० टी० चण्डीगढ़ में स्थित है।

(जायदेद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1139, मार्च 1979 में दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर, 1979।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर, 1979

निदेश सं० चन्डीगढ़/329/78-79:—अतः मुझे, आर०
के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 26 कनाल है तथा जो
मनीमाजरा, यू० टी० चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपा-
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

12—376GI/79

(1) श्री सुरिन्दर सिंह पुत्र श्री हकीकत सिंह द्वारा जनरल
अटारनी श्री रत्ना सिंह पुत्र श्री राम जस, गांव व
डा० मनीमाजरा, यू० टी० चन्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री कुलदीप सिंह नारंग पुत्र श्री किशन सिंह नारंग,
श्रीमति दर्शी नारंग पत्नी श्री कुलदीप सिंह नारंग,
कुमारी गीतीका नारंग पुत्री श्री कुलदीप सिंह
नारंग, श्रीमती अमृता पत्नी श्री अरविन्दर सिंह
बवर, कुमारी लतीका नारंग पुत्री श्री कुलदीप सिंह
नारंग, सारे वासी कोठी नं० 33, सैक्टर 5, चन्डी-
गढ़ श्री गुरमीत सिंह बाबा पुत्र श्री निहाल सिंह
बाबा, श्रीमति चरनजीत कौर पत्नी श्री गुरमीत
सिंह बाबा, श्री अनूपाल सिंह, श्री सर्वपाल सिंह,
श्री सुखपाल सिंह, पुत्र श्री गुरमीत सिंह बाबा, द्वारा
पिता श्री गुरमीत सिंह बाबा, सारे वासी मुक्तसर,
जिला फरीदकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 16 कनाल है और जो गांव
मनीमाजरा, यू० टी० चन्डीगढ़ में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के
कार्यालय के विलेख संख्या 1143, मार्च, 1979 में दर्ज
है)।

आर० के० मलहोत्रा,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 नवम्बर, 1979।

मोहर:

प्रकट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

, कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1979

निदेश सं० चन्डीगढ़/328/-78-79- अतः मुझे, आर०
के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 13 कनाल है तथा
जो गांव मनीमाजरा, यू० टी० चन्डीगढ़ में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च,
1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से अक्षित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव का बावजूद उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपावे में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उप-धारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्री रत्नासिंह पुत्र श्री राम जस, गांव व डा०
मनीमाजरा, यू० टी० चन्डीगढ़। (अन्तरक)
- (2) श्री कुलदीप सिंह नारंग पुत्र श्री किशन सिंह नारंग,
श्रीमति दर्शी नारंग पत्नी श्री कुलदीप सिंह नारंग,
मीस गीतीका नारंग पुत्री श्री कुलदीप सिंह नारंग,
श्रीमति अमृता पत्नी श्री अरविन्दर सिंह बकर,
कुमारी लतीका नारंग पुत्री श्री कुलदीप सिंह नारंग,
सारे वासी कोठी नं० 33, सैक्टर 5, चन्डीगढ़,।
श्री गुरमीत सिंह बाबा पुत्र श्री निहाल सिंह बाबा,
श्रीमति चरनजीत कौर पत्नी श्री गुरमीत सिंह
बाबा, श्री अनूपाल सिंह, श्री सर्वपाल सिंह, श्री
सुखपाल सिंह, पुत्र श्री गुरमीत सिंह बाबा, द्वारा
पिता श्री गुरमीत सिंह बाबा, सारे वासी मुक्तसर,
जिला फरीदकोट। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रजन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रजन के संबंध में कोई भी आशेष:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंक्तियों का, जो
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 13 कनाल है और जो गांव
मनीमाजरा, यू० टी० चन्डीगढ़ में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या 1142, मार्च, 1979 में दर्ज
है)।

आर० के० मलहोत्रा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 नवम्बर 1979।

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एस० एन०—

आयकर अधिनियम 1961, (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1979

निदेश सं० चन्डीगढ़/326/78-79—अतः मुझे, आर० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 20 कनाल 4.1/2 मरले है तथा जो गांव मनीमाजरा, यू० टी० चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उस से बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री तेजा सिंह पुत्र श्री देवी दत्ता, गांव व डा० मनीमाजरा, यू० टी० चन्डीगढ़ ।

(अन्तरक)

(2) श्री बाबा गुरमीत सिंह पुत्र श्री बाबा निहाल सिंह, श्रीमति चरनजीत कौर पत्नी श्री गुरमीत सिंह, श्री अनुपाल सिंह श्री सर्वपाल सिंह, श्री सुखपाल सिंह, पुत्र श्री गुरमीत सिंह बाबा द्वारा एन०/जी० श्री गुरमीत सिंह बाबा, सारे वासी मुक्तसर, जिला फरीदकोट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में सम्पत्ति होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 20 कनाल 4.1/2 मरले है और जो गांव मनीमाजरा, यू० टी० चन्डीगढ़ में स्थित है ।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1140, मार्च, 1979 में दर्ज है) ।

आर० के० मलहोत्रा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर 1979 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1979

निदेश सं० चन्डीगढ़/327/78-79:—अतः, मुझे, आर० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजारमूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 12 कनाल है तथा जो गांव मनीमाजरा, यू० टी० चन्डीगढ़, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च, 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) कैप्टन हकीमत सिंह पुत्र श्री राम जस, गांव व डा० मनीमाजरा, यू० टी० चन्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री बाबा गुरमीत सिंह पुत्र बाबा निहाल सिंह वासी मुक्तसर, श्री कुलदीप सिंह नारंग पुत्र श्री किशन सिंह नारंग, श्रीमति वर्षी नारंग पत्नी श्री कुलदीप सिंह नारंग, श्रीमति अमृता पत्नी श्री अरविन्दर सिंह बबर, कुमारी गीतीका नारंग, कुमारी लातीका नारंग, पुत्रीयां, श्री कुलदीप सिंह नारंग, सारे वासी कोठी नं० 33, सेक्टर 5, चन्डीगढ़।

श्रीमति चरनजीत कौर पत्नी श्री गुरमीत सिंह बाबा, श्री अनुपाल सिंह, श्री सर्वपाल सिंह, श्री सुखपाल सिंह), पुत्र श्री गुरमीत सिंह बाबा, क्वारा एन०/जी० पिता श्री गुरमीत सिंह बाबा, सारे वासी मुक्तसर, जिला फरीदकोट।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 12 कनाल है और जो गांव मनीमाजरा, यू० टी० चन्डीगढ़ में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी 'चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1141, मार्च, 1979 में दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर, 1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एम० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर, 1979

निदेश सं० चन्डीगढ़/312/78-79:—अतः मुझे, आर० के० मलहोत्रा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 1056, सैक्टर 18-सी, है तथा जो चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपानद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के व्यय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी घन या अन्य प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री बनारसी दास पुत्र श्री साधन राम, वासी 1056, सैक्टर 18-सी, चन्डीगढ़। (अन्तरक)

(2) श्री रिशी राज पुत्र श्री हेम राज, वासी मकान नं० 2309/ए सैक्टर 27-सी, चन्डीगढ़। (अन्तरिती)

(3) श्री जगजीत सिंह चावला आफ एफ० सी० आई., श्री अजीत सिंह आफ फाईर ब्रिगेड, श्री राम हरश सुकला, पहली मंजिल, श्री कुलवन्त सिंह बेदी आफ पंजाब, एग्री इंडस्ट्रीज, कार्पोरेशन, श्री के० आर० गौतम स्टेट बैंक आफ इंडिया,। सारे वासी मकान नं० 1056, सैक्टर 28-सी, चन्डीगढ़।

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1056, सैक्टर 18-सी०, चन्डीगढ़।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1013 : मार्च, 1979 में दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 15 नवम्बर, 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्ज रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० चन्डीगढ़/313/78-79:—अतः मुझे, आर०
के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयम करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 16 कनाल 8 मरले
है तथा जो गांव मनीमाजरा, यू० टी० चन्डीगढ़ में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च,
1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयम करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री देवकी नन्दन पुत्र श्री सुन्शी राम वासी कुराली
(गांव सैलवा माजरी) तहसील खरड़, जिला रोपड़,
द्वारा स्पेशल पावर आफ प्रटारली, श्री के० जी०
शर्मा पुत्र श्री बीर राम शर्मा, गांव मनीमाजरा,
यू० टी० चन्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री हुकम चन्द पुत्र श्री दौलत राम, अंगारा देव
पुत्र श्री लच्छमन दास वासी गांव मनीमाजरा
(एच० बी० नं० 375), यू० टी० चन्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वस्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 16 कनाल 8 मरले है और जो
गांव मनीमाजरा, यू० टी० चन्डीगढ़ में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या 1030, मार्च, 1979 में दर्ज
है)।

आर० के० मलहोत्रा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्ज रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 नवम्बर, 1979।

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1979

निदेश सं० चण्डीगढ़/305/78-79:—प्रतः मुझे, प्रार०
के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 1764.7/12
वर्ग गज है तथा जो गांव भैरा, जी० टी० रोड़, लुधियाना
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख मार्च, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और यह
कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसा अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(ग) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) सर्व श्री सतपाल, प्रेम पाल, वेद प्रकाश पुत्र श्री मोहन
लाल, बी-11-440, बैजमन रोड़, लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री गरीश कपूर पुत्र श्री सत प्रकाश, 82-डी माल,
लुधियाना।

(अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 1764.7/12 वर्ग गज
है और जो गांव भैरा, जी० टी० रोड़, लुधियाना में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के
कार्यालय के विलेख संख्या 4886, मार्च, 1979 में दर्ज है)

प्रार० के० मलहोत्रा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर, 1979।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर, 1979

निदेश सं० सीएचडी/306/78-79:—अतः मुझे, आर० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० बी-1-630, जिसका क्षेत्रफल 225 वर्ग गज है तथा जो कुन्दनपुरी, सीवील लाईन, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री गुरबखश सिंह पुत्र श्री गोपाल सिंह, बी-1-630, कुन्दनपुरी, सीवील लाईन, लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री सतपाल पुत्र श्री करम चन्द वासी बी-1-630, कुन्दनपुरी, सीवील लाईन, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-1-630, कुन्दनपुरी, सीवील लाईन, लुधियाना।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 4903, मार्च, 1979 में दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर, 1979।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर, 1979

निदेश सं० लुधियाना/273/78-79:—अतः, मुझे, भार०

के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रूपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 126, जिसका क्षेत्रफल 217.17 वर्ग गज है तथा जो माडल टाउन ग्रीकसटैनसन पार्ट सी०, तरफ नूर मैनी, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से मरिद नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

13-37604/79

(1) श्री ललीत खन्ना पुत्र श्री मोम प्रकाश खन्ना बी-10-249, इकबाल गंज, लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री स्वदेश पाल सेठ पुत्र श्री वजीर चन्द सेठ, राम निवास, माल रोड, कसौली, हि० प्र०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अयोद्धाधरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 217.17 वर्ग गज है और जो माडल टाउन ग्रीकसटैनसन पार्ट सी०, तरफ नूर मैनी, लुधियाना में स्थित है।

(जायेदाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के बिलेख संख्या 4549, मार्च, 1979 में दर्ज है)।

भार० के० मलहोत्रा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर, 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1979.

निर्देश सं० लुधियाना/291/78-79:—अतः, मुझे, आर० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विषय : उक्त बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 418, जिसका क्षेत्रफल 400.1/2 वर्ग गज है तथा जो इंडस्ट्रीअल एरिया 'ए' लुधियाना में स्थित है (और इससे उपान्वृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1979:

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्त बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री इन्दर देव धन्डा पुत्र गिरधारी लाल, वासी मोतल्ला धन्डीयां, दरेसी रोड लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स सागर मशीन टुलस, लि०, 419—इंडस्ट्रीअल एरिया, 'ए', लुधियाना द्वारा श्री अमरजीत सिंह पुत्र श्री आत्मा सिंह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या न्यूनतम अवधि व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्राप्ति बाद में सम्पन्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छो हरग :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रकरण 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उन प्रकरण में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 400.1/2 वर्ग गज है जो इंडस्ट्रीअल एरिया 'ए' लुधियाना में स्थित है।

(जायेदाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 4762 : मार्च, 1979 में दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा,
मक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 15 नवम्बर, 1979
मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1979

निदेश सं० लुधियाना/304/78-79:-अतः, मुझे, आर०

के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 2540 वर्ग गज है तथा जो गुरदेव नगर, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्राप्तफल के तथ्य धनरित हो गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और धनरक (अन्तरक) और धनरिती (धनरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धनरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) धनरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के धनरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब का उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सर्वश्री सरनजीत सिंह पुत्र मेहर सिंह द्वारा श्री मेहर सिंह, जी० ए० श्री बरजीत सिंह पुत्र श्री मेहर सिंह वासी नसराली, तहसील लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स मलहार असेसोएट्स, 50-प्रताप रोड, जालन्धर द्वारा श्री भूपिन्दर सिंह, पार्टनर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धनर के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के धनर के संबंध में कोई भी प्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रवाह्यकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और उद्देश्यों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, का अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 2540 वर्ग गज है और जो गुरदेव नगर, लुधियाना में स्थित है।

(जायेदाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 4881, मार्च, 1979 में दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर, 1979

मोहर :

प्रकृष धार्डि० टी० न० इत०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1979

निदेश सं० लुधियाना/299/78-79—धतः मुझे, धार० के० मलहोत्रा, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके बराबर 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 104, माडल ग्राम, तरफ काराबारा, है तथा जो लुधियाना में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धस्तरि की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और धस्तरक (धस्तरकों) और धस्तरिती (धस्तरितियों) के बीच ऐसे धस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धस्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) धस्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के धस्तरक के दायित्व में कमी करने या उल्टे धधने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या कितो धन या धन्य प्राप्तिधों को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या कितो धाय धाहिध था, धिधाने में सुविधा के लिए;

अतः धय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित धधितधों, कथाः :—

(1) श्री राम कृष्ण पुत्र श्री तुलसी राम, 104-माडल ग्राम, लुधियाना।

(धस्तरक)

(2) श्री सुरिन्वर कुमार पुत्र श्री रिखी राम माडल ग्राम लुधियाना।

(धस्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिध करता हूँ।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाधेध :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धधध या तत्संबधी धधधियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धधध, जो भी धधध धाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त धधधिया में से किसी धधध धारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन्ध किसी धन्य धधध धारा धधोहस्ताधरी के पाल निश्चित में किए जा सकेंगे।

धधधिकरण :—इसमें प्रयुक्त धधधों और धधों का, जो उक्त अधिनियम के धधधय 20-क में परिभाषित है, वही धधं होगा, जो उक्त धधधय में धधया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 104, माडल ग्राम, तरफ कारा बारा, लुधियाना।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 4811, मार्च 1979 में दर्ज है)।

धार० के० मलहोत्रा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर 1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर, 1979

निदेश सं० लुधियाना/277/78-79:—अतः मुझे, प्रार०

के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 1000 वर्ग गज है तथा जो गिल नं० 1 न्यू जनता नगर, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संज्ञा का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का स्मृति प्राप्ति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित रूप से कबित नहीं किया गया है

(क) पञ्चदश वृद्धि किंवा धार वा बाहर उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किंवा धार वा किंवा धार वा अन्य शक्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहे या, डिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) सर्वश्री तेजपाल सिंह, हरजीत सिंह पुत्र श्री बलवन्त सिंह, 15-ए, कृष्णापुरा, मोदी नगर, मेरठ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अवतार कौर पत्नी श्री अमरजीत सिंह पुत्र श्री मनसा सिंह गांव बिलासपुर, तहसील व जिला लुधियाना।

(अन्तरितियों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायबाहिमा करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में द्वारा की जायेगी:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि या भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किया जायेगा द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वाक्यों का, जो उक्त अधिनियम के प्रयोग 20-क में परिभाषित हैं वही प्रयुक्त होंगे जो उस प्रयोग में दिए गए हैं।

अनुसूची

प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 1000 वर्ग गज है और जो न्यू जनता नगर, लुधियाना में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 4597, मार्च, 1979 में दर्ज है)।

प्रार० के० मलहोत्रा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 नवम्बर, 1979।

मोहर:

प्रारम्भ आर्द्ध टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर, 1979

निदेश सं० लुधियाना/310/78-79:—अतः मुझे, आर० के० मलहोत्रा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 451, माडल टाऊन है तथा जो लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1979 को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी याप की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अथवा आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-स्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमति निर्मल हान्डा पत्नी श्री केवल किशन हान्डा, 451-माडल टाऊन, लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति नीलम खोसला पत्नी श्री हरी मिसल, 284-एल, माडल टाऊन, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धायेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्रिदबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 451 माडल टाऊन, लुधियाना।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 4916, मार्च, 1979 में वर्णित है)।

आर० के० मलहोत्रा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 नवम्बर, 1979।

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर, 1979

निदेश सं० रोपड़/19/78-79:—अतः मुझे, आर० के०

मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 16 बिघा है तथा जो गांव ककराली, तहसील रोपड़, में स्थित है (और इनके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, रोपड़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुमरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त :—

(1) श्री भवना पुत्र श्री काहना, वासी ककराली, तहसील, रोपड़।

(अन्तरक)

(2) श्री बलदेव सिंह पुत्र मेजर सिंह, श्री अमरीक सिंह, सवरन सिंह पुत्र श्री बलदेव सिंह, वासी गांव ककराली, तहसील रोपड़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् की व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाधक मनाया होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अयोग्यताओं के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इस सूचना में उक्त पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 16 बिघा है और जो गांव ककराली तहसील रोपड़ में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, रोपड़ के कार्यालय के विलेख संख्या 3114, मार्च, 1979 में दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर, 1979।

कोष्ठक :

प्रारूप धार्डि० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के प्रयोजन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रैज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1979

निदेश सं० संगर/100/78-79—प्रतः मुझे, आर० के० मलहोत्रा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाता है), की धारा 269-ब के प्रयोजन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयवस्तु करने का कारण है कि सहायक आयकर अधिकारी उक्त आकार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 68 कनाल 9 मरले है तथा जो गांव उभावाल, तहसील ब जिला संगरूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, संगरूर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1979 को पंजीकृत होने के दिवस आकार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और इसे यह विवेकासक ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अत्यधिक प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितियों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की भावना, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कपी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किना खन या अन्य वस्तुओं को जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री सरवन सिंह बतार कुन्दन सिंह पुत्र श्री गगन सिंह बतार उभावाल, तहसील ब जिला संगरूर।
(प्रन्तरक)

(2) सर्वश्री सुरजीत सिंह, मलकीत सिंह, लच्छमन सिंह गुरजीत सिंह सुपुत्र श्री बगुर सिंह, रणजीत सिंह, नखतर सिंह पुत्र श्री गुरदेव सिंह करनैल सिंह पुत्र श्री गजन सिंह, श्रीमति बलबीर कौर पत्नी श्री करनैल सिंह, बतार उभावाल, तहसील ब जिला संगरूर।

(अन्तरितियों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करवा दूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आप्रोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त सहायक आयुक्त में दृष्टव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोद्धताक्षरों के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 68 कनाल 9 मरले है और जो गांव उभावाल, तहसील ब जिला संगरूर में स्थित है।

(गवेषाद जैता कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, संगरूर के कार्यालय के विलेख संख्या 2632, मार्च, 1979 में दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रैज, लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर 1979।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1979

निर्देश सं० चन्डीगढ़/322/78-79—अतः मुझे, आर० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मकान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और सिक्री सं० अनुसूची के अनुसार है, और जिसकी सं० प्लॉट नं० 1415 (जिसका क्षेत्रफल 343.91 वर्ग गज) है तथा जो सैक्टर 34-सी०, चन्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल में कमी करने या उसमें बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

(1) ल० कमान्जर रमेश चन्द्र जयल पुत्र स्व० श्री भोला दत्त जयल वासी 2220 नेताजी नगर, नई दिल्ली द्वारा जनरल अटारनी श्री देव राज चड्ढा पुत्र श्री राम दाम चड्ढा वासी 1922 सैक्टर 22-डी, चन्डीगढ़ ।

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री रविकान्त, सुधीर मोहन विजय कुमार पुत्र श्री हणार दाम बार्मा मकान नं० 3037 सैक्टर 21-डी, चन्डीगढ़ ।

(अन्तरिती)

(3) श्रवे माधू सिंह गोपाल पुत्र श्री बूटा राम गोपाल वासी 1849 सैक्टर 34-डी, चन्डीगढ़ ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

(4) श्री माधू सिंह गोपाल पुत्र श्री बूटा राम गोपाल वार्मा 1849 सैक्टर 34-डी, चन्डीगढ़ ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धारणा :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 1415, सैक्टर 34 सी०, चन्डीगढ़ ।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1130, मार्च, 1979 में दर्ज है ।

आर० के० मलहोत्रा,

सहायक प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर, 1979

मोहर :

प्रकरण आई० डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1979

निदेश सं० चन्डीगढ़/320/78-79—अतः मुझे, आर०

के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 347, सेक्टर 35-ए, है जो चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शङ्काविहिन रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की शर्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के माध्यम से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किमी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) विंग कमान्डर सनवाल शाह पुत्र श्री बक्सो चनन शाह 19-ए, एलगिनरोड अम्बाला कैंट द्वारा स्पेशल अटार्नी श्री ललीत कुमार मितल पुत्र श्री फकीर चन्द मारफत शिमला फ्लोर मिल्स, सेक्टर 22-(सी, चन्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) कुमारी रूबी मितल, कुमारी सेरी मितल (माई-नर) पुत्रीया, श्री ललीत कुमार मितल वासी 2244 सेक्टर 15-(सी, चन्डीगढ़ द्वारा माता व एन० जो० श्रोमति लाजवन्ती मितल पत्नी श्री एल० के० मितल, 2244, सेक्टर 15-(सी, चन्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 347, सेक्टर 35-ए, चन्डीगढ़।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के बिलेख संख्या 1105, मार्च, 1979 में दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर, 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1979

निदेश सं० पटियाला/301/78-79:—अतः, मुझे, आर०
के० मलहोत्रा,

आयकर, अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात्, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० दो मंजिल दुकान बिल्डिंग नं० 1667/5
है तथा जो डबल फाटक नं० 22, पटियाला में स्थित है
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च,
1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बात उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहे या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) सर्वश्री प्रीतम सिंह बराड़ पुत्र नाजर सिंह, स्पेशल
अटारनी आफ स्व० लीडर पुत्र व स्वयं मनप्रीत
सिंह, श्रीमति जगजीत कौर पुत्र श्री गजजन सिंह
व जगवीर सिंह बराड़ पुत्र श्री प्रीतम सिंह,
बराड़ स्ट्रीट, नं० 22 फाटक, पटियाला।

(अन्तरक)

(2) श्रीमता हरिन्दर कौर पत्नी श्री गुरकिरण सिंह,
सर्वश्री तनवीर सिंह, सर्वजीत सिंह, मनमोहन सिंह,
अमरिन्दर सिंह पुत्र श्री गुरकिरण सिंह वासी
22 नं० फाटक, पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जायेदाद नं० 1667/5, नजदीक 22 नं० फाटक,
पटियाला।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला
के कार्यालय के विलेख संख्या 6264, मार्च, 1979 में दर्ज
है)।

आर० के० मलहोत्रा,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर, 1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायता (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1979

निर्देश सं० लुधियाना/281/78-79:—अतः, मुझे, आर० के० मलहोत्रा,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० बी०—XVI/1057/20 है तथा जो कलसाया रोड, मुरादपुरा, लुधियाना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रारकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रारकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन, तारीख मार्च, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी धाय या किसी धन या अन्य भास्तिथों को, जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:—

(1) श्री राज कुमार जोशी एण्ड सन्ज, मार्फत राज कुमार जोशी पुत्र श्री राम रतन जोशी, 1164, हरनाम नगर, लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री टहल सिंह पुत्र श्री रत्ना सिंह बी०—XVI/1057/20, कलसाया रोड, मुरादपुरा, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी०—XVI/1057/20, कलसाया रोड, मुरादपुरा, लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रारकर्ता अधिकारी लुधियाना के विलेख सं० 4643 मार्च, 1979 में दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रंज, लुधियाना

तारीख: 15 नवम्बर, 1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर, 1979

सं० निदेश सं० लुधियाना/265/78-79—अतः, मुझे,
आर० के० मलहोत्रा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० मकान नं० 77-मं., है तथा जो उद्यम सिंह
नगर, लुधियाना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
लुधियाना में, रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधिन, तारीख मार्च, 1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री बलबार् वालीया पुत्र श्री करतार सिंह,
3 ए, नेहरू नगर, फगवाड़ा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कृष्णा कटारिया पत्नी श्री सोम नाथ
77-(सा, उद्यम सिंह नगर, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 77-मं, उद्यम सिंह नगर, लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना
के बिलेख नं० 4463 मार्च, 1979 में दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर 1979

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महाबल भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर, 1979

निदेश सं० चन्डीगढ़/324/78-79—अतः मुझे, आर० के० मलहोत्रा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 1607 (जिसका क्षेत्रफल 528.1 वर्गगज) है तथा जो सैक्टर 33-डी चन्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी प्राय का बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मेजर बरिन्दर सिंह खुराना पुत्र श्री हरबन्स सिंह वासी 511- सैक्टर 18, चन्डीगढ़, द्वारा श्रीमति मन्त भूपिन्दर सिंह पत्नी श्री भूपिन्दर सिंह, 676 सैक्टर 9-बी, चन्डीगढ़, जी० ए० आफ मेजर बरिन्दर सिंह।

(अन्तरक)

(2) श्री भूपिन्दर सिंह पुत्र श्री दौलत सिंह वासी मकान नं० 676, सैक्टर 8-बी, चन्डीगढ़।

(अन्तरिती)

(3) श्री जमवीर सिंह अहलूवालिया, 1607, सैक्टर 33-डी, चन्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)।

(4) श्री जमवीर सिंह अहलूवालिया, 1607 सैक्टर 33-डी, चन्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोदस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 1607, सैक्टर 33-डी, चन्डीगढ़।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विवेक संख्या 1137, मार्च, 1979 में दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर, 1979

मोहर :

प्रश्न आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 नवम्बर 1979

निदेश सं० लुधियाना/278/78-79:—अतः मुझे, आर० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नं० बी०-32-743 है तथा जो बहादुर के रोड़, लुधियाना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री वर्ती अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:—

(1) मैमर्ज न्यू लुधियाना, कोपरेटिव कोल्ड स्टोर लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) जनरल हार्ड वेयर सिन्डीकेट, कृष्णा मारके ओवर लाक रोड़ मिलर गन्ज लुधियाना।

(अन्तरिती)

(3) मैमर्ज राज श्री कोल्ड स्टोरेज व आईस फैक्टरी बहादुर के रोड़ लुधियाना।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

(4) मैमर्ज राज श्री कोल्ड स्टोरेज व आईस फैक्टरी बहादुर रोड़ लुधियाना।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० बी-32-743 बहादुर के रोड़, लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 4593 मार्च, 1979 में दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 नवम्बर 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 दिसम्बर 1979

निर्देश सं० ए० आर०-I/4197-5/म० 79-अतः,
मुझे, व्ही० एस० शेषाद्रि,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/ रुपये
से अधिक है
और जिसकी सं० सी० एस० नं० 94 है तथा जो कुलाबा
डिवीजन में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
बंबई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 11-5-1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न लिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधि में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उनमें बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-
नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में
में उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन;
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री मुनीस हुसैनी बाराबाला 2. मिसेम सीरीन
मुनीस बाराबाला (अन्तरक)।

2. डा० रुसी० डि० उमरीगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

साष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित है वही अर्थ
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० बंबई/1805/78 बंबई
उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 11-5-79 के रजिस्टर्ड
किया गया है।

वी० एस० शेषाद्रि,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, बंबई

तारीख: 3 दिसम्बर, 1979

मोहर:

संघ लोक सेवा आयोग

नोटिस

राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा, जून, 1980

नई दिल्ली, दिनांक 22 दिसम्बर 1979

स० फा० 7/2/79-प० I/(ख)—राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के थल सेना, नौसेना तथा वायु सेना स्कंधों में प्रवेश हेतु जनवरी 1981 से प्रारंभ होने वाले 65वें सत्र के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 8 जून, 1980 से एक परीक्षा आयोजित की जाएगी।

इस परीक्षा के परिणाम आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की अनुमानित संख्या 300 (थल सेना के लिए 195, नौसेना के लिए 39 और वायु सेना के लिए 66) होगी।

आयोग द्वारा आयोजित होने वाली लिखित परीक्षा तथा उसके बाद सेवा चयन बोर्ड द्वारा लिखित परीक्षा में योग्यता प्राप्त उम्मीदवारों के लिए आयोजित बौद्धिक और व्यक्तित्व परीक्षण के परिणाम के आधार पर उपर्युक्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया जाएगा। (क) परीक्षा की प्रणाली स्तर और पाठ्यचर्या (ख) अकादमी में प्रवेश हेतु शारीरिक क्षमता स्तर तथा (ग) भारतीय सेना अकादमी नौसेना अकादमी में प्रवेश पाने वाले उम्मीदवारों की सेवा आदि की संक्षिप्त सूचना के सम्बन्ध में क्रमशः परिशिष्ट I, II और III में विस्तार से समझाया गया है।

नोट:—परीक्षा के सभी विषयों के प्रश्न-पत्रों में केवल वस्तुपरक प्रश्न ही होंगे। नमूने के प्रश्नों सहित अन्य विवरण के लिए कृपया परिशिष्ट V में उम्मीदवारों को सूचनार्थ विवरणिका देख लें।

2. परीक्षा के केन्द्र: अहमदाबाद, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, चण्डीगढ़, कोचीन, कटक, दिल्ली, दिसपुर (गोहाटी), हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, लखनऊ, मद्रास, नागपुर, पणजी (गोव्रा), पटियाला, पटना, पोर्ट ब्लेयर, शिलांग, शिमला, श्रीनगर और त्रिवेंद्रम।

3. पात्रता की शर्तें:

(क) राष्ट्रिकता:

उम्मीदवार या तो

- (i) भारत का नागरिक हो; या
- (ii) भूटान की प्रजा हो; या
- (iii) नेपाल की प्रजा हो; या
- (iv) भारत में स्थायी रूप से रहने के इरादे से 1 जनवरी, 1962 से पहले भारत आया हुआ तिब्बती शरणार्थी हो; या
- (v) भारतीय मूल का व्यक्ति हो जो भारत में स्थायी रूप से रहने के उद्देश्य से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, पूर्वी अफ्रीकी देश जैसे कीनीया, उगांडा तथा तंजानिया का संयुक्त गणराज्य या जाम्बिया, मलावी जेरे

तथा इथियोपिया और वियतनाम से प्रजनन कर आया हो।

परन्तु उपर्युक्त वर्ग (iii) (iv) और (v) के अन्तर्गत आने वाला उम्मीदवार ऐसा व्यक्ति हो जिसको भारत सरकार ने पात्रता प्रमाण-पत्र प्रदान किया हो।

पर नेपाल के गोरखा उम्मीदवारों के लिए यह पात्रता-प्रमाण-पत्र आवश्यक नहीं होगा।

जिस उम्मीदवार के लिए यह पात्रता-प्रमाण-पत्र आवश्यक होगा, उसको इस शर्त पर परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है और अकादमी या शाला में भी, जैसी भी स्थिति हो, प्रवेश दिया जा सकता है कि बाद में भारत सरकार से वह उक्त प्रमाण-पत्र प्राप्त करें।

(ख) आयु सीमाएं, स्त्री या पुरुष और वैवाहिक स्थिति:—केवल वे ही अविवाहित पुरुष उम्मीदवार पात्र हैं जिनका जन्म 2 जुलाई, 1962 से पूर्व तथा 1 जनवरी, 1965 के बाद न हुआ हो।

नोट:—जन्म की तारीख केवल वही मान्य होगी जो मैट्रिकुलेशन/हायर सैकेण्डरी, या समकक्ष परीक्षा प्रमाण-पत्र में लिखी गई हो।

(ग) शैक्षिक योग्यताएं: राज्य शिक्षा बोर्ड या मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय की हायर सैकेण्डरी परीक्षा या समकक्ष। वे उम्मीदवार भी पात्र हैं जिन्होंने स्कूली शिक्षा की 10+2 प्रणाली के अंतर्गत 11वीं कक्षा की परीक्षा पास कर ली है।

ऐसे उम्मीदवार भी आवेदन कर सकते हैं जिन्होंने अभी हायर सैकेण्डरी या समकक्ष परीक्षा या स्कूली शिक्षा की 10+2 प्रणाली के अन्तर्गत 11वीं परीक्षा पास करनी है।

उम्मीदवारों को 30 दिसम्बर, 1980 तक हायर सैकेण्डरी परीक्षा या उसके समकक्ष परीक्षा के मूल प्रमाण-पत्र आयोग को भेज देने चाहिए। ऐसा न करने पर उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी। ऐसे मामलों में वहां बोर्ड/विश्वविद्यालय के द्वारा प्रमाण-पत्र नहीं दिये जाते, शिक्षा संस्थाओं के प्रधानाचार्य के द्वारा दिये गए मूल प्रमाण-पत्र भी आयोग को स्वीकार्य होंगे। ऐसे प्रमाण-पत्रों की प्रमाणित सत्य प्रतिलिपियां स्वीकार नहीं की जाएंगी।

अपवाद की परिस्थितियों में आयोग किसी ऐसे उम्मीदवार को इस नियम में निर्धारित योग्यताओं में से किसी से युक्त न होने पर भी शैक्षिक रूप से योग्य मान सकता है बशर्ते कि उसके पास ऐसी योग्यताएं हों जिनका स्तर आयोग के विचार से उसे इस परीक्षा में प्रवेश देना उचित ठहराता हो।

नोट 1:—वे उम्मीदवार जिन्हें हायर सैकेण्डरी या समकक्ष परीक्षा में अभी अर्हता प्राप्त करनी है और- जिनको संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में बैठने की अनुमति दे दी है, नोट कर लें कि उनको दी गई यह विशेष छूट है।

उन्हें हायर सेकेण्डरी या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण निर्धारित तारीख तक प्रस्तुत करना है और बोर्ड/विश्वविद्यालय परीक्षा के देर से आयोजित किये जाने, परिणाम घोषणा में, विलम्ब या अन्य किसी कारण से इस तारीख को और आगे बढ़ा देने से सम्बद्ध किसी भी अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

नोट 2:—जो उम्मीदवार रक्षा मंत्रालय द्वारा रक्षा सेवाओं में किसी प्रकार के कमीशन से अप-वर्जित हैं, वे इस परीक्षा में प्रवेश के पात्र नहीं होंगे। अगर प्रवेश दे दिया गया तो उनकी उम्मीदवारी रद्द की जाएगी।

4. आवेदन के साथ देय शुल्क:—रु० 28.00 (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों के लिए रु० 7.00) जिन आवेदन-पत्रों के साथ यह निर्धारित शुल्क नहीं भेजा जाएगा, उनको एकदम अस्वीकार कर दिया जाएगा।

5. शुल्क से छूट:—(1) आयोग यदि चाहे तो, निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब उनको इस बात का आश्वासन हो कि आवेदक भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से वस्तुतः विस्थापित व्यक्ति है जो 1-1-1964 और 25-3-1971 के बीच की अवधि में भारत में प्रव्रजन कर आया है या वह बर्मा से वस्तुतः प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति है जो 1-6-1963 को या उसके बाद भारत में प्रव्रजन कर आया है या वह श्रीलंका से वस्तुतः प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है जो अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत में आया है या आने वाला है और निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है।

(2) थल सेना के जूनियर कमीशन अफसरों, नौन-कमीशण्ड अफसरों तथा अन्य रैंकों और भारतीय नौसेना तथा भारतीय वायुसेना के समकक्ष रैंकों के बच्चों और थल सेना के भूतपूर्व जूनियर कमीशण्ड अफसरों, भूतपूर्व नान-कमीशण्ड अफसरों तथा भूतपूर्व अन्य रैंकों और भारतीय नौसेना तथा भारतीय वायुसेना के समकक्ष रैंकों के बच्चों को उस स्थिति में निर्धारित शुल्क देने की जरूरत नहीं होगी जब वे निम्नलिखित शर्तें पूरी कर देते हैं; अर्थात्:—

- (i) वे मिलिट्री स्कूलों (पहले किंग जार्ज के स्कूलों के नाम से ज्ञात)/सैनिक स्कूल सोसाइटी द्वारा चलाए जा रहे सैनिक स्कूलों में शिक्षा पा रहे हैं, और
- (ii) उनके आवेदन सम्बद्ध स्कूल के प्रिंसिपल द्वारा इस अनुशंसा के साथ अग्रेषित कर दिए जाते हैं कि उनके लिखित प्रश्न पत्रों में कुल अंकों के कम से कम 30 प्रतिशत अंक प्राप्त करने की आशा है।

6. आवेदन कैसे किया जाए:— केवल राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा जून, 1980 के लिए निर्धारित प्रपत्र में छपे हुए आवेदन पत्र ही लिए जाएंगे जो इस परीक्षा के

नोटिस के साथ लगे हुए हैं। आवेदन-पत्र भर कर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को भेजे जाने चाहिए। आवेदन प्रपत्र और परीक्षा के पूरे विवरण निम्न स्थानों से प्राप्त किए जा सकते हैं:—

- (i) संघ लोक सेवा आयोग के सचिव को दो रुपए मनीआर्डर या नई दिल्ली प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर द्वारा भेज कर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के यहां से डाक द्वारा।
- (ii) दो रुपए नकद देकर आयोग के कार्यालय के काउण्टर पर;
- (iii) निकटतम भर्ती कार्यालय, मिलिटरी एरिया/मब एरिया मुख्यालय, वायु सैनिक चयन केन्द्रों एन० सी० सी० एकक तथा नौसेना प्रतिष्ठानों के यहां से निःशुल्क।

सभी उम्मीदवारों को, चाहे वे पहले से ही सरकारी नौकरी में हों, या सरकारी स्वामित्व वाले औद्योगिक उपक्रमों या इसी प्रकार के संगठनों में काम कर रहे हों या गैर सरकारी संस्थानों में नियुक्त हों, आयोग को सीधे आवेदन-पत्र भेजने चाहिए। अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचे तो उस आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता को आखिरी तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से सरकारी नौकरी में, आकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इतर स्थाई या अस्थायी हैसियत से या कार्य प्रभारित कर्मचारियों की हैसियत से काम कर रहे हैं, उन्हें यह परिचयन (अंडरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

जो उम्मीदवार मणस्त्र सेना में सेवारत हैं, उन्हें अपने आवेदन पत्र अपने कमांडिंग ऑफिसर को प्रस्तुत करने चाहिए जो पृष्ठांकन (आवेदन-पत्र के भाग 'ख' के अनुसार) को पूरा करके आयोग को अग्रेषित करेंगे।

नोट:—भारतीय नौसेना के नाविक (वाल् तथा कारीगर प्रशिक्षण सहित) पहली तरजीह भारतीय नौसेना को दें। उनके आवेदनों पर तभी विचार होगा जब वे कमान अफसर द्वारा विधिवत् अनुशंसित कर दिए जाते हैं।

राष्ट्रीय इंडियन मिलिटरी कालिज (पहले सैनिक स्कूल के नाम से ज्ञात), देहरादून के कैंडेटों, मिलिटरी स्कूलों (पहले किंग जार्ज के स्कूलों के नाम से ज्ञात) तथा सैनिक स्कूल सोसाइटी द्वारा चलाए जा रहे सैनिक स्कूलों के विद्यार्थियों को

कालिज/स्कूल के प्रिंसिपल के माध्यम से अपने आवेदन-पत्र भेजने चाहिए।

7. आयोग के कार्यालय में आवेदन की प्राप्ति की अंतिम तारीख :—

- (i) भारत में रहने वाले उम्मीदवारों से 18 फरवरी, 1980।
- (ii) विदेश में या अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह या लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों से 3 मार्च, 1980।

8. प्रलेख जो आवेदन के साथ प्रस्तुत हों।

(क) सभी उम्मीदवारों द्वारा :—

- (i) रु० 28.00 (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन-जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु० 7.00) का शुल्क जो सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली प्रधान डाक घर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर के जरिए या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग के नाम भारतीय स्टेट बैंक, मुख्यशाखा, नई दिल्ली पर देय भारतीय स्टेट बैंक की किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के जरिए।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे अपने यहां के भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि, जैसा भी स्थिति हो, के कार्यालय में निर्धारित शुल्क जमा करें, जिसे वह "051 लोक सेवा आयोग—परीक्षा शुल्क" के लेखा शीर्ष में जमा हो जाए और उसकी रसीद आवेदन-पत्र के साथ भेज दें।

- (ii) उपस्थिति पत्रक (आवेदन पत्र के साथ संलग्न) विधिवत भरा हुआ।

- (ii) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के फोटो की एक जैसी दो प्रतियां जिनके ऊपरी हिस्से पर उम्मीदवार के हस्ताक्षर विधिवत अंकित हों।

फोटो की एक प्रति आवेदन पत्र के प्रथम पृष्ठ पर और दूसरी प्रति उपस्थिति पत्रक पर निर्धारित स्थान पर चिपका देनी चाहिए।

लगभग 17.5 सें० मी० × 27.5 सें० मी० आकार के तीन बिना टिकट लगे लिफाफे जिनपर आपका पता लिखा हुआ हो।

(ख) अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन-जातियों के उम्मीदवारों द्वारा :— अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन-जाति का होने के दावे के समर्थन में जहां उम्मीदवार या उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आम तौर पर रहते हों, उसे

जिले के किसी सक्षम प्राधिकारी (प्रमाण-पत्र के नीचे उल्लिखित) परिशिष्ट IV में दिए गए प्रपत्र में लिए गए प्रमाण-पत्र भी अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।

(ग) शुल्क से छूट चाहने वाले उम्मीदवारों के द्वारा :—

- (i) किसी जिला अधिकारी या राजपत्रित अधिकारी या संसद या राज्य विधान मंडल के सदस्य से लिए गए प्रमाणपत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि जिसमें यह प्रमाणित किया गया हो कि उम्मीदवार निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है।

- (ii) वस्तुतः विस्थापित/प्रत्यावर्तित व्यक्ति होने के दावे के समर्थन में निम्नलिखित प्राधिकारियों से लिए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।

(क) भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति :—

- (i) दण्डकारण्य परियोजना के ट्रांजिस्ट्र केन्द्रों या विभिन्न राज्यों के राहत शिविरों का शिविर कमांडेंट।

अथवा

- (ii) उस इलाके का जिला मैजिस्ट्रेट जहाँ पर वह फिलहाल रह रहा हो।

अथवा

- (iii) अपने जिले के शरणार्थी पुनर्वास का प्रभारी प्रतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट।

अथवा

- (vi) सब-डिवीजनल अकसर अपने अधीनस्थ सब-डिवीजन की सीमा तक।

अथवा

- (v) शरणार्थी पुनर्वासन उपायुक्त, पश्चिम बंगाल/निदेशक (पुनर्वास), कलकत्ता।

(ख) श्रीलंका से प्रत्यावर्तित :—

श्रीलंका में भारत का उच्चायोग।

(ग) बर्मा से प्रत्यावर्तित :—

भारतीय दूतावास, रंगून या उस इलाके का जिला मैजिस्ट्रेट जहाँ पर वह रह रहा हो।

9. शुल्क की वापसी :— आवेदन के साथ आयोग को भेजा गया शुल्क वापस करने के किसी अनुरोध पर नीचे की परिस्थितियों को छोड़कर विचार नहीं किया जा सकता और न वह किसी दूसरी परीक्षा या चयन के लिए सुरक्षित रखा जा सकता :—

- (i) जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क दे दिया है, पर जिसको आयोग ने परीक्षा में बैठने नहीं दिया, उसको रु० 15.00 (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन-जातियों के उम्मीदवारों के मामले में रु० 4.00) वापस कर दिया जाएगा। परन्तु अगर कोई आवे-

दन यह सूचना प्राप्त होने पर अस्वीकार कर दिया गया हो कि उम्मीदवार हायर सैकेण्डरी या समकक्ष परीक्षा में अनुत्तीर्ण हुआ है या हायर सैकेण्डरी या समकक्ष परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण निर्धारित तारीख तक प्रस्तुत नहीं कर पाएगा तो उसके लिए शुल्क की वापसी मंजूर नहीं की जाएगी।

- (ii) जो उम्मीदवार दिसम्बर 1979 की राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में परीक्षा में बैठा हो और उस परीक्षा के परिणाम के आधार पर किसी पाठ्यक्रम के लिए उसका नाम अनुशंसित हुआ हो तो उनके मामले में रु० 28.00 (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के मामले में रु० 7.00) का शुल्क वापस कर दिया जा सकता है, पर यह जरूरी है कि जून, 1980 की राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी रद्द कराने और शुल्क वापस पाने के लिए उस उम्मीदवार का अनुरोध आयोग के कार्यालय में 30 अगस्त, 1980 को या उससे पहले पहुंच जाए।

10. आवेदन प्राप्ति की सूचना :—इस परीक्षा के लिए निर्धारित फार्म में मिले सभी आवेदनों के पहुंचने की सूचना भेजी जाएगी। अगर किसी उम्मीदवार को अपने आवेदन पहुंचने की सूचना इस परीक्षा के आवेदन पहुंचने की अन्तिम तारीख से एक महीने के अन्दर न मिले तो उसको प्राप्ति-सूचना पाने के लिए तत्काल आयोग से संपर्क करना चाहिए।

11. आवेदन का परिणाम :—अगर किसी उम्मीदवार को अपने आवेदन के परिणाम की सूचना परीक्षा शुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक आयोग से प्राप्त न हुई तो उसे परिणाम की जानकारी के लिए आयोग से तत्काली संपर्क करना चाहिए। अगर इस बात का पालन नहीं हुआ, तो उम्मीदवार अपने मामले में विचार किए जाने के अधिकार से वंचित हो जाएगा।

12. परीक्षा में प्रवेश :—किसी उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के संबंध में संघ लोक सेवा आयोग का निर्णय अन्तिम होगा। आयोग से प्राप्त प्रवेश प्रमाण-पत्र के बिना किसी भी उम्मीदवार को परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

13. कदाचार के दोषी उम्मीदवारों के खिलाफ कार्रवाई :—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन पत्र भरते समय कोई गलत विवरण न दें और न किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपाएं। उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि उनके द्वारा प्रस्तुत किसी प्रलेख या उनकी अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि में किसी भी हालत में वे किसी तरह का संशोधन या परिवर्तन या कोई फेर-बदल न करें और न फेर-बदल किए गए/गढ़े गए हुए प्रलेख को वे प्रस्तुत करें। अगर इस प्रकार के दो या अधिक प्रलेखों में या उनकी अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियों में कोई अशुद्धियां असंगति हो तो इस असंगति के बारे में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करना चाहिए।

जो उम्मीदवार आयोग द्वारा निम्नांकित कदाचार का दोषी घोषित होता है या हो चुका :—

- (i) किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी का समर्थन प्राप्त करना; या
- (ii) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तुत होना; या
- (iii) अपने स्थान पर किसी दूसरे को प्रस्तुत करना; या
- (iv) जाली प्रलेख या फेर-बदल किए गए प्रलेख प्रस्तुत करना; या
- (v) अशुद्ध या असत्य वक्तव्य देना या महत्वपूर्ण सूचना को छिपाकर रखना; या
- (vi) परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी के सम्बन्ध में किसी अनियमित या अनुचित लाभ उठाने का प्रयास करना; या
- (vii) परीक्षा के समय अनुचित तरीके अपनाने हों; या
- (viii) उत्तर पुस्तिका(ओं) पर असंगत बातें लिखी हों जो अश्लील भाषा या अभद्र आशय की हों; या
- (ix) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्व्यवहार किया हो; या
- (x) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो; या
- (xi) ऊपर के खण्डों में उल्लिखित सभी या किसी कदाचार की ओर प्रवृत्त होना या आयोग को उसे-जित कराना।

वह अपने को दण्ड-अभियोजन का शिकार बनाने के अतिरिक्त—

- (क) वह जिस परीक्षा का उम्मीदवार है, उसके लिए आयोग द्वारा अयोग्य ठहराया जा सकता है।

अथवा

- (ख) (i) आयोग द्वारा उनकी किसी भी परीक्षा या चयन के लिए;
- (ii) केन्द्र सरकार द्वारा उनके अधीन किसी नियुक्ति के लिए स्थायी रूप से या कुछ निदिष्ट अवधि के लिए अपवर्जित किया जा सकता है; और
- (ग) अगर वह पहले से सरकारी नौकरी में हो तो उचित नियमों के अनुसार अनुशासनिक कार्रवाई का पात्र होगा।

14. मूल प्रमाण-पत्र प्रस्तुतीकरण :—जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा के परिणाम के आधार पर साक्षात्कार के लिए योग्यता प्राप्त करते हैं, उनको, लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित होते ही अपनी आयु, शैक्षिक योग्यता आदि के समर्थन में आयोग को मूल प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने को कहा जाएगा।

15. आवेदन के संबंध में पत्र-व्यवहार :—आवेदन के संबंध में सभी पत्र-व्यवहार सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस,

नई दिल्ली-110011 के पते पर करना चाहिए और उसमें निम्नो-
कित विवरण अवश्य होना चाहिए।

- (1) परीक्षा का नाम
- (2) परीक्षा का वर्ष और महीना।
- (3) रोल नम्बर या जन्म की तारीख (अगर रोल नम्बर नहीं मिला हो)
- (4) उम्मीदवार का नाम (पूरा और साफ लिखा हुआ)।
- (5) पत्र-व्यवहार का पता, जैसा आवेदन-पत्र में दिया है।

ध्यान दें :—जिन पत्रों में ऊपर का ब्यौरा नहीं होया, हो सकता है, उन पर कोई कार्रवाई न हो।

16. पते में परिवर्तन :—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उनके आवेदन-पत्र में दिए पते पर भेजे जाने वाले पत्र आदि आवश्यक होने पर उसके नीचे पते पर भिजवा दिए जाएं। पते में जो भी परिवर्तन हो उसे ऊपर के पैरा 15 में उल्लिखित विवरण के साथ आयोग को यथाशीघ्र सूचित कर देना चाहिए।

सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए आयोग द्वारा अनु-
शंसित उम्मीदवारों ने अगर परीक्षा के लिए आवेदन करने के बाद अपना पता बदल लिया हो तो उनको चाहिए कि परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम घोषित हो जाते ही अपना नया पता तत्काल सेना मुख्यालय, ए० जी० ब्रांच रिक्रूटिंग, 6 (एस० पी०) (ए) वेस्ट ब्लॉक 3, विंग-1, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 को सूचित कर देना चाहिए। जो उम्मीदवार इन अनुदेशों का पालन नहीं करेगा वह सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए सम्मन पत्र न मिलने पर अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से बंचित हो जाएगा।

यद्यपि प्राधिकारी इस प्रकार के परिवर्तनों पर पूरा-पूरा ध्यान देने का प्रयत्न करते हैं, फिर भी इस संबंध में वे अपने ऊपर कोई जिम्मेदारी नहीं ले सकते।

17. लिखित परीक्षा में योग्य उम्मीदवारों के साक्षात्कार के संबंध में पूछताछ :—जिन उम्मीदवारों के नाम सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए अनुशंसित हैं, उनको अपने साक्षात्कार के संबंध में सभी पूछताछ और अनुरोध सीधे सेना मुख्यालय, ए० जी० ब्रांच, रिक्रूटिंग, 6 (एस० पी०) (ए) वेस्ट ब्लॉक 3, विंग-1, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 के पते पर लिखने चाहिए।

उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए भेजे गए समन-पत्र द्वारा सूचित की गई तारीख को सेवा चयन बोर्ड के समक्ष साक्षात्कार हेतु रिपोर्ट करनी है। साक्षात्कार को स्थगित करने से सम्बद्ध अनुरोध पर केवल अपवादात्मक परिस्थितियों में और प्रशासनिक सुविधा को ध्यान में रखकर ही विचार किया जाएगा जिसके लिए निर्णायक प्राधिकरण सेना मुख्यालय होगा।

जिन उम्मीदवारों के नाम संघ लोक सेवा आयोग द्वारा जारी की गई अंतिम योग्यता-सूची में हैं यदि उनके पहले दिए गए पते में कोई परिवर्तन हुआ हो तो उनको अपने नवीनतम पते की सूचना मुख्यालय, ए० जी० ब्रांच, रिक्रूटिंग 6 (एस० पी०) (ए) वेस्ट ब्लॉक 3, विंग 1, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 को दे

देनी चाहिए ताकि सेना मुख्यालय द्वारा जारी किए गए कार्यभार संभालने के अनुदेश उन्हें समय पर मिल सकें। यदि ऐसा नहीं किया गया तो कार्यभार संभालने के अनुदेशों के न मिलने की जिम्मेदारी उम्मीदवारों की होगी।

18. लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा, योग्यताप्राप्त उम्मीदवारों का साक्षात्कार, अंतिम परिणाम की घोषणा और अंतिम रूप से योग्य पाए गए उम्मीदवारों का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में प्रवेश :—संघ लोक सेवा आयोग, लिखित परीक्षा में आयोग के निर्णय पर निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों की एक सूची तैयार करेगा। ये उम्मीदवार बौद्धिक तथा व्यक्तित्व परीक्षणों के लिए सेवा चयन बोर्ड के सामने हाजिर होंगे जहां थल सेना/नौसेना के उम्मीदवारों की अधिकारी क्षमता तथा वायुसेना के उम्मीदवारों का पाइलट एप्टीच्यूट परीक्षण तथा अधिकारी क्षमता का निर्धारण किया जाएगा। इस परीक्षण में अधिक से अधिक 900 अंक प्राप्त किए जा सकते हैं।

उम्मीदवार सेवा चयन बोर्ड के सामने हाजिर होकर अपनी ही जोखिम पर वहां के परीक्षणों में शामिल होंगे और सेवा चयन बोर्ड में उनका जो परीक्षण होता है उसके दौरान या उसके फलस्वरूप अगर उनको कोई चोट पहुंचती है तो उसके लिए सरकार की ओर से कोई क्षति पूर्ति या सहायता पाने के वे हकदार नहीं होंगे, चाहे वह किसी व्यक्ति की लापरवाही से हो या दूसरे किसी कारण से हो। उम्मीदवारों के माता-पिता या अभिभावकों को इस आशय के एक प्रमाण-पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे।

स्वीकृति हेतु, थल सेना/नौ सेवा के उम्मीदवारों को (i) लिखित परीक्षा तथा (ii) अधिकारी क्षमता परीक्षणों में अलग-अलग न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने होंगे जो कि आयोग द्वारा, उनके निर्णय के अनुसार, निश्चित किए जाएंगे और वायु सेना के उम्मीदवारों को (i) लिखित परीक्षा, (ii) अधिकारी क्षमता परीक्षण तथा (iii) पाइलट एप्टीच्यूट परीक्षण में अलग-अलग न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने होंगे जो कि आयोग द्वारा, उनके निर्णय के अनुसार, निश्चित किए जाएंगे। इन शर्तों पर अर्हक प्राप्त उम्मीदवारों को उनके द्वारा लिखित परीक्षा तथा सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों में प्राप्त कुल अंकों के आधार पर योग्यता के अंतिम क्रम में दो अलग-अलग सूचियों में—एक थल सेना तथा नौसेना के लिए और दूसरी वायुसेना के लिए—रखा जाएगा। जो उम्मीदवार सेना के सभी अंगों के लिए अर्हता प्राप्त कर लेते हैं उनका नाम दोनों योग्यता-सूचियों में होगा। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के थल सेना तथा नौसेना के विंगों में प्रवेश के लिए अंतिम चयन थल सेना तथा नौसेना की योग्यता-सूची में से रिक्तियों की संख्या को देखते हुए योग्यता के क्रम से किया जाएगा और वायुसेना विंग में प्रवेश के लिए अंतिम चयन वायुसेना की योग्यता सूची में से रिक्तियों की संख्या को देखते हुए योग्यता के क्रम से किया जाएगा जो शारीरिक स्वस्थता और अन्य सभी बातों में उपयुक्तता के आधार पर होगा। जिन उम्मीदवारों के नाम दोनों योग्यता सूचियों में हैं उन पर दोनों सूचियों में चयन हेतु विचार उनके वरीयता क्रम को देखते हुए होगा और उनके एक सूची से अंतिम रूप से चुन लिए जाने पर दूसरी सूची में उनका नाम रद्द कर दिया जाएगा।

ध्यान दें :—वायु सेना के प्रत्येक उम्मीदवार का पाइलट एंटीच्यूट परीक्षण केवल एक बार किया जाता है। अतः उसके द्वारा प्रथम परीक्षण में प्राप्त ग्रेड वायुसेना चयन बोर्ड के सामने बाद में होने वाले प्रत्येक साक्षात्कार में स्वीकार किया जाएगा। जो उम्मीदवार पाइलट एंटीच्यूट के प्रथम परीक्षण में असफल हो जाता है वह राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा के वायुसेना विंग या जनरल ड्यूटीज (पाइलट) ब्रांच या नेवल एअर ए० आर० एम० में प्रवेश के लिए आवेदन नहीं कर सकता।

जिन उम्मीदवारों का किसी पिछले रा० र० अकादमी कोर्स में पाइलट एंटीच्यूट परीक्षण हो गया हो और उन्हें उसमें अर्हता प्राप्त कर लेने की सूचना मिल गई हो तो उन्हें इस परीक्षा के केवल वायुसेना विंग के लिए ही अपना आवेदन करना चाहिए।

अलग-अलग उम्मीदवारों को परीक्षा के परिणाम किस रूप में और किस प्रकार सूचित किये जाएं, इस बात का निर्णय आयोग अपने आप करेगा और परिणाम के सम्बन्ध में उम्मीदवारों से कोई पत्र-व्यवहार नहीं करेगा।

परीक्षा में सफल होने मात्र से अकादमी में प्रवेश का कोई अधिकार नहीं मिलेगा। उम्मीदवार को नियुक्ति प्राधिकारी को संतुष्ट करना होगा कि वह अकादमी में प्रवेश के लिए सभी तरह से उपयुक्त है।

19. प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए अनर्हताएं :—जो उम्मीदवार राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के किसी पहले कोर्स में प्रवेश पा चुके थे पर अधिकारी में अपेक्षित लक्षणों के अभाव के कारण यह अनुशासनिक आधार पर वहां से निकाल दिए गए थे, उनको अकादमी में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

किन्तु जिन उम्मीदवारों को अस्वस्थता के आधार पर पहले राष्ट्रीय रक्षा अकादमी से वापस ले लिया गया हो या जिन्होंने अपनी इच्छा से उक्त अकादमी छोड़ दी हो उन्हें अकादमी में प्रवेश मिल सकता है बशर्ते कि वे स्वास्थ्य तथा अन्य निर्धारित शर्तें पूरी करते हों।

20. राष्ट्रीय रक्षा अकादमी या अफसर ट्रेनिंग स्कूल में प्रशिक्षण के दौरान विवाह पर प्रतिबंध :—उम्मीदवारों को इस बात का वचन देना है कि जब तक उनका सारा प्रशिक्षण पूरा नहीं होता, तब तक वे शादी नहीं करेंगे। जो उम्मीदवार अपने आवेदन की तारीख के बाद शादी कर लेता है, उसको प्रशिक्षण के लिए चुना नहीं जाएगा, चाहे वह इस परीक्षा में या अगली किसी परीक्षा में भले ही सफल हो। जो उम्मीदवार प्रशिक्षण काल में शादी कर लेगा, उसे वापस भेजा जाएगा और उस पर सरकार ने जो पैसा खर्च किया है, वह सब उससे वसूल किया जाएगा।

21. नियमावली और प्रश्न पत्रों से युक्त पुस्तिकाएं :—राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, दिसम्बर, 1977 से इस परीक्षा की योजना में सम्मिलित सभी प्रश्न-पत्रों में "वस्तु परक" प्रकार के प्रश्नों का प्रारम्भ होने से इस परीक्षा की नियमावली और प्रश्न-पत्रों से युक्त पुस्तिकाओं का मुद्रण बन्द कर दिया गया है। किन्तु मई, 1977 में ली गई राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा सहित पिछली

परीक्षाओं के नियमों और प्रश्न-पत्रों से युक्त पुस्तिकाओं की प्रतियों की बिक्री प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइन्स, दिल्ली-110054 के द्वारा की जाती है और उन्हें वहां से मेल आर्डर द्वारा सीधे ग्रन्थवा नकद भुगतान द्वारा प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (i) किताब महल, रिबोली सिनेमा के सामने, एम्पोरिया बिल्डिंग "सी" ब्लॉक, बाबा खडक सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001, (ii) प्रकाशन शाखा, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 के बिक्री काउन्टर और (iii) गवर्नमेंट आफ इण्डिया बुक डिपो, 8, के० एस० राय, रोड, कलकत्ता-700001 से भी केवल नकद भुगतान करके खरीदा जा सकता है। ये पुस्तिकाएं विभिन्न मुफ्तसिल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से प्राप्त की जा सकती हैं।

22. बौद्धिक परीक्षण संबंधी सूचना :—रक्षा मंत्रालय (मनोवैज्ञानिक अनुसंधान निदेशालय) ने 'सेवा चयन बोर्डों में उम्मीदवारों की बौद्धिक परीक्षण उपलब्धियों का अध्ययन' (ए स्टडी आफ इंटेलिजेन्स टेस्ट कोर्स आफ कैंडिडेट्स एट सर्विसेस सेलेक्शन बोर्ड्स) शीर्षक वाली पुस्तक प्रकाशित की है। इस पुस्तक को प्रकाशित करने का उद्देश्य यह है कि उम्मीदवार सेवा चयन बोर्ड के बौद्धिक परीक्षणों के स्वरूप और स्वभाव से परिचित हो जाए।

यह पुस्तक समूह्य प्रकाशन है और उपर्युक्त पैरा 21 में बताए गए स्थानों से मिल सकती है।

आर० एस० अहलुवालिया, उप सचिव

परिशिष्ट I

(परीक्षा की योजना और पाठ्य विवरण)

(क) परीक्षा की योजना

1. लिखित परीक्षा के विषय, नियत समय तथा प्रत्येक विषय के अधिकतम अंक निम्नलिखित होंगे :—

विषय	समय	अधिकतम अंक
1. अंग्रेजी	2 घंटे	250
2. गणित-प्रश्नपत्र I	2 घंटे	125
प्रश्न-पत्र II	2 घंटे	125
3. सामान्य ज्ञान—प्रश्न-पत्र I (विज्ञान)	2 घंटे	200
प्रश्न-पत्र II (सामाजिक अध्ययन, भूगोल तथा सामयिक मामले)	2 घंटे	200
		900

2. सभी विषयों के प्रश्न-पत्रों में केवल वस्तुपरक प्रश्न ही होंगे। नमूने के प्रश्नों सहित अन्य विवरण के लिये कृपया परिशिष्ट II में उम्मीदवारों को सूचनार्थ विवरणिका देख लें।

3. प्रश्न-पत्रों में जहां भी आवश्यक होगा, केवल तोल और माप की मीटरी पद्धति से संबंधित प्रश्नों को ही पूछा जायेगा।

4. उम्मीदवारों को प्रश्न-पत्रों के उत्तर अपने हाथ से लिखने चाहिए। किसी भी हालत में उन्हें प्रश्न-पत्रों के उत्तर लिखने के लिये लिखने वाले की सहायता सुलभ नहीं की जायेगी।

5. परीक्षा के एक या सभी विषयों के प्रश्न-पत्रों का निर्धारण आयोग की विवक्षा पर है।

6. केवल सतही ज्ञान के लिये अंक नहीं दिये जाएंगे।

(ख) परीक्षा का पाठ्य-विवरण

अंग्रेजी

प्रश्न पत्र इस प्रकार से बनाया जाएगा कि जिससे उम्मीदवार की अंग्रेजी भाषा की समझने तथा उसे सही और मुहावरेदार ढंग से लिखने की योग्यता की जांच की जा सके। इसमें उम्मीदवार के व्याकरण, मुहावरे तथा प्रयोगों संबंधी ज्ञान की जांच के लिये भी प्रश्न शामिल किये जाएंगे। प्रश्न-पत्र में सारांश या सार लेखन के लिए भी गद्यांश सामान्यतः रखा जाएगा।

गणित

प्रश्न-पत्र-I

अंक गणित

संख्या पद्धतियां—धनपूर्ण संख्यायें, पूर्णांक, परिमेय और वास्तविक संख्याएं, मूल संक्रियाएं—जोड़, घटाना, गुणन और विभाजन, वर्ग मूल, दशमलव भिन्न।

एकिक विधि—समय तथा दूरी, समय तथा कार्य, प्रतिशतता—साधारण तथा चक्रवृद्धि व्याज में अनुप्रयोग, लाभ तथा हानि, अनुपात और समानुपात विवरण।

प्रारम्भिक संख्या सिद्धान्त—विभाजन की कलन विधि, अभाज्य और भाज्य संख्यायें 1, 2, 3, 4, 5, 9 और 11 द्वारा विभाज्यता के परीक्षण अपवर्त्य और गणन खण्ड। गुणन खंडन प्रमेय। महत्तम समापवर्तक तथा लघुतम समापवर्त्य, यूक्लिड की कलन विधि।

आधार 10 तक लघुगणक, लघुगणक के नियम, लघुगणकीय सारणियों का प्रयोग।

बीज गणित

आधारभूत संक्रियाएं: साधारण गुणन खण्ड। शेष फल प्रमेय, बहुपदों का महत्तम समापवर्तक और लघुतम समापवर्त्य। द्विघात समीकरणों का हल, इसके मूलों और गुणकों के बीच सम्बन्ध। (केवल वास्तविक मूल विचार किया जाए)। दो अज्ञात राशियों में युगपत् समीकरण—विश्लेषण और ग्राफ सम्बन्धी हल। प्रायोगिक प्रश्न जिनसे दो चरों में दो युगपत् रेखिक समीकरण बनते हैं या एक चर में द्विघात समीकरण तथा उनके हल, समुच्चय भाषा तथा समुच्चय अंकन पद्धति, परिमेय व्यंजक तथा सप्रतिबन्ध तत्समक आतांक नियम।

त्रिकोणमिति:

ज्या \times , कोटिज्या \times , स्पर्श रेखा \times जब $0^\circ \leq x \leq 90^\circ$ ।
ज्या \times , कोटिज्या \times , स्पर्श रेखा \times का मान क्योंकि $x = 0^\circ$,
 30° , 45° , 60° , और 90° , सरल त्रिकोणमितीय तत्समक।

त्रिकोणमितीय सारणियों का प्रयोग।

अंचाद्यों और दूरियों के सरल कोश।

प्रश्न-पत्र-II

ज्यामिति

रेखा और कोण, समतल और समतल आकृति। निम्नलिखित पर प्रमेय:—

- किसी बिन्दु पर कोणों के गुण-धर्म,
- समान रेखाएं,
- किसी त्रिभुज की भुजाएं और कोण,
- त्रिभुजों की सर्वांगमता।
- समरूप त्रिभुज,
- माध्यिकाओं और शीर्ष लम्बों का संगमन,
- समान्तर चतुर्भुजों, आयत और वर्ग के कोणों, भुजाओं के विकर्णों के गुण धर्म,
- वृत्त और उसके गुण धर्म जिसमें, स्पर्श रेखा तथा अभिलम्ब भी शामिल है।
- स्थानिक संबंध।

विस्तार कलन

वर्गों, आयतों, समान्तर चतुर्भुजों, त्रिभुजों और वृत्तों के क्षेत्रफल। उन आकृतियों के क्षेत्रफल जो इन आकृतियों में विभाजित की जा सकती हैं। (क्षेत्रवाही) घनामों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा आयतन/लम्ब वर्तुल्य शंकुओं और बेलनों का पार्श्व-पृष्ठ तथा आयतन/गोलकों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा आयतन।

सांख्यिकी

सांख्यिकीय तथ्यों का संग्रहण तथा मापण्यन। आलेखी निरूपण-बारम्बारता बहुभुज, आयतन चित्र, शलाका चार्ट, पाई चार्ट आदि।

अपरिष्कृत और समूहित आंकड़ों का परिकलन माध्य।

सामान्य ज्ञान

दो प्रश्न पत्र होंगे।

प्रश्न-पत्र (i):—इसमें भौतिकी, रसायन और सामान्य विज्ञान होगा; और

प्रश्न-पत्र (ii):—इसमें सामाजिक अध्ययन, भूगोल और सामयिक मामले होंगे।

इन प्रश्न-पत्रों में शामिल किये गये विषयों का क्षेत्र निम्नलिखित पाठ्य विवरण पर आधारित होगा। उल्लिखित विषयों को, सर्वांग नहीं मान लेना चाहिए तथा इस प्रकार के ऐसे विषयों पर भी प्रश्न पूछे जा सकते हैं जिनका पाठ्य-विवरण में उल्लेख नहीं किया गया है। उम्मीदवारों के उत्तरों से प्रश्नों को बोधगम्य ढंग से समझने की मेधा और ज्ञान का पता चलना चाहिए।

प्रश्न-पत्र-Iविज्ञान

सामान्य विज्ञान प्रश्न-पत्र I में निम्नलिखित पाठ्यविवरण शामिल होगा—

(क) द्रव्य के भौतिक गुण धर्म तथा स्थितियाँ, संहति, भार, आयुतन, घनत्व तथा विशिष्ट गुरुत्वाकर्षण। आर्कमिडीज का नियम, दाब, वायुदाब मापी।

बिम्ब की गति। वे और त्वरण। न्यूटन के गति नियम। बल और संवेग। बल सामान्तरचतुर्भुज पिंड का स्थायित्व और संतुलन। गुरुत्वाकर्षण कार्य, शक्ति और ऊर्जा का प्रारम्भिक ज्ञान

ऊष्मा का प्रभाव। तापमान का ताप और ऊष्मा। स्थिति परिवर्तन और गुप्त ऊष्मा। ऊष्मा अभिगमन विधियाँ।

ध्वनि तरंग और उनके गुणधर्म। सरल बाह्य यंत्र।

प्रकाश का ऋजुरेखीय संघरण। परावर्तन और अपवर्तन। गोलीय दर्पण और लन्सेज, मानव नेत्र।

प्राकृतिक तथा कृत्रिम चुम्बक। चुम्बक के गुणधर्म। पृथ्वी चुम्बक के रूप में।

स्थैतिक तथा धारा विद्युत्। चालक तथा अचालक। धोम नियम। साधारण विद्युत् परिपथ। धारा के तापन, प्रकाश तथा चुम्बकीय प्रभाव। वैद्युत शक्ति के माप। प्राथमिक और गौण सेल। एक्स-रे के उपयोग।

निम्नलिखित के कार्य संचालन के सामान्य सिद्धांत:

सरल लोलक। सरल धिरनी, साइफन, उत्तोलक, गुब्बारा, पम्प। हाइड्रोमीटर, प्रेशर कुकर, थर्मस फ्लास्क, ग्रामोफोन, टेलीग्राफ, टेलीफोन, पेरिस्कोप, टेलीस्कोप, माइक्रोस्कोप, नाविक दिक्चुचक, तड़ित चालक सुरक्षा फ्यूज।

(ख) भौतिक तथा रासायनिक परिवर्तन तत्त्व। मिश्रण तथा यौगिक। प्रतीत सुक्ष और सरल रासायनिक समीकरण। रासायनिक संयोग के नियम (समस्याओं को छोड़कर) वायु और जल के रासायनिक गुण धर्म।

हाइड्रोजन, ऑक्सीजन, नाइट्रोजन, कार्बन डाइऑक्साइड की रचना और गुण धर्म। ऑक्सीकरण और अपचयन।

अम्ल, क्षारक और लवण।

कार्बन—भिन्न रूप।

उर्वरक—प्राकृतिक और कृत्रिम।

साबुन, कांच स्याही, कागज, सीमेंट, पट, दियामलाई और गन पाऊंडर जैसे पदार्थों को तैयार करने के लिए प्रयुक्त सामग्री।

परमाणु की रचना, परमाणु तुल्यमान और अणुभार अनुभाग, संयोजकता का प्रारम्भिक ज्ञान।

(ग) जड़ और चेतन में अन्तर।

जीव कोशिकाओं, जीव द्रव्य और ऊतकों का आधार।

वनस्पति और प्राणियों में वृद्धि और जनन।

मानव शरीर और इसके महत्वपूर्ण अंगों का प्रारम्भिक ज्ञान सामान्य महामारियाँ, उनके कारण तथा रोकने के उपाय।

खाद्य—मनुष्य के लिए ऊर्जा का स्रोत। खाद्य का संघटन।

संतुलित आहार।

सौर परिवार; उल्का और भूमकेतु। ग्रहण।

प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों की उपलब्धियाँ।

टिप्पणी:—इस प्रश्न पत्र के अधिकतम अंकों से सामान्यतया भाग (क), (ख) और (घ) के लिए क्रमशः 50 प्रतिशत, 30 प्रतिशत और 20 प्रतिशत अंक होंगे।

प्रश्न-पत्र II

(सामाजिक अध्ययन, भूगोल और सामयिक मामले)।

सामान्य ज्ञान प्रश्न-पत्र में निम्नलिखित पाठ्य विवरण शामिल होगा :—

(क) भारतीय इतिहास का मोटे तौर पर सर्वेक्षण तथा संस्कृति और सभ्यता की विशेष जानकारी।

भारत का स्वतंत्रता आन्दोलन।

भारतीय संविधान और प्रशासन का प्रारम्भिक अध्ययन।

भारत की पंचवर्षीय योजनाओं, पंचायती राज, सहकारी समितियों और सामुदायिक विकास की प्रारम्भिक जानकारी।

भूदान, सर्वोदय, राष्ट्रीय एकता और कल्याणकारी राज्य। महात्मा गांधी के मूल उपदेश।

प्राधुनिक विश्व को प्रभावित करने वाली शक्तियाँ, पुनर्जागरण। अन्वेषण और खोज। अमरीका का स्वाधीनता संग्राम। फ्रांसीसी क्रांति, औद्योगिक क्रांति, रूसी क्रांति। समाज पर विज्ञान और औद्योगिकी का प्रभाव।

एक विश्व की संकल्पना, संयुक्त राष्ट्र। पंचशील, लोकतंत्र, समाजवाद, साम्यवाद, वर्तमान विश्व में भारत का योगदान।

(ख) पृथ्वी, इसकी आकृति और आकार, अक्षांस और रेखांश। समय की संकल्पना। अन्तर्राष्ट्रीय तारीख रेखा। पृथ्वी की गतियाँ और उसके प्रभाव। पृथ्वी का उद्भव चट्टानें और उनका वर्गीकरण।

अपक्षय—रासायनिक और भौतिक। भूचाल तथा ज्वालामुखी।

महासागर धाराएं और ज्वार भाटे।

वायुमण्डल और इसका संघटन। तापमान और वायु-मण्डलीय दाब, भूमंडलीय पवन, चक्रवात और प्रतिचक्रवात आर्द्रता। व्रण और वर्षण। जलवायु के प्रकार।

विश्व के प्रमुख प्राकृतिक क्षेत्र।

भारत का क्षेत्रीय भूगोल—जलवायु, प्राकृतिक वनस्पति, खनिज और शक्ति साधन, कृषि और औद्योगिक कार्यकलापों के स्थान और वितरण।

महत्वपूर्ण समुद्री पत्तन, भारत के मुख्य समुद्री, भू और वायु मार्ग। भारत के आयात और निर्यात की मुख्य मदें।

(ग) हाल ही के वर्षों में भारत में हुई महत्वपूर्ण घटनाओं की जानकारी। सामयिक महत्वपूर्ण विश्व घटनाएं।

महत्वपूर्ण व्यक्ति—भारतीय और अन्तर्राष्ट्रीय, इनमें सांस्कृतिक कार्यक्रमों और खेल कूद से सम्बन्धित महत्वपूर्ण व्यक्ति भी शामिल हैं।

टिप्पणी:—इस प्रश्न पत्र के अधिकतम अंकों में से सामान्यतया भाग (क), (ख) और (ग) के लिए क्रमशः 40 प्रतिशत, 40 प्रतिशत और 20 प्रतिशत अंक होंगे।

बुद्धि तथा व्यक्तित्व परीक्षण

उम्मीदवारों की बुनियादी बुद्धि की जांच करने के लिए साक्षात्कार के अतिरिक्त मौखिक तथा लिखित बुद्धि परीक्षा ली जाएगी। उनके ग्रुप परीक्षण भी किए जाएंगे, जैसे ग्रुप परिचर्चा, ग्रुप योजना बहिरंग ग्रुप कार्यक्रम तथा उन्हें निर्दिष्ट विषयों पर संक्षिप्त व्याख्यान देने के लिए कहा जाएगा। ये सभी परीक्षण उम्मीदवारों की भेदाशक्ति की जांच के लिए हैं। मोटे तौर पर ये परीक्षण वास्तव में न केवल उसके बौद्धिक गुणों की जांच के लिए हैं अपितु इनसे उसकी सामाजिक विशेषताओं तथा सामयिक घटनाओं के प्रति दिलचस्पी का भी पता चलेगा।

परिशिष्ट II

राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रवेश के लिए शारीरिक मानक संबंधी मुख्य बातें।

टिप्पणी:—उम्मीदवारों को निर्धारित स्वस्थता मानक के अनुसार शारीरिक रूप से स्वस्थ होना चाहिए। स्वस्थता संबंधी मानक नीचे बताए गए हैं।

बहुत से अर्हताप्राप्त उम्मीदवार बाद में अस्वस्थता के आधार पर अस्वीकृत कर दिए जाते हैं। अतः उम्मीदवारों के अपने हित के लिए सलाह दी जाती है कि अन्त में निराशा से बचने के लिए उन्हें अपना आवेदन पत्र भेजने से पहले अपने स्वास्थ्य की जांच करा लेनी चाहिए।

सेवा चयन बोर्ड द्वारा अनुशंसित बहुत से उपयुक्त उम्मीदवारों की स्वास्थ्य परीक्षा मेना के डाक्टरों के बोर्ड द्वारा की जाएगी। जो उम्मीदवार मेडिकल बोर्ड द्वारा स्वस्थ घोषित नहीं किया जाएगा उसको अकादमी या स्कूल में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। सेवा के डाक्टरों के बोर्ड द्वारा स्वास्थ्य परीक्षा कर लिए जाने का अर्थ यह नहीं होगा या नहीं निकाला जाएगा कि उम्मीदवार अंतिम रूप से चुन लिया गया है। मेडिकल बोर्ड की कार्यवाही गुप्त होती है जिसको किसी को नहीं बताया जा सकता। अनुपयुक्त/अस्थायी रूप से अनुपयुक्त घोषित उम्मीदवारों का परिणाम उन्हें स्वस्थता प्रमाण-पत्र तथा अपील प्रस्तुत करने की कार्यविधि के साथ सूचित कर दिया जाता है। मेकडल बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा मेडिकल बोर्ड के परिणाम से सम्बद्ध कोई अनरोध स्वीकार नहीं किया जाएगा।

थल सेना के लिए उम्मीदवारों के अपने हित में परामर्श है कि यदि उनकी दृष्टि अपेक्षित स्तर की न हो तो सेवा चयन बोर्ड द्वारा साक्षात्कार/स्वास्थ्य परीक्षा हेतु बुलाए जाने पर उन्हें अपने साथ संशोधन ऐनक लानी चाहिए।

1. राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रवेश के लिए उस उम्मीदवार को ही योग्य समझा जाएगा जिसका शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बिल्कुल ठीक होगा और जिसमें कोई ऐसी अशक्तता नहीं होगी जिससे कुशलतापूर्वक काम करने में बाधा पड़ने की संभावना हो।

2. किन्तु निम्नलिखित बातों के सम्बन्ध में तसल्ली कर ली जाएगी:—

- (क) कमजोर शरीर गठन, अपूर्ण विकास, गम्भीर कुरचना या स्थलता तो नहीं है।
- (ख) हड्डियों और संधियों का कुविकास तो नहीं हुआ है और उनमें किसी प्रकार की क्षीणता तो नहीं हो गई है।

टिप्पणी:—(i) अल्पवर्धित ग्रैव पर्शुका वाले उम्मीदवार को भी स्वस्थ माना जा सकता है, यदि उसमें उक्त रोग के लक्षण न हों। तथापि चिकित्सा बोर्ड का कार्यवाही में इस दोष का उल्लेख छोटी-मोटी अशक्तता के रूप में कर दिया जाएगा।

टिप्पणी:—(ii) शरीर का कुविकास तो नहीं हुआ है इसके लिए रीढ़ की हड्डी का एकसुरे किया जाएगा।

- (ग) बोलने में तो बाधा नहीं पड़ती है।
- (घ) सिर की रचना में तो दोष नहीं है या खोपड़ी की हड्डी टूटने या दबने से विरूपता तो नहीं आ गई है।
- (ङ) कम सुनाई तो नहीं पाता है। कोई कान बह तो नहीं रहा है या रोग ग्रस्त तो नहीं है। टिम्पैनिक मम्ब्रेन में कच्चा जड़म तो नहीं है या उग्र या पुराना मध्य कर्ण शोथ के चिह्न तो नहीं है या आमूल या संशोधित आमूल कर्ण मल आपरेशन तो नहीं हुआ है।

टिप्पणी:—यदि कान के पर्दे का छेद पूरी तरह से भर गया हो, इसको और क्षति न पहुंची हो तथा सुनाई ठीक पड़ता हो तो इस अवस्था को थल सेना के लिए उम्मीदवार को स्वीकार करने में बाधक नहीं समझना चाहिए।

- (च) नाक की हड्डी या उपास्थि का कोई रोग तो नहीं है या नोज पालिक्म तो नहीं है अथवा नासाग्रसनी या सहायक कोटरों का कोई रोग तो नहीं है।

टिप्पणी:—(i) नासा पट के छोटे अलक्षणी अवधातज छेद के कारण उम्मीदवार को एक दम अस्वीकृत नहीं किया जाएगा वरन् ऐसे मामलों को कर्णविज्ञान सलाहकार के पास भेजा जाएगा।

टिप्पणी :—(ii) जंतुका विवरण संबंधी पुष्टि के लिए निदानार्थ गह्वर संवेधन केवल अपील किए गए मामलों में ही किया जाए न कि किसी प्रारंभिक परीक्षण के दौरान नेमी कार्य के रूप में। प्रारंभिक परीक्षण के दौरान तो विकिरण विज्ञान संबंधी परीक्षण, यदि निदिष्ट किया गया हो, करना ही पर्याप्त होगा।

(छ) तपेदिक या अन्य रोगों के कारण गर्दन या शरीर के अन्य भागों की ग्रंथियां बढ़ी हुई तो नहीं हैं और थाइराइड ग्रंथी सामान्य है।

टिप्पणी :—तपेदिक की ग्रंथियों को हटाने के लिए किए गए आपरेशन के निशान उम्मीदवार की अस्वीकृति का कारण नहीं बन सकते हैं बशर्ते कि गत 5 वर्षों में सक्रिय रोग न हुआ हो तथा छाती लाक्षणिक जांच तथा एक्स-रे करने पर रोग मुक्त पाई जाए।

(ज) गले, तालु, टोंसिल या समूहों का कोई रोग नहीं है तथा किसी भी चुम्बकीय संघियों की सामान्य क्रिया पर प्रभाव डालने वाली कोई बीमारी या चोट तो नहीं है।

टिप्पणी—यदि बारबार टोंसिल शोथ होने का कोई वृत्त न हो तो टोंसिलों की अतिवृद्धि अस्वीकृति का कारण नहीं होती।

(झ) हृदय तथा रक्त वाहिकाओं का क्रिया सम्बन्धी या अंग रोग के लक्षण तो नहीं हैं।

(ञ) फेफड़ों की तपेदिक या इस बीमारी का पूर्ववत् का फेफड़ों की कोई जीर्ण बीमारी का प्रमाण तो नहीं है।

(ट) जिगर और तिल्ली की किसी विलक्षणता सहित पाषक तन्त्र के किसी रोग का चिह्न तो नहीं है और स्पर्श परीक्षण में उदरीय कोमलता न हो।

(ठ) वंक्षण हृनिया (जिसकी शल्य-चिकित्सा न की गई हो), या उसकी आशंका हो अस्वीकृति का कारण होगा।

टिप्पणी :—जिनका हृनिया का आपरेशन हो चुका है उन्हें शारीरिक रूप से स्वस्थ माना जाएगा बशर्ते कि :

(i) आपरेशन हुए एक वर्ष व्यतीत हो गया हो।

उसके लिए उम्मीदवार को लिखित प्रमाण प्रस्तुत करना होगा।

(ii) पेट की पेशीसमूह सामान्यता ठीक है ; और

(iii) हृनिया की पुनरावृत्ति नहीं हुई है, या इसकी शल्य चिकित्सा से संबंधित कोई उल्लेख पैदा नहीं हुई।

(ड) हाइड्रोमिल या निश्चित वेरिकोसिल या जननेन्द्रियों का अन्य कोई रोग या खराबी तो नहीं है।

टिप्पणी (i) यदि हाइड्रोमिल के आपरेशन के बाद कोई रज्जु और अण्डग्रंथियों की विलक्षणतायेत हों और फाइलै-रियासिस का प्रमाण न हो तो उम्मीदवार को स्वीकार कर लिया जाएगा।

(ii) यदि एक ओर की अन्तःउदरीय अण्डग्रन्थि आरोग्य हो तो इस आधार पर उम्मीदवार को अस्वीकार नहीं किया जाता बशर्ते कि दूसरी अण्डग्रन्थि सामान्य हो तथा इस आरोग्य अण्डग्रन्थि के कारण कोई शारीरिक या मनोवैज्ञानिक कुप्रभाव न हो। यदि आरोग्य अण्डग्रन्थि वंक्षण नलिसा में अथवा उदरीय बलय में रुकी हो और आपरेशन से ठीक न हो सकती हो तो इस स्थिति में उम्मीदवार को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

(ढ) फिस्टुला और या गुर्दा का विदार या बवसीर के मस्य तो नहीं हैं।

(ण) गुर्दों की कोई बीमारी तो नहीं। ग्लोकोऊमेह या एलब्यमिन मेह के सभी रोगी अस्वीकृत कर दिए जाएंगे।

(त) अस्थायी अथवा मामूली क्षत-चिन्हों को छोड़ कर कोई ऐसा चर्म रोग तो नहीं है जिसके प्रसार अथवा स्थिति के कारण उम्मीदवार में अशक्तता या बहुत अधिकांश कुरूपता आ गई हो या आने की संभावना हो। उस उम्मीदवार को इसी आधार पर अस्वीकार कर दिया जाएगा।

(थ) कोई सक्रिय गुप्न या जन्मजात रजित रोग तो नहीं है।

(द) उम्मीदवार या उसके परिवार में मानसिक रोग का कोई पूर्व वृत्त का प्रमाण तो नहीं है। जिन उम्मीदवारों का सिर्गी आती हो, जिनका पेशाब बैभे ही या नींद में निकल जाना हो उन्हें स्वीकार नहीं किया जाएगा।

(ध) भेगापन या आँख या पलकों की कोई ऐसी विकृति तो नहीं जिससे बहने या दुबारा होने का खतरा हो सकता है।

(न) मक्खियां रोहे (ट्रिकोमा) या इसकी जटिलताएं तथा अनुप्रभाव तो नहीं है।

टिप्पणी :—इलाज के लिए आपरेशन प्रवेश से पूर्व करवाए जाएं। अन्तिम रूप से स्वीकार दिए

जाने की गारंटी नहीं दी जाती है तथा उम्मीदवारों को यह स्पष्टतया समझ सेना चाहिए कि क्या आपरेशन वांछनीय है या आवश्यक है, इस बात का निर्णय उनके निजी चिकित्सा सलाहकार को ही करना है। आपरेशन के परिणाम अथवा किसी और खर्च का दायित्व सरकार अपने ऊपर नहीं लेगी।

3. कद, वजन तथा छाती के नापों के लिए मानक:—

(क) कद :

(i) उम्मीदवार के कद की नाप उभे मापदण्ड के सामने दोनों पैर मिलाकर खड़ा करके ली जाएगी। उस समय वजन एड़ियों पर होना चाहिए, पंजे पर या पांव के बाहरी पाखों पर नहीं। वह बिना अड़ेंडक्ष प्रकार सीधा खड़ा होगा जिसकी एड़ियाँ, पिंडलियाँ, नितम्ब और कंधे मापदण्ड के साथ लगे होंगे, उसकी ठोड़ी नीचे की ओर रखी जाएगी ताकि सिर या स्तर आड़ी छड़ के नीचे आ जाए। कद सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा। 0.5 सें० मी० की उपेक्षा की जाएगी 0.5 सेंटीमीटर को इसी रूप में रिकार्ड किया जाएगा तथा 0.6 सेंटीमीटर या इससे अधिक को एक सेंटीमीटर के रूप में रिकार्ड किया जाएगा।

(ii) उम्मीदवार के लिये न्यूनतम स्वीकार्य 157.5 सेंटीमीटर (नौ सेना के लिये 157 सेंटीमीटर) है किन्तु गोरखा, नेपाली, आसामी, गढ़वाली उम्मीदवारों के लिये 5.0 सेंटीमीटर कम किया जा सकता है। मणिपुर, नेफा, रुणाचल प्रदेश, मेघालय और मिजोरम नागालैण्ड और त्रिपुरा के नौसेना के उम्मीदवारों के मामले में न्यूनतम कद 5 सेंटीमीटर और लक्षद्वीप के उम्मीदवारों के मामले में कद 2 सेंटीमीटर कम कर दिया जाएगा।

टिप्पणी:—कद में 2.5 सेंटीमीटर (नौसेना के लिये 5 सेंटीमीटर) तक की छूट उन मामलों में दी जा सकती है जहाँ चिकित्सा बोर्ड इस बात का प्रमाण-पत्र दे कि उम्मीदवार के बढ़ने की संभावना है तथा प्रशिक्षण पूरा होने तक अपेक्षित मानक तक पहुँच जाएगा। इसके अलावा भारतीय नौसेना के कैडेटों के लिए जिनकी आयु 18 वर्ष से कम न हो अनुपातिक छूट दी जा सकती है।

(iii) केवल वायु सेना : पाइलट के रूप में प्रशिक्षण हेतु विशेष अपेक्षाओं की पूर्ति के लिए न्यूनतम कद 162.5 सें० मी० होगा। टांग की लम्बाई, जाँघ की लम्बाई और बैठने पर कद का माप

निम्नप्रकार होगा।

टांग की लम्बाई	न्यूनतम	99.0 सें० मी०
	अधिकतम	120.0 सें० मी०
जाँघ की लम्बाई	अधिकतम	64.0 सें० मी०
बैठने पर कद	न्यूनतम	81.50 सें० मी०
	अधिकतम	96.90 सें० मी०

टिप्पणी:—किसी उम्मीदवार की कम आयु के कारण कद में 5 सें० मी० तक, टांग की लम्बाई में 2.5 सें० मी० (न्यूनतम) तक और बैठने पर कद में 1 सें० मी० न्यूनतम तक की छूट दी जा सकती है बशर्ते कि चिकित्सा बोर्ड इस बात का प्रमाण पत्र दे कि उम्मीदवार की बढ़ने की संभावना है तथा राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रशिक्षण पूरा होने तक अपेक्षित मानक तक पहुँच जाएगा।

(ख) वजन:—(i) उम्मीदवार का वजन पूरी तरह से कपड़े उतार कर या केवल जाँघ के साथ लिया जाएगा। वजन करने समय 1/2 किलोग्राम के भिन्न को रिकार्ड नहीं किया जाएगा। आयु, कद और औसत वजन विषयक परस्पर संबंधित सारणी में निर्देश के लिये की जा रही है:

आयु अवधि	15-16	16-17	17-18
कद (सेंटीमीटर)	वजन किलोग्राम	वजन किलोग्राम	वजन किलोग्राम
157.00	43.5	45.0	47.0
160.00	45.0	46.5	48.0
162.00	46.5	48.0	50.0
165.00	48.0	50.0	52.0
167.50	49.0	51.0	53.0
170.00	51.0	52.5	55.0
173.00	52.5	54.5	57.0
175.00	54.0	56.0	59.0
178.00	56.0	58.0	61.0
180.00	58.5	60.0	63.0
183.00	61.0	62.5	65.0

(ii) कद तथा आयु के संबंध में ठीक वजन का ठीक-ठीक मानक निश्चय करना संभव नहीं है। अतः परस्पर संबंधी सारणी केवल निर्देशिका मात्र है तथा सभी मामलों में इसे लागू नहीं किया जा सकता है। सारणी में दिये गए औसत वजन से 10 प्रतिशत (नौसेना के लिए 6 किलोग्राम कम ज्यादा) होने पर उसे वजन की सामान्य सीमा के अन्तर्गत माना जाता है। ऐसा भी हो सकता है, कि कुछ व्यक्तियों का वजन उपर्युक्त मानक से अधिक हो किन्तु शरीर के सामान्य गठन की दृष्टि से वे हर प्रकार से

योग्य हों। ऐसे व्यक्तियों के अधिक वजन का कारण भारी हड्डियों और पेशियों का विकास हो सकता है न कि मोटापा। इसी प्रकार जिनका वजन मानक से कम हो उसके बारे में भी उपर्युक्त सारणी के मानकों का पूरी तरह से पालन की अपेक्षा उनका सामान्य शरीर गठन और आनुवांशिक विकास ही कसौटी होना चाहिए।

(ग) छाती:—छाती पूरी तरह आनुवांशिक तथा भली प्रकार विकसित होनी चाहिए और फैलाने पर न्यूनतम फैलाव 5.0 सेंटीमीटर होनी चाहिए। उम्मीदवार की छाती का माप लेते समय उसे इस प्रकार सीधा खड़ा किया जाए कि उसके पांव जुड़े हों और उसकी बांहें सिर से ऊपर उठी हों। पीठ को छाती के गिर्द इस प्रकार लगाया जाएगा कि पीछे की ओर इसका ऊपरी किनारा असफलकों (शोल्डर ब्लेड) के निम्न कोणों (इन्फीरियर एंगिल्स) के साथ लगा रहे और इसका निचला किनारा सामने चूचकों के ऊपरी भाग से लगा रहे। फिर बांहों को नीचे किया जाएगा और इन्हें शरीर के साथ लटका रहने दिया जाएगा किन्तु साथ इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कंधे ऊंचे उठे या पीछे की ओर झुके न हों ताकि पीठ अपने स्थान से हटने न पाए। अब उम्मीदवार को कई बार गहरा सांस लेने के लिये कहा जाएगा। और छाती का अधिकतम और न्यूनतम फैलाव सावधानी से लिख लिया जाएगा। अधिकतम तथा न्यूनतम फैलाव सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा। नाप को रिकार्ड करते समय 0.5 से० मीटर से कम के दशमलव भिन्न को छोड़ दिया जाएगा। लेकिन 0.5 सेंटीमीटर को 0.5 सेंटीमीटर रिकार्ड किया जाएगा और 0.6 सेंटीमीटर से अधिक को एक सेंटीमीटर के रूप में रिकार्ड किया जाएगा।

वायु सेना के लिए: सभी उम्मीदवारों की रीढ़ की हड्डी का एक्सरे लिया जाएगा और यदि उसमें नीचे दी गई असामान्यताएं पाई गईं तो उम्मीदवार को अस्वीकृत किया जा सकता है:—

- (i) काब विधि के द्वारा 7° से अधिक स्कोलियोसिस
- (ii) एस० बी० 1 के अलावा आयुक्त मेरुदंड।
- (iii) एल० बी० 5 का एकपक्षीय त्रिकास्थ संयोजन
- (iv) थ्यूरमन रोग, थ्यूरमन संधि, कशेरुकासन्धिग्रह या कशेरु काप्रसरण।
- (v) अन्य कोई विशिष्ट मेरुदण्ड रोग, वायु सेना में प्रवेश के लिए सभी उम्मीदवारों का ई० सी० जी० किया जाएगा, जिनमें विशिष्ट असामान्यताएं होंगी उन्हें अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

टिप्पणी: छाती का एक्सरे अनिवार्य है।

4. दांतों की हालत

इस बात को सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि चबाने का काम अच्छी तरह करने के लिये प्राकृतिक तथा मजबूत दांत काफी संख्या में हैं।

- (क) स्वीकृत होने के लिए यह आवश्यक है कि उम्मीदवार ने दांतों के लिए कम से कम 14 प्वाइंट

प्राप्त किए हों। किसी व्यक्ति के दांतों की हालत का पता लगाने के लिए परस्पर अच्छी तरह सटे और दूसरे जबड़े के अनुरूप दांतों के लिये निम्न प्रकार के प्वाइंट दिए जायेंगे:—

- (i) बीच के काटने वाले दांत, बगल के काटने वाले दांत, रदनक प्रथम तथा द्वितीय, छोटी दाढ़ तथा कम विकसित तृतीय बड़ी दाढ़ प्रत्येक के लिये एक-एक प्वाइंट।
- (ii) प्रथम तथा द्वितीय बड़ी दाढ़ तथा पूर्णतया विकसित तृतीय बड़ी दाढ़ के लिये दो प्वाइंट। पूरे 32 दांत होने पर कुल 22 प्वाइंट दिये जायेंगे।

(ख) प्रत्येक जबड़े के निम्नलिखित दांत एक दूसरे से इस प्रकार सटे हुए हों कि उनसे अच्छी तरह काम लिया जा सके;

- (i) आगे के 6 में से कोई 4 दांत।
- (ii) पीछे के 10 में से कोई 6 दांत।

(ग) तीव्र पायरिया वाले उम्मीदवारों को स्वीकार नहीं किया जाएगा। जिस उम्मीदवार का पायरिया दांत अधिकारी की राय में बिना दांत निकाले अच्छा किया जा सकता हो उसे स्वीकार किया जा सकता है।

5. दृष्टिमानक

(क) दृष्टि तीक्ष्णता

मानक-I

	अच्छी आंख	खराब आंख
दूरदृष्टि	बी०-6/6	बी०-6/9
	चश्मा लगाकर	6/6 तक
	मानक-II	
	अच्छी आंख	खराब आंख
दूरदृष्टिता (चश्मा लगाकर)	6/6	6/9

निकट दृष्टि (मायोपिया) जिसमें व्यक्त अबिन्दुकता (एस्टिमेटिज्म) सम्मिलित है—2.5 डी० से अधिक नहीं। (नौ सेना के मामले में 0.5 डी०)।

दीर्घ दृष्टि (हाइपर मेट्रोपिया) जिसमें अबिन्दुकता (एस्टिमेटिज्म मैनीफैस्ट) सम्मिलित है +3.5 डी० से अधिक नहीं।

टिप्पणी:—1. फंडस तथा मीडिया स्वस्थ तथा सामान्य सीमा में होने चाहिए।

2. वर्धमान मायो रेटिना के सूचक बिट्रियस या कोरियारेटिना के अनावश्यक व्यप-जनन चिन्ह न हों।

3. द्विनेत्री (वाइनोकुलर) दृष्टि अच्छी होनी चाहिये (दोनों आंखों में संयोजन शक्ति और पूर्ण दृष्टि क्षेत्र)।

4. ऐसा कोई आंगिक रोग नहीं होना चाहिये जिसके प्रकोपन तथा खराब होने की संभावना है।

(ख) रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान :

जो उम्मीदवार अधोपरिभाषित न्यूनतम वर्ण अवगम मानक सी० पी०-3 (सदोष सुरक्षा) न रखते हों उन्हें अयोग्य माना जाएगा।

सी० पी०-3 (सदोष सुरक्षा)---उम्मीदवार इस योग्य हों कि वे 1.5 मीटर की दूरी से सफेद, लाल संकेत और हरे संकेत रंगों को ठीक प्रकार से पहचान सकें जैसा कि मार्टिन लैटर्न में दिखाया गया है या इतिहास बुक/टोकिओ मेडिकल कालिज बुक की अपेक्षित प्लेटों को पढ़ सकें।

(ग) सेनाओं के लिए अपेक्षाएं

थल सेना दृष्टि मानक II (न्यूनतम मानक)

नौसेना (1) दृष्टि मानक 1---कार्यपालन शाखा के उम्मीदवार चश्मा नहीं पहन सकते हैं परन्तु यदि नौसेना मुख्यालय अनुमति दे तो कुछ सीमित संख्या तक अन्यथा उम्मीदवारों के संबंध में इन मानकों में छूट दी जा सकती है। इंजीनियरी, विद्युत और पूर्ति तथा सचिवालय शाखाओं के लिए दृष्टि मानक 6/18, 6/36 चश्मा लगाकर दोनों आंखों के लिए 6/6 है।

(II) विशेष अपेक्षाएं :

सामान्यतया नौ सेना की सभी शाखाओं के कैडेटों/डायरेक्ट एंट्री अफसरों की रात्रि दृष्टि तीक्ष्णता के वास्ते नेमी तौर पर डेना कामा की जांच नहीं की जाएगी और स्वास्थ्य परीक्षा के समय उनसे निम्नलिखित प्रमाण पत्र देने के लिए कहा जाएगा जो मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट के साथ नत्थी कर दिया जाएगा :—

“मैं प्रमाणित करता हूँ कि मुझे रतौंधी नहीं है और जहां तक मेरी जानकारी है मेरे परिवार के किसी सदस्य को भी जन्म से रतौंधी नहीं है।”

ह० उम्मीदवार

चिकित्सा अधिकारी के प्रति

हस्ताक्षर

किन्तु जिन उम्मीदवारों में शुष्काक्षिपाक (वीरोप्यल्मिया) पिग्मेंट्री अपथिकास/कोरियारेटिना में विचलन, अपसामान्य परितारिका और उसके लक्षण होने का संदेह होगा लेकिन वो अन्यथा हर प्रकार से स्वस्थ होंगे उनकी विस्तृत रात्रि दृष्टि तीक्ष्णता जांच सामान्य तौर पर की जाएगी।

रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान

मानक I—एम० एल० टी०

नेत्र विचलन प्रवृत्ति

(मार्टिन लालटेन परीक्षण)

नेत्र विचलन प्रवृत्ति मेडोक्स राइ विंगटेस्ट के साथ (अर्थात् कि अभिसरण दोष तथा अन्य रोग लक्षण न हों)

निम्नलिखित से अधिक नहीं होनी चाहिए :—

(क) 6 मीटर की दूरी से

एक्सोफोरिया

8 प्रिज्म डायोप्टर

इंसोफोरिया

8 प्रिज्म डायोप्टर

हाइपरफोरिया

1 प्रिज्म डायोप्टर

(ख) 30 सें० मी० की दूरी से

इंसोफोरिया

6 प्रिज्म डायोप्टर

एक्सोफोरिया

16 प्रिज्म डायोप्टर

हाइपरफोरिया

1 प्रिज्म डायोप्टर

दूर दृष्टिता की सीमा

(होमाट्रोपिना के अन्तर्गत)

सही आंख

दूर दृष्टिता

1.5 डायोप्टर

साधारण दीर्घ दृष्टिता वैषम्य

0.75

संयुक्त दीर्घ दृष्टिता वैषम्य

दीर्घ दृष्टिता मरिडियन का

दोष 1.5 डायोप्टर से

अधिक नहीं होना चाहिए।

इसमें से 0.75 डायोप्टर

से अधिक दृष्टि वैषम्य के

कारण नहीं होनी चाहिए।

सबसे खराब आंख 2.5

डायोप्टर

दूर दृष्टिता

साधारण दूर दृष्टिता वैषम्य

1.5 डायोप्टर

संयुक्त दूर दृष्टिता वैषम्य

दूर दृष्टिता वैषम्य दोष

2.5 डायोप्टर से अधिक

नहीं होना चाहिए, इसमें से

1.00 डायोप्टर से अधिक

दृष्टि वैषम्य के कारण नहीं

होनी चाहिए।

निकट दृष्टि (मायोपिया)---किसी भी एक मरेडियम में

0.5 डायोप्टर अधिक नहीं होना चाहिए।

द्विनेत्री दृष्टि :—उम्मीदवार की द्विनेत्री दृष्टि ठीक होनी चाहिए। (दोनों आंखों में फ्यूजन फेक्लटी और पूर्ण दृष्टि क्षेत्र होना चाहिए)।

वायु सेना (i) दृष्टिमानक

चश्मा नहीं लगाना है।

(ii) विशेष अपेक्षाएं

व्यक्त दूर दृष्टिता 2.00

डी० से अधिक नहीं होनी

चाहिए।

नेत्र पेशी संतुलन

मडाक्स राइ परीक्षण से नेत्र विचलन प्रवृत्ति निम्नलिखित से अधिक नहीं होनी चाहिए।

(क) 6 मीटर की दूरी से

एक्सोफोरिया

6 प्रिज्म डायोप्टर

इंसोफोरिया

6 प्रिज्म डायोप्टर

हाइपरफोरिया

1 प्रिज्म डायोप्टर

(ख) 33 सें० मी० की दूरी से

एक्सोफोरिया

16 प्रिज्म डायोप्टर

इंसोफोरिया

6 प्रिज्म डायोप्टर

हाइपरफोरिया

1 प्रिज्म डायोप्टर

निकट दृष्टि	शून्य
अबिन्दुकता	+0.75
	दिन

द्विनेत्री दृष्टि :—द्विनेत्री दृष्टि ठीक होनी चाहिए।
(आयाम और गहराई के साथ संयोजन और स्टीरियोप-सिस)।

रंग का ज्ञान मानक 1 एम० एल० टी०

6. श्रवण परीक्षा

श्रवण परीक्षा वाक् परीक्षण द्वारा की जाएगी। जहाँ आवश्यक होगा श्रव्यता मापी (आडियोमेट्रिक) रिकार्ड भी ले लिये जायेंगे।

(क) वाक् परीक्षा :—उम्मीदवार को जो एक उचित ढंग से शांत कमरे में परीक्षक की ओर पीठ करके 610 सेंटीमीटर की दूरी पर खड़ा हो प्रत्येक कान से फुमकुमाहट की आवाज सुनाई पड़नी चाहिए। परीक्षक को अवशिष्ट वायु से फुमकुमाना चाहिए। अर्थात् वह साधारण निश्वास अन्त में लेगा।

(ख) श्रव्यता मितिक परीक्षण—250 एच जैड और 4000 एच जैड के बीच आवृत्तियों में श्रव्यतामितिक कमी +10 डेसिबल से अधिक नहीं होनी चाहियें। श्रव्यता आलेख का मूल्यांकन करते समय श्रव्यता मापी की आधार रेखा के शून्य की ओर जिन वातावरणीय र व अवस्थाओं में श्रव्यता आलेख प्राप्त किया गया है उनको ध्यान में रखा जाना चाहिए और किसी वायुसेना कर्ण-नासिका-कंठ विणेषज्ञ की अनुशंसाओं पर विनिर्दिष्ट मानक से थोड़ा-बहुत विचलन नजर अन्दाज किया जा सकता है।

7. नेमी आधारित ई ई जी—वायुसेना हेतु सभी उम्मीदवारों की ई ई जी परीक्षा की जाएगी। विशिष्ट अप-सामान्यता रखने वालों को अस्वीकृत कर दिया जायेगा।

परिशिष्ट III

(सेवा आदि का संक्षिप्त विवरण)

1. अकादमी में भर्ती होने से पूर्व माता पिता या संरक्षक को निम्नलिखित प्रमाण पत्रों पर हस्ताक्षर करने होंगे :—

(क) इस आशय का प्रमाण पत्र कि वह यह समझता है कि किसी प्रशिक्षण के दौरान या उसके परिणामस्वरूप यदि उसे कोई चोट लग जाए या ऊपर निर्दिष्ट किसी कारण से या अन्यथा आवश्यक किसी सर्जिकल आपरेशन या संवेदना-हरक दवा के परिणामस्वरूप उसमें कोई शारीरिक अशक्तता आ जाने या उसकी मृत्यु हो जाने पर वह या उसके वैध उत्तराधिकारी को सरकार के विरुद्ध किसी मुआवजे या अन्य प्रकार की राहत का दावा करने का हक न होगा।

(ख) इस आशय का बंध पत्र कि यदि किसी ऐसे कारण से जो उसके नियंत्रण में समझे जाते हैं, उम्मीदवार पाठ्यक्रम पूरा होने से पहले वापस आना चाहता है या कमीशन अस्वीकार कर देता है तो उस पर शिक्षा शुल्क, भोजन, वस्त्र

पर किये गये व्यय तथा दिये गए वेतन और भत्ते की कुल राशि या उतनी राशि जो सरकार निश्चित करे, उसे वापस करनी होगी।

2. आवास, पुस्तकें, वर्दी, बॉर्डिंग और चिकित्सा सहित, प्रशिक्षण के खर्च को सरकार वहन करेगी। उम्मीदवार के माता पिता या संरक्षक से यह आशा की जाती है कि उम्मीदवार का जब खर्च वे खुद बर्दाश्त करेंगे। सामान्यतया इन खर्चों के 40.00 रु० से अधिक होने की संभावना नहीं है। यदि किसी कैडेट के माता पिता या संरक्षक इस खर्च को भी पूरा या आंशिक रूप में बर्दाश्त करने में असमर्थ हों तो पहले और दूसरे वर्ष के लिये 40.00 तक और राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में तीसरे वर्ष के प्रशिक्षण के लिए रु० 45.00 और थल सेना/नौसेना/वायुसेना प्रशिक्षण प्रतिष्ठानों में आगे विशिष्ट प्रशिक्षण के लिये रु० 55.00 तक सरकार द्वारा वित्तीय सहायता दी जा सकती है। लेकिन जिन उम्मीदवार के माता पिता या संरक्षक की मासिक आय रु० 450.00 या इससे अधिक हो, वे इस वित्तीय सहायता के पात्र नहीं होंगे। वित्तीय सहायता की पात्रता निर्धारित करने के लिये अचल सम्पत्तियों और सभी साधनों से होने वाली आय का भी ध्यान रखा जायेगा।

यदि उम्मीदवार के माता-पिता/संरक्षक सरकार से किसी प्रकार की वित्तीय सहायता प्राप्त करने के इच्छुक हों तो उन्हें अपने पुत्र/संरक्षित के राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रशिक्षण के लिये अंतिम रूप से चुने जाने के तुरन्त बाद अपने जिले के जिला मैजिस्ट्रेट के माध्यम से एक आवेदन पत्र देना चाहिए जिसे जिला मैजिस्ट्रेट अपनी अनुशंसा सहित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़कवासला पुणे (411023) के कमांडेंट को अग्रेषित कर देगा।

3. अकादमी में प्रशिक्षण के लिये अंतिम रूप से चुने गए उम्मीदवार को आने पर, कमांडेंट राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के पास निम्नलिखित राशि जमा करनी होगी :—

(क) प्रति मास 40.00 रु० के हिसाब से पांच महीने का जेब खर्च	200.00
(ख) वस्त्र तथा उपस्कर की मदों के लिए	650.00
जोड़	850.00

उम्मीदवारों को वित्तीय सहायता मंजूर हो जाने पर उपर्युक्त राशि में से नीचे लिखी राशि वापस कर दी जाएगी :

(क) 40.00 रु० प्रति माह के हिसाब से पांच महीने का जेब खर्च	200.00
(ख) वस्त्र तथा उपस्करों की मदों के लिए लगभग	475.00

4. राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में निम्नलिखित छात्र वृत्तियां उपलब्ध हैं :—

(1) परशु राम भाउ पटवर्धन छात्रवृत्ति :—यह छात्रवृत्ति महाराष्ट्र तथा कर्नाटक के कैंडेटों को दी जाती है जिनके माता-पिता की आय सभी माधनों से रु० 350.00 तथा रु० 500.00 के बीच हो। छात्रवृत्ति की राशि सरकारी वित्तीय सहायता के बराबर होगी। जब तक कैंडेट राष्ट्रीय रक्षा अकादमी या अन्य कमीशन पूर्व प्रशिक्षण प्रतिष्ठानों में रहेगा तब तक के लिए वह प्राप्य होगी किन्तु शर्त यह है कि कैंडेट का व्यवहार अच्छा रहे और वह सन्तोषजनक प्रगति करता रहे और उसके माता-पिता की आय निर्धारित सीमा से कम रहे। जिन कैंडेटों को यह छात्रवृत्ति दी जाएगी उन्हें सरकार से अन्य वित्तीय सहायता नहीं दी जाएगी।

(2) कर्नल केंडिलफ्रेड मैमोरियल छात्रवृत्ति :—यह छात्रवृत्ति 370.00 रु० प्रति वर्ष है और उस मराठा कैंडेट को दी जाती है जो भूतपूर्व सैनिक का पुत्र हो यह छात्रवृत्ति सरकार। से प्राप्त वित्तीय सहायता के अतिरिक्त होगी।

(3) कुंजर सिंह मैमोरियल छात्रवृत्ति :—दो छात्रवृत्तियां उन दो कैंडेटों को प्रदान की जाती हैं जिन्हें बिहार के उम्मीदवारों में उच्चतम स्थान प्राप्त हो। प्रत्येक छात्रवृत्ति 37.00 रु० प्रति मास की है तथा अधिकतम चार वर्ष के लिए राष्ट्रीय रक्षा अकादमी खड़कवासला में प्रशिक्षण के दौरान तथा उसके बाद भारतीय सेना अकादमी देहरादून तथा वायु सेना फ्लाइट कालिज तथा नौसेना अकादमी कोचीन में जहां कैंडेट को प्रशिक्षण के लिये राष्ट्रीय रक्षा अकादमी प्रशिक्षण पूर्ण करने पर भेजा जाएगा, दी जाती रहेगी। छात्रवृत्ति तभी मिलती रहेगी जबकि कैंडेट उपर्युक्त संस्थाओं में अच्छी प्रगति करता रहे।

(4) असम सरकार छात्रवृत्तियां :—दो छात्रवृत्तियां असम के कैंडेटों को प्रदान की जाएंगी। प्रत्येक छात्रवृत्ति 30.00 रु० प्रतिमास की होगी तथा जब तक छात्र राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में रहेगा उसे मिलती रहेगी। छात्रवृत्ति असम के दो सर्वोत्तम कैंडेटों को उनके माता-पिता की आय पर ध्यान दिये बिना प्रदान की जाएगी। जिन कैंडेटों को यह छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी उन्हें सरकार की ओर से अन्य वित्तीय सहायता प्रदान नहीं की जाएगी।

(5) उत्तर प्रदेश सरकार छात्रवृत्तियां :—दो छात्रवृत्तियां 30.00 रु० प्रतिमास की तथा 400.00 रुपये की परिधान वृत्ति उत्तर प्रदेश सरकार के दो कैंडेटों की योग्यता तथा आय के आधार पर राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में सन्तोषजनक प्रगति करने पर तीन वर्ष के लिये दी जाएगी। जिन कैंडेटों को यह छात्रवृत्तियां मिलेंगी उन्हें अन्य प्रकार की वित्तीय सहायता सरकार से नहीं मिलेगी।

(6) केरल सरकार छात्रवृत्ति :—पूरे वर्ष के लिये रु० 480/- की एक योग्यता छात्रवृत्ति रा० र० अकादमी में प्रशिक्षण की पूरी अवधि के लिये केरल राज्य सरकार

द्वारा उस कैंडेट को दी जाती है जो केरल राज्य का अधिवासी निवासी हो और जो रा० र० अकादमी हेतु अखिल भारतीय सं० लो० सं० आ० प्रवेश परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त कर लेता है, भले ही उसने यह परीक्षा राष्ट्रीय भारतीय सेना कालिज में या भारत भर में किसी सैनिक स्कूल में उत्तीर्ण की हो। ऐसा करते समय कैंडेट के पिता/संरक्षक की आर्थिक स्थिति पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता है।

(7) बिहारी लाल मंडाविनी पुरस्कार :—यह 500.00 रुपये का नगद पुरस्कार सर्वोत्तम बंगाली लड़के को अकादमी से प्रत्येक कोर्स के लिए मिलता है। श्रावदन-प्रपत्र कमांडेंट, राष्ट्रीय रक्षा अकादमी से मिलते हैं।

(8) उड़ीसा सरकार छात्रवृत्तियां :—तीन छात्रवृत्तियां एक थल सेना, एक नौ सेना तथा एक वायु सेना के कैंडेट के लिये प्रत्येक 80.00 रु० प्रति मास के हिसाब से उड़ीसा सरकार द्वारा उन कैंडेटों को दी जाएगी जो उड़ीसा राज्य के स्थायी निवासी हैं। इनमें से दो छात्रवृत्तियां कैंडेटों की योग्यता तथा आय के आधार पर दी जाएंगी जिनके माता-पिता या अभिभावक की आय रु० 5,000/- प्रतिवर्ष से अधिक न हो तथा तीसरी छात्रवृत्ति बिना उसके माता-पिता या अभिभावकों की आय को ध्यान में रखते हुए सर्वोत्तम कैंडेट को दी जाएगी।

(9) पश्चिमी बंगाल सरकार छात्रवृत्तियां :—निम्नलिखित वर्गों की छात्रवृत्तियां पश्चिमी बंगाल सरकार द्वारा उन कैंडेटों को दी जाएंगी जो पश्चिमी बंगाल के स्थायी निवासी हों :—

(क) वर्ग 1 :—तीन छात्रवृत्तियां—(थल सेना, नौसेना तथा वायु सेना के लिए एक-एक) 360.00 रुपये प्रतिवर्ष पहले और दूसरे वर्ष के लिए और अकादमी में तीसरे वर्ष के लिये तथा विशेष प्रशिक्षण संस्था में चौथे वर्ष के लिये 480.00 रुपये तथा उसके अतिरिक्त 400.00 रुपये परिधान वृत्ति। यह उन कैंडेटों को दी जाएगी जो अकादमी में कोई अन्य छात्रवृत्ति पाने के पात्र नहीं हैं।

(ख) वर्ग 2 :—तीन छात्रवृत्तियां 100 रुपये प्रतिवर्ष एक मुश्त सरकारी वित्तीय सहायता के अतिरिक्त दी जाएगी।

(10) पायलट अफसर गुरमीन सिंह बेदी मैमोरियल छात्रवृत्ति :—रु० 420/- प्रतिमास की एक छात्रवृत्ति ऐसे कैंडेट को दी जाती है जो वायु सेना कैंडेटों के चौथे सत्र के अन्त में योग्यता में सर्वोत्तम होगा। यह एक वर्ष की अवधि के लिये होगी। पांचवें और छठे सत्र के दौरान यह छात्रवृत्ति बंद कर दी जाएगी यदि प्राप्तवर्ता रेलीगेंट कर दिया गया हो या इसके प्राप्त करने की अवधि में छोड़ कर चला गया हो। जो कैंडेट इस प्रकार की पहले से ही कोई योग्यता छात्रवृत्ति या वित्तीय सहायता ले रहा है, उसे यह छात्रवृत्ति नहीं दी जाएगी।

(11) हिमाचल प्रदेश सरकार छात्रवृत्तियां :—हिमाचल प्रदेश के कैंडेटों को चार छात्रवृत्तियां प्रदान की जाएंगी।

प्रशिक्षण के प्रथम दो वर्षों के लिए छात्रवृत्तियां 30.00 रुपये प्रतिमास तथा प्रशिक्षण के तीसरे वर्ष के लिये 40.00 रुपये प्रतिमास मिलेंगी। यह छात्रवृत्ति उन कैडेटों को मिलेगी जिनके माता-पिता की मासिक आय 500.00 रुपये प्रतिमास से कम होगी। जो कैडेट सरकार ने वित्तीय सहायता ले रहा हो उसे छात्रवृत्ति नहीं मिलेगी।

(12) तमिलनाडु सरकार की छात्रवृत्ति :—तमिलनाडु सरकार ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रति कोर्स 30/- रु० प्र० मा० की एक छात्रवृत्ति तथा साथ में 400/- रु० सज्जा भत्ता (कैडेट के प्रशिक्षण की पूरी अवधि के दौरान केवल एक बार) देना शुरू किया है जो उस कैडेट को दिया जाएगा जो तमिलनाडु राज्य का हो तथा जिसके अभिभावक/संरक्षक की मासिक आय 500/- रु० से अधिक न हो। पात्र कैडेट अपना आवेदन, कमांडेंट, राष्ट्रीय रक्षा अकादमी को वहां पहुंचने पर प्रस्तुत कर सकते हैं।

(13) राजस्थान सरकार छात्रवृत्ति :—राजस्थान सरकार ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रति कोर्स 50/- रु० प्र० मा० की तीन छात्रवृत्तियां (थल सेना, नौ सेना और वायु सेना प्रत्येक को एक-एक) तथा साथ में 400/- रु० सज्जा भत्ता (कैडेट के प्रशिक्षण की पूरी अवधि के दौरान केवल एक बार) देना शुरू किया है जो उस कैडेट को दिया जाएगा जो राजस्थान राज्य के भूतपूर्व जे० सी० ओ०/अन्य रैंक या नौ सेना तथा वायु सेना के समकक्ष ओहदाधारियों के पुत्र/आश्रित हों। पात्र कैडेट अपना आवेदन कमांडेंट, नेशनल डिफेंस एकेडेमी को वहां पहुंचने पर प्रस्तुत कर सकते हैं।

इन छात्रवृत्तियों की शर्तें राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़क-बासला पुणे (411023) से प्राप्त की जा सकती हैं:—

5. चुने हुए उम्मीदवारों के अकादमी में आने के बाद तत्काल उनके लिए निम्नलिखित विषयों में एक प्रारम्भिक परीक्षा होगी।

(क) अंग्रेजी

(ख) गणित

(ग) विज्ञान

(घ) हिन्दी

(क), (ख) तथा (ग) के लिये परीक्षा का स्तर भारतीय विश्वविद्यालय या हायर सेकेण्डरी शिक्षा बोर्ड की हायर सेकेण्डरी परीक्षा के स्तर से ऊंचा नहीं होगा। (घ) पर लिखित विषय की परीक्षा में यह जांचा जाएगा कि उम्मीदवार को अकादमी में भर्ती होने के समय हिन्दी का कितना ज्ञान है।

अन्य उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि प्रतियोगिता परीक्षा के उपरान्त अध्ययन के प्रति उदासीन न हो जाएं।

प्रशिक्षण

6. तीनों सेनाओं अर्थात् थल सेना, नौ सेना और वायु सेना के लिये चुने गए उम्मीदवारों को तीन वर्ष के लिये

शैक्षिक तथा शारीरिक दोनों प्रकार का प्रारम्भिक प्रशिक्षण राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में दिया जाता है जो एक सर्व-सेना संस्था है। पहले ढाई वर्ष का प्रशिक्षण तीनों सेनाओं के लिये समान है। दिया गया शैक्षिक प्रशिक्षण यथास्थिति विज्ञान या मानविकी के स्नातक स्तर का होगा।

7. राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में पास होने के बाद थल सेना कैडेट भारतीय सेना अकादमी, देहरादून में, नौ सेना कैडेट, कैडेटों के प्रशिक्षण पोत में और वायु सेना कैडेट ई० एफ० एस० बिंदार जाएंगे।

8. भारतीय सेना अकादमी में सेना कैडेटों को 'जेन्टलमैन कैडेट' कहा जाता है और उन्हें एक वर्ष एक कड़ा प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे इन्फैन्ट्री के उप-यूनियों का नेतृत्व करने योग्य अफसर बन सकें। प्रशिक्षण सफलता से पूरा करने के बाद जेन्टलमैन कैडेटों को उन के शेप (Shape) शारीरिक दृष्टि से योग्य होने पर सेक्रेन्ड लेफ्टिनेन्ट के पद पर स्थायी कमीशन दिया जाता है।

9. नौ सेना कैडेटों के राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में पास होने पर उन्हें नौ सेना की कार्यपालक इंजीनियरी, बिजली और शाखाओं के लिये चुना जाता है। उन्हें छह महीने के लिये कैडेट प्रशिक्षण पोत पर समुद्री प्रशिक्षण दिया जाता है जिसे सफलतापूर्वक पूरा करने पर उन्हें मिडशिपमैन रैंक में पदोन्नत किया जाता है। संबंध शाखा में 6 महीने तक आगे प्रशिक्षण पाने के बाद उन्हें कार्यकारी सब-लेफ्टिनेन्ट के रैंक में पदोन्नत किया जाता है।

10. वायु सेना कैडेटों को हवाई उड़ान का डेढ़ वर्ष का प्रशिक्षण दिया जाता है। तथापि उन्हें एक वर्ष का प्रशिक्षण पूरा होने पर अन्तिम रूप से पायलट अफसर के रूप में कमीशन प्रदान किया जाता है। इसके बाद छः महीने का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने पर उन्हें एक वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर स्थायी रूप से कमीशन अफसर के रूप में समाप्त कर दिया जाता है।

सेना की शर्तें

11. थल सेना अधिकारी

(i) वेतन

रैंक	वेतनमान
	रुपये
सैफ्ट लेफ्टिनेन्ट	750-790
लेफ्टिनेन्ट	830-950
कैप्टन	1100-1550
मेजर	1450-1800
लेफ्टिनेन्ट कर्नल (चयन द्वारा)	1750-1950
लेफ्टिनेन्ट कर्नल (समय वेतनमान)	1900 नियत
कर्नल	1950-2175
ब्रिगेडियर	2200-2400
मेजर-जनरल	2500-125/2-2750
लेफ्टिनेन्ट जनरल	3000 प्रतिमास

(ii) योग्यता वेतन और अनुदान

लेफ्टिनेन्ट कर्नल और उससे नीचे के रैंक के कुछ निर्धारित योग्यता रखने वाले अधिकारी अपनी योग्यताओं के आधार पर 1600/- रु०, 2400/- रु०, 4500/- रु० अथवा 6000/- रु० के एकमुश्त अनुदान के हकदार हैं। उड़ान प्रशिक्षक (वर्ग 'ख') 70/- रु० की दर पर योग्यता वेतन के अधिकारी होंगे।

(iii) भत्ते

वेतन के अतिरिक्त अफसरों को इस समय निम्नलिखित भत्ते मिलते हैं:—

(क) सिविलियन राजपति अफसरों पर समय-समय पर लागू दरों और शर्तों के अनुसार ही इन्हें भी नगर प्रतिकर तथा मंहगाई भत्ते दिये जाते हैं।

(ख) रु० 50/- प्रतिमास की दर से विट अनुग्रहण भत्ता।

(ग) भारत के बाहर सेवा करने पर ही प्रवास भत्ता मिलेगा। यह विदेश भत्ते की तदनुसूची एकल दर का 25 प्रतिशत से 40 प्रतिशत तक होगा।

(घ) नियुक्ति भत्ता: जब विवाहित अफसरों को ऐसे स्थानों पर तैनात किया जाता है जहाँ परिवार सहित नहीं रहा जा सकता है तब वे अफसर 70/- रु० प्रतिमास की दर से नियुक्ति भत्ता प्राप्त करने के हकदार होते हैं।

(ङ) सज्जा भत्ता: प्रारम्भिक सज्जा भत्ता रु० 1400/- है। प्रथम कमीशन की तारीख से रु० 1200/- की दर से प्रत्येक सात वर्ष के बाद एक नए सज्जे भत्ते के दावे का भुगतान किया जा सकता है।

(iv) तैनाती

थल सेना अफसर भारत में या विदेश में कहीं भी तैनात किये जा सकते हैं।

(v) पदोन्नतियाँ

(क) स्थायी पदोन्नति

उच्चतर रैंकों पर स्थायी पदोन्नति के लिये निम्नलिखित सेवा सीमाएं हैं:—

समय वेतनमान से

लेफ्टिनेन्ट	2 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
कैप्टन	6 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर	13 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर से लेफ्टिनेन्ट कर्नल यदि चयन द्वारा पदोन्नति न हुई हो	25 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
चयन द्वारा	
लेफ्टिनेन्ट कर्नल	16 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
कर्नल	20 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
ब्रिगेडियर	23 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा

मेजर जनरल	25 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
लेफ्टिनेन्ट जनरल	28 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
जनरल	कोई प्रतिबन्ध नहीं।

(ख) कार्यकारी पदोन्नति

निम्नलिखित न्यूनतम सेवा सीमाएं पूरी करने पर, अफसर उच्चतर रैंकों पर कार्यकारी पदोन्नति के लिए पात्र होंगे बशर्ते कि रिक्तियां उपलब्ध हों:—

कैप्टन	3 वर्ष
मेजर	6 वर्ष
लेफ्टिनेन्ट कर्नल	6-1/2 वर्ष
कर्नल	8-1/2 वर्ष
ब्रिगेडियर	12 वर्ष
मेजर जनरल	20 वर्ष
लेफ्टिनेन्ट जनरल	25 वर्ष

12. नौसेना अफसर

(i) वेतन

रैंक	वेतनमान	
	सामान्य सेवा	नौ सेना विमानन और पनडुब्बी
	मासिक रु०	मासिक रु०
मिडशिपमैन	560	560
कार्यकारी सब लेफ्टिनेन्ट	750	825
सब लेफ्टिनेन्ट	830-870	910-950
लेफ्टिनेन्ट	1100-1450	1200-1550
लेफ्टिनेन्ट कमांडर	1550-1800	1650-1800
कमांडर	1800-1950	1800-1950
कैप्टन	1950-2400	1950-2400
	कोमोडोर को वही वेतन मिलता है जिसके लिये वह कैप्टन के रूप में अपनी वरिष्ठता के अनुसार हकदार है।	
रियर एडमिरल	2500-125/2-2750	
वाइस एडमिरल	3000/- प्रतिमास	

कुछ निर्धारित योग्यताएं रखने वाले कमांडर और उसके नीचे के रैंक के अफसर को अपनी योग्यताओं के आधार पर 1600/- रु०, 2400/- रु०, 4500/- रु० या 6000/- रु० के एकमुश्त अनुदान के हकदार हैं।

(ii) भत्ते

नौसेना विमानन अफसर उड़ान भत्ता के लिये उन्हीं दरों तथा शर्तों के अधीन होंगे जो वायु सेना अफसरों के अनुरूपी रैंकों के लिये लागू हैं।

नौ सेना अफसर समकक्ष रैंक से थल सेना अफसरों को मिलने वाले भत्ते के लिये भी हकदार हैं। इनके अतिरिक्त उन्हें हाई लाइंग मनी, पनडुब्बी भत्ता, पनडुब्बी वेतन और मोता वेतन जैसी विशेष रियायतें भी दी जाती हैं।

(iii) पदोन्नतियां

(क) मूल पदोन्नति

उच्चतर रैंकों पर कार्यकारी पदोन्नतियां देने के लिए निम्नलिखित सेवा सीमाएं हैं :—

समय वेतनमान द्वारा

सब लेफ्टिनेंट

1 वर्ष

लेफ्टिनेंट

3 वर्ष (वरिष्ठता लाभ/जबर्ती के अधीन)

लेफ्टिनेंट कमांडर

लेफ्टिनेंट के रूप में 8 वर्ष की वरिष्ठता

कमांडर

24 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा (यदि चयन द्वारा पदोन्नति नहीं हुई है)।

चयन द्वारा

कमांडर कार्यपालक शाखा

लेफ्टिनेंट कमांडर के रूप में 2-8 वर्ष की वरिष्ठता।

कमांडर इजानियरी शाखा

लेफ्टिनेंट कमांडर के रूप में 2-10 वर्ष की वरिष्ठता।

कमांडर विद्युत शाखा

लेफ्टिनेंट कमांडर के रूप में 2-10 वर्ष की वरिष्ठता।

कमांडर पूर्ति और सचिवालय शाखा

लेफ्टिनेंट कमांडर के रूप में 4-10 वर्ष की वरिष्ठता।

कैप्टन

कमांडर के रूप में 4 वर्ष की वरिष्ठता।

रियर एडमिरल

कोई प्रतिबन्ध नहीं।

वाइस एडमिरल

कोई प्रतिबन्ध नहीं।

(ख) कार्यकारी पदोन्नति

लेफ्टिनेंट कमांडर के रैंक को छोड़कर जिसके लिये किसी अफसर की लेफ्टिनेंट के रूप में 6 वर्ष की वरिष्ठता होनी चाहिए, नौसेना की कार्यकारी पदोन्नति के लिये कोई सेवा सीमा नहीं है।

13. वायु सेना अफसर

(i) वेतन

रैंक	वेतनमान रुपये
पायलट अफसर	825-865
फ्लाइट अफसर	910-1030
फ्लाइट लेफ्टिनेंट	1300-1550
स्क्वाड्रन लीडर	1650-1800
विंग कमांडर (चयन)	1750-1950
विंग कमांडर (समय वेतनमान)	1800 नियत
ग्रुप कैप्टन	1950-2175

रैंक

वेतनमान रुपये

एयर कमांडर

2200-2400

एयर वाइस मार्शल

3000

एयर चीफ मार्शल (सी० ए० एस०)

4000

(ii) भत्ता

उड़ान भत्ता—उड़ान शाखा (पायलट और नैवीगेटर) शाखाओं के अफसर निम्नलिखित पद पर उड़ान भत्ता लेने के पात्र हैं :—

प्रतिमास

₹०

पायलट अफसर से लेकर

विंग कमांडर तक

375.00

ग्रुप कैप्टन और एयर कमांडर

333.00

एयर वाइस मार्शल और उससे ऊपर

300.00

(iii) योग्यता वेतन/अनुदान :—निम्नलिखित दरों पर उन उड़ान शाखा अफसरों को प्राप्य जिनके पास निर्धारित योग्यताएं हैं :—

योग्यता वेतन

₹० 100/- प्र० मा० या

₹० 70/- प्र० मा०

योग्यता अनुदान

6000/- ₹० 4500/- ₹०

2400/- या 1600/- ₹०

(iv) पदोन्नतियां

(क) मूल पदोन्नति

उच्चतर रैंकों पर मूल पदोन्नति के लिये निम्नलिखित सेवा सीमाएं हैं :—

समय वेतनमान द्वारा

फ्लाइट अफसर

1 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा

फ्लाइट लेफ्टिनेंट

5 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा

स्क्वाड्रन लीडर

11 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा

विंग कमांडर

यदि चयन द्वारा पदोन्नति न हुई हो तो 24 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा पूरी कर ली हो।

चयन द्वारा

विंग कमांडर

स्थायी स्क्वाड्रन लीडर के रूप में 3 वर्ष की सेवा।

ग्रुप कैप्टन

स्थायी विंग कमांडर के रूप में 4 वर्ष की सेवा।

एयर कमांडर

स्थायी ग्रुप कैप्टन के रूप में 3 वर्ष की सेवा।

एयर वाइस मार्शल	स्थायी एयर कम्मोडोर के रूप में 3 वर्ष की सेवा।
एयर मार्शल	स्थायी एयर वाइस मार्शल के रूप में 2 वर्ष की सेवा।

(ख) कार्यकारी पदोन्नति

अफसरों की कार्यकारी पदोन्नति के लिये अपेक्षित न्यूनतम सेवा सीमा इस प्रकार है :—

फ्लाइट लेफ्टिनेंट	2 वर्ष
स्कवाड्रन लीडर	5 वर्ष
विंग कमांडर	6 वर्ष (स्कवाड्रन लीडर के रैंक में एक वर्ष की सेवा के बाद)।
एयर कम्मोडोर	11-1/2 वर्ष (विंग कमांडर और ग्रुप कैप्टन के रूप में 3 वर्ष की सेवा के बाद)।
एयर वाइस मार्शल	15 वर्ष (विंग कमांडर, ग्रुप कैप्टन और एयर कम्मोडोर के रैंकों में 5* वर्ष की सेवा के बाद)।
एयर मार्शल	23 वर्ष

*खंडित अवधियों को शामिल करके।

14. सेवा निवृत्ति लाभ

पेंशन, उपदान और कैंजुएल्टी पेंशनी अवार्ड समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार स्वीकार्य होंगे।

15. छुट्टी

समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार छुट्टी स्वीकार्य होगी।

परिशिष्ट-IV

भारत सरकार के अधीन पदों पर नियुक्ति हेतु आवेदन करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म :

प्रमाणित किया जाता है कि श्री
 सुपुत्र श्री जो
 गांव/कस्बा* जिला/
 मंडल* राज्य/संघ*
 राज्य क्षेत्र के निवासी
 हैं जाति/जन* जाति के
 हैं जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति अनुसूचित
 जन जाति के रूप में मान्यता दी गई है :—

संविधान (अनुसूचित जातियां) आदेश, 1950*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) आदेश, 1950*

संविधान (अनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951*

[अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जन जातियां सूचियां (आशोधन) आदेश, 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम 1971 और अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जन जातियां* आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित]

संविधान (जम्मू और काश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश, 1956*

संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1959 अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जन जातियां आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश, 1962*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1962*

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967।*

संविधान (गोआ, दमन और दियु) अनुसूचित जातियां आदेश, 1968*

संविधान (गोआ, दमन और दियु) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1968*

संविधान (नागालैंड) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1970*

2. श्री और/या* उनका
 परिवार आमतौर से गांव/कस्बा*
 जिला/मंडल* राज्य/संघ*

राज्य क्षेत्र में
रहता है।
राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र

हस्ताक्षर
पदनाम
(कार्यालय की मोहर के साथ)

स्थान

तारीख

*जो शब्द लागू न हों उन्हें कृपया काट दें।

नोट:—यहां "ग्राम तौर से रहता है" का अर्थ वही होगा जो "रिप्रेजेंटेशन आफ दि पीपुल ऐक्ट, 1950" की धारा 20 में है।

**जाति/जन जाति का प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी।

(i) जिला मैजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/कलेक्टर/ डिप्टी कमिशनर/एडीशनल डिप्टी कमिशनर/डिप्टी कलेक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट/ सिटी मैजिस्ट्रेट/सब डिवीजनल मैजिस्ट्रेट/ताल्लुक मैजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा असिस्टेंट कमिशनर।

†(प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट से कम ओहदे का नहीं)।

†(ii) चीफ प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/एडीशनल चीफ प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट।

(iii) रेवेन्यू अफसर जिनका ओहदा तहसीलदार से कम न हो।

(iv) उस इलाके का सब-डिवीजनल अफसर जहां उम्मीदवार और/या उसका परिवार ग्राम तौर से रहता हो।

(v) ऐडमिनिस्ट्रेटर/ऐडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेवलपमेंट अफसर (लक्षदीप)।

परिशिष्ट- V

संघ लोक सेवा आयोग

उम्मीदवारों को सूचनार्थ विवरणिका

क. वस्तु परक परीक्षण

आप जिस परीक्षा में बैठने वाले हैं, उसको "वस्तुपरक परीक्षण" कहा जाता है। इस प्रकार के परीक्षण में आपको उत्तर फेलाकर लिखने नहीं होंगे। प्रत्येक प्रश्न (जिसको आगे प्रश्नांश कहा जाएगा) के लिए कई संभाव्य उत्तर दिए जाते हैं। उनमें से प्रत्येक के लिए एक उत्तर (जिसको आगे प्रत्युत्तर कहा जाएगा) आपको चुन लेना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य आपको इस परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित न होने के कारण आपको कोई हानि न हो।

ख. परीक्षण का स्वरूप

प्रश्न पत्र "परीक्षण पुस्तिका" के रूप में होंगे। इस पुस्तिका के क्रम संख्या 1, 2, 3 के क्रम से प्रश्नांश होंगे। हर प्रश्नांश के नीचे a, b, c क्रम में संभावित प्रत्युत्तर लिखे होंगे। आपका काम प्रत्येक प्रश्न के लिए एक सही या यदि एक से अधिक प्रत्युत्तर सही हैं तो उनमें से सर्वोत्तम प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा (अन्त में दिए गए नमूने के प्रश्नांश देख लें)। किसी भी स्थिति में, प्रत्येक प्रश्नांश के लिए आपको एक ही प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। यदि आप एक से अधिक चुन लेते हैं तो आपका उत्तर गलत माना जाएगा।

ग. उत्तर देने की विधि

उत्तर देने के लिए आपको अलग से एक उत्तर पत्रक परीक्षा भवन में दिया जाएगा। आपको अपने उत्तर इस उत्तर पत्रक में लिखने होंगे। परीक्षण पुस्तिका में या उत्तर पत्रक को छोड़कर अन्य किसी कागज पर लिखे गए उत्तर जांचे नहीं जाएंगे।

उत्तर पत्रक में प्रश्नांशों की संख्याएं 1 से 200 तक चार खण्डों में छापी गई हैं। प्रत्येक प्रश्नांश के सामने a, b, c, d, e के क्रम से प्रत्युत्तर छपे होंगे। परीक्षण-पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नांश को पढ़ लेने और यह निर्णय करने के बाद कि कौन सा प्रत्युत्तर सही या सर्वोत्तम है, आपको उस प्रत्युत्तर के अक्षर को दर्शाने वाले आयत को पेन्सिल से काला बनाकर उसे अंकित कर देना है, जैसा कि संलग्न उत्तर पत्रक के नमूने पर दिखाया गया है। उत्तर पत्रक के आयत को काला बनाने के लिए स्याही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

1. [a] [b] [c] [d] [e]

2. [a] [b] [c] [d] [e]

3. [a] [b] [c] [d] [e]

इसलिए यह जरूरी है कि प्रश्नांशों के उत्तरों के लिए केवल अच्छी किस्म की एच० बी० पेन्सिल (पेन्सिलों) ही लाएं और उन्हीं का प्रयोग करें।

2. अगर आपने गलत निशान लगाया है, तो उसे पूरा मिटाकर फिर से सही उत्तर का निशान लगा दें। इसके लिए आप अपने साथ एक खड़ा लाएं।

3. उत्तर पत्रक का उपयोग करते समय कोई ऐसी असावधानी न हो जिससे वह खराब हो जाए या उसमें मोड़ व सलवट आदि पड़ जाएं और वह टेढ़ा हो जाए।

घ. कुछ महत्वपूर्ण नियम

1. आपको परीक्षा आरंभ करने के लिए निर्धारित समय से बीस मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुँचना होगा और पहुँचते ही अपना स्थान ग्रहण करना होगा।

2. परीक्षण शुरू होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षण में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

3. परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमति नहीं मिलेगी।

4. परीक्षा समाप्त होने के बाद, परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक पर्यवेक्षक को सौंप दें। आपको परीक्षण पुस्तिका परीक्षा-भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है। इन नियमों का उल्लंघन करने पर कड़ा दण्ड दिया जाएगा।

5. उत्तर पत्रक पर नियत स्थान पर परीक्षा/परीक्षण का नाम, अपना रोल नम्बर, केन्द्र, विषय, परीक्षण की तारीख और परीक्षण पुस्तिका की क्रम संख्या स्याही से साफ-साफ लिखें। उत्तर पत्रक पर आप कहीं भी अपना नाम न लिखें।

6. परीक्षण पुस्तिका में दिए गए सभी अनुदेश आपको सावधानी से पढ़ने हैं। इसलिए संभव है कि इन अनुदेशों का सावधानी से पालन न करने से आपके नम्बर कम हो जाएं। अगर उत्तर पत्रक पर कोई प्रविष्टि संदिग्ध है, तो उस प्रश्नांश के लिए आपको कोई नम्बर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षक के दिए गए अनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को आरम्भ या समाप्त करने को कह दें तो उनके अनुदेशों का तत्काल पालन करें।

7. आप अपना प्रवेश प्रमाण-पत्र साथ लाएं। आपको अपने साथ एक एच० बी० पेंसिल, एक रबड़, एक पेंसिल शार्पेनर और नीली या काली स्याही वाली कलम भी लानी होगी। आपको परीक्षा भवन में कोई कच्चा कागज या कागज का टुकड़ा, पैमाना या आरेखण उपकरण नहीं लाने हैं क्योंकि उनकी जरूरत नहीं होगी। कच्चे काम के लिए आपको एक अलग कागज दिया जाएगा। आप कच्चा काम शुरू करने के पहले उस पर परीक्षा का नाम, अपना रोल नम्बर और तारीख लिखें और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे अपने उत्तर पत्रक के साथ पर्यवेक्षक को पास कर दें।

ङ विशेष अनुदेश

जब आप परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जाते हैं तब निरीक्षक से आपको उत्तर पत्रक मिलेगा। उत्तर पत्रक पर अपेक्षित सूचना अपनी कलम से भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपको परीक्षण-पुस्तिका देगे। प्रत्येक परीक्षण-पुस्तिका पर हाशिये में सील लगी होगी जिससे कि परीक्षण शुरू हो जाने के पहले उसे कोई खोल नहीं पाए। जैसे ही आपको परीक्षण-पुस्तिका मिल जाए, तुरन्त आप देख लें कि उस पर पुस्तिका की संख्या लिखी हुई है और सील लगी हुई है। अन्यथा, उसे बदलवा लें। जब यह हो जाए तब आपको उत्तर पत्रक के सम्बद्ध खाने में अपनी परीक्षण-

पुस्तिका की क्रम संख्या लिखनी होगी। जब तक पर्यवेक्षक परीक्षण पुस्तिका की सील तोड़ने को न कहें तब तक आप उसे न तोड़ें।

च. कुछ उपयोगी सुझाव

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य आपकी गति की अपेक्षा शुद्धता को जांचना है, फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने समय का, दक्षता में उपयोग करें। संतुलन के साथ आप जितनी जल्दी आगे बढ़ सकते हैं, बढ़ें, पर लापरवाही न हो। अगर आप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दे पाते हों तो चिन्ता न करें। आप को जो प्रश्न अत्यन्त कठिन मालूम पड़ें, उन पर समय व्यर्थ न करें। दूसरे प्रश्नों की ओर बढ़ें और उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करें।

सभी प्रश्नों के अंक समान होंगे। सभी प्रश्नों के उत्तर दें। आपके द्वारा अंकित सही प्रत्युत्तरों की संख्या के आधार पर आपको अंक दिए जाएंगे। गलत उत्तरों के लिए अंक नहीं काटे जाएंगे।

प्रश्न इस तरह बनाए जाते हैं कि उनसे आपकी स्मरण शक्ति की अपेक्षा, जानकारी, सूक्ष्म-बुद्धि और विश्लेषण-क्षमता की परीक्षा हो। आपके लिए यह लाभदायक होगा कि आप संगत विषयों को एक बार सरसरी निगाह से देख लें और इस बात से आश्वस्त हो जाएं कि आप अपने विषय को अच्छी तरह समझते हैं।

छ. परीक्षण का समापन

जैसे ही पर्यवेक्षक आपको लिखना बन्द करने को कहें, आप लिखना बन्द कर दें।

जब आपका उत्तर लिखना समाप्त हो जाए तब आप अपने स्थान पर तब तक बैठे रहें जब तक निरीक्षक आपके यहाँ आकर आपकी परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक न ले जाएं और आपको "हाल" छोड़ने की अनुमति न दें। आपको परीक्षण-पुस्तिका और उत्तर पत्रक परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है।

नमूने के प्रश्न

1. मौर्य वंश के पतन के लिए निम्नलिखित कारणों में से कौन-सा उत्तरदायी नहीं है?

(a) अशोक के उत्तराधिकारी सबके सब कमजोर थे।

(b) अशोक के बाद साम्राज्य का विभाजन हुआ।

(c) उत्तरी सीमा पर प्रभावशाली सुरक्षा की व्यवस्था नहीं हुई।

(d) अशोकोत्तर युग में आर्थिक रिक्तता थी।

2. संसदीय स्वरूप की सरकार में

(a) विधायिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदायी है।

(b) विधायिका कार्यपालिका के प्रति उत्तरदायी है।

- (c) कार्यपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (d) न्यायपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (e) कार्यपालिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदायी है।
3. पाठशाला के छात्र के लिए पाठ्यपुस्तक कार्यक्रम का मुख्य प्रयोजन
- (a) विकास की सुविधा प्रदान करना है।
- (b) अनुशासन की समस्याओं की रोकथाम है।
- (c) नियत कक्षा-कार्य से राहत देना है।
- (d) शिक्षा के कार्यक्रम में विकल्प देना है।
4. सूर्य के सबसे निकट ग्रह है :
- (a) शुक्र
- (b) मंगल
- (c) बृहस्पति
- (d) बुध
5. वन और बाढ़ के पारस्परिक सम्बन्ध को निम्नलिखित में से कौनसा विवरण स्पष्ट करता है ?
- (a) पेड़ पौधे जितने अधिक होते हैं, मिट्टी का क्षरण, उतना अधिक होता है जिससे बाढ़ होती है।
- (b) पेड़ पौधे जितने कम होते हैं, नदियां उतनी ही गाढ़ से भरी होती हैं जिससे बाढ़ होती है।
- (c) पेड़ पौधे जितने अधिक होते हैं, नदियां उतनी ही कम गाढ़ से भरी होती हैं जिससे बाढ़ रोकी जाती है।
- (d) पेड़-पौधे जितने कम होते हैं उतनी ही धीमी गति से बर्फ पिघल जाती है जिससे बाढ़ रोकी जाती है।

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 3rd December 1979

No. F.22/80-SCA-(G). --In pursuance of sub-rule (3) of rule 4 of Order II of the Supreme Court Rules, 1966 as amended, the Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to direct that the following days be observed as Court Holidays during the year—1980.

Name of holiday	Date & Month	Day of the week	No. of days
Republic Day	26th January	Saturday	1
Holi	28th & 29th February	Thursday & Friday	2
Ramnavami	24th March	Monday	1
Mahavir Jayanti	29th March	Saturday	1
Good Friday	4th April	Friday	1
Id-ul-Fitr	*13th August	Wednesday	1
Independence Day	15th August	Friday	1
Janmashtami	1st September	Monday	1
Mahatma Gandhi's Birthday	2nd October	Thursday	1
Dussehra	13th to 17th October	Monday to Friday	5
Id-ul-Zuha (Bakrid)	*20th October	Monday	1
Balmiki Birthday	23rd October	Thursday	1
Diwali	6th & 7th November	Thursday & Friday	2
Muharram	*19th November	Wednesday	1
Gurunanak's Birthday	22nd November	Saturday	1
Christmas &	22nd December, 1980 to	Monday to	
New Year Holidays	2nd January, 1981	Friday	12

*Though the holidays for Id-ul-Fitr, Id-ul-Zuha & Muharram are shown respectively on 13-8-80, 20-10-80 & 19-11-80, the actual closed days will be subject to alteration according to the visibility of the Moon.

By order
R. SUBBA RAO,
Registrar (Admn.)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the October 1979

No. A.12026/1/79-Admn. II.—The Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints Shri Y. R. Gandhi, a permanent Section Officer of the CSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Administrative Officer in the Commission's office on *ad hoc* basis for a period from 11-10-1979 to 31-12-1979, or until regular appointment is made, or until further orders, whichever is the earliest.

2. The appointment of Shri Gandhi will be on transfer on deputation basis and his pay will be regulated in terms of the Ministry of Finance OM No. F. 10(24)-E. III/60 dated 4-5-61 as amended from time to time.

S. BALACHANDRAN
Under Secy.
for Chairman
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the October 1979

No. A. 12025(ii)/1/78-Admn. III.—In pursuance of the Department of Personnel & Administrative Reforms Office Memorandum No. 5/28/79-CS. I dated 18th September, 1979, the President is pleased to appoint Shri S. C. Jain, a permanent Assistant of the C.S.S. cadre of the Department of Food, to officiate in the Section Officers' Grade of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 28th September, 1979, until further orders.

S. BALACHANDRAN
Under Secy.
Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 3rd December 1979

No. N9 RCT 21.—Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri K. L. Ahuja, a permanent Assistant of this

Commission as Section Officer in an officiating capacity with effect from 30th November, 1979 (afternoon) for a period of 90 days from 30th November, 1979 (afternoon) to 28th February, 1980 (afternoon) or until further orders whichever is earlier.

The 4th December 1979

No. O9 RCT 18.—Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri Manohar Lal, a permanent Section Officer of this Commission as Research Officer in an officiating capacity for a period of 90 days with effect from 30th November, 1979 (afternoon) to 28th February, 1980 (afternoon) or until further orders whichever is earlier.

K. L. MALHOTRA
Under Secy.
for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-1, the 28th November 1979

No. A-19021/6/75-Ad. V.—Shri U. N. Biswas, IPS (1968-W.B.), Superintendent of Police, Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment relinquished charge of Office of Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment on the afternoon of 27-8-79. His services were placed back at the disposal of Govt. of West Bengal.

The 30th November 1979

No. G-10/65-Ad. V.—On attaining the age of superannuation, Shri G. P. Motwani, has relinquished the charge of the Office of Senior Public Prosecutor, Central Bureau of Investigation, at Ahmedabad on the afternoon of 31-10-1979.

No. K-92/68-Ad. V.—On attaining the age of superannuation, Shri K. Raghavan, Office Superintendent, Central Bureau of Investigation, retired from the Government service with effect from the afternoon of the 31st August, 1979.

No. A-35013/1/79-Ad. V.—The President is pleased to appoint Shri B. L. Joshi IPS (1971-Rajasthan) to officiate as Superintendent of Police in the Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment with effect from the forenoon of 17th November, 1979, and until further orders.

Q. L. GROVER
Administrative Officer (E)
C.B.I.

DIRECTORATE GENERAL CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

New Delhi-110001, the 28th November 1979

No. F. 2/38/78-Estt (CRPF).—In continuation of this Directorate General notification of even number dated 12/13-7-79.

2. The President is pleased to appoint Dr. Niranjana Brahma as a General Duty Officer Grade-II in substantive capacity with effect from 22-6-1979.

The 29th November 1979

No. P. VII-2/79-Estt.—Shri Mohan Singh, Office Supdt. of the CRPF is promoted to the grade of Section Officer on purely *ad hoc* basis in the Directorate General, CRPF, New Delhi w.e.f. 3-11-79 (FN).

A. K. BANDYOPADHYAY
Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-19, the 30th November 1979

No. E-32015(3)/4/77-Pers.—Shri A. K. Nair on being relieved from re-employment in the CISF relinquished the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF Unit ISRO Thumba w.e.f. the afternoon of 31st October 1979.

No. E-38013(3)/79-Pers.—On transfer to Salem, Shri P. David relinquished the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF Unit VPT Visakhapatnam w.e.f. the afternoon of 31st October 1979.

No. E-38013(3)/18/79-Pers.—On transfer to Bokaro Shri S. P. Mulchandani relinquished the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF Unit BIL Bhilai w.e.f. the afternoon of 30th October 1979.

No. E-38013(3)/18/79-Pers.—On transfer from Bokaro Shri O. P. Jaitli, Asstt. Comdt., assumed the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF Unit BIL Bhilai w.e.f. the forenoon of 28th September 1979.

No. E-38013(3)/19/79-Pers.—On transfer from Durgapur Shri S. M. Saini assumed the charge of the post of Asstt. Comdt. Trg. Reserve Force under DIG(S/Z) with Hqrs. at Thumba w.e.f. the forenoon of 15th October 1979.

No. E-38013(3)/19/79-Pers.—Shri S. M. Saini relinquished the charge of the post of Asstt. Comdt., Trg. Reserve Force

(S/Z) with Hqrs. at Thumba w.e.f. the afternoon of 31st October 1979 and assumed the charge of the post of Asstt. Comdt., CISF Unit ISRO Thumba w.e.f. the forenoon of 1st November 1979.

The 3rd December 1979

No. E-28099/1/78-Pers.—On attaining the age of superannuation Shri J. B. Bhattacharjee relinquished the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit, DSP Durgapur with effect from the afternoon of 30th April, 1979.

No. E-38013(2)/1/79-Pers.—On transfer to Dewas (M.P.), Shri V. K. Bhalla relinquished the charge of the post of Commandant, CISF Unit, HEC Ltd., Ranchi w.e.f. the afternoon of 24th September, 1979.

No. E-38013(2)/1/79-Pers.—On transfer to Visakhapatnam, Shri A. K. Singh relinquished the charge of the post of Commandant, CISF Unit, BSL, Bokaro w.e.f. the afternoon of 20th September, 1979 and assumed the charge of the post of Commandant, CISF Unit, VPT Visakhapatnam w.e.f. the forenoon of 5th October 1979.

No. E-38013(3)/15/79-Pers.—The President is pleased to appoint Shri S. Sankaranarayanan to officiate as Asstt. Comdt. on *ad hoc* basis and he assumed the charge of the post of Asstt. Comdt., CISF Unit, IDPI, Hyderabad with effect from the forenoon of 3rd September, 1979.

No. E-38013(3)/18/79-Pers.—On transfer from Bhilai Shri S. P. Moolchandani assumed the charge of the post of Assistant Commandant CISF Unit, BSL, Bokaro with effect from the forenoon of 8th November, 1979.

Sd/- ILLEGIBLE
Inspector-General, CISF

DIRECTORATE OF PRINTING

New Delhi, the 30th November 1979

No. V(13)/AII.—The Director of Printing is pleased to appoint Shri Ramachandran Venkatachalam, Technical Officer (Photolitho), to officiate as Deputy Manager (Photolitho) Govt. of India Reprographic Unit, Defence Services Staff College, Wellington (Nilgiris), with effect from the forenoon of 15th November, 1979, until further orders.

P. B. KULKARNI
Joint Director (Adm.)

New Delhi, the 10th December 1979

No. M(39)/AII.—The Director of Printing is pleased to appoint Shri Isidore Minj, Superintendent, Govt. of India Stationery Office, Calcutta, to officiate as Assistant Manager (Admn.) in the Govt. of India Press, Nilokheri in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, with effect from the forenoon of the 29th October, 1979, until further orders.

M. M. JOSHI
Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF FINANCE (DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS) BANK NOTE PRESS

Dewas, the 29th November 1979

F.No. BNP/C/5/79.—In continuation to this Department's Notification of even number dated 30-5-1979, the following ad-hoc appointments have been continued beyond 1-9-1979 upto the date shown against each on the same terms and conditions:

S. No.	Name	Post to which appointed on ad-hoc basis initially	Date upto the ad-hoc appointment continued
1	2	3	4
	S/Shri		
1.	A.S. Vhatkar	Technical Officer (Printing & Plate making)	7-10-79

1	2	3	4
2.	M. Ponnuthurai	Technical Officer (Printing & Plate making)	31-12-79
3.	D.R. Kondawar	-do-	31-12-79
4.	Y. Janardan Rao	-do-	31-12-79
5.	Rampalsingh	-do-	31-12-79
6.	N.R. Jayraman	-do-	31-12-79
7.	Samarendra Dass	-do-	31-12-79
8.	M. Dutta	Technical Officer (Designing and Engraving)	31-12-79
9.	Arun Kumar Ingle	Technical Officer (Ink Factory Research and Lab.)	31-12-79
10.	J.N. Gupta	Technical Officer (Ink Factory Production)	31-12-79

P. S. SHIVARAM
General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT
CENTRAL REVENUES

New Delhi-2, the 5th December 1979

No. Admn. I/O.O. 450/5-8/77-80/1677.—The Director of Audit has ordered under 2nd proviso to F.R. 30(1), the pro-forma promotion of the following permanent Section Officers of this office to the Grade of Audit Officers, in the time scale of Rs. 840—1200, retrospectively w.e.f. 30th July, 1979 (forenoon) :—

1. Shri D. D. Bhardwaj.
2. Shri Bal Ram Sharma.

No. Admn. I/O.O. 457/P.F./S.C. Bhatnagar/79-80/1704.—Shri S. C. Bhatnagar an officiating Audit Officer of this office has retired voluntarily from service of the Government of India, with effect from the forenoon of 22nd November, 1979, after completion of more than 20 years of qualifying service, in terms of G.I. Min. of H.A., O.M. No. 25013/7/77-Estt. (A) dated 26-8-1977.

2. Shri Bhatnagar entered Govt. service on 4-6-1947 and his date of birth is 30-9-1930.

No. Admn. I/O.O. 458/5-6/79-80/1711.—The Director of Audit, hereby appoints Shri C. L. Arora, a permanent Section Officer of this office to officiate as Audit Officer with effect

from the forenoon of 3-11-1979 until further orders. This is in partial modification of this office notification No. Admn. I/00361/5-6/Promotion/79-80/1387 dt. 28-9-79.

No. Admn. I/O.O. No. 459/5-6/79-80/1713.—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri Kirpal Singh, a permanent Audit Officer of this office retired from service of the Government of India with effect from the afternoon of 30th September, 1979.

Sd./- ILLEGIBLE
Joint Director (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, KERALA

Trivandrum-695001, the 23rd November, 1979

No. A. VII/9-86/Vol. II/173.—The Accountant General, Kerala is pleased to appoint the under mentioned officiating Accounts Officers (Audit & Accounts) of this office in substantive capacity in the Accounts Officers grade of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from the dates shown against each :—

- | | |
|--------------------------------|-----------|
| (1) Sri K. Radhakrishna Menon | 1-6-1979 |
| (2) Sri M. K. Sankaranarayanan | 1-10-1979 |
| (3) Sri V. Sreenivasan Potti | 1-10-1979 |

D. S. IYER
Sr. Deputy Accountant General/Admn.

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 28th November 1979

No. 44016(1)/73/AN-L.—The President is pleased to appoint ad hoc, the following Junior Administrative Grade Officers of the Indian Defence Accounts Service (on deputation as noted against them) to officiate in the Selection Grade of the Junior Administrative Grade (Rs. 2000-125/2-2250) of that service with effect from the forenoon of the 19th November, 1979, until further orders, under the "Next Below Rule".

Sl. No.	Name	Present assignment
1.	Shri V.S. Jafa	Joint Secretary, Ministry of Finance, Department of Expenditure (Civil), New Delhi.
2.	Shri R. Kalyanasundaram	Chief Financial Controller, Hindustan Aeronautics Limited, Bangalore.

R. L. BAKHSI
Addl. Controller General of Defence Accounts (AN)

MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES
(DEPARTMENT OF COMMERCE)

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF
IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 27th November 1979

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

ESTABLISHMENT

No. 6/587/59-Admn. (G)/8356.—On attaining the age of superannuation Shri P. K. Sen relinquished charge of the post of Controller of Imports and Exports, Gandhidham on the afternoon of the 31st October, 1979.

No. 6/395/56-Admn. (G)/8363.—On attaining the age of superannuation Shri C. L. Ghatpande, relinquished charge of the post of Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay on the afternoon of the 31st October, 1979.

The 28th November 1979

No. 6/1325/79-Admn. (G)/8369.—The President is pleased to appoint Shri M. M. Lal, a permanent Grade 'C' Officer of the CSSS to officiate in Grade 'B' of that Service in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi on a purely temporary basis, for the period from 15-11-79 (FN) to 31st December, 1979 or till the post is filled up on a regular basis, whichever is earlier.

The 29th November 1979

No. 6/1281/79-Admn. (G)/8382.—The Chief Controller of Imports and Exports hereby appoints Shri Anil Kumar Taneja, Investigator Grade I, in the Ministry of Labour, New Delhi as Controller of Imports and Exports (Category 'B') in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay in an officiating capacity with effect from the forenoon of 30th October, 1979, until further orders.

2. Shri Taneja as Controller will draw pay in the pay scale of Rs. 650—30—735—810—EB—880—40—100—EB—40—1200.

C. S. ARYA

Dy. Chief Controller of Imports and Exports
For Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 3rd December 1979

No. A-19018(417)/79-Admn. (G).—The President is pleased to appoint Shri N. K. Singh as Assistant Director (Gr. I) (Metallurgy) in Branch Small Industries Service Institute, Rourkela with effect from the forenoon of 19th September, 1979, until further orders.

M. P. GUPTA
Deputy Director (Admn.)

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 23rd November 1979

No. CLB I/I/6-G/77.—In exercise of the powers conferred on me by clause 34 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948 and with the previous sanction of the Central Government, I hereby make the following amendment to the Textile Commissioner's Notification No. CLB I/I/6-G/71 dated the 13th January 1972, namely :—

In the Table appended to the said notification against S. No. 12(VI) for the existing entry in column 2 the following shall be substituted namely :—

"General Managers, District Industries Centres/Senior District Industries Officers/District Industries Officers/Project Officers (Ind.) In charge of Districts.

No. 18(1)/77/CLB II.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 11 of the Textiles (Production by Powerloom) Control Order, 1956, I hereby make the following

further amendment to the Textile Commissioner's Notification No.15(2)/67-CLB II/B, dated the 13th January, 1972, namely :—

In the Table appended to the said Notification, against serial No. 12(V) the existing entry under column 2, shall be substituted by the following entry namely :—

"General Managers, District Industries Centres/Senior District Industries Officers/District Industries Officers/Project Officers (Ind.) In charge of Districts".

M. W. CHEMBURKAR
Joint Textile Commissioner

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 30th November 1979

No. A-1/1(1146).—The President is pleased to appoint Shri K. I. Chopra, Section Officer of the CSS in the DGS&D, New Delhi to officiate on *ad-hoc* deputation basis as Assistant Director (Sales Tax) (Gr. I) in the same Directorate General at New Delhi with effect from 13-11-79 (FN).

K. KISHORE
Deputy Director (Administration)
for Director General, Supplies & Disposals

(ADMN. SECTION A-6)

New Delhi, the 19th November 1979

No. A-17011/150/78-A6.—The President is pleased to appoint Shri A. K. Mehrotra to officiate as Inspecting Officer (Engg.) (Grade III of Indian Inspection Service, Group A, Engg. Branch) in this Dte. General w.e.f. the forenoon of 24th October, 1979 and until further orders.

Shri Mehrotra assumed charge of the post of Inspecting Officer in the office of Dy. Director of Inspection, Kanpur under the Directorate of Inspection, N.I. Circle, New Delhi w.e.f. 24-10-79 (F.N.).

The 23rd November 1979

No. A-6/247 (578)/67.—Shri Madan Lal, an Officiating Asstt. Inspecting Officer (Engg.) in the Office of Director of Inspection, Bombay under this Directorate General resigned from Govt. service w.e.f. the afternoon of 22nd October, 1979.

P. D. SETH
Dy. Director (Admn.)
For Director General
of Supplies & Disposals

New Delhi, the 27th November 1979

No. A6/247(388).—The President is pleased to decide that the deemed date of promotion of Shri S. C. Anand who was actually promoted to the post of Deputy Director of Inspection (Engg.) Grade II of Indian Inspection Service (Class I) Group A—in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi with effect from 16/9/1974 would be w.e.f. 16/9/71 (FN.).

P. D. SETH
Dy. Director (Admn.)

SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 4th December 1979

No. Ei-5576/881-OFFICERS.—Dr. Anil Kumar Rastogi, M.B.B.S., is appointed as Medical Officer in G.C.S. Group 'B' Service in Survey of India Dispensary, Dehra Dun on purely temporary basis for a period not exceeding 90 days on a monthly wages of Rs 1155/- p.m. (all told) w.e.f. 22-10-1979 (F.N) to 19-1-1980 (A/N) in the first instance against the vacancy caused by retirement of Dr. A. N. Chatterjee w.e.f. 30-6-1979 (A/N).

Authority :—Ministry of Health & Family Welfare's letter No. A-12034/20/79-CHS. 1 dated 8-8-1979.

K. L. KHOSLA
Major-General
Surveyor General of India

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING
FILMS DIVISION

Bombay-26, the 26th November 1979

No. A-24013/11/79-Est. I.—Chief Producer, Films Division, hereby appoints Kum. S. Sen, officiating Salesman, Films Division, Nagpur, to officiate as Branch Manager in the same office with effect from the forenoon of the 24-9-1979 *vice* Shri R. P. Sharma, Branch Manager granted leave.

N. N. SHARMA
Asstt. Administrative Officer
for Chief Producer

DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL
PUBLICITY

New Delhi-1, the 29th November 1979

No. A-19012/4/71-Exh. (A).—The Director of Advertising & Visual Publicity hereby appoints Shri Amal Mukherjee, a permanent Exhibition Assistant in the Directorate of Advertising & Visual Publicity to officiate as Field Exhibition Officer in the Field Exhibition Unit (F.W.) Calcutta of the same Directorate on *ad-hoc* basis w.e.f. 9-10-79 *vice* Shri D. C. Roy, F.O. (F.W.) granted leave.

J. R. LIKHI
Deputy Director (Admn.)
for Director of Advertising & Visual Publicity

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 24th November 1979

No. A. 19020/22/77-Admn. I.—Consequent on his transfer to Central Govt. Health Scheme, Dr. Narinder Kumar Verma assumed charge of the post of Dental Surgeon under the C.G.H.S. on *ad hoc* basis with effect from the afternoon of 30th June, 1979.

On his appointment to the post of Dental Surgeon under the C.G.H.S. Dr. Narinder Kumar Verma relinquished charge of the post of Dental Surgeon at Safdarjang Hospital, New Delhi on the afternoon of 30th June, 1979.

No. A. 12026/22/79 (JIP) Admn. I.—The President is pleased to permit Kum. A. P. Sarada, Lecturer in English, Jawaharlal Institute of Postgraduate Medical Education & Research, Pondicherry to retire voluntarily from government service on the afternoon of 3rd October, 1979 under the provisions of O.M. No. 25013/7/77-Estt. (A) dated the 26th August, 1977 of the Department of Personnel and Administrative Reforms.

The 27th November 1979

No. A. 12025/5/79 (AIHPH) Admn. I.—The President is pleased to appoint Shri Kumar Jyoti Nath, Assistant Professor of Sanitary Engineering (Designs), All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta to the post of Professor of Environmental Sanitation in the same Institute, with effect from the forenoon of the 30th October, 1979, on temporary basis, and until further orders.

The 29th November 1979

No. A. 12026/26/78 (JIP) Admn. I.—The Directorate General of Health Services is pleased to appoint Smt. A. Chatterjee, Assistant Nursing Superintendent, Jawaharlal Institute of Postgraduate Medical Education & Research, Pondicherry, to the post of Deputy Nursing Superintendent in the same

Institute with effect from the forenoon of the 29th September, 1979 on an *ad-hoc* basis and until further orders.

No. A. 12026/28/78 (SD) Admn. I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. S. Das Gupta, Technical Assistant, Department of Serologist & Chemical Examiner to the Government of India, Calcutta, to the post of Immunochemist in the same Department with effect from the forenoon of the 2nd November, 1979 on an *ad-hoc* basis and until further orders.

No. A. 19019/14/78 (HQ) Admn. I.—On completion of his term of re-employment Air Cdre. P. Dharmaraju relinquished charge of the post of Director of Civil Defence (Medical) in the Directorate General of Health Services, New Delhi on the afternoon of the 14th October, 1979.

No. A. 19020/18/77 (CRI) Admn. I.—On appointment to the post of Veterinarian at the National Tuberculosis Institute, Bangalore, Shri K. N. Tondon relinquished charge of the post Veterinary Assistant Surgeon at the Central Research Institute, Kasauli, on the afternoon of the 28th September, 1979.

The 30th November 1979

No. A. 31014 3/79 (HQ)/Admn. I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Smt. Indira Saxena in a substantive capacity to the permanent post of Health Education Officer (Teacher's Training) in the Central Health Education Bureau, Directorate General of Health Services with effect from the 29th June, 1976.

The 3rd December 1979

No. A. 11013/2/78 (HQ) Admn. I.—The President is pleased to appoint Shri N. G. Srivastava, Assistant Editor (Hindi & English) in the C.H.E.B., Directorate General of Health Services to the post of Editor (Hindi) in the same Bureau on an *ad-hoc* basis with effect from the afternoon of the 25th October, 1979 and until further orders.

The 5th December 1979

No. A. 12026/34/77 (HQ) Admn. I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Smt. Krishna Basra, Librarian Grade II in the National Medical Library, Directorate General of Health Services, New Delhi to the post of Librarian Grade I in the same library on an *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of the 7th November, 1979 and until further orders.

S. L. KUTHIALA
Deputy Director Administration (O&M)

(STORE 1 SECTION)

New Delhi, the 29th November 1979

No. A. 12026/22/78-SI.—The President is pleased to appoint Shri C. Vittoba to the post of Deputy Assistant Director General (Medical Stores), Govt. Medical Store Depot, Madras, with effect from the forenoon of 27th October, 1979, on an *ad-hoc* basis and until further orders.

SHIV DAYAL
Deputy Director of Administration (Stores)

New Delhi, the 4th December 1979

No. A. 19019/6/79 CGHS-I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Mrs.) J. Sujatha to the post of Homoeopathic Physician in the Central Government Health Scheme on a temporary basis with effect from the forenoon of 12th March, 1979, until further orders.

N. N. GHOSH
Dy. Director Admn. (CGHS)

INDIAN POSTS AND TELEGRAPHS DEPARTMENT
OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF POSTS & TELEGRAPHS

New Delhi-110001, the 29th November, 1979

NOTICE

No. 25-1/79-LI.—Postal Life Insurance policies particularised below having been lost from the Departmental custody, Notice is hereby given that the payment thereof has been stopped. The Director Postal Life Insurance

Calcutta has been authorised to issue duplicate policies in favour of the insureds. The Public are hereby cautioned against dealing with the original policies:—

Sl. No.	Policy No. & Date	Name of the Insurant	Amount
1.	L-99207 dt. 15-2-78	2754960 L/NK Maruti Jadhav	Rs. 5,000/-
2.	L-43369 dt. 1-12-75	1565867 Spr. Gurdev Singh	Rs. 5,000/-
3.	L-80288 dt. 11-7-77	1276473 Gnr. Haribhans Mishra	Rs. 5,000/-
4.	L-54663 dt. 28-2-76	1454098 Spr. Kedar Singh	Rs. 5,000/-
5.	L-37416 dt. 31-1-76	6291416 Hav. V. Viswanathan	Rs. 5,000/-
6.	L-96277 dt. 1-6-77	Sep/NA Ram Nath Prasad	Rs. 5,000/-
7.	L-22099 dt. 30-11-75	NK Ram Byas Pandey	Rs. 5,000/-

S. C. JAIN
Director (PLI)

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 3rd December 1979

No. A-19025/14/79-A. III.—On the recommendations of the D.P.C. (Group B), Shri S. D. Gaikwad, Senior Inspector, has been promoted to officiate as Asstt. Marketing Officer (Group III) in this Directorate at Nagpur w.e.f. 26-9-79 (F.N.), until further orders.

No. A-19025/15/79-A.III.—On the recommendations of the U.P.S.C., Shri Bhojraj Deorao Sherkar has been appointed to officiate as A.M.O. (Group I) in this Dte. at Nagpur w.e.f. 16-10-79 (F.N.), until further orders.

No. A-19025/16/79-A. III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Tapan Kumar Ghosh has been appointed to officiate as Asstt. Marketing Officer (Group I) in this Dte. at Calcutta w.e.f. 31-10-79 (F.N.), until further orders.

No. A-19025/18/79-A. III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Brahma Deo Sharma has been appointed to officiate as Asstt. Marketing Officer (Group II) in this Directorate at Bombay w.e.f. 24th October, 1979 (F.N.), until further orders.

No. A-19025/20/79-A. III.—On the recommendations of the U.P.S.C., Shri Krishan Vir Singh Pundhir has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) in this Dte. at New Delhi w.e.f. 12th October, 1979 (F.N.) until further orders.

No. A-19025 21/79-A. III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Arjun Kumar Singh has been appointed to officiate as Asstt. Marketing Officer (Group II) in this Directorate at New Delhi w.e.f. 18-10-79 (F.N.), until further orders.

No. A. 19025/22/79-A. III.—Shri Daram Raj Kishor Singh, Senior Inspector, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I), in the Directorate of Marketing and Inspection at Faridabad, with effect from 16-11-1979 (F.N.) on short-term basis upto 31-12-79 or till regular arrangements are made, whichever is earlier.

No. A-19025/23/79-A. III.—Shri A. Vishwakarma, Senior Inspector, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I), in the Directorate of Marketing & Inspection at Faridabad, with effect from 16-11-79 (F.N.) on short-term basis upto 31-12-79 or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

The 4th December 1979

No. A-39013/1/79-A. III.—Consequent on the acceptance of the resignation tendered by him Shri Amal Kumar Das, Assistant Marketing Officer in this Directorate has been relieved of his duties in this Directorate at Madras with effect from 29-10-79 (A.N.).

B. L. MANIHAR
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser
to the Govt. of India

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Narora, the 28th November 1979

No. NAPP/Adm/1(163)/79-S/13145.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project appoints Shri P. P. Soni a permanent Assistant Foreman in Power Projects Engineering Division and presently officiating as Foreman in the Narora Atomic Power Project to officiate as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the same Project with effect from the forenoon of 1-8-79, until further orders.

No. NAPP/Adm/1(165)/79-S/13161.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project appoints Shri H. K. Karwal, a permanent Draughtsman 'B' in the Central Pool of Power Projects Engineering Division and presently officiating as Draughtsman 'C' in the Narora Atomic Power Project to officiate as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the same Project with effect from the forenoon of 1-8-79, until further orders.

S. KRISHNAN
Administrative Officer
for Chief Project Engineer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 27th November 1979

No. AMD-1/8/79-Adm.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy, hereby appoints Dr. B. K. Balaji, Scientific Assistant 'A' as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the Forenoon of August 1, 1979 until further orders.

M. S. RAO
Sr. Administrative & Accounts Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 28th November 1979

No. 05052/79/6570.—Officer-on-Special Duty Heavy Water Projects, appoints Shri Prasanna Kumar Panda, a temporary Scientific Assistant 'C' of Heavy Water Project (Talcher), to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB) in the same project, with effect from the forenoon of August 1, 1979 until further orders.

No. 05052/79/6570.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Satish Rasiklal Desai, a temporary Foreman of Heavy Water Project (Talcher) to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB) in the same project, with effect from the forenoon of August 1, 1979 until further orders.

No. 05052/79/6571.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Gundepudi Gopala Krishnamurthy, a temporary Supervisor (Civil) of Heavy Water Project (Talcher), to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade

SB) in the same project, with effect from the forenoon of August 1, 1979 until further orders.

R. C. KOTIANKAR
Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTORATE GENERAL OF
CIVIL AVIATION

New Delhi, the 14th November 1979

No. A-32013/7/78-El.—The President has been pleased to appoint Shri S. C. Majumdar, Deputy Director to the post of Director, Radio Construction & Development Units on *ad-hoc* basis beyond 30-8-1979 and upto 31-12-1979 or till regular appointment to the post is made, whichever is earlier, in continuation of this office Notification No. A-32013/7/78-El. dated 24-11-1978.

C. K. VATSA
Assistant Director of Administration

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Nagpur, the 28th November 1979

No. 5/79.—Shri N. S. Mehta, Assistant Collector, Central Excise who was posted to Division Amravati of this Collectorate retired from Government service in the afternoon of 30-9-1979 on attaining the age of Superannuation.

K. SANKARARAMAN
Collector

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS
CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 27th November 1979

No. 33/10/78-ECIX.—The President is pleased to appoint Shri D. D. Bakde, a nominee of U.P.S.C. as Architect in the CPWD against a temporary post on a pay of Rs. 1100/- p.m. in the pay scale of Rs. 1100-50-1600 with effect from 16-10-79 on the usual terms and conditions.

2. Shri Bakde is placed on probation for a period of 2 years from his date of appointment as Architect.

No. 33/12/78-ECIX.—The Director General of Works, CPWD, is pleased to appoint Shri Harish Chander a nominee of the U.P.S.C. as Assistant Architect in the CPWD against a temporary post on a pay of Rs. 650/- p.m. in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 7-11-1979 on the usual terms and conditions.

2. He is placed on probation for a period of two years from the dates of his appointment as Assistant Architect as shown above.

3. He is posted in Senior Architect (NDZ), IV Unit, CPWD, New Delhi.

The 30th November 1979

No. 27/10/70-ECIX.—Shri Chand Narain S. Sharma, Architect of this Department retired from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from 30th November, 1979 (AN).

H. D. SINHA
Dy. Director of Administration

CENTRAL RAILWAY

Bombay, the 27th November 1979

No. HPB/220 G/II/N.—The following officiating Assistant Signal and Telecommunication Engineers (Class II) are confirmed in that appointment from the dates shown against each :—

Sr. No. Name & Date of confirmation

1. Shri A. K. Sengupta—5-5-1976.
2. Shri A. Cardoso—26-10-1976.
3. T. N. Rao—17-11-1976.

KRISHAN CHANDRA
General Manager

NORTHERN RAILWAY

New Delhi, the 3rd December 1979

No. 17.—The resignation tendered by Sarvshi K. Chib and R. Khosla officers of IRSMF Department have been accepted by the Railway Board w.e.f. 31-5-1979 A.N.

R. K. NATESAN
General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
COMPANY LAW BOARD
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Filterods Private Ltd.*

Bangalore, the 27th November 1979

No. 1941/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Filterods Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Carded Silvers Private Ltd.*

Bangalore, the 27th November 1979

No. 1940/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Carded Silvers Pvt. Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. T. GAJWANI
Registrar of Companies,
Karnataka, Bangalore.

*Notice under Section 445(2) of the Companies Act, 1956
In the matter of M/s. Akal Corporation Pvt. Ltd.*

New Delhi, the 8th November 1979

No. Co Lign. 3728.—By an order dated the 28th May 1976 of the Hon'ble High Court of Delhi M/s. Akal Corporation Private Limited has been ordered to be wound up.

C. R. MEHTA,
Registrar of Companies,
Delhi & Haryana

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Orient Insulations Private Ltd.*

Bombay, the 26th November 1979

No. 12196/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Orient Insulations Pvt. Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

B. L. MEENA
Asst. Registrar of Companies,
Maharashtra, Bombay.

DIRECTORATE OF ORGANISATION & MANAGEMENT
SERVICES (INCOME TAX)

New Delhi-110002, the 24th November 1979

F. No. 36/40/76-AD/DOMS/Pt1000.—Consequent on his *ad hoc* promotion, Shri P. S. Jain permanent Superintendent of the Directorate of O&MS(IT), New Delhi, has assumed the charge of the post of Addl. Assistant Director, Directorate of O&M Services (Income-tax), New Delhi w.e.f. the forenoon of 17th November, 1979.

A. C. JAIN
Director

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400020, the 22nd November 1979

No. F. 48-Ad(AT)/79.—1. Shri Y. Balasubramaniam, Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay on *ad hoc* basis in a temporary capacity for a period of three months from 1-6-1979 to 31-8-1979, vide this office Notification No. F. 48-Ad(AT)/79 dated 25-7-1979, is now permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay for a further period of three months from 1-9-1979 to 30-11-1979, or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is *ad hoc* and will not bestow upon Shri Y. Balasubramaniam, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on *ad hoc* basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

2. Shri S. V. Narayanan, Senior Stenographer, Income-tax Appellate Tribunal, Hyderabad Benches, Hyderabad, who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay on *ad hoc* basis in a temporary capacity for a period of three months from 1-6-1979 to 31-8-1979, vide this office Notification No. F. 48-Ad(AT)/79 dated 25-7-1979, is now permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay for a further period of three months from 1-9-1979 to 30-11-1979, or till the post is filled up on regular basis whichever is earlier.

The above appointment is *ad hoc* and will not bestow upon Shri S. V. Narayanan, a claim for regular appointment

in the grade and the service rendered by him on *ad hoc* basis would not count for the purpose of seniority in that grade for eligibility for promotion to next higher grade.

3. Shri Niranjana Dass, officiating Assistant Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, Delhi who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Amritsar Bench, Amritsar on *ad hoc* basis for a period of three months from 1-6-1979 to 31-8-1979, vide this office Notification No. F. 48-Ad(AT)/79 dated 25-7-79, is now permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Amritsar Bench, Amritsar, on *ad hoc* basis for a further period of three months from 1-9-1979 to 30-11-1979, or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is *ad hoc* and will not bestow upon Shri Niranjana Dass, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on *ad hoc* basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

3. Shri M. K. Dalvi, Personal Assistant to the Vice-President, Income-tax Appellate Tribunal (Northern Zone) New Delhi, who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay on *ad hoc* basis for a period of three months from 1-6-1979 to 31-8-1979 vide this office Notification No. F. 48-Ad(AT)/79 dated 25-7-79 is now permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay on *ad hoc* basis for a further period from 1-9-1979 to 18-10-1979 (A.N.)

The above appointment is *ad hoc* and will not bestow upon Shri M. K. Dalvi, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on *ad hoc* basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

The 27th November 1979

No. F. 48-Ad(AT)/79.—Shri A. Ramachandran, Assistant Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Madras Benches, Madras is appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal in the same Benches on regular basis (against promotion quota) with effect from 17-11-79 (afternoon) in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- until further orders.

Shri A. Ramachandran will be on probation for two years with effect from 17-11-1979 (afternoon).

D. RANGASWAMY
President

FORM ITNS

(1) I. Munis Husseini Varawalla 2. Mrs. Sirin Munis Varawalla.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Dr. Rusi D. Umrigar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1979

Ref. No. AR-I/4199-5/May' 79.—Whereas I. V. S. SESHADRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C.S. No. 94 of Colaba Divn.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 11-5-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. Bom/1805/78 and as registered on 11-5-1979 with the Sub-Registrar, Bombay.

V. S. SESHADRI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Bombay.

Date : 3-12-1979.

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s D.L.F. United Limited, 21, 22, Narendra Place, Parliament Street, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Oriental Fire & General Insurance Company Limited, A-25/27, Asaf Ali Road, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE,
ROHTAK.

Rohtak, the 5th December 1979

Ref. No. BGR/DLI/37/78-79.—Whereas I, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. property known as 'HOLIDAY INN' and its adjoining cottage at block 'A' in sector 11, Faridabad, situated at Faridabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in March 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property known as 'HOLIDAY INN' and its adjoining cottage at Block 'A' in sector 11, Faridabad and as mentioned more in details in the sale deed registered with the Registering Authority Delhi vide registration No. 146 dated 28-3-1979.

G. S. GOPALA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Rohtak.

Date: 5-12-1979.

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
57, RAMTIRTH MARG,
LUCKNOW

Lucknow, the 16th November 1979

Ref. No. V-42/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. house including building, shops & land situated at Bazar Chowk, Najibabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Najibabad on 27-6-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
19—376GI/79

(1) Shri Jitendra Kumar

(Transferor)

(2) Smt. Vimla Devi.

(Transferee)

(3) Seller & tenants

1. Anil Kumar Varma

2. Rafeeq Ahmad

3. Mahendra Kumar Varma

4. Manager Shree Gandhi Ashram

5. Mohd. Ismail

6. Genda Ram

(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house including building, shops & land situate at Bazar Chowk, Najibabad and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 1037/79 which have duly been registered at the office of the Sub Registrar, Najibabad on 27-6-1979.

A. S. BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Lucknow.

Date : 16-11-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001.

Bangalore, the 15th September 1979

C.R. No. 62 23341/79-80/ACQ/B.—Whereas I, P. RANGANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 151, 4th cross, Cambridge layout, situated at Ulsoor Bangalore, 8 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore 8 Doc. No. 3356/78-79 on 5-3-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

1. (1) Smt. Pappammal, w/o late S. Sham.
(2) Sri S. Loganathan.
(3) Shri S. Chandrasekhar.
(4) Shri S. Natarajan.
Children of Late S. Sham.
All residing at No. 151, 4th cross, Cambridge layout, Somaswarapura, Ulsoor, Bangalore, 8.
(Transferor)
2. (2) Jayam Govindaiah.
(2) T. Ramachandraiah.
Sons of late, Perumalaiah, both residing at No. 20, Nandanavanam, G. St. cross, Ulsoor, B'lore, 8
No. 151, 4th Cross, Cambridge layout, Ulsoor, Bangalore, 8.
(Transferee)
3. (1) Varghese.
(2) Ramesh.
(3) Vasudevan.
(Person(s) in occupation of the property).
(4) Karunaker.
(2) N. V. Ranganath.
(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons with in a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 3356/78-79, dated 5-3-1979.

No. 151, 4th cross, Cambridge layout, now called as Somaswarapura, Ulsoor, Bangalore, 8.

Boundaries;

East : Road.

West : site, No. 142.

North : site, No. 150 and

South : site, No. 152.

P. RANGANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bangalore.

Date : 15-9-1979.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001.

Bangalore-560001, the 4th October 1979

C.R. No. 62/23319/79-80/Acq.B.—Whereas I, P. RANGANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1029/26, situated at Ist Main, IV Block, Rajajinagar, Bangalore-560010. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Rajajinagar, Bangalore, Doc. No. 5359/78-79 on 26.3.1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri C. Shanamma,
No. 9, "Veda" Temple Street,
Jayalakshmipuram, Mysore-12.

(Transferor)

(2) Shri T. V. Chalamaiiah,
Smt. Sharadamma, W/o. Sri Chalamaiiah,
No. 1029/26, Ist Main, IV Block,
Rajajinagar, Bangalore-560 010.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 5359/78-79 dated 26-3-1979)

House property bearing No. 1029/26, situated at Ist Main, IV Block, Rajajinagar, Bangalore-560 010.

Boundaries :

North : Property No. 1028

South : Property No. 1030.

East : 80' Road,

West : Conservancy.

Inspecting Assistant

Date : 4-10-1979

Seal

Not.
Act, I b.
sfr-said
section (1)
Persons, BDD.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001.

Bangalore-560001, the 4th October 1979

C.R. No. 62/23438/79-80/Acq/B.—Whereas I, P. RANGANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 48, situated at East Anjaneya Temple Street, Basavanagudi, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore, Document No. 4323/78-79 on 23-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the property by the issue of this notice under sub-section 269D of the said Act to the following effect :—

- (1) 1. R. S. Jayashankar,
2. R. J. Sriramchandra
3. R. J. Suchindra
4. R. J. Datta
Minors, Reptd. by father
Shri R. S. Jayashankar,
All residing at No. 16(21) Appajappa Agrahara,
Chamrajpet, Bangalore-560016.

(Transferor)

- (2) Shri D. K. Vittal,
No. 34, II Main Road,
Gavipuram Extn.,
Bangalore-560 019.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4323/78-79 dated 23-3-1979)
Vacant site No. 48, East Anjaneya Temple Street,
Basavanagudi, Bangalore-560 004.

Boundaries :

North : Srinivasa Iyengar's property.
South : Sri Setlwis property.
East : Conservancy Lane
West : East Anjaneya Temple Street.

P. RANGANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bangalore.

Date : 4-10-1979.

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Dr. B. Doraiswamy Naidu s/o Rahavalu Naidu.
No. 34, II Cross. Journalist Colony,
Bangalore. 2.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Sri Peddappa s/o Muniswamy Naidu.
No. 4, Mavalli Tank Bund Road, Bangalore. 4.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001.

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Bangalore-560001, the 4th October 1979

C.R. No. 62/23439/79-80-Acq/B.—Whereas I. P.
RANGANATHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. 14/27.

situated at Mavalli, Tank Bund road, Bangalore Dn. No. 39,
(and more fully described in the scheduled annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of Registering Officer
at Basavanagudi. Bangalore. Doc. No. 4307/78-79.

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are
as defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4307/78-79, dated 22-3-1979)
House property being vacant land corpn. No. 14/27, Tank
Bund road Bangalore.

Bounded by :—

North : Property No. 7.

South : Site No. 5.

East : Drain.

West : Tank Bund road.

P. RANGANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bangalore.

Date : 4-10-1979.

Seal :

FORM TINS— ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

BANGALORE-560001.

Bangalore-560001, the 11th October 1979

C.R. No. 62/23263/79-80/Acq/B.—Whereas I, P. RANGANATHAN, being the Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 822, situated at Mahalaxmi layout, 3rd cross, West of Chord road, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar, Bangalore, Doc. No. 5202/78-79, on 8-3-79, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Veera Kyathaiiah, No. 852, Mahalaxmi layout, Bangalore.

(Transferor)

(1) Smt. G. Shayamala, No. 59th Main, 4th Block Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 5202/78-79, dated 8-3-79).
House property being No. 822/87, situated at 13th cross, Mahalaxmi layout, West of chord road, Bangalore.

P. RANGANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bangalore.

Date : 11-10-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Sri K. S. Chandrasekhar, Arsikere, Hassan District.
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri K. V. Niranjan 105, Palace Guttahalli, Banga-
lore.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001.

Bangalore, the 12th October 1979

C.R. No. 62/23493/79-80/Acq./B.—Whereas I, P. RANGANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 105 situated at Seshadripuram road, Palace Guttahalli, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore, Document No. 4456 on 30-3-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4456/79-80, dated 30-3-79).
Portion of house property bearing No. 105, Seshadripuram road, Palace Guttahalli, Bangalore.

P. RANGANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-10-1979.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001.

Bangalore, the 16th October 1979

C.R. No. 62/23904/79-80/Acq/B.—Whereas I. P. RANGANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Portion of Premises bearing No. 141, situated at D. V. G. Rad, Basavanagudi, B'lore-4. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Basavanagudi B'lore-4, Doc. No. 4040/78-79. on 5-3-1979. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri L. Viswanathachar,
S/o B. K. Lingachar, No. 141, D. V. G. Road,
Basavanagudi, B'lore-4.
(Transferor)
- (2) 1. T. K. Achar, Retd. Police Sub Inspector,
2. T. Ramalingachar,
3. T. Chandrasekhar, Proprietor of Sri Thandaveswara Opticians",
Sons of B. K. Thandavachar,
All residing at No. 10, D.V.G. Road, Basavanagudi, B'lore-4. or 141, D.V.G. Road,
B'Gudi, B'lore-4.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4040/78-79. dated 5-3-79.)
Portion of premises bearing No. 141, D.V.G. Road,
Basavanagudi, B'lore-4.

Boundaries :

East : D.V.G. Road & Smt. Krishnamma's site,
West : Conservancy,
North : Premises bearing No. 9, of Smt. Nagamma and
South : Premises bearing No. 11 of Sri Rangaswamy.

P. RANGANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bangalore.

Date : 16-10-1979.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001.

Bangalore, the 16th October 1979

C.R. No. 62/23550/79-80/Acq/B.—Whereas I, P. RANGANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 38, situated at Sadarpathrappa Road, B'lore. (and more and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, B'lore Doc. No. 4098/78-79 on 1-3-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
—376G1/79

- (1) 1. Smt. Saroja Bai, D/o Late Selvanambi Naidu,
2. Sri P. D. Cheluvraj, S/o Saroja Bai,
3. C. Hasmukhlal Minor, Father Chainraj Lal,
R/o No. 127/2, Seppings Road, Bangalore.
(Transferor)

- (2) 1. Sri Kushalaraj, S/o Maniklal,
2. P. Vinod Kumar, Minor Father M. Bhavar Lal,
3. C. Hasmukhlal Minor, Father Chainraj Lal,
4. J. Amith Kumar Minor, Father Jawahar Lal,
No. 38, Sadarpathrappa Road, B'lore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Doc. No. 4089/78-79, dated 1-3-1979)
House property bearing No. 38 (New), Old No. 100, situated at Sadarpathrappa Road, B'lore.

P. RANGANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad
Acquisition Range,
Bangalore.

Dated : 16-10-79.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001.**

Bangalore, the 23rd October 1979

Ref. No. AP No. 62/23551/79-80/Acq./B.—Whereas I, P. RANGANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8, situated at Kempegowda Road, Bangalore-560 009 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore, Document No. 4075/78-79 on 2-3-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Nilles H. Patel,
2. Ajay H. Patel,
3. Rajesh H. Patel,
4. Sumitaben H. Patel
(5) Taraben R. Patel
All residing at No. 105, Ananda Rao Extn, Gandhinagar
Bangalore-560009.

(Transferor)

- (2) M/S Trimurthi Enterprises,
M.G. Road, Chickmagaloor,
(Reptd. by its partner Sri M. N. Sathyam).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4075/78-79, dated 2-3-1979)
Commercial property bearing New No. 8 and Old No. 4 known as "PRABHAT TALKIES" situated at Kempegowda Road, Bangalore-9.
Boundaries :
East : Property of FKCCI
West : Cross Road,
North : Kempegowda Road,
South : Menaka Theatre.

P. RANGANATHAN
Competent Authority

Inspecting Asstt Commissoiner of Income-tax
Acquisition Rang
Bangalore

Date : 23-10-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Chandulal Rajpar,
Grain Market,
Jamnagar.

(Transferor)

(2) Shri Mahendra Amratlal Shah,
"Mahendra Niketan", Vajirpura,
Digvijay Plot No. 45,
Jamnagar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
ACQUISITION RANGE-I,
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 30th October 1979

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immova-
ble property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

Ref. No. P.R. No. Acq.23-I-2305(875)/10-1/79-80.—
Whereas J. S. C. PARIKH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. 4/1/, Plot No. 3 situated at Udhyanagar Road
behind Summer Club Road, Jamnagar.

and more fully described in the Schedule annexed hereto)
as been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Jamnagar on 15-3-1979

or an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
foresaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said in-
strument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open land bearing S. No. 4/1/1, Plot No. 3, admeasuring
"5550-03" sq. ft. situated at Main Udhyanagar Road, behind
Summer Club Road, Jamnagar, duly registered by
Registering Officer, Jamnagar, vide sale-deed No. 507/15-3-
1979 i.e. property as fully described therein.

S. C. PARIKH

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the
foresaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 30-10-1979.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
ACQUISITION RANGE-I,
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 5th November 1979

Ref. No. P.R. No. Acq. 23-I-2482(877)/1-1/79-80.—
Whereas I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R.S. No. 48, 77, F.P. No. 744-745 Plot No. 4-B, 4-C of T.P.S. 3 situated at Chhadavadi, City Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 15-3-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act, to the following persons, namely :—

(1) Tarulata Indulal Patel,
Netaji Subhas Road,
Ellisbridge,
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Nimisha Apartment Co. Op. Housing Society Ltd,
1130-L, Lalbhaini Pole,
Cirdharbhaino Khancho,
Mandivini Pole,
Ahmedabad-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 847 sq. yds. bearing R.S. No. 48, 77, F.P. No. 744, 745 Plot No. 4-B, 4-C of T.P.S. 3 situated at Chhadavadi, Ahmedabad and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 2328 dt. 15-3-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
AhmedabadDate : 5-11-1979.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 5th November 1979

Ref. No. P.R. No. Acq.23-I-2213(878)/16-3/79-80.—
Whereas I, S. C. PARIKH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Open plot at Nawagadh known as Jin Plot situated at Nawagadh, Jetpur.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jetpur on 5-3-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. The Saurashtra Oil Mills Co.,
through : Managing partner Shri Vithaldas Nathubhai Patel Nawagadh, via. Jetpur.
(Transferor)
- (2) Well Print Processors,
through : Managing Partner
Shri Natwerlal Juthalal Patel,
Jin Plot, Nawagadh,
Jetpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 3000 sq. yds. known as Jin Plot situated at Nawagadh, Jetpur and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 403 dt. 5-3-79.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date : 5-11-1979.
Seal :

FORM ITNS

(1) Aboti Natha Harbham Ranavav.

(Transferor)

(2) Unijay Engineering Co.,
Chhaya Plot,
Porbandar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAXACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 5th November 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.Ref. No. P.R. No. Acq 23-I-2188(881)/11-4/79-80.—
Whereas I, S. C. PARIKH,being the Competent Authority under Section 269-B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter re-
ferred to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000 and bearing

No. S. No. 400/4 situated at Ranavav, Porbandar.

(and more fully described in the
Schedule annexed hereto), has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer
at Porbandar on 27-3-1979,for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property, and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid ex-
ceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen
per cent of such apparent consideration and that the consi-
deration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 42713 sq. yds. bearing
S. No. 400/4, situated at Ranavav, Porbandar and as fully
described in the sale-deed registered vide R. No. 1055 dt.
27-3-1979 by the Registering Officer, Porbandar.S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 5-11-1979.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 5th November 1979

Ref. No. P.R. No. Acq. 23-I-2302(882)/10-3/79-80.—
Whereas I, S. C. PARIKH,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. S. No. 10, Plot Nos. 1 to 34 situated at Dhrol, Dhrol
Taluka, Dist.
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the
Registering Officer
at Jodia on 28-3-1979,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of
the aforesaid property and I have reason to believe that the
fair market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen per cent
of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the Said Act to the following
persons, namely :—

(1) Patel Gordhan Vasram and
Patel Anand Vasram
Khambhalia,
Tal. Dhrol.

(Transferor)

(2) Patel Bhanaji Ladhahbai
President of
Shri Umiya Co-op. Housing Society Ltd.,
Dhrol,
Dist. Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land adm. 164621 sq. ft. bearing S. No.
10, plot Nos. 1 to 34, situated at Dhrol, Dist. Jamnagar and
as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 210
dated 28-3-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date : 5-11-1979.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Patel Kishorkumar Narottamdas Zalavadiya
Bolkapa; Zalavadiyani Delhi
Upleta.

(Transferor)

(2) Shri Nathalal Narsinbhai Manakadiya
President of Shri Gitanjali Co. Op. House Society
Ltd. Nawapura,
Uplea.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 5th November 1979

Ref. No. P.R. No. Acq. 23-I-2192(884)/16-7/79-80.—
Whereas I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 316 Paiki Plot Nos. 4 to 8, situated at Upleta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Upleta on 29-3-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 2419.60 sq. yds. bearing S. No. 316 Paiki Plot Nos. 4 to 8, situated at Upleta and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 392 dated 29-3-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date : 5-11-1979.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 5th November 1979

Ref. No. P.R. No. 811/Acq 23/1432/19-1/79-80—
Whereas I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
S. No. 275 situated at Bardoli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Bardoli on 22-3-1979

for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid
property, and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer; and/
or

moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons namely :—

21—376GI/79

- (1) Lallubhai Chhitabhai Patel;
P. A. Holder, Naginbhai Lallubhai,
Siker, Taluka Valod,

(Transferor)

- (2) Kashiben Zaverbhai;
Parvatiben Raochhodbhai;
Amratlal Dayaram;
Bardoli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 275, situated at Bardoli, Dist. Surat
duly registered under No. 819 dated 22-3-1979 at Bardoli.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date : 5-11-1979.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 12th November 1979

Ref. No. P.R. No. 813 Acq.23-12-1359/19-1/78-79.—
Whereas I, S. C. PARIKH,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Revenue Survey No. 189A and B, 217A & B and 513
situated at Station Road, Bardoli,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Bardoli on 7-3-1979,
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income
or any moneys or other assets which have
not been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-
tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

- (1) 1. Khursidbanu Kavasji Wd/of Kavasji Dinshaji Das-
tur;
2. Dinshaji Kavasji Dastur;
2. Jamshedji Kavasji Dastur;
P. A. Holder Shri Armasha Maneksha Kapadia,
Broach.
3. Shrinbanu Jal Dastur, Poona. (Transferor)
- (2) M/s. Hirachand Zaverchand;
Station Road, Bardoli. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Revenue Survey No. 189A
and B, 217A, B and 513 situated at Station Road, Bardoli,
duly registered on 7-3-1979 at Bardoli under Registration
No. 793.

S. C. PARIKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Dated : 12-11-1979.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Jagannath A. Naidu,
6/C, Karpagambal Nagar,
Madras-4.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. A. R. Builders,
84, Sydenhams Road,
Madras-7.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
MADRAS-600006

Madras-600006, the 13th September, 1979

Ref. No. 92/MAR/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1090, situated at Poonamallee High Road, Madras-7 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

SRO Periamet, Madras (Doc. 221/79) on March 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the deduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 221/79 SRO Periamet, Madras.

Vacant site with front side compound wall Door No. 1090, Poonamallee High Road, Madras-7.

O. ANANDARAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-9-1979

Seal :

FORM ITNS— --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

MADRAS-600006

Madras-600006, the 4th October 1979

Ref. No. 19/MAR/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 14, situated at Nehruji Nagar, Dindigul. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer SRO Dindigul (Doc. No. 153/79) on March 1979 at for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. T. Lakshmi Ammal
W/o Shri N. P. Thirumalaisamy Chettiar,
2. Shri T. Subramaniam
S/o Shri N. P. Thirumalaisamy Chettiar,
3. Smt. A. Thilagavathy,
W/o Shri G. Angusamy,
No. 87, East Govindapuram,
Dindigul.

(Transferor)

(2) Shri K. Ramachandran,
S/o Shri P. P. Kamachi Chettiar,
Gandhi Grammam, Dindigul.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 153/79 SRO Dindigul
Land and Buildings at Door No. 14, Nehruji Nagar, Dindigul.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Madras-600006

Date : 4-10-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri T. Balakrishnan,
23, Pandia Nagar,
Dindigul.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri D. S. Raju,
No. 18, Nehruji Nagar,
Dindigul.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
MADRAS-600006

Madras-600006, the 4th October 1979

Ref. No. 55/APRIL/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

9 to 16, situated at Railway Station Road, Dindigul
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
Nagalnaickenpatti, Dindigul (Doc. 598/79 on April 1979
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Document No. 598/79 SRO Nagalnaickenpatti, Dindigul
Land and Buildings—Door No. 9 to 16, Railway Station
Road, Dindigul.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 4-10-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
MADRAS-600006

Madras-600006, the 6th November 1979

Ref. No. 25/MARCH/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 108, situated at East Perumal Maistry Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSRO III Palace Road, Madurai (Doc. No. 617/79) on March 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri R. S. K. Shankar,
S/o Ramia S. Kumarasamy Iyer,
Cloth Merchant,
29, Lakshmiapuram II Street,
Madurai.

(Transferor)

(2) Shri O. M. S. S. Sundara Mahalingam,
7, Navabathkana Street,
Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 617/79 JSRO III, Madurai
Land and Buildings at Door No. 108, East Perumal Maistry Street, Madurai.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-600006

Date : 6-11-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I

MADRAS-600006

Madras-600006, the 7th November 1979

Ref. No. 43/MARCH/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 31, situated at Kamakadu Village, Yercaud Taluk, Salem Dt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer JSRO I Salem (Doc. No. 1518/78) on March 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) The Salem Diocese Society,
Salem represented by
the Chairman The Most Reverend
Dr. Michael B. Duraisamy,
Bishop of Salem, Bishops House,
Salem.

(Transferor)

(2) Dr. S. Kasthuri,
4-E, Gandhi Road,
Salem.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 1518/79 JSRO I, Salem
Agricultural lands in S. No. 31 with buildings at Kamakadu Village, Yercaud Taluk, Salem District.

O. ANANDARAM
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax),
Acquisition Range-I,
Madras-600006

Date : 7-11-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
MADRAS

Madras-600006, the 7th November 1979

Ref. No. 16/MARCH/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to of the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 77A & 78 situated at Seetharama Iyer Street, Arcot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SRO ARCOT (Doc. No. 558/79) in March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri A. M. Subramania Mudaliar, S. Santha Bai and T. Kasthuribai Kutchery Road, Arcot.

(Transferor)

(2) Smt. M. Sajjan Bai, W/o Shri R. Mohanlal 28, Kosath Theru Street, Arcot.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 558/79 SRO Arcot.

Land and Buildings at Door No. 77A and 78, Seetharama Iyer Street, Arcot.

O. ANANDARAM

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date : 7-11-1979.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Kevi Saw Mills, No. 1-A, Yercaud Main Road, Gorimedu, Salem-8.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. RM Nachammai, W/o Shri PL. Ramanathan Chettiar, Vasantham Buildings, Junction Road, Salem-5.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I
MADRAS

Madras-600006, the 7th November 1979

Ref. No. 40/MARCH/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 33, situated at Athiyur Village, Shevroy Hills, Yercaud Taluk, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Yercaud (Doc. No. 58/79) in March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

22—376 GI/79

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter."

THE SCHEDULE

Document No. 58/79 SHO Yercaud.

Lands at Survey No. 33—Acres—24. at Athiyur Village, Shevroy Hills, Yercaud Taluk.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Madras-600006

Date : 7-11-1979.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
MADRAS

Madras-600006, the 7th November 1979

Ref. No. 11/MARCH/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, bearing a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 119/1 situated at Kasthuripatti Village, Sankari Taluk, Salem Dt., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SRO Sankaridurg (Doc. No. 274/79) in March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Pavayee.
2. K. Sellappa Gounder.
3. Palaniammal.
4. Minor Kantha Rukmani and
5. Shri Chandrasekaran Konakkankadu, Kasthuripatti Village, Sankari Taluk, Salem Dt.
(Transferor)
- (2) Shri K. Athappa Gounder and Shri Ramasamy Kanakkan Kadu, Kasthuripatti Village, Sankari Taluk, Salem District.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 274/79 SRO, Sankaridurg.

Agricultural lands in S. No. 119/1, 118/1, 118/4, and 5 in Kasthuripatti Village, Sankagiri Taluk, Salem District.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date : 7-11-1979.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
MADRAS

Madras-600006, the 7th November 1979

Ref. No. 39/MARCH/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 61 situated at Athiyur Village, Shevroy Hills, Yercaud Taluk, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SRO Yercaud (Doc. No. 57/79) in March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Kevi Saw Mills, No. 1A, Yercaud Main Road, Goumedu, Salem-8. (Transferor)
- (2) Shri V. R. Subramanian and Shri V. R. Narayanan, Sons of Shri SP. M. N. Veerappa Chettiar, No. 3, Muthoorani East Street, Karaikudi, Ramnad Dt. (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 57/79 SRO Yercaud.

Lands at S. No. 61—Athiyur Village, Shevroy Hills, Yercaud, Taluk.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date : 7-11-1979.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri K. Ramachandran, S/o P. P. Kamatchi Chettiar, Gandhi Gram, Dindigul.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I
MADRAS

Madras-600006, the 7th November 1979

Ref. No. 19/MAR/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 14, situated at Ward II, Nehru Nagar, Dindigul, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SRO Dindigul (Doc. No. 153/79) in March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) 1. T. Lakshmi Ammal, W/o N. P. Thirumalaisamy Chettiar,
2. T. Subramaniam, S/o N. P. Thirumalaisamy.
3. Smt. G. Jayabharathi, W/o T. Gopal.
4. Smt. A. Thilagavathy, W/o G. Angusamy.
87, East Govindapuram Dindigul.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 153/79 SRO Dindigul.

Land and Buildings at Door No. 14, Ward No. II, Nehru Nagar, Dindigul.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date : 7-11-1979.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Karpagambal Mills Ltd., Sholapuram South, Rajapalayam.

(Transferor)

(2) Shri N. K. S. Rengaswaran, S/o Shri N. K. Sannasi Gounder, Komayagoundenpatti, Uthamapalayam Taluk.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
MADRAS

Madras-600006, the 7th November 1979

Ref. No. 20/MAR/79.—Whereas, I,
O. ANANDARAM,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. N. 317 and 312-A situated at "Wychool" Ward No. VI, Kodaikanal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Kodaikanal (Doc. No. 98/79) in March 1979, for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Document No. 98/79 SRO Kodaikanal.

Land and Buildings in S. No. 317 and 312-A, "Wychool", Ward VI, Kodaikanal.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Date : 7-11-1979.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
MADRAS

Madras-600006, the 7th November 1979

Ref. No. 49/MARCH/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 57, 58, 58B and 58-C situated at Ariznar Anna Street, Rasipuram, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer SRO Rasipuram (Doc. No. 467/79) in March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri A. W. Samuel, Managing Trustee, Ima Bulgornbel Mission, Mission, Rasipuram Town, Rasipuram.
2. O. Muthukrishnan, Udayar Saliar Street, Rasipuram.
3. V. Krishnammal, Muthukrishna Saliar Street, Rasipuram.

(Transfe

- (2) Shri V. K. R. Thirupathy Chettiar, S/o Shri Ramasamy Chettiar, No. 1, Koneriar Sabapathy Street, Rasipuram Town, Salem District.

(Transfe

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 45 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 467/79 SRO Rasipuram

Land and Buildings at Door No. 57, 58, 58B and 58C, Ariznar Anna Street, Rasipuram, Salem Dt.

O. ANANDARAM

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600006

Date: 7-11-1979.

Seal:

FORM ITNS—

(1) Shri K. R. Namasivayam, S/o Shri K. M. Raja
Gounder, West Madavilagam, Karur, Trichy Taluk.
(Transferor)

(2) Smt. Marayammal, W/o Shri Periasamy, 109-B,
Salem Road, Namakkal, Salem Dt.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
MADRAS

Madras-600006, the 7th November 1979

Ref. No. 48/MARCH/79.—Whereas, I,
ANANDARAM,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

44 situated at Co-op. Colony, Gandhinagar, Namakkal,
and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Namakkal (Doc. No. 196/79) in March 1979,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
ten per cent of such apparent consideration and that
consideration for such transfer as agreed to between
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been
or which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

and, therefore, in pursuance of Section 269C, of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 196/79 JSRO I, Namakkal.

Land and Buildings at Door No. 44, Co-op. Colony Street,
Gandhinagar, Namakkal.

O. ANANDARAM

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date : 7-11-1979.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
MADRAS

Madras-600006, the 7th November 1979

Ref. No. 52/MARCH/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6 situated at Town Hall Road, Madurai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer SRO Pudukmandapam, Madurai (Doc. 526/79), in March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Neela Subramanian, W/o Shri R. V. Subramanian, 'Suvashini' Door No. 50, 30th Cross, 7th Block, Jayanagar, Bangalore-560011. (Transferor)
- (2) Shri K. Sambandam and Shri K. S. Mailvahanan, No. 6, Town Hall Road, Madurai. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 526/79 SRO Pudukmandapam, Madurai.

Land and Buildings at Door No. 6, Town Hall Road, Madurai.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date: 7-11-1979.
Seal :

FORM ITNS—

- (1) 1. Smt. R. Pappammal, and
2. Minor Raja @ Sathiababu by guardian
Smt. R. Pappammal. No. 40, Vellaimaligai Street,
Theni.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600006, the 6th November 1979

- (2) Shri R. Ramadoss.
Shri R. Ganesan,
Shri R. Raja,
Shri R. Balasubramaniam.
Sons of Shri V. Ramasamy Thevar, THENI.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Rcf. No. 54/MAR/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S.No. 540/1, situated at Vellaimaligai Street, Allinagaram, Theni.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SRO Periakulam (Doc. No. 237/79) on March 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

23—376 GI/79

THE SCHEDULE

Document No. 237/79 SRO Periakulam.

Land & Buildings at S.No. 540/1, Vellaimaligai Street, Allinagaram, Theni.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-60000

Date : 6-11-1979.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600006, the 8th November 1979

Ref. No. 37/MAR/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S.No. 945/1, situated at Sholingapuram Town, N.A. Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Sholingur (Doc. No. 584-I.16/79) on March 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri M. Srinivasan,
No. 14-B, Arunachala Sastry Street,
Sholingapuram, N.A. Dt.

(Transferor)

- (2) Shri A. M. Velu Mudaliar and
Smt. Saraswathiammal,
Bordianpet Street, Sholingapuram,
North Arcot Dist.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 584/1/16/79 SRO Sholingur.

Land & Buildings at S.No. 945/1, Sholingapuram Town, North Arcot Dist.

O. ANANDARAM.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-600000.

Date : 8-11-1979.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600006, the 8th November 1979

Ref. No. 38/MAR/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,00/- and bearing S.No. 945/1 situated at Sholingapuram, N.A. Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Sholingapuram (Doc. No. 584-1.15/79 on March 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri M. Srinivasan,
No. 14-B, Arunachala Sasthri Street,
Sholingapuram, N.A. Dt.
(Transferor)
- (2) Shri A. M. Velu Mudaliar, ...
Bordianpet Street,
Sholingapuram, N.A. Dt.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 584-1/15/79 SRO Solingur.

Land & Buildings at S.No. 945/1, Sholingapuram Town, North Arcot District.

O. ANANDARAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-60000.

Date : 8-11-1979.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madrass-600006, the 8th November 1979

Ref. No. 55/MAR/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 2500/- and bearing No. 737 situated at T.H. Road, Tondiarpet, Madras-81 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Royapuram (Doc. No. 452/79) on March 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Nagarathammal,
W/o Shri Jagannatha Reddy &
2. Smt. Sudha Padmavathi,
W/o Balachandra Babu,
Minjur Village, Chingleput Dist. (Transferor)
- (2) Shri G. Kalanidhi,
No. 8, Singara Garden, 7th Lane,
Madras-600021. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 452/79, S.R.O. Royapuram.

Land & Buildings at Door No. 737, T.H. Road, Tondiarpet, Madras-81.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-60000.

Date : 8-11-1979.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

MADRAS-600006, the 8th November 1979

Ref. No. 84/MAR/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 24 situated at Kandappa Mudali Street, Madras-1. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SRO Sowcarpet, Madras (Doc. No. 174/79) on March 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Shantidevi Mehta,
2. Shri B. Arunkumar Metha
by power agent Shri B. Gouthamchand Metha,
4, Veerappan Street, Madras-1. (Transferor)
- (2) 1. Hemraj Surana,
2. Smt. Rukmadevi,
No. 1, Murugappan Street, Madras-1. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 174/79 SRO Sowcarpet, Madras.

I and Buildings at Door No. 24, Kandappa Mudali Street, Madras-1.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-60000.

Date : 8-11-1979.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600006, the 8th November 1979

Ref. No. 83/MAR/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

24, situated at Kandappa Mudali Street, Madras-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Sowcarpet, Madras (Doc. No. 175/79) on March 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) 1. Shri Gokalchand Mehta,
2. Shri B. Gouthamchand Mehta,
No. 4, Veerappan Street, Madras-1. (Transferor)
- (2) 1. Shri Hemraj Surana,
2. Smt. Rukmadevi,
No. 1, Murugappan Street, Madras-1. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 175/79 S.R.O. Sowcarpet, Madras.

Land & Buildings at Door No. 24, Kandappa Mudali Street, Madras-1.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date : 8-11-1979.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

MADRAS-600006, the 17th October 1979

Ref. No. 10084.—Whereas, I. RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 20/261, 1.2 situated at Vysial/Oppanakm St., Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 720/79) on March 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) C. R. Narendran,
S/o. C. M. Rishikesa Mudaliar,
30, G. S. Colony, Ganapathy Nagar,
Teynampet, Madras.

(Transferor)

(2) S. Naratarajan, S. Sakthivel S. Mohanraj
S/o. Subbaiya Mudaliar, 24/2, Upphottai
Gounder Lane,
Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 20/261, 1.2 Vysial/Oppanakara St., Coimbatore.
(Doc. No. 720/79).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 17-10-1979.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

MADRAS-600006, the 31st October 1979

Ref. No. 10082.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Site No. 8 situated at G. D. Naidu St., Puliakulam Village, Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Coimbatore (Doc. No. 1081/79) on March 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) R. Ayyavoo S/o Rangaswamy,
A1, Cheran Nagar, Mettupalayam Road,
Coimbatore-29.

(Transferor)

- (2) Suguna-S, No. 16, Bashyakaralu Road (West) R. S. Puram, Coimbatore-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site No. 8, G. D. Naidu St., Puliakulam Coimbatore in extent of 7975 sq. ft.

(Doc. No. 1081/79).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600006,

Date : 31-10-1979.

Seal :

FORM ITNS—

(1) K. N. Venkataraman 59, LIC Colony Industrial Estate (PO) Kunchi Coimbatore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M. C. Moideen, 193, Mettupalayam Road, Coimbatore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

MADRAS-600006, the 31st October 1979

Ref. No. 10136.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Site No. 4 situated at West Venkataswamy Road RS Puram Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Coimbatore (Doc. No. 833/79) on March 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

24—376 GI/79

THE SCHEDULE

Land and building at Site No. 4, West Venkataswamy Road, R. S. Puram, Coimbatore.

(Doc. No. 833/79).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006,

Date : 31-10-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) K. Thangavelu, 52, Trichy Road, Coimbatore.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M. Murugan, 22/24, Rangey gounder St., Palijavar
Lane, Coimbatore.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 31st October 1979

Ref. No. 10139.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

22/33, 34 & 42 situated at Periakadai St., Uppukinar Lane, Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been, transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 1149/79) on March 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 22/33, 34 & 42, Periakadai St., Uppukinar Lane, Coimbatore.

(Doc. No. 1149/79).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 31-10-1979.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 31st October 1979

Ref. No. 10094.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing G.S. No. 489 situated at Velankurichi Village Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 1128/79) on March 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) G. V. Doraiswamy Naidu S/o. P. S. G. Venkataswamy Naidu, 2, Avanashi Road, Peelamedu, Sowripalayam Coimbatore Tk.

(Transferee)

(2) Sri Varadaraja Textiles (P) Ltd.
No. 2, Avanashi Road Peelamedu Coimbatore Tk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands at G.S. No. 489 Velankurichi Village Coimbatore Tk.
(Doc. No. 1128/79).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006,

Date : 31-10-1979.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 2nd November 1979

Ref. No. 10093.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the competent authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

G. S. No. 499/1 Velankurichi situated at G.S. No. 273/1. B, 2.3, 274/2, B, 3.A, and 275 Part

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Coimbatore (Doc. No. 887/79) on March 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) The Coimbatore Real Estate Co. Office Layout, No. 1 "B" Block Coimbatore 14.

(Transferor)

- (2) P. Ramadoss, Spinning Master, Rajalakshmi Mills, Singanallur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Velankurichi and Uppilipalayam (Doc. No. 887/79).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 2-11-1979

Seal :

FORM ITNS—

- (1) S. Jayachandran (Atias) Sri Venkatachalamurthy
S/o. T. Srinivasulu Naidu, Odanthurai.

(Transferor)

- (2) T. A. Sheik Dawood Powther
S/o. T. Haji Abdul Rahman Rowther
Kutcheri Road, Mettupalayam Town.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

MADRAS-600006, the 2nd November 1979

Ref. No. 10132.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Odanthurai Village situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mettupalayam (Doc. No. 458/79) on March 1979 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands at Odanthurai Village.

(Doc. No. 458/79).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Madras-600006.

Date : 2-11-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600006

Madras-600006, the 2nd November 1979

Ref. No. 10122.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 14/26, Rekha, situated at Tatabad, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram (Doc. No. 952/79) on March 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri K. R. Ramachandran,
Kastur Kunj,
Bhalachandra Road, Matunga,
Bombay-400019.

(Transferor)

(2) Shri R. Muthukumaran,
97, 2nd St. Gandhipuram,
Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at T. S. No. 11/477, Tatabad, Coimbatore. (Doc. No. 952/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
Madras-600006

Date : 2-11-79

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri C. V. Krishnaiah,
2, Kamatchi Nagar,
Alwarpet, Madras-18.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri M. M. Narayanan,
2, Kamatchi Nagar,
Alwarpet, Madras-18.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS-600006

Madras-600006, the 30th October 1979

Ref. No. 7069.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2, Kamakshi Nagar, situated at Madras-18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. No. 492/79) on March 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 2, Kamakshi Nagar, Alwarpet, 18. (Doc. No. 492/79)

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-10-1979

Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS-600006

Madras-600006, the 6th November 1979

Ref. No. 8522.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Thukkampalaya St., Kumbakonam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kumbakonam (Doc. No. 502/79) on March 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) V. Gopalayyar,
33, Annanagar Kumbakonam,
By Power of Attorney Agent M. M. Rafi.

(Transferor)

- (2) Bappu Ammal,
Thukkampalaya St.,
Kumbakonam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at Thukkampalaya St., Kumbakonam in extent 5720 sq. ft. (Doc. No. 502/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600006.

Date : 5-11-1979.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS-600006

Madras-600006, the 6th November 1979

Ref. No. 8522.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Thukkampalaya St., Kumbakonam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kumbakonam (Doc. No. 503/79) on March 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or and moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

25—376GI/79

(1) V. Gopalayyar,
Annanagar Kumbakonam,
By Power of Attorney holder M. M. Rafi.
(Transferor)

(2) A.K.P. Palani Ammal,
Thukkampalaya St.,
Kumbakonam.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Thukkampalaya St., Kumbakonam (Doc. No. 503/79).

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range II
Madras-600006

Date : 5-11-1979

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,****ACQUISITION RANGE-II, MADRAS**

Madrass-600 006, the 7th November 1979

Ref. No. 7090.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 20A situated at South Boag Road New No. 1, Hindi Prachar Sabha Road, Madras 17, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras (Doc. No. 355/79) on March 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) R. Kalavathy,
20A, Boag Road, New No. 1,
Hindi Prachar Sabha Road, Madras-17,
Rep. by R. Sachithanatham Pillai.

(Transferor)

(2) Kum. R. Jayaprada,
20, Third Cross St., Lake Area,
Madras-34.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at No. 1, Hindi Prachar Sabha Road, Madras-17.

(Doc. No. 355/79)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras.

Date : 7-11-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. N. P. Mustafa Bilgen,
206, Lloyds Road, Madras-86.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s. Nafisa Enterprises,
206, Lloyds Road, Madras-86.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 7th November 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of publica-
tion of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 7033.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. 206, Lloyds Road, situated at Madras-86

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering officer at
Madras North (Doc. No. 803/79) on March 1979

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 206, Lloyds Road, Madras-86
(Part).

(Doc. No. 803/79)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras.

Date : 7-11-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 6th November 1979

Ref No. 41/MAP/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 28, 28A & 28B situated at Theppakulam Street, Trichengode, Salem Distt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichengode (Doc. No. 610/79) on March 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri N. Somasundaram
2. Shri N. Sadayappan
3. Shri S. A. Nandakumar (minor)
4. Shri S. A. Praburam (minor)
By guardian Shri N. Somasundaram
5. Minor S. Sangeethapriya
By Guardian Shri N. Sadayappan.
Neykarapatti, T. Kailasampalayam,
Trichengode.

(Transferor)

- (2) Shri N. Muthusamy,
S/o Shri Nalla Gounder,
Pudupuliampatti Village,
Trichengode Taluk, Salem District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 610/79 SRO, Trichengode.

Land & Buildings at Door No. 28, 28A, 28B Theppakulam Street, Trichengode.

O. ANANDARAM,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras.

Date : 6-11-1979
Seal :

FORM ITNS-----

(1) Shri S. Ayyadurai Nadar, 433, George Street, Tuticorin.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. A. Dhanraj, S/o Shri S. Asirvatha Nadar, 194, Melashanmugapuram 1st Street, Tuticorin.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
MADRAS

Madras-600006, the 10th November 1979

Ref. No. 71/MAR/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 433, 434, 435, 436 & 437 situated at George Street, Tuticorin,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSCO I Tuticorin (Doc. No. 645/79, on March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and / or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 645/79 JSRO I, Tuticorin.

Land and Buildings at Door No. 433, 434, 435, 436 and 437, George Street, Tuticorin.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600006

Date : 10-11-1979.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri S. Ayyadurai Nadar, 433, George Street, Tuticorin.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. Ramajeyam, S/o Shri Shanmuga Nadar, 193, Sivandharkulam Road, Tuticorin.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

MADRAS

Madras-600006, the 10th November 1979

Ref. No. 72/MAR/79.—Whereas, I. O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 428, 429, 430, 431 and 432 situated at George Street, Tuticorin, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), **has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at JSRO I Tuticorin (Doc. No. 646/79), on March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) with the object of—**

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 646/79 JSRO I, Tuticorin.

Land and Building at Door No. 428, 429, 430, 431 and 432, George Street, Tuticorin.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006

Date : 10-11-1979.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

Madras-600006, the 12th November 1979

Ref. No. 103/MAR/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 87, situated at Govindappa Naicken Street, Madras-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SRO Sowcarpet, Madras (Doc. No. 191/79), in March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri P. Venkateswaralu,
2. Dr. P. Jaikumar,
3. Shri P. Rajkumar,
4. Shri P. Badrinath,
59, Pidariar Koil Street, Madras-1.
5. Shri P. Krishnamoorthy,
6. Shri P. Satyanarayana,
27, Govindappa Naick Street, Madras-1.
7. Shri P. Audinarayana,
31/1, St. Xavier Street, Madras-1.
8. P. Ethiraj (minor),
9. P. Seshayya (minor),
represented by guardian and mother Mrs. P. Vanaja, No. 14, Acaharappan Street, Madras-1.
11. P. Ranganatham,
11. P. Ranganatham,
Door No. 61, Thatha Muthiappan Street, Madras-1.
(Transferor)
- (2) 1. Smt. Umraobai, W/o Shri Pukraj, J. Jain
2. Pawan Bai, W/o Shri Pukraj, J. Jain. No. 87, Govindappa Naick Street, Madras-1.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Doc. No. 191/79 SRO, Sowcarpet, Madras.

Land and Buildings at Door No. 87, Govindappa Naick Street, Madras-600 001.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date : 12-11-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) S. Leela Rani 60/9, Edward Elliotts Road, Madras-4.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sharadkumar C. Shah, 2, Ramakrishna St., Madras-1.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

Madras-600006, the 13th November 1979

Ref. No. 7101.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Ascot, 6, situated at Harleys Road, Kilpauk, Madras, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Purasawalkam (Doc. No. 327/79), in March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of : —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 6, Harleys Road, Madras.
(Doc. No. 327/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date : 7-11-1979.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

Madras-600006, the 9th November 1979

Ref. No. 7103.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 36, Barnaby Road situated at Kilpauk, Madras, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Purasawalkam (Doc. No. 470/79), in March 1979, for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
26—376GI/79

(1) Mrs. Ganga Bai, Mrs. Krishna Bai, Mrs. Kamakshi Bai, Mrs. Sarada Bai, Mrs. Sampoorani Bai, Mrs. Kalyani Bai and Mr. Chandrasekar Tawker Manjula 29, Ekambareswarar Agraharam, Madras-3.

(Transferor)

(2) Jayantilal K. Shah, Mrs. Leclavat J. Shah, Bharkumar J. Shah, Narendra J. Shah, Deepak J. Shah and Prakash J. Shah 744, P. H. Road, Madras-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 36, Barnaby Road, Madras. (Doc. No. 470/79).

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date : 9-11-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) V. S. Saradha Balu, 36, Srinagar Colony, Saidapet, Madras.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Husara Khatoor Shameen Ahamed 119, Chamears Road, Madras-35.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

Madras-600006, the 9th November 1979

Ref. No. 7044.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 36, Srinagar Colony situated at Saidapet, Madras, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saidapet (Doc. No. 747/79) in March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 36, Srinagar Colony Madras. (Doc. No. 747/79).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date : 9-11-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) T. V. Doraiswamy Naidu 75, Cathedral Road, Madras-86.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Sukavani Bakthavatchalam 26, Brahmin St., Krishnapuram Ambur N.A.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

Madras-600006, the 13th November 1979

Ref. No. 7054.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 75, situated at Cathedral Road, Madras-86, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Mylapore (Doc. No. 403/79), on March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 75, Cathedral Road, Madras-86.
(Doc. No. 403/79).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date : 13-11-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Gold Seed Farm rep. by K. Palaniappan, Shakuntala Pullanviduthi Village Alangudi Tk.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Nizam Paper and Board Mills Ltd. Old Palace Buildings Pudukkottai.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600006.

Madras-600006, the 13th November 1979

Ref. No. 8525.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 39/1, and 39/2 situated at Pullanviduthi, Alangudi Tk and Vanakkankadu Village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Pudukkottai (Doc. No. 647/79), in March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at S. No. 39/1 and 39/2 Pullanviduthy Village and Vanakkankadu Village Alangudi Tk.
(Doc. No. 647/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date : 13-11-1979
Seal :

FORM FINS.—

(1) C. M. Suresh Babu 30, Block, I, Annanagar, Madras.
(Transferor)(2) P. Arunagiri, S/o P. Palaniappa Mudaljar, Mohanur
Namakkal Tk.
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600006.

Madras-600006, the 7th November 1979

Ref. No. 8535.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 142/1 situated at Ponneri, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ponneri (Doc. No. 461/79), in March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 142/1, Ponneri, Chingleput Dt.
(Doc. No. 461/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date : 7-11-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II

Madras-600006, the 7th November 1979

Ref. No. 8535.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 66, situated at Athipedu Village, Ponneri Tk. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ponneri (Doc. No. 462/79), in March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) S. R. Rajeswari Ammal Bahadurpet Kalahastri Tq.
(Transferor)

(2) P. Arumugham, S/o Palaniappa Mudaliar Mohanur,
Namakkal Salem.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at No. 66, Athipedu, Ponneri Tk.
(Doc. No. 462/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date : 7-11-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Dr. C. Munirathinam Block I, Door No. 30, Annanagar, Madras.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) P. Arunagiri, Rasi Komaripalayam St., Mohanur Namakkal Tk.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II

Madras-600006, the 7th November 1979

Ref. No. 8535.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 66, situated at Athipedu, Ponneri, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ponneri (Doc. No. 463/79), in March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Land at 66, Athipedu, Ponneri.
(Doc. No. 463/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date : 7-11-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) C. M. Premalatha 30, Block I Annanagar, Madras-40.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) P. Arunagiri S/o R. Palaniappa Mudaliar Mohanur Namakkal Tk.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

Madras-600006, the 7th November 1979

Ref. No. 8535.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 2,5000/- and bearing

No. 66, situated at Athipedu, Ponneri, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ponneri (Doc. No. 464/79), in March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 66, Athipedu, Ponneri.
(Doc. No. 464/79).

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date : 7-11-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Duraiswamy Naidu
Chengalvaraya Naidu
Bahadurpet, Kalahastri Tk.

(Transferor)

(2) P. Subramaniam
R. Palaniappa Mudaliar
Mohanur
Namakkal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS-600006.

Madras, the 7th November 1979

Ref. No. 8535.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as

the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 66, Athipedu, situated at Ponneri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at at Ponneri (Doc. No. 465/79). on March 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

27—376GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 66, Athipedu, Ponneri.

(Doc. No. 465/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600006.

Date : 7-11-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) S. R. Rajeswari Ammal
Bahadupet, Kalahastri Tk.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) P. Lakshmanan S/o. R. Palaniappan Mohanur,
Namakkal, Salem Dt.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 7th November 1979

Ref. No. 8536.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 66, Athipedu, situated at Bonneri Tk.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ponneri Doc. No. 467/79) on March 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 66, Athipedu Village, Ponneri Tk. Chingleput Dt. (Doc. No. 467/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date : 7-11-1979.

Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th November 1979

Ref. No. 8542.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1, situated at Sengulam Village Beemanagar Kizhkosa St., Trichy.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichy (Doc. No. 977/79), on March 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) S. N. Syed Ibrahim,
S. Noor Mohammed,
S. Hisher Mohammed,
S. Liyash Mohammed,
S. N. Mohammed Mustafa,
M. Mohammed Shabi,
M. Mohammed Rafeek
1. Beemanagar, Sengulam Kizh Kosa St., Trichy.
(Transferor)

- (2) S. Thaiyalnayaki
9, Paruppukara Mettu St.,
Palakkarai, Trichy.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 1, Beemanagar, Kizhkosa St., Sengulam, Trichy.

(Doc. No. 977/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date : 9-11-1979

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th November 1979

Ref. No. 8543.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 89, at Pudukottai Raja Colony, Collector's Office Road, Trichy-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichy (Doc. No. 975/79) on March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Dr. A. N. Rajamani,
89, Raja Colony, Collector's Office Road,
Trichy.

(Transferor)

- (2) N. Baskaran,
12C, 10th B Cross Thillainagar,
Trichy.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 89, Raja Colony, Collector's Office Road, Trichy.

(Doc. No. 975/79).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date : 9-11-1979.

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th November 1979

Ref. No. 8545.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 208, Ponnagar Colony, situated at Trichy-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichy (Doc. No. 1096/79) on March 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) K. Subbarayan
14, Karur Rathinam St.,
Karur.

(Transferor)

(2) Ramakrishnamurthy Aditan 160,
Ponnagar Colony,
Trichy.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 208, Ponnagar Colony, Trichy.
(Doc. No. 1096/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date : 9-11-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Dr. J. Gnanasekaran,
1, Bertram Buildings,
Melapulivar Road,
Trichy Town.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) K. Ramakrishnan 10, Tawker Lane,
Trichy Fort.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras, the 9th November 1979

Ref. No. 8546.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 6C, Kallukuzhi, situated at Trichirapalli-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Trichy (Doc. No. 1388/79) on March 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 6-C. Kallukuzhi, Trichy-1.
(Doc. No. 1388/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 9-11-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Y. Razaack Sait
South Wick,
Ootacamund.

(Transferor)

(2) B. Thammanna Gowder
S/o. Hyrai Gowder
Neethi, Hullathi Village
Ootacamund Tk.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th November 1979

Ref. No. 10074.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Salmon House, 218 and 219, situated at Ooty, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ooty (Doc. No. 437/79) on March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 218 and 219, Salmon House Ootacamund.

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date : 9-11-1979.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras, the 16th November 1979

Ref. No. 7109.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 59, Chowdry Colony, situated at Madras-34, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. No. 409/79), on March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Janaki Madhava Menon,
C/o. Balachandran, Flat No. 28,
Belvedere Apartment, Warden Road,
Bombay.

(Transferor)

(2) K. M. Muhamad Abdul Kheder, Firm 20, V. V. Koil
St., Periamet, Madras-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 59, Chowdry Colony, Nungambakam, Madras-34.
(Doc. No. 409/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date : 16-11-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Meenakshi Ammal W/o. Murugesam Pillai, 4A/211,
N.G.G.O. Colony, Coimbatore-22.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) A. K. Kandaswamy
S/o. R. Kuppuswamy Chettiar Murugu Illam
Dr. Alagappa Chettiar Road, Tatabad,
Coimbatore, 12.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th November 1979

Ref. No. 10285.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sanganur 14/68A situated at Gandhipuram, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram (Doc. No. 1100/79) on March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at 14/68A, Sanganur Coimbatore.
(Doc. No. 1100/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-11-1979.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX****ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006**

Madras-600006, the 16th November 1979

Ref. No. 10079.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing T.S. No. 986/1, situated at Blichy, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Perianaickenpalayam (Doc. No. 394/79) on March 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) V. C. Damodaraswamy,
D. Balasundaram
Kammalar, Kangallar
Vellamadaï Village, CBE Tk.

(Transferors)

- (2) G. S. Venkatachalam
S/o. S. P. Somasundaram Chettiar
Gobi Chettipalayam
Perianaickenpalayam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Blichy Village, Coimbatore Tk. (Doc. No. 394/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600006.

Date : 16-11-1979.

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 16th November 1979

Ref. No. 8529.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

T. S. No. 1939, situated at Malumiyarpet, Cuddalore (OT). (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cuddalore (Doc. No. 346/79) on March 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

123...

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) F. V. Albim,
Mrs. Leelamma George,
F. C. Beladynic,
Basil Varkey,
Jane Alloysies,
Malayil Industrial & Commercial Enterprises,
Perinad, Quilon.

(Transferors)

- (2) G. Janardhana Rao,
Associated Food Packers,
Neemdakara,
Quilon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at T. S. No. 1939 at Malumiyarpet, Cuddalore O.T. (Doc. No. 346/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600006.

Date : 16-11-1979.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1979

Ref. No. CHD/325/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 20 kanals 4½ marlas, situated at Village Manimajra, U. T. Chandigarh, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Teja Singh s/o Sh. Devi Ditta, Village & P. O. Manimajra, U.T. Chandigarh.
(Transferor)
- (2) Sh. Kuldip Singh Narang s/o Lt. Sh. Kishan Singh Narang,
Mrs. Darshi Narang w/o Sh. Kuldip Singh Narang,
Miss Geetika Narang d/o Sh. Kuldip Singh Narang
Miss Latika Narang d/o Sh. Kuldip Singh Narang
Mrs. Amrita w/o Sh. Arvinder Singh Babar,
all r/o Kothi No. 33, Sector 5, Chandigarh.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 20 kanals 4½ marlas situated in Village Manimajra, U. T. Chandigarh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 1139 of March, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 15-11-1979.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1979

Ref. No. CHD/329/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural land measuring 16 kanals, situated at Village Manimajra, U. T. Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Surinder Singh s/o Haqiqat Singh, through his General Attorney Sh. Ralla Singh s/o Sh. Raim Jas, Village & P.O. Manimajra, U.T. Chandigarh.
(Transferor)
- (2) Sh. Kuldip Singh Narang s/o Lt Sh. Kishan Singh Narang.
Mrs. Darshi Narang w/o Sh. Kuldip Singh Narang,
Miss Geetika Narang d/o Sh. Kuldip Singh Narang,
Mrs. Amrita w/o Sh. Arvinder Singh Babar,
Miss Latika Narang d/o Sh. Kuldip Singh Narang,
all r/o Kothi No. 33, Sector 5, Chandigarh,
Sh. Gurmit Singh Bawa s/o Sh. Nihal Singh Bawa,
Mrs. Charanjit Kaur w/o Sh. Gurmit Singh Bawa,
Sh. Sukhpal Singh, } ss/o Sh. Gurmit Singh Bawa,
Sh. Sarvpal Singh, } through N/G father,
Sh. Anupal Singh, } Sh. Gurmit Singh Bawa
all r/o Muktsar, Distt. Faridkot.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 16 kanals situated in Village Manimajra, U.T. Chandigarh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 1143 of March, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 15-11-1979.
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Sh. Ralla Singh s/o Sh. Ram Jas,
Village & P. O. Manimajra, U.T. Chandigarh.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th November 1979

\ Ref. No. CHD/328/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land measuring 13 kanals, situated at Village Manimajra, U.T. Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (2) Sh. Kuldeep Singh Narang s/o Sh. Kishan Singh Narang,
Mrs. Darshi Narang w/o Sh. Kuldeep Singh Narang,
Miss Geetika Narang d/o Sh. Kuldeep Singh Narang,
Mrs. Amrita w/o Sh. Arvinder Singh Babar,
Miss Latika Narang d/o Sh. Kuldeep Singh Narang,
all r/o Kothi No. 33, Sector 5, Chandigarh,
Sh. Gurmit Singh Bawa s/o Sh. Nihal Singh Bawa,
Mrs. Charanjit Kaur w/o Sh. Gurmit Singh Bawa,
Sh. Anupal Singh, } ss/o Sh. Gurmit Singh Bawa
Sh. Sarvpal Singh, } through N/G father,
Sh. Sukhpal Singh } Sh. Gurmit Singh Bawa
all r/o Muktsar, Distt. Faridkot.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 13 kanals situated in Village Manimajra, U.T. Chandigarh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 1142 of March, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 15-11-1979.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

LUDHIANA

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th November 1979

Ref. No. CHD/326/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 20 kanals 4½ marlas, situated at Village Manimajra, U.T. Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Teja Singh s/o Sh. Devi Ditta,
Village P. O. Manimajra, U.T. Chandigarh.
(Transferor)
- (2) Sh. Bawa Gurmit Singh s/o Sh. Bawa Nihal Singh,
Mrs. Charanjit Kaur w/o Sh. Gurmit Singh,
Sh. Anupal Singh s/o Sh. Gurmit Singh Bawa
through N/G. Father Gurmit Singh Bawa
Sh. Sarvpal Singh s/o Sh. Gurmit Singh Bawa
through N/G Father Gurmit Singh Bawa
Sh. Sukhpal Singh s/o Sh. Gurmit Singh Bawa,
through N/G Father Gurmit Singh Bawa
all r/o Muksar, Distt. Faridkot.
(Transferees)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 20 kanals 4½ marlas situated in Village Manimajra, U.T. Chandigarh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 1140 of March, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 15-11-1979.

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,****LUDHIANA****CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 15th November 1979

Ref. No. CHD/327/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 12 kanals, situated at Village Manimajra, U. T. Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Hony. Capt. Haqiqat Singh s/o Sh. Ram Jas, Village & P.O. Manimajra, U.T. Chandigarh.
(Transferor)
- (2) Sh. Bawa Gurmit Singh s/o Bawa Nihal Singh r/o Muktsar,
Sh. Kuldip Singh Narang s/o Lt. Sh. Kishan Singh Narang,
Mrs. Darshi Narang w/o Sh. Kuldip Singh Narang,
Mrs. Amrita w/o Sh. Arvinder Singh Babar,
Miss Geetika Narang d/o Sh. Kuldip Singh Narang,
Miss Latika Narang d/o Sh. Kuldip Singh Narang,
all r/o Kothi No. 33, Sector 5, Chandigarh.
Mrs. Charanjit Kaur w/o Sh. Gurmit Singh Bawa,
Sh. Anupal Singh, s/o Sh. Gurmit Singh Bawa,
through N/G father Sh. Gurmit Singh Bawa
Sh. Sarvpal Singh; s/o Sh. Gurmit Singh Bawa,
through N/G father Sh. Gurmit Singh Bawa
Sh. Sukhpal Singh s/o Sh. Gurmit Singh Bawa,
through N/G father Sh. Gurmit Singh Bawa
all r/o Muktsar, Distt. Faridkot.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 12 kanals situated in Village Manimajra, U.T. Chandigarh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 1141 of March, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 15-11-1979.

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

LUDHIANA,

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th November 1979

Ref. No. CHD/312/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA,

being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Residential house No. 1056, Sector 18-C, situated at Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in March 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

29—376G1/79

- (1) Sh. Benarsi Dass s/o Sh. Sawan Ram,
r/o 1056, Sector 18-C, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Sh. Rishi Raj s/o Sh. Hem Raj,
r/o H. No. 2309/A, Sector 27-C, Chandigarh. (Transferee)
- (3) Sh. Jagjit Singh Chawla of F.C.I.,
Sh. Ajit Singh of Fire Brigade,
Sh. Ram Harsh Shukla, 1st Floor,
Sh. Kulwant Singh Bedi of Punjab Agro Inds.
Corpn. Sh. K. R. Gautam, State Bank of India,
all r/o H. No. 1056, Sector 18-C, Chandigarh.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1056, Sector 18C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 1013 of March, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 15-11-1979.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA.

Ludhiana, the 15th November 1979

Ref. No. CHD/313/78-79.—Whereas J. R. K. MALHOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 16 kanals 8 marlas situated at Village Manimajra, U.T. Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Sh. Devki Nandan s/o Sh. Munshi Ram r/o Kurali (Village Sialba Majri) Teh. Kharar, Distt. Ropar through his spl. power of attorney Sh. K. G. Sharma s/o Sh. Biru Ram Sharma Village Manimajra, U.T. Chandigarh.
(Transferor)
- (2) S/Shri Hukam Chand s/o Sh. Daulat Ram, Sh. Angra Dev s/o Sh. Lachhman Dass, r/o Village Manimajra (H.B. No. 375) U.T. Chandigarh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 16 kanals 8 marlas situated in Village Manimajra, U.T. Chandigarh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 1030 of March, 1979 of the Registering Officer, Chandigarh).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 15-11-1979.
Seal :

FORM ITNS—

(1) S/Sh. Sat Pal, Prem Pal, Ved Parkash ss/o Shri Mohan Lal, B-XI-440, Benjmen Road, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Sh. Garish Kapoor s/o Sh. Sat Parkash, 82, The Mall, Ludhiana.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

LUDHIANA,

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th November 1979

Ref. No. Ldh/305/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land measuring 1764-7/12 sq. yds. situated at Vill. Bhaura on GT Road, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 1764-7/12 sq. yds situated at Vill. Bhaura, on G. T. Road, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 4886 of March, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana)

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 15-11-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sh. Gurbax Singh s/o Sh. Gopal Singh,
B-I-630, Kundan Puri, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Sh. Sat Pal s/o Sh. Karam Chand r/o B-I-630,
Kundanpuri, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

LUDHIANA,

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th November 1979

Ref. No. LDH/306/78-79.—Whereas I, R. K.
MALHOTRA,being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.Residential house No. B-I-630, measuring 225 sq. yds.,
situated at Kundanpuri, Civil Lines, Ludhiana(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Ludhiana in March, 1979,for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property, and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
-
- of the transferor to pay tax under the said Act, in
-
- respect of any income arising from the transfer;
-
- and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
-
- moneys or other assets which have not been or
-
- which ought to be disclosed by the transferee for
-
- the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
-
- (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
-
- Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
-
- 45 days from the date of publication of this notice
-
- in the Official Gazette or a period of 30 days from
-
- the service of notice on the respective persons,
-
- whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
-
- able property, within 45 days from the date of the
-
- publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-I-630, Kundanpuri, Civil Lines, Ludhiana.

(The property as mentioned in the registered deed No. 4903
of March, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana.).R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 15-11-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Lalit Khanna s/o Sh. Om Parkash Khanna,
r/o B-X-249, Iqbal Ganj, Ludhiana.
(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sawdesh Pal Seth s/o Sh. Wazir Chand Seth,
Ram Niwas, Mall Road, Kasauli (H.P.)
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA.

Ludhiana, the 15th November 1979

Ref. No. LDH/273/78-79. Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 126, measuring 217.17 sq. yds. Model Town Extension, Part-C, situated at Taraf Noor Bhaini, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 217.17 sq. yds. situated in Model Town, Extension Part-C, Taraf Noor Bhaini, Ludhiana.

(The property as mentioned in the registered deed No. 4549 of March, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 15-11-1979.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
LUDHIANA.

Ludhiana, the 15th November 1979

Ref. No. LDH/291/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 418, measuring 400½ sq. yds. situated at Industrial Area 'A', Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Inder Dev Dhanda s/o Sh. Girdhari Lal, r/o Mohalla Dhandian, Daresi Road, Ludhiana. (Transferor)
- (2) M/s Sagar Machine Tools Ltd., 419-Industrial Area 'A', Ludhiana, through Sh. Amarjit Singh s/o Sh. Atma Singh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 400½ sq. yds. situated in Industrial Area 'A', Ludhiana.
(The property as mentioned in the registered deed No. 4762 of March, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 15-11-1979.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA.

Ludhiana, the 15th November 1979

Ref. No. LDH/304/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot measuring 2540 sq. yds. situated at Gurdev Nagar, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Sh. Saranjit Singh s/o Sh. Mehar Singh, through Shri Mehar Singh, G.A. & Baljit Singh son of Shri Mehar Singh, resident of Nasrali, Teh. Ludhiana. (Transferor)
- (2) M/s Melhar Associates, 50, Partap Road, Jullundur through Sh. Bhupinder Singh, Partner. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 2540 sq. yds situated in Gurdev Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 4881 of March, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 15-11-1979.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sh. Ram Krishan s/o Sh. Tulsi Ram,
104, Model Gram, Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Sh. Surinder Kumar son of Sh. Rikhi Ram,
104, Model Gram, Ludhiana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1979

Ref. No. Ldh/299/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 104, Model Gram, Ludhiana, situated at Model Gram, Taraf Karabara, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 104, Model Gram, Taraf Karabara, Ludhiana.
(The property as mentioned in the sale deed No. 4811 of March, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 15-11-1979.
Seal :

FORM ITNS—

- (1) S/Shri Tejpal Singh, Harjit Singh s/o Sh. Balwant Singh, 15-A, Krishna Pura, Modi Nagar, Meerut.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1979

Ref. No. LDH/277/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot measuring 1000 sq. yds.

situated at Gill No. 1, New Janta Nagar, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

30—376G1/79

- (2) Smt. Avtar Kaur w/o Sh. Amarjit Singh s/o Manisha Singh, Village Bilaspur, Teh. & Distt. Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 1000 sq. yds. situated in New Janta Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the registered deed No. 4597 of March, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 15-11-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Nirmal Handa w/o Sh. Kewal Kishan Handa
451, Model Town, Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Neelam Khosla w/o Sh. Hari Mittal,
284-L Model Town, Ludhiana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAXACQUISITION RANGE,
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1979

Ref. No. Ldh/310/78-79.—Whereas I, R. K.
MALHOTRA,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearingHouse No. 451, Model Town, Ludhiana situated at Ludhiana
Ludhiana.(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Ludhiana in March, 1979.for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said im-
movable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 451, Model Town, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 4916 of
March, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 15-11-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Bhajana s/o Shri Kahla,
r/o Village Kakrali, Teh. Ropar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

LUDHIANA

(2) Shri Baldev Singh s/o Shri Major Singh,
Sh. Amrik Singh, Shri Swaran Singh ss/o Shri
Baldev Singh,
r/o Village Kakrali, Teh. Ropar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ludhiana, the 15th November 1979

Ref. No. RPN/19/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. Agricultural land measuring 16 bighas, situated at
Village Kakrali, Teh. Ropar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer
at Ropar in March, 1979.

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property, and I
have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. Land measuring 16 bighas situated in Vill Kakrali,
Teh. Ropar.

(The property as mentioned in the registered deed No.
3114 of March, 1979 of the Registering Officer, Ropar).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 15-11-1979.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA**

Ludhiana, the 15th November 1979

Ref. No. SNG/100/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land measuring 68 kanals 9 marlas, situated at Village Ubhawal Teh. & Distt. Sangrur (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Sangrur in March, 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sarwan Singh alias Kundan Singh s/o Sh. Gagra Singh r/o Ubhawal Teh. & Distt. Sangrur.
(Transferor)
- (2) S/Shri Surjit Singh, Malkiat Singh, Lachhman Singh,
Gurjit Singh ss/o Shri Bugar Singh,
Ranjit Singh, Nachhatar Singh ss/o Sh. Gurdev Singh,
Karnail Singh s/o Gajjan Singh,
r/o Ubhawal, Teh. & Distt. Sangrur.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 68 kanals 9 marlas situated in Village Ubhawal, Teh. & Distt. Sangrur.

(The property as mentioned in the registered deed No. 2632 of March, 1979 of the Registering Authority, Sangrur).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 15-11-1979.

Seal :

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1979

Ref. No. CHD/322/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. Corner Plot No. 1415 (measuring 243.91 sq. yds) Sector 34-C situated at sector 34-C Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred Under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Lt. Commander Ramesh Chander Jayal s/o Late Sh. Bhola Dutt Jayal r/o 2220, Netaji Nagar, New Delhi, through General Attorney Sh. Dev Raj Chadha s/o Sh. Ram Dass Chadha r/o 1922, Sector 22-B, Chandigarh.

(Transferor)

- (2) S/Shri Ravi Kant, Sudhir Mohan and Vijay Kumar s/o Shri Ishar Dass r/o H. No. 3037, Sector 21-D Chandigarh.

(Transferee)

- (3) Sh. Sadhu Singh Gopal s/o Sh. Buta Ram Gopal r/o 1849, Sector 34-D, Chandigarh.
(Person in occupation of the Property).

- (4) Shri Sadhu Singh Gopal s/o Sh. Buta Ram Gopal, r/o 1849, Sector 34-D, Chandigarh,
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Corner plot No. 1415, Sector 34-C, Chandigarh.
(The property as mentioned in the registered deed No. 1130 of March, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 15-11-1979.
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1979

Ref. No. CHD/320/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 347, Sector 35-A, situated at Chandigarh. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908); in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Wing Commar. Sanwal Shah s/o Bakshi Chanan Shah, 19-A, Elgin Road, Ambala Cantt, through Spl. Attorney Sh. Lalit Kumar Mittal s/o Faquir Chand c/o Simla Flour Mills, Sector 22-C, Chandigarh.

(Transferors)

- (2) Miss Ruby Mittal, Miss Sherry Mittal (minor) ds/o Sh. Lalit Kumar Mittal r/o 2244, Sector 15-C, Chandigarh through their mother & natural guardian Mrs. Lajwanti Mittal w/o Sh. L. K. Mittal, 2244, Sector 15-C, Chandigarh.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 347, Sector 35-A, Chandigarh.
(The property as mentioned in the registered deed No. 1105 of March, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 15-11-1979.
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1979

Ref. No. PTA/301/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Double storeyed shop Building No. 1667/5, Double Phatak No. 22, Patiala situated at near 22 No. Phatak, Patiala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in March, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S/sh Pritam Singh Brar son of Sh. Nazar Singh, Special Attorney of Saq. Leader son & self Manpreet Singh & Smt. Jagjit Kaur d/o Gajjan Singh and Jagvir Singh Brar s/o Ssh Pritam Singh of Brar Street, 22 No. Phatak, Patiala,

(Transferors)

- (2) Smt. Hrinder Kaur w/o and S/Sh. Tanvir Singh, Sarvjit Singh, Manmohan Singh, Amrinder Singh all sons of Sh. Gurkirpal Singh resident of 22 No. Phatak, Patiala.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 1667/5, Near 22 No. Phatak, Patiala.
(The property as mentioned in the sale deed No. 6264 of March, 1979 of the Registering Authority, Patiala).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 15-11-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1979

Ref. No. LDH/281/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. H. No. B-XVI/1057/20, measuring 160 sq. yds. situated at Taraf Piru Bandha, Mohalla Muradpura, Kalsia Road, Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Raj Kumar Joshi & Sons. H.U.F. through Sh. Raj Kumar Joshi son of Sh. Ram Rattan Joshi s/o Sh. Nand Lal Joshi, r/o 1164, Harnam Nagar, Ludhiana.

(Transferors)

(2) Sh. Tehal Singh s/o Sh. Ralla Singh s/o Sh. Bholla, r/o B-XVI/1057/20, Kalsia Road, Muradpura, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-XVI/1057/20, Taraf piru Bandha Muradpura, Kalsia Road, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 4643 of March, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

R. K. MALHOTRA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

Ludhiana.

Date : 15-11-1979.

Seal :

FORM ITNS.—

(1) Sh. Balbir Walia s/o Sh. Kartar Singh r/o 3-A, Nchru Nagar, Phagwara.

(Transferor)

(2) Smt. Krishna Kataria w/o Sh. Som Nath s/o Shri Maya Dass, 77-C, Udharn Singh Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA,

Ludhiana, the 15th November 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. LDH/265/78-79.—Whereas J. R. K. MALHOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 77-C situated at Udharn Singh Nagar, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
31—376GI/79

THE SCHEDULE

House No. 77-C situated at Udharn Singh Nagar, Ludhiana

(The property as mentioned in the sale deed No. 4463 of March, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 15-11-1979.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1979

Ref. No. CHD/324/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. (measuring 528.13 sq. yds), Sector 33-D, situated at Sector 33-D, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh on March, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Maj. Birinder Singh Khurana s/o Sh. Harbans Singh, r/o 511, Sector 16, Chandigarh, through Mrs. Shant-Bhupinder Singh w/o Sh. Bhupinder Singh, 676, Sector 8-B, Chandigarh, G.A. of Major Barinder Singh.

(Transferor)

(2) Sh. Bhupinder Singh s/o Sh. Daulat Singh, r/o II. No. 676, Sector 8-B, Chandigarh.

(Transferee)

(3) Shri Jasbir Singh Ahluwalia, 1607, Sector 33-D, Chandigarh.

(Person in occupation of the Property).

(4) Shri Jasbir Singh Ahluwalia 1607, Sector 33-D, Chandigarh.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1607, Sector 33-D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 137 of March, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 15-11-1979.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th November 1979

Ref. No. IDH/278/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-32-743, situated at Bahadur ke Road, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s New Ludhiana Co-op. Cold Store, Ludhiana.
(Transferor)

(2) M/s General Hardware Syndicate,
Krishna Market, Overlook Road,
Miller Ganj, Ludhiana.
(Transferee)

(3) M/s Raj Sri Cold Storage & Ice Factory,
Bahadur ke Road, Ludhiana.
(Person in occupation of the Property)

(4) M/s Raj Sri Cold Storage & Ice Factory,
Bahadur ke Road, Ludhiana.
(Person whom the undersigned knows to
be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

No. B-32-743, Bahadur ke Road, Ludhiana.

(The property as mentioned in the registered deed No. 4593 of March, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 15-11-1979.
Seal :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

NATIONAL DEFENCE ACADEMY EXAMINATION
JUNE 1980

New Delhi, the 22nd December 1979

No. F. 7/2/79-E/(B).—An examination will be held by the Union Public Service Commission commencing from 8th June, 1980 for admission to the Army, Navy and Air Force Wings of the NDA for the 65th Course commencing in January, 1981.

The approximate number of vacancies to be filled on the results of this examination will be 300 (195 for the Army, 39 for the Navy and 66 for the Air Force).

Admission to the above courses will be made on the results of the written examination to be conducted by the Commission followed by intelligence and personality test by a Services Selection Board of candidates who qualify in the written examination. The details regarding the (a) scheme, and syllabus of the examination, (b) physical standards for admission to the Academy and (c) brief particulars of the service etc. for candidates joining the National Defence Academy are given in Appendices I, II and III respectively.

Note :—THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS OF THE EXAMINATION WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES' INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.

2. CENTRES OF EXAMINATION :—Ahmedabad, Allahabad, Bangalore, Bhopal, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Cochin, Cutack, Delhi, Dispur (Gauhati), Hyderabad Jaipur, Jammu, Lucknow, Madras, Nagpur, Panaji (Goa), Patna, Patna, Port Blair, Shillong, Simla, Srinagar and Trivandrum.

3. CONDITIONS OF ELIGIBILITY :—

(a) **Nationality :—**A candidate must be either—

- (i) a citizen of India, or
- (ii) a subject of Bhutan, or
- (iii) a subject of Nepal, or
- (iv) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India, or
- (v) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, the East African Countries of Kenya, Uganda, United Republic of Tanzania, Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (iii) (iv) and (v) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Certificate of eligibility will not, however, be necessary in the case of candidates who are Gorkha subjects of Nepal.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination and he may also provisionally be admitted to the Academy subject to the necessary certificate being given to him by the Government.

(b) **Age limits, sex and marital status :—**Unmarried male candidates born not earlier than 2nd July, 1962 and not later than 1st January, 1965 are only eligible.

Note :—Date of birth as recorded in Matriculation/Higher Secondary or equivalent examination certificate will only be accepted.

(c) **Educational Qualifications :—**Higher Secondary Examination of a State Education Board or of a recognised university or equivalent. Candidates who have passed the 11th class examination under the 10+2 Pattern of School Education are also eligible.

Candidates who have yet to pass the Higher Secondary or Equivalent Examination or the 11th class examination under the 10+2 Pattern of School education can also apply.

Candidates are required to submit Higher Secondary Examination or Equivalent certificates in *original* to reach the commission's office by 30th December, 1980, failing which their candidature will stand cancelled. Certificates in original issued by the principals or the institutions are also acceptable in cases where boards/universities have not yet issued certificates. Certified true copies of such certificates will not be accepted.

In exceptional cases the Commission may treat a candidate, who has not any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications the standard of which in the opinion of the Commission justifies his admission to the examination.

Note 1.—Those candidates who have yet to qualify in the Higher Secondary or equivalent examination and are allowed to appear in the UPSC Examination should note that this is only a special concession given to them. They are required to submit the proof of passing the Higher Secondary or equivalent examination by the prescribed date and no request for extending this date will be entertained on the grounds of late conduct of Board/University Examination, delay in declaration of result or any other ground what-so-ever.

Note 2.—Candidates who are debarred by the Ministry of Defence from holding any type of commission in the Defence Services shall not be eligible for admission to the examination and if admitted their candidature will be cancelled.

4. FEE TO BE PAID WITH THE APPLICATION :—Rs. 28/- (Rs. 7/- for Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates). Applications not accompanied by the prescribed fee will be summarily rejected.

5. REMISSION OF FEE :—(1) The Commission may, at their discretion, remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1-1-1964 and 25-3-1971 or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma who migrated to India on or after 1-6-1963 or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka who migrated to India on or after 1-11-1964 or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.

(2) The children of Junior Commissioned Officers, Non-Commissioned Officers and other ranks of the Army and equivalent ranks in the Indian Navy and the Indian Air Force and children of Ex-Junior Commissioned Officers, Ex-Non-Commissioned Officers and Ex-other ranks of the Army and equivalent ranks in the Indian Navy and Indian Air Force are not required to pay the prescribed fee if they satisfy the following conditions viz.

- (i) they are studying in the Military School, (formerly known as King George's Schools)/Sainik Schools run by the Sainik Schools Society, and
- (ii) their applications are forwarded by the Principal of the concerned School with the recommendation that they are expected to secure at least 30 percent of the aggregate marks of the written papers.

6. HOW TO APPLY :—Only printed applications on the form prescribed for the National Defence Academy Examination, June, 1980 appended to the Notice will be entertained. Completed applications should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011. Application forms and full particulars of the examination can be had from the following sources :—

- (i) By post from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House New Delhi-110011 by remitting Rs. 2/- by Money Order or by crossed Indian Postal Order payable to Secretary, U.P.S.C. at New Delhi G.P.O.
- (ii) On cash payment of Rs. 2/- at the counter in the Commission's Office.

- (iii) Free of charge from nearest Recruiting Office, Military Area/Sub-Area Headquarters, Airmen's Selection Centres, N.C.C. Units, and Naval Establishments.

All candidates whether already in Government service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government service whether in a permanent or temporary capacity or as work charged employees other than casual or daily rated employees are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

A candidate serving in the Armed Forces must submit his application through his Commanding Officer who will complete the endorsement (vide Section 'B' of the application form, and forward it to the Commission.

Note :—Sailors (including boys and artificer apprentices) of the Indian Navy must give Indian Navy as their first preference. Their applications will be entertained only if these have been duly recommended by their Commanding Officers.

Cadets of the Rashtriya Indian Military College (previously known as Sainik School) Dchra Dun, students of Military Schools (formerly known as King George's Schools) and Sainik Schools run by the Sainik Schools Society should submit their applications through the Principal of the College/School concerned.

7. LAST DATE FOR RECEIPT OF APPLICATIONS IN THE COMMISSIONS OFFICE :—

- (i) From candidates in India 18th February, 1980.
- (ii) From candidates abroad or in Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep 3rd March, 1980.

8. DOCUMENTS TO BE SUBMITTED WITH THE APPLICATION :

(A) By all candidates :—

- (i) Fee of Rs. 28/- (Rs. 7/- for Scheduled Castes, Scheduled Tribes candidates) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public/Service Commission at New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to the account Head "051 Public Service Commission—Examination Fees" and the receipt attached with the application.

- (ii) Attendance Sheet (attached with the application form) duly filled.
- (iii) Two identified copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx.) photographs of the candidate duly signed on the front side.

One copy of the photograph should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein.

- (iv) Three self-addressed, unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms. × 27.5 cms.

(B) By Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates :—

Attested/certified copy of certificate in the form given in Appendix IV from any of the competent authorities (mentioned under the certificate) of the District in which he or his parents (or surviving parent) ordinarily reside, in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe.

(C) By candidates claiming remission of fee :—

- (i) An attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer or a Member of Parliament or State Legislature certifying that he is not in a position to pay the prescribed fee.
- (ii) An attested/certified copy of certificate from the following authorities in support of his claim to be a bona fide displaced person/repatriate—

(a) Displaced person from erstwhile East Pakistan

- (i) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakanya Project or of Relief Camps in various States.

OR

- (ii) District Magistrate of the area in which the may, for the time being, be a resident.

OR

- (iii) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in his district.

OR

- (iv) Sub-Divisional Officer within the sub-division in his charge.

OR

- (v) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation) in Calcutta.

(b) Repatriates from Sri Lanka :—

High Commission for India in Sri Lanka

(c) Repatriates from Burma :—

Embassy of India, Rangoon, or District Magistrate of the area in which the candidate may be resident.

9. REFUND OF FEE :—No refund of fee paid to the Commission with the application will be entertained except in the following cases, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection :—

- (i) A refund of Rs. 15/- (Rs. 4/- in the case of candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes) will be made to a candidate who had paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, the application is rejected on receipt of information that the candidate has failed in the Higher Secondary or equivalent examination or will not be able to submit the proof of passing the Higher Secondary or equivalent examination by the prescribed date, he will not be allowed refund of fee.

- (ii) A refund of Rs. 28/- (Rs. 7/- in the case of candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes) will be allowed in the case of a candidate who took the NDA Examination December, 1979 and is recommended for admission to any of the courses on the results of that Examination provided his request for cancellation of candidature for the NDA Examination June, 1980 and refund of fee is received in the office of the Commission on or before 30th August, 1980.

10. ACKNOWLEDGEMENT OF APPLICATIONS :—

All applications received in the prescribed form for the examination will be acknowledged. If a candidate does not receive an acknowledgment of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgment.

11. RESULT OF APPLICATION :—If a candidate does not receive from the Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

12. ADMISSION TO THE EXAMINATION :—The decision of the Union Public Service Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate shall be final. No

candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

13. ACTION AGAINST CANDIDATES FOUND GUILTY OF MISCONDUCT:—Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form. Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its attested/certified copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or their attested/certified copies, an explanation regarding the discrepancy should be submitted.

A candidate who is or has declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support of his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information; or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations; or
- (xi) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses.
- (xii) may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable :—
 - (a) to be disqualified by the Commission from the Examination for which he is a candidate; or
 - (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
 - (c) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules.

14. ORIGINAL CERTIFICATES—SUBMISSION OF—Candidates who qualify for interview on the results of the written examination will be required to submit to the Commission original certificate in support of their age and educational qualifications etc. soon as after the declaration of the results of the written examination.

15. COMMUNICATIONS REGARDING APPLICATIONS.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS :—

- (1) NAME OF EXAMINATION
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION
- (3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).

(5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

16. CHANGE OF ADDRESS.—A candidate must see that communications sent to him at the address stated in his application are re-directed if necessary. Change in address should be communicated to the Commission at the earliest opportunity giving the particulars mentioned in paragraph 15 above.

CANDIDATES RECOMMENDED BY THE COMMISSION FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD WHO HAVE CHANGED THEIR ADDRESSES SUBSEQUENT TO THE SUBMISSION OF THEIR APPLICATIONS FOR THE EXAMINATION SHOULD IMMEDIATELY AFTER ANNOUNCEMENT OF THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION NOTIFY THE CHANGED ADDRESS ALSO TO ARMY HEADQUARTERS, A.G.'S BRANCH RTG., 6(SP) (a) WEST BLOCK 3, WING I, RAMAKRISHNAPURAM, NEW DELHI-110022. FAILURE TO COMPLY WITH THIS INSTRUCTION WILL DEPRIVE THE CANDIDATE OF ANY CLAIM TO CONSIDERATION IN THE EVENT OF HIS NOT RECEIVING THE SUMMONS LETTER FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD.

Although the authorities make every effort to take account of such changes they cannot accept any responsibility in the matter.

17. ENQUIRIES ABOUT INTERVIEW OF CANDIDATES QUALIFYING IN THE WRITTEN EXAMINATION.—Candidates whose names have been recommended for interview by the Services Selection Board, should address enquiries or requests if any relating to their interview direct to the Army Headquarters, A.G.'s Branch RTG, 6 (SP) (a) West Block 3, Wing I, Ramakrishnapuram, New Delhi-110022.

Candidates are required to report for SSB interview on the date intimated to them in the call-up letter for interview. Request for postponing interview will only be considered in exceptional circumstances and that too if it is administratively convenient for which Army HQ will be sole deciding authority.

Candidates whose names appear in the final merit list issued by the UPSC must notify their latest address to Army HQ A.G.'s Branch, Rtg. 6 (SP) (a) (i), West Block 3, Wing I Ramakrishnapuram, New Delhi-110022, immediately after publication of the merit list in the newspapers, if there is any change in the address already given so that joining instructions issued by Army HQ reach them in time. In case this is not done, the responsibility of non-receipt of the joining instructions will rest with the candidate.

18. ANNOUNCEMENT OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION, INTERVIEW OF QUALIFIED CANDIDATES, ANNOUNCEMENT OF FINAL RESULTS AND ADMISSION TO THE TRAINING COURSE OF THE FINALLY QUALIFIED CANDIDATES.—The Union Public Service Commission shall prepare a list of candidates who obtain the minimum qualifying marks in the written examination as fixed by the Commission in their discretion. Such candidates shall appear before a Services Selection Board for Intelligence and Personality Tests, where candidates for the Army/Navy will be assessed in officer potentiality and those for the Air Force in Pilot Aptitude Test and officer potentiality. The maximum marks obtainable at these tests are 900.

Candidates will appear before the Services Selection Board and undergo the tests thereat at their own risk and will not be entitled to claim any compensation or other relief from Government in respect of any injury which they may sustain in the course of or as a result of any of the tests given to them at the Services Selection Board whether due to the negligence of any person or otherwise. Parents or guardians of the candidates will be required to sign a certificate to this effect.

To be acceptable candidates for the Army/Navy should secure the minimum qualifying marks separately in (i) written examination, and (ii) officer potentiality tests, as fixed by the Commission in their discretion, and candidates for the Air Force should secure the minimum qualifying marks separately

in (i) written examination, (ii) officer potentiality test, and (iii) Pilot Aptitude Test as fixed by the Commission in their discretion. Subject to these conditions, the qualified candidates will then be placed in the final order of merit on the basis of total marks secured by them in the written examination, and the Services Selection Board Tests in two separate lists—one for the Army and the Navy and the other for the Air Force. The names of candidates who qualify for all the Services will appear in both the Merit Lists. The final selection for admission to the Army and Naval Wings of the National Defence Academy will be made in order of merit up to the number of vacancies available from the order of merit list for the Army and the Navy and for the Air Force Wing from the order of merit list for the Air Force subject to medical fitness and suitability in all other respects. The candidates who are common to both the merit lists will be considered for selection from both the lists with reference to their order of preferences and in the event of their final selection from one list, their names will be cancelled from the other list.

N.B.—EVERY CANDIDATE FOR THE AIR FORCE IS GIVEN PILOT APTITUDE TEST ONLY ONCE. THE GRADE SECURED BY HIM AT THE FIRST TEST WILL THEREFORE, HOLD GOOD FOR EVERY SUBSEQUENT INTERVIEW HE HAS WITH THE AIR FORCE SELECTION BOARD. A CANDIDATE WHO FAILS IN THE FIRST PILOT APTITUDE TEST CANNOT APPLY FOR ADMISSION TO THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY EXAMINATION FOR THE AIR FORCE WING OR GENERAL DUTIES (PILOT) BRANCH OR NAVAL AIR ARM.

Candidates who have been given the Pilot Aptitude Test for any previous N.D.A. course should submit their applications for this examination for the Air Force Wing only if they have been notified as having qualified in Pilot Aptitude Test.

The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

Success in the examination confers no right of admission to the Academy. A candidate must satisfy the appointing authority that he is suitable in all respects for admission to the Academy.

19. DISQUALIFICATION FOR ADMISSION TO THE TRAINING COURSE.—Candidates who were admitted to an earlier course at the National Defence Academy, but were removed therefrom for lack of officerlike qualities or on disciplinary grounds will not be admitted to the Academy.

Candidates who were previously withdrawn from the National Defence Academy on medical grounds or left the above Academy voluntarily are, however, eligible for admission to the Academy provided they satisfy the medical and other prescribed conditions.

20. RESTRICTION ON MARRIAGE DURING TRAINING IN THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY.—Candidates must undertake not to marry until they complete their full training. A candidate who marries subsequent to the date of his application, though successful at this or any subsequent examination will not be selected for training. A candidate who marries during training shall be discharged and will be liable to refund all expenditure incurred on him by the Government.

21. PAMPHLETS CONTAINING RULES AND QUESTION PAPERS.—With the introduction of objective type questions for all the papers included in the scheme of this examination with effect from the National Defence Academy Examination, December 1977, the printing of pamphlets containing rules and question papers for this examination has been discontinued. However, copies of pamphlets containing rules and question papers of preceding examinations upto National Defence Academy Examination held in May, 1977 are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001. (ii) Sale counter of the Publications Branch at Udvog Bhawan, New Delhi-110001 and (iii) the Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-700001. The pamphlets are also obtainable

from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

22. INTELLIGENCE TESTS—INFORMATION ABOUT.—The Ministry of Defence (Directorate of Psychological Research) have published a book with the title "A Study of Intelligence Test Scores of candidates at Services Selection Boards." The purpose of publishing this book is that the candidates should familiarise themselves with the type of Intelligence Tests they are given at the Services Selection Boards.

The book is a priced publication and can be obtained from the sources mentioned in paragraph 21 above.

R. S. AHLUWALIA,
Deputy Secretary

APPENDIX I

(The Scheme and syllabus of the examination)

A. SCHEME OF THE EXAMINATION

1. The subject of the written examination, the time allowed and the maximum marks allotted to each subject will be as follows:—

Subject	Duration	Max. Marks
1. English	2 hours	250
2. Mathematics—Paper I	2 hours	125
Paper II	2 hours	125
3. General Knowledge—Paper I. (Science).	2 hours	200
Paper II (Social Studies, Geography and Current Events)	2 hours	200
		900

2. THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES, INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.

3. In the question papers, wherever necessary, questions involving the Metric System of Weights and Measures only will be set.

4. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

5. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects at the examination.

6. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

B. SYLLABUS OF THE EXAMINATION

ENGLISH.—The question paper will be designed to test, the candidate's understanding of and his power to write English correctly and idiomatically. It will also include questions to test the candidate's knowledge of grammar, idiom and usage.

MATHEMATICS

PAPER—I

Arithmetic

Number Systems—Natural numbers, Integers, Rational and Real numbers. Fundamental operations—addition, subtraction, Multiplication, division, Square roots, Decimal fractions.

Unitary method—time and distance, time and work, Percentages—applications to simple and compound interest, profit and loss, Ratio and proportion, variation.

Elementary Number Theory—Division algorithm, Prime and composite numbers. Tests of divisibility by 2, 3, 4, 5, 9, and 11. Multiples and factors. Factorisation Theorem. H.C.F. and L.C.M. Euclidean algorithm.

Logarithms to base 10, laws of logarithms, use of logarithmic tables.

Algebra

Basic Operations; simple factors, Remainder Theorem, H.C.F., L.C.M. of polynomials. Solutions of quadratic equations, relation between its roots and coefficients. (Only real roots to be considered). Simultaneous linear equations in two unknowns, analytical and graphical solutions. Practical problems leading to two simultaneous linear equations in two variables or quadratic equations in one variable and their solutions. Set language and set notation. Rational expressions and conditional identities. Laws of indices.

Trigonometry

Sine X, Cosine X, Tangent X when $0^\circ \leq x \leq 90^\circ$.

Values of $\sin x$, $\cos x$ and $\tan x$, for $x = 0^\circ, 30^\circ, 45^\circ, 60^\circ$ and 90° .

Simple trigonometric identities.

Use of trigonometrical tables.

Simple cases of heights and distances.

PAPER II

Geometry

Lines and angles. Plane and plane figures. Theorems on (i) Properties of angles at a point, (ii) Parallel lines, (iii) Sides and angles of a triangle, (iv) Congruency of triangles, (v) Similar triangles, (vi) Concurrence of medians and altitudes, (vii) Properties of angles, sides and diagonals of a parallelogram, rectangle and square, (viii) Circle and its properties including tangents and normals, (ix) Loci.

Mensuration

Areas of squares, rectangles, parallelograms, triangle and circles. Areas of figures which can be split up into these figures (Field Book) Surface area and volume of cuboids, lateral surface and volume of right circular cones and cylinders. Surface area and volume of spheres.

Statistics

Collection and tabulation of statistical data. Graphical representation—frequency polygons, histograms, bar charts, pie charts etc.

Calculation of mean of raw and grouped data.

GENERAL KNOWLEDGE

There will be two papers :

Paper I—Comprising Physics, Chemistry and General Science; and

Paper II—Comprising Social Studies, Geography and Current Events.

The following syllabus is designed to indicate the scope of the subjects included in these papers. The topics mentioned are not to be regarded as exhaustive; and questions on topics of similar nature not specially mentioned in the syllabus may also be asked. Candidates' answers are expected to show their knowledge and intelligent understanding of the questions.

PAPER I

SCIENCE

General Knowledge Paper I will comprise the following—

(A) Physical Properties and States of Matter, Mass, Weight, Volume, Density and Specific Gravity. Principle of Archimedes, Pressure Barometer.

Motion of objects, Velocity and Acceleration. Newton's Laws of Motion. Force and Momentum. Parallelogram of

Forces. Stability and Equilibrium of bodies, Gravitation, elementary ideas of Work, Power and Energy.

Effects of Heat. Measurement of Temperature and Heat. Change of State and Latent Heat. Modes of transference of Heat.

Sound Waves and their properties. Simple musical instruments.

Rectilinear propagation of Light. Reflection and refraction. Spherical Mirrors and Lenses. Human Eye.

Natural and Artificial Magnets. Properties of a Magnet. Earth as a Magnet.

Static and Current Electricity. Conductors and Non-conductors. Ohm's Law. Simple Electrical Circuits. Heating. Lighting and Magnetic effects of Current. Measurement of Electrical Power. Primary and Secondary Cells. Uses of X-Rays.

General Principles in the working of the following :—

Simple Pendulum. Simple Pulleys, Siphon, Levers, Balloon, Pumps, Hydrometer. Pressure Cooker, Thermos Flask, Gramophone, Telegraph, Telephone, Periscope, Telescope, Microscope, Mariner's Compass, Lighting Conductors, Safety Fuses.

(B) Physical and Chemical changes. Elements, Mixtures and Compounds. Symbols, Formulae and simple Chemical Equations. Laws of Chemical Combination (excluding problems). Properties of Air and Water.

Preparation and Properties of Hydrogen, Oxygen, Nitrogen and Carbon dioxide. Oxidation and reduction.

Acids; Bases and Salts.

Carbon—Different forms.

Fertilizers—Natural and Artificial.

Materials used in the preparation of substances like Soap, Glass, Ink, Paper, Cement, Paints, Safety Matches and Gun Powder.

Elementary ideas about the Structure of Atom, Atomic Equivalent and Molecular Weights, Valency.

(C) Difference between the living and non-living.

Basis of Life—Cells, Protoplasm and Tissues.

Growth and reproduction in Plants and Animals.

Elementary knowledge of Human Body and its important organs.

Common Epidemics, their causes and prevention.

Food—Source of Energy for Man. Constituent of food. Balanced Diet.

The Solar System. Meteors and Comets, Eclipses.

Achievements of Eminent Scientists.

NOTE : Out of maximum marks assigned to the paper, questions on Part (A), (B) and (C) will generally carry 50%, 30% and 20% marks respectively.

PAPER II

(SOCIAL STUDIES, GEOGRAPHY AND CURRENT EVENTS)

General Knowledge Paper II will comprise the following :—

(A) A broad survey of Indian History with emphasis on Culture and Civilisation.

Freedom Movement in India.

Elementary study of Indian Constitution and Administration.

Elementary knowledge of Five Year Plans of India.

Panchayati Raj, Co-operatives and Community Development.

Bhoodan, Sarvodaya, National Integration and Welfare State. Basic teachings of Mahatma Gandhi.

Forces shaping the modern world; Renaissance Exploration and Discovery; War of American Independence. French Revolution. Industrial Revolution, and Russian Revolution. Impact of Science and Technology on Society.

Concept of One World, United Nations, Panchsheel, Democracy, Socialism and Communism. Role of India in the present world.

(B) The Earth, its shape and size. Latitudes and Longitudes. Concept of Time. International Date Line. Movements of Earth and their effects.

Origin of Earth, Rocks and their classification; Weathering—Mechanical and Chemical; Earthquakes and Volcanoes.

Ocean Currents and Tides.

Atmosphere and its composition; Temperature and Atmospheric Pressure; Planetary Winds; Cyclones and Anti-cyclones; Humidity. Condensation and Precipitation; Types of Climate.

Major Natural regions of the World.

Regional Geography of India—Climate, Natural vegetation. Mineral and Power resources; location and distribution of Agricultural and Industrial activities.

Important Sea Ports and main sea, land and air routes of India. Main items of Imports and Exports of India.

(C) Knowledge of important events that have happened in India in the recent years.

Current important world events.

Prominent personalities—both Indian and International including those connected with cultural activities and sports.

NOTE : Out of the maximum marks assigned to the paper, questions on Parts (A), (B) and (C) will generally carry 40%, 40% and 20% marks respectively.

INTELLIGENCE AND PERSONALITY TEST

In addition to the interview, the candidates will be put to Intelligence Test both verbal and non-verbal designed to assess their basic intelligence. They will also be put to Group Tests, such as group discussions, group planning, outdoor group tasks and asked to give brief lectures on specified subjects. All these tests are intended to judge the mental calibre of a candidate. In broad terms, this is really an assessment of not only his intellectual qualities but also his social traits and interests in current affairs.

APPENDIX II

GUIDELINES FOR PHYSICAL STANDARDS FOR ADMISSION TO THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY

NOTE.—CANDIDATES MUST BE PHYSICALLY FIT ACCORDING TO THE PRESCRIBED PHYSICAL STANDARDS. THE STANDARDS OF MEDICAL FITNESS ARE GIVEN BELOW.

A NUMBER OF QUALIFIED CANDIDATES ARE REJECTED SUBSEQUENTLY ON MEDICAL GROUNDS. CANDIDATES ARE THEREFORE ADVISED IN THEIR OWN INTERESTS TO GET THEMSELVES MEDICALLY EXAMINED BEFORE SUBMITTING THEIR APPLICATIONS TO AVOID DISAPPOINTMENT AT THE FINAL STAGE.

A sufficient number of suitable candidates recommended by the Services Selection Board will be medically examined by a Board of Service Doctors. A candidate who is not declared fit by the Medical Board will not be admitted to the Academy. The very fact that the Medical Examination has been carried out by a Board of Service Doctors will not mean or imply that the candidate has been finally selected. The proceedings of the Medical Board are confidential and cannot be divulged to any one. The results of candidates declared, unfit/temporarily unfit are intimated to them along with the

procedure for submission of fitness certificate and appeal. No request for the results of Medical Board will be entertained by the President of the Medical Board.

Candidates for the Army are advised in their own interest, that if their vision does not come up to the standard they must bring with them their correcting glasses if and when called up for Services Selection Board Interview/Medical Examination.

1. To be declared fit for admission to the National Defence Academy a candidate must be in good physical and mental health and free from any disability likely to interfere, with the efficient performance of duty.

2. It will however, be ensured that :—

(a) there is no evidence of weak constitution, imperfect development, serious malformation or obesity;

(b) there is no maldevelopment or impairment of function of the bones or joints;

NOTE : (i) A candidate with rudimentary cervical rib in whom there is no signs and symptoms referable to the cervical rib may be considered fit. However, the defect is to be recorded as a minor disability in the medical board proceedings.

NOTE : (ii) X-Ray spine will be taken to exclude maldevelopments.

(c) there is no impediment of speech;

(d) there is no malformation of the head, deformity from fracture or depression of the bones of the skull;

(e) there is no impaired hearing, discharge from or disease in either ear, unhealed perforation of the tympanic membranes or signs of acute or chronic suppurative otitis-media or evidence of radical or modified radical mastoid operation.

NOTE : A soundly healed perforation without any impairment of the mobility of the drum and without impairment of hearing should not be a bar to acceptance of a candidate for the Army.

(f) there is no disease of the bones or cartilages of the nose or nasal polypus or disease of the nasopharynx and accessory sinuses;

NOTE : (i) A small asymptomatic traumatic perforation of the nasal septum will not be a cause for outright rejection and such cases would be referred to the Adviser in Otolaryngology.

NOTE : (ii) Diagnostic antrum puncture to confirm Maxillary Sinusitis should be resorted to only in appeal cases and not as a routine in the initial examination when a radiological examination, if indicated, should be adequate.

(g) there are no enlarged glands due to tubercular or due to other disease in the neck and other parts of the body and that the thyroid gland is normal.

NOTE :—Scars of operations for the removal of tuberculous glands are not a cause for rejection provided that there has been no active disease within the preceding five years and the chest is clinically and radiologically clear.

(h) there is no disease of the throat palate tonsils or gums or any disease or injury affecting the normal function of either mandibular joints;

NOTE :—Simple hypertrophy of the tonsils, if there is no history of attacks of tonsillitis is not a cause for rejection.

(i) there is no sign of functional or organic disease of the heart and blood vessels;

(j) there is no evidence of pulmonary tuberculosis or previous history of this disease or any other chronic disease of the lungs;

(k) there is no evidence of any disease of the digestive system including any abnormality of the liver and spleen; and there is no abdominal tenderness or palpation.

- (l) Inguinal hernia (unoperated) or tendency thereto will be a cause for rejection:

NOTE :—In the case of candidates who have been operated for hernia, they may be declared fit provided—

- (i) one year has elapsed since the operation (documentary proof is to be furnished by the candidate);
- (ii) general tone of the abdominal musculature is good; and
- (iii) there has been no recurrence of the hernia or complication connected with the operation.

- (m) there is no hydrocele or definite varicocele or any other disease or defect of the genital organs.

NOTE :—(i) A candidate who has been operated for a hydrocele will be accepted if there are no abnormalities of the cord and testicle and there is no evidence of filariasis;

- (ii) Undescended intra-abdominal testicle on the one side should not be a bar to acceptance of candidates for commissioning in the Armed Forces provided the other testicle is normal and there is no untoward physical or psychological effect due to the anomaly. Undescended testis retained in the inguinal canal or at the external abdominal ring is, however, a bar to acceptance unless corrected by operation.

- (n) there is no fistula and/or fissure of the anus or evidence of haemorrhoids;

- (o) there is no disease of the kidneys. All cases of Glycosuria and Albuminuria will be rejected.

- (p) there is no disease of the skin, unless temporary or trivial. Scars which by their extent or position cause or are likely to cause disability or marked disfigurement are a cause for rejection.

- (q) there is no active latent or congenital venereal disease;

- (r) there is no history or evidence of mental disease of the candidate or his family. Candidates suffering from epilepsy, incontinence of urine or enuresis will not be accepted.

- (s) there is no squint or morbid condition of the eye or of the lids which is liable to a risk of aggravation or recurrence; and

- (t) there is no active trachoma or its complications and sequelae.

NOTE :—Remedial operations are to be performed prior to entry. No guarantee is given of ultimate acceptance and it should be clearly understood by the candidates that the decision whether an operation is desirable or necessary is one to be made by their private medical adviser. The Government will accept no liability regarding the result of operation or any expense incurred.

3. Standards for Height, Weight and chest measurements.

(a) *Height*.—(i) The height of candidates will be measured by making him stand against the standard with his feet together. The weight should be thrown on the heels and not on the toes or outer sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard; the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar; and the height will be recorded in centimetres; decimal fraction lower than 0.5 centimetre will be ignored, 0.5 centimetre will be recorded as such, 0.6 centimetre and above will be recorded as one.

(ii) The minimum acceptable height for a candidate is 157.5 cms. (157 cms. for the Navy) except in case of Gorkhas, Nepalese, Assamese and Garhwali candidates in whose case the height may be reduced by 5.0 cms. The minimum height of Naval candidates from MANIPUR, NEFA, ARUNACHAL PRADESH, MEGHALAYA, MIZORAM, NAGALAND and TRIPURA may also be reduced by

5.0 cms. and 2 cms. in the case of candidates from LACCADIVES.

NOTE.—Relaxation of height up to 2.5 cms. (5 cms. for the Navy) may be allowed where the Medical Board certifies that the candidate is likely to grow and come up to the required standard on completion of his training. Further proportional relaxation will be allowed for cadets for Indian Navy who are below 18 years of age.

(iii) *Air Force only*.—To meet the special requirements for training as a Pilot minimum height will be 162.5 cms. Acceptable measurements of leg length thigh length and sitting height will be as under :—

Leg length	minimum	99.0 cms.
	maximum	120.0 cms.
Thigh length	maximum	64.0 cms.
Sitting height	minimum	81.50 cms.
	maximum	96.00 cms.

NOTE : On account of lower age of candidates a margin of upto 5.0 cms in height, 2.5 cms in leg length (minimum) and 1.0 cms in sitting height (minimum) may be given, provided it is certified by the medical board that the candidate is likely to grow and come up to the required standard on completion of training at NDA.

(b) *Weight*.—(i) Weight will be taken with the candidate fully stripped or with under pants only. In recording weight, fraction of half a kg. will not be noted. A correlation table between age, height and average weight is given below for guidance.

Age	Period	15—16	16—17	17—18
Height (C.M.)		Weight Kg.	Weight Kg.	Weight Kg.
157.00		43.5	45.0	47.0
160.00		45.0	46.5	48.0
162.00		46.5	48.0	50.0
165.00		48.0	50.0	52.0
167.00		49.0	51.0	53.0
170.00		51.0	52.5	55.0
173.00		52.5	54.5	57.0
175.00		54.5	56.0	59.0
178.00		56.0	58.0	61.0
180.00		58.5	60.0	63.0
183.00		61.0	62.5	65.0

(ii) It is not possible to lay down precise standards for weight in relation to height and age. The correlation table is therefore only a guide and cannot be applied universally. A 10 per cent (+ 6 kg. for the Navy) departure from the average weight given in the table is to be considered as within normal limits. There may nevertheless be some individuals who according to the above standard may be overweight but from the general build of the body are fit in every respect. The over-weight in such cases may be due to heavy bones and muscular development and not to obesity. Similarly for those who are under-weight the criteria should be the general build of the body and proportionate development rather than rigid adherence to the standards in the above table.

(c) *Chest*.—The chest should be well proportioned and well developed with a minimum range of expansion of 5.0 cm. The candidate's chest will be measured by making him stand erect with his feet together, and his arms raised over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the inferior angles of the shoulder blades behind, and its lower edge the upper part of the nipples in front. The arms will then be lowered to hang loosely by the side. Care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum and minimum expansions of the chest will be carefully noted. The minimum and maximum will then be recorded in cms. decimal fraction lower than 0.5 centimetre

will be ignored; 0.5 cm. will be recorded as such and 0.6 centimetre and above will be recorded as one.

For Air Force—X-Ray spine of all candidates to be taken to detect the following abnormalities which are considered as causes for rejection :—

- (i) Scoliosis more than 7° by Cobb's method
- (ii) Spina Bifida except at Sv 1.
- (iii) Unilateral Sacralization of LV 5.
- (iv) Scheuerman's Disease, Scheuerman's Nodes, Spondylolysis or Spondylolisthesis.
- (v) Any other significant spinal disease.

ECG of all candidates for entry into Air Force will be taken. Those with specific abnormalities will be rejected.

NOTE :—X-Ray of chest is compulsory.

4. Dental conditions.

It should be ensured that a sufficient number of natural and sound teeth are present for efficient mastication.

(a) A candidate must have a minimum of 14 dental points to be acceptable. In order to assess the dental condition of an individual points are allotted as under for teeth in good apposition with corresponding teeth in the other jaw.

- (i) Central incisor, lateral incisor, canine, 1st and 2nd premolars and underdeveloped third molar—1 point each.
- (ii) 1st and 2nd molar and fully developed third molar—2 points each.

When all 32 teeth are present, there will be a total count of 22 points.

(b) The following teeth in good functional apposition must be present in each jaw;

- (i) any four of the six anteriors.
- (ii) any six of the ten posteriors.

(c) candidates suffering from severe pyorrhoea will be rejected. Where the state of pyorrhoea is such that in the opinion of the dental officer, it can be cured without extraction of teeth, the candidate may be accepted.

5. Visual Standard

(a) Visual acuity

Standard I

	Better eye	Worse eye
Distant Vision	V-6/6	V-6/9 Correctable to 6/6

Standard II

Distant Vision (corrected)	6/6	6/9
Myopia of not more than—2.5 D including astigmatism (.5 D in case of Navy)		

Manifest Hypermetropia of not more than +3.5 D including astigmatism.

NOTE 1. Fundus and Media to be healthy and within normal limits.

2. No undue degenerative signs of vitreous or chorio-retina to be present suggesting progressive myretina.
3. Should possess good binocular vision (fusion faculty and full field of vision in both eyes).
4. There should be no organic disease likely to exacerbations or deterioration.

(b) Colour Vision

Candidates who do not possess the minimum colour perception standard CP-3 (Defective Safe) defined below will be declared Unfit :—

CP-3 (Defective Safe) :—Candidates should be able to recognise white, signal red and signal green colours correctly as shown by Martin's Lantern at a distance of 1.5 metres or

read the requisite plates of Ishihara Book/Tokyo Medical College Book.

(c) Requirements for Services :

ARMY-VS II (Minimum Standard)

NAVY (i)—Visual Standard 1. —No glasses will be worn by candidates for the Executive Branch but these standards may be relaxed if permitted by Naval Headquarters, for a limited number of otherwise suitable candidates of Engineering and Electrical Branches up to 6/18, 6/36, correctable to 6/6 both eyes with glasses.

(ii) Special requirements :

Normally cadets/Direct entry officers for all branches of the Navy will not be tested for Della Casa for Night Vision Acuity (NVA) as a routine and will be asked to furnish the following certificate at the time of medical examination which will be attached to the Medical board proceedings :—

I hereby certify that to the best of my knowledge there has not been any case of congenital night blindness in our family, and I do not suffer from it.

Signature of the candidate

Counter signature of the Medical Officer

However, all cases of suspected Xerophthalmia, Pigmentary degeneration-disturbances of Choric Retina, Abnormal Iris and pupillary conditions who are otherwise fit in all respects, will be subjected to detailed NVA tests in the usual manner.

Colour Perception

Standard I M.I.T

Heterophoria (Martin Lantern test)

Limit of Heterophoria with the Maddox Rod/Wing tests (provided convergence insufficiency and other symptoms are absent) must not exceed :

(a) At 6 metres—

Exophoria	8 prism	dioptries
Esophoria	8 prism	dioptries
Hyperphoria	1 prism	dioptrie

(b) At 30 cms

Esophoria	6 prism	dioptries
Exophoria	16 prism	dioptries
Hyperphoria	1 prism	dioptrie

Limits of hypermetropia (Under homatropine)

Better eye

Hypermetropia	1.50	dioptries
Simple hypermetropic astigmatism	0.75	dioptrie
Compound Hypermetropic astigmatism	The error in the more hypermetropic meridian must not exceed 1.5 dioptries of which not more than 0.75 dioptrie may be due to astigmatism.	

Worse eye

Hypermetropia	2.5	dioptries
Simple Hypermetropic astigmatism	1.5	dioptrie
Compound Hypermetropic astigmatism	The error in the more hypermetropic meridian must not exceed 2.5 dioptries of which not more than 1.0 dioptrie may be due to astigmatism.	

Myopia—Not to exceed 0.5 dioptrie in any one meridian.

Binocular Vision

The candidates must possess good binocular vision (Fusion faculty and full field of vision in both eyes):—

AIR FORCE (i) V.S.I. No glasses will be worn.

(ii) Special requirements:

Manifest Hypermetropia must not exceed 2.00 D.

Ocular Muscle Balance :

Heterophoria with the Maddox Rod test must not exceed

(a) at 6 metres	Exophoria	6 prism dioptries.
	Esophoria	6 prism dioptries.
	Hyperphoria	1 prism dioptrie.
(b) at 33 cms	Exophoria	16 prism dioptries
	Esophoria	6 prism dioptries.
	Hyperphoria	1 prism dioptrie.
	Myopia.—Nil	
	Astigmatism + 0.75	Day

Binocular vision.—Must possess good binocular vision (fusion and stereopsis with good amplitude and depth).

Colour Perception—Standard I MLT.

6. Hearing standard.

Hearing will be tested by speech test. Where required, audiometric records will also be taken.

(a) Speech Test

The candidate should be able to hear a forced whisper with each ear separately standing with his back to the examiner at a distance of 610 cms. in a reasonably quiet room. The examiner should whisper with the residual air; that is to say at the end of an ordinary expiration.

(b) Audiometric tests

Audiometric loss should not be greater than + 10db. in frequencies between 250 Hz and 4000Hz. In evaluating the audiograms, the base line zero of the audiometer, the environmental noise conditions under which the audiogram has been obtained should be taken into consideration and on the recommendations of an Air Force ENT Specialist minor departures from the stipulated standard may be condoned.

7. Routine basal EEG.—All the candidates for Air Force will be subjected to EEG examination. Those with specific abnormalities will be rejected.

APPENDIX III

(Brief particulars of the Services etc.)

1. Before a candidate joins the Academy, the parent or guardian will be required to sign :

- a certificate to the effect that he fully understands that he or his son or ward shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which his son or ward may sustain in the course of or as a result of the training or where bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.
- A bond to the effect that if for any reasons considered within the control of the candidate he wishes to withdraw before the completion of the course or fails to accept a commission, if offered, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by Government.

2. The cost of training including accommodation, books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by the Government. Parents or guardians of cadets will however, be required to meet their pocket and other private expenses. Normally, these expenses are not likely to exceed Rs. 40.00 p.m. If in any case a cadet's parent or guardian is unable to meet wholly or partly even this expenditure financial assistance up to Rs. 40.00 p.m. for the 1st and 2nd years, Rs. 45.00 p.m. for the 3rd year training at NDA and Rs. 55.00 p.m. for further specialist training in Army/Navy/Air Force Training Establishments may be granted by the Government. No cadet whose parent or guardian has an income of Rs. 450.00 p.m. or above would be eligible for the grant of the financial assistance. The immovable property and other assets and income from all sources are also taken into account for determining the eligibility for financial assistance.

The parent/guardian of a candidate desirous of having financial assistance from the Government should immediately after his son/ward having been finally selected for training at the National Defence Academy submit an application through the District Magistrate of his District who will forward the application with his recommendation to the Commandant National Defence Academy, KHADAKWASLA, PUNE (411023).

3. Candidates finally selected for training at the Academy will be required to deposit the following amount with the Commandant, National Defence Academy, on arrival there :

(a) Pocket allowance for five months at Rs. 40.00 per month	Rs. 200.00
(b) For items of clothing and equipment :	Rs. 650.00
Total	Rs. 850.00

Out of the amount mentioned above the following amount is refundable to the cadets in the event of financial aid being sanctioned to them :

(a) Pocket allowance for five months at Rs. 40.00 per month	Rs. 200.00
(b) For items of clothing and equipment	Rs. 475.00 approximately

4. The following scholarships are tenable at the National Defence Academy :

(1) PARSHURAM BHAI PATWARDHAN Scholarship.—This scholarship is granted to boys who belong to MAHARASHTRA AND KARNATAKA and whose parents income is between Rs. 350.00 and 500.00 per month from all sources. The value of the scholarship is equal to the Government financial assistance. It is admissible for the duration of a Cadet's stay in the National Defence Academy and other Pre-commission training establishments subject to the Cadet's good conduct and satisfactory progress in the training and his parent's income remaining below the prescribed limit. Cadets who are granted this scholarship, will not be entitled to any other financial assistance from the Government.

(2) COLONEL KENDAL FRANK MEMORIAL Scholarship.—This scholarship is of the value of Rs. 360.00 per annum and is awarded to a MARATHA cadet who should be the son of an ex-serviceman. The scholarship, in addition, to any financial assistance from the Government.

(3) KUER SINGH MEMORIAL, Scholarships.—Two scholarships are awarded to two cadets who obtain the highest position amongst candidates from BIHAR. The value of each scholarship is Rs. 37.00 per mensem tenable for a maximum period of 4 years during the training at the National Defence Academy Kharakwasla and thereafter at the Indian Military Academy, Dehra Dun and the Air Force Flying College and Naval Academy Cochin where the cadets may be sent for training on completion of their training at the National Defence Academy. The scholarships will, however, be continued subject to making good progress at the above institutions.

(4) **ASSAM GOVERNMENT Scholarships.**—Two scholarships will be awarded to the cadets from ASSAM. The value of each scholarship is Rs. 30.00 per mensem and is tenable for the duration of a cadet's stay at the National Defence Academy. The scholarships will be awarded to the two best cadets from ASSAM without any reference to the income of their parents. The cadets who are granted this scholarship will not be entitled to any other financial assistance from the Government.

(5) **UTTAR PRADESH GOVERNMENT Scholarships.**—Two scholarships each of the value of Rs. 30.00 per month and an outfit stipend of Rs. 400.00 are awarded to two cadets who belong to UTTAR PRADESH on merit-cum-means basis and are tenable for a period of three years subject to satisfactory performance by the cadets at National Defence Academy. Cadets who are granted these Scholarships are not entitled to any other financial assistance from Government.

(6) **KERALA GOVERNMENT Scholarship.**—One merit scholarship of the value of Rs. 480/- per annum for the entire period of training at NDA, will be awarded by the State Government of Kerala to a Cadet who is a domiciled resident of the state of KERALA and who secures the first position in the all India UPSC Entrance Examination to NDA irrespective of the fact whether he has passed out from RIMC or from any of the Sainik Schools in India. The financial position of a Cadet's father/guardian is not taken into consideration.

(7) **BIHARI LAL MANDAKINI Prize.**—This is a cash prize of Rs. 500.00 available for the best BENGALI boy in each Course of the Academy. Application forms are available with the Commandant, National Defence Academy.

(8) **ORISSA GOVERNMENT Scholarships.**—These scholarships, one for the Army, one for the Navy and the other for the Air Force of the value of Rs. 80.00 each per month will be awarded by the Government of Orissa to the cadets who are permanent residents of the State of ORISSA. Two of these scholarships will be awarded on the basis of merit-cum-means of the cadets whose parent's or guardian's income does not exceed Rs. 5,000 per annum and the other one will be given to the best cadet irrespective of his parent's or guardian's income.

(9) **WEST BENGAL GOVERNMENT Scholarships.**—Following categories of scholarships are awarded by the West Bengal Government to those cadets who are permanent residents of WEST BENGAL :—

(a) **Category 1.**—Three scholarships, one each for Army, Navy and Air Force at the rate of Rs. 360 per annum during 1st and 2nd years and at the rate of Rs. 480 per annum during the 3rd year at the Academy and 4th year at the specialised training institution, with an initial outfit stipend of Rs. 400 in addition for those cadets who are not eligible for any other scholarships at the Academy.

(b) **Category 2.**—Three scholarships of a lump-sum grant of Rs. 100 per annum in addition to Government financial assistance.

(10) **Pilot Officer GURMEET SINGH BEDI MEMORIAL Scholarship.**—One Scholarship of Rs. 420.00 per annum is granted to the cadet who stands highest in the overall order of merit amongst Air Force Cadets at the end of the 4th term. It is for the duration of one year (during 5th and 6th terms). This scholarship will be withdrawn if the recipient is relegated or withdrawn during the period of its receipt. The Cadet who is already in receipt of any such merit scholarship or financial assistance is not entitled to this scholarship.

(11) **HIMACHAL PRADESH GOVERNMENT Scholarships.**—Four scholarships will be awarded to cadets from HIMACHAL PRADESH. The value of each scholarship is Rs. 30.00 per month during the first two years of training and Rs. 40.00 per month during the third year of training. These scholarships will be available to those cadets whose parent's income is below Rs. 500.00 per month. No cadet in receipt of financial assistance from the Government will be eligible for the scholarship.

(12) **TAMIL NADU GOVERNMENT Scholarship.**—The Government of Tamil Nadu has instituted at NDA one scholarship per Course, of the value of Rs. 30/- per month plus an outfit allowance of Rs. 400/- (one only during the entire period of cadet's training) to be awarded to a cadet belonging to the State of Tamilnadu, whose parent's/guardian's monthly income does not exceed Rs. 500/-. The application by an eligible cadet can be made to the Commandant, National Defence Academy on their arrival.

(13) **RAJASTHAN GOVERNMENT Scholarship.**—The Government of Rajasthan has instituted at the NDA three scholarships (one for Army, Navy and Air Force each) per Course of the value of Rs. 50/- per month plus an outfit allowance of Rs. 400/- (Once only during the entire period of a cadet's training) to be awarded to the cadets who are sons/wards of Ex JCO/ORs or equivalent of the Navy and Air Force belonging to the State of Rajasthan. The application can be made to the Commandant, National Defence Academy by the eligible cadets, on their arrival.

Terms and conditions governing these scholarships are obtainable from the Commandant, National Defence Academy, KHADAKWASLA, Pune (411023).

5. Immediately after the selected candidates join the Academy, a preliminary examination will be held in the following subjects :—

- (a) English;
- (b) Mathematics;
- (c) Science;
- (d) Hindi.

The standard of the examination in the subjects, at (a), (b) and (c) will not be higher than that of the Higher Secondary Examination of an Indian University or Board of Higher Secondary Education. The paper in the subject at (d) is intended to test the standard attained by the candidate in Hindi at the time of joining the Academy.

Candidates are therefore advised not to neglect their studies after the competitive examination.

TRAINING

6. The selected candidates for the three services viz., Army, Navy and Air Force are given preliminary training both academic and physical for a period of 3 years at the National Defence Academy which is an Inter-Service Institution. The training during the first two and a half years is common to the cadets of three wings. The academic training imparted will be up to degree level in Science or Humanities as the case may be.

7. On passing out from the National Defence Academy, Army Cadets go to the Indian Military Academy, Dehra Dun Naval Cadets to the Cadet's Training Ship and Air Force cadets to EFS BIDAR.

8. At the I.M.A. Army Cadets are known as Gentlemen Cadets and are given strenuous military training for a period of one year aimed at turning officers capable of leading infantry sub-units. On successful completion of training Gentlemen Cadets are granted Permanent Commission in the rank of 2nd/Lt. subject to being medically fit in "SHAPE"

9. The Naval cadets are selected for the Executive, Engineering and Electrical Branches of the Navy, on passing out from the National Defence Academy and are given sea training on the Cadet Training ship for a period of six months, on successful completion of which they are promoted to the rank of Midshipmen. After a further training of 6 months in the respective branches to which they are allocated they are promoted to the rank of acting Sub-Lieutenants.

10. Air Force Cadets receive flying training for a period of 1½ years. However, at the end of 1 year of training they are given provisional commission in the rank of Pilot Officer. After successful completion of further training of six months, they are absorbed as permanent commissioned officers on probation for a period of one year.

TERMS AND CONDITIONS OF SERVICE

11. ARMY OFFICERS

(i) PAY

Ran.	Pay Scale	Rank	Pay Scale
	Rs.		Rs.
2nd Lieut.	750—790	Lt. Colonel (time scale)	1900 fixed
Lieut.	830—950	Colonel	1950—2175
Captain	1100—1550	Brigadier	2200—2400
Major	1450—1800	Maj. General	2500—125/2— 2750
Lt. Colonel By Selection	1750—1950	Lt. General	3000 p.m.

(ii) QUALIFICATION PAY AND GRANT

Officers of the rank of Lt Col and below possessing certain prescribed qualifications are entitled to a lump sum grant of Rs. 1600/-, 2400/-, 4500/- or 6000/-, based on the qualifications held by them. Flying Instructors (Cat. 'B') are authorised to qualification pay @ Rs. 70/-.

(iii) ALLOWANCES

In addition to pay, an officer at present receives the following allowances :—

- Compensatory (city) and Dearness Allowances are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the civilian Gazetted officers from time to time.
- A kit maintenance allowance of Rs. 50 p.m.
- Expatriation Allowance is admissible when serving outside India. This varies from 25% to 40% of the corresponding single rate of foreign allowance.
- Separation allowance. Married Officers posted to non-family stations are entitled to receive separation allowance of Rs. 70 p.m.
- Outfit Allowance.—Initial outfit allowance is Rs. 1400/-. A fresh outfit allowance @ Rs. 1200/- is payable against claim after every 7 years of effective Service commencing from the date of first commission.

(iv) POSTING

Army Officers are liable to serve any where in India and abroad.

(v) PROMOTIONS

(a) Substantive Promotion

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks :—

By Time Scale

Lt.	2 years of commissioned service
Capt.	6 years of commissioned service
Major	13 years of commissioned service
Lt. Col. form Major if not promoted by selection	25 years of commissioned service

By Selection

Lt. Col.	16 years of commissioned service
Col.	20 years of commissioned service
Brigadier	23 years of commissioned service
Maj-Gen.	25 years of Commissioned service

Lt. Gen.	28 years of commissioned service
Gen.	No restriction.

(b) Acting Promotion

Officers are eligible for acting promotion to higher ranks on completion of the following minimum service limits subject to availability of vacancies :—

Captain	3 years
Major	6 years.
Lt. Colonel	6 1/2 years.
Colonel	8-1/2 years.
Brigadier	12 years.
Maj. General	20 years.
Lt. General	25 years.

12. NAVAL OFFICERS

(i) PAY

Rank	Pay Scale:	
	General service	Naval Aviation & Submarine
	Rs. p.m.	Rs. p.m.
Midshipman	560/-	560/-
Ag. Sub-Lieut	750/-	825/-
Sub-Lieut	830/870	910/950
Lieut	1100-1450	1200-1550
Lieut. Cdr.	1550-1800	1650-1800
Cdr.	1800-1950	1800-1950
Captain	1950-2400	1950-2400
	Commodore receives pay to which entitled according to Seniority Captain.	
	Rear Admiral—2500-125/2-275	
	Vice Admiral—3000/- p. m.	

Qualifications pay/grant is also admissible to—

Officers of the rank of CDR and below possessing certain prescribed qualifications are entitled to lump sum grant of Rs. 1600/-, 2400/-, 4500/- or 6000/- based on the qualification held by them.

(ii) ALLOWANCES

Naval Aviation Officers are entitled to Flying pay at monthly rates/and under conditions applicable to corresponding ranks for Air Force Officers.

Naval Officers are entitled to other allowances as applicable to Army Officers of equivalent rank. In addition certain special concessions, like hardy money submarine allowance, submarine pay and diving pay are admissible to them.

(iii) PROMOTIONS

(a) Substantive Promotions

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher rank :—

By Time Scale

Sub. Lt.	1 year
Lt.	3 years (subject to gain/forfeiture of seniority)
Lt. Cdr.	8 years seniority as Lt.
Cdr.	24 yeras commissioned service (if not promoted by selection).

By. Selection

Cmdr. Executive Branch	2-8 years of seniority as Lt. Cdr.
Cmdr. Engineering Branch	2-10 years seniority as Lt. Cdr.
Cmdr. Electrical Branch	2-10 years seniority as Lt. Cdr.
Cmdr. Supply & Secretariat Branch	4-10 years seniority as Lt. Cdr.
Capt.	4 years seniority as Cdr.
Rear Admiral	No restriction
Vice-Admiral	No restriction.

(b) Acting Promotion

There is no service limit for grant of acting promotion in the Navy except to the rank of Lt. Cdr. for which an officer should have attained 6 years seniority as Lieutenant.

13. AIR FORCE OFFICER**(i) PAY**

Rank	Pay Scale
	Rs.
Plt. Offr.	825-865
Fg. Offr.	910-1030
Flt. Lt.	1300-1550
Sqn. Ldr.	1650-1800
Wg. Cdr. (Selection)	1750-1950
Wg. Cdr (Time Scale)	1800 (fixed)
Gp Capt.	1950-2175
Air Cdre.	2200-2400
Air Vice-Marshal	2500-2750
Air Marshal	3000
Air Chief Marshal (CSA)	4000

(ii) ALLOWANCES

Flying Pay—Officers of the Flying Branch (Pilots and Navigators) are entitled to get flying pay at the following rates:

	Rs.
Plt Offr to Wg Cdre	375.00 p.m.
Gp Capt and Air Cdr.	333.00 p.m.
Air Vice Marshal & above	300.00 p.m.

(iii) Qualification Pay/Grant—Admissible to Flying Branch Officers possessing certain prescribed qualifications at the rate given below:—

Qualification pay	Rs. 100 p.m. or Rs. 70 p.m.
Qualification Grants	Rs. 6,000/- or Rs. 4500/- Rs. 2,400/- or Rs. 1,600/-

(iv) PROMOTIONS**(a) Substantive Promotion**

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks:—

By. Time Scale

Flying Officer	1 year commissioned service.
Flt. Lt.	5 years commissioned service.
Sqn. Ldr.	11 years commissioned service.
Wg. Cdr.	On completion of 24 years of commissioned service if not promoted by selection.

By. Selection

Wg. Cdr.	3 years service as substantive Sqn. Ldr.
Gp Capt.	4 year service as substantive Wg. Cdr.
Air Commodore	3 years service as substantive Group Capt.
Air-Vice-Marshal	3 years service as substantive Air Commodore.
Air Marshal	2 years service as substantive Air Vice-Marshal.

(b) Acting Promotion

The following are the minimum service limits required for acting promotion of officers:—

Flt. Lt.	2 years
Sqn. Ldr.	5 years
Wg. Cdr.	6 years (After service of 1 year in the rank of Sqn. Ldr.)
Gp Captain	8 years (After service of 1 year in the rank of Wg. Cdr.)
Air Cdr.	11-1/2 years (After service of 3 years in the ranks of Wg. Cdr. and Gp. Captain).
Air Vice-Marshal	15 years (After service of 5* years in the ranks of Wg. Cdr. Gp., Capt. and Air Cdr.)
Air Marshal	23 years

*Inclusive of broken period.

14. RETIRING BENEFITS

Pension gratuity and casualty pensionary award will be admissible in accordance with the rules in force from time to time.

15. LEAVE

Leave will be admissible in accordance with the rules in force from time to time.

APPENDIX IV

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India

This is to certify that Shri
son of of village/town*
in District/Division* of the State/
Union Territory* belongs to the
..... Caste/Tribe* which is recognised as a
Scheduled Caste/Scheduled Tribe*

under :—

the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951*

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976].

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964*

the Constitution Scheduled Tribes (Uttar Pradesh) Order, 1967*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*

2. Shriand*/or his family ordinarily reside(s) invillage*/Town of District*/Division of the State*/ Union Territory of State

Union Territory*

Place.....

Date.....

Signature

**Designation.....

(with seal of office)

*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

**Officers competent to issue Castes/Tribe Certificate.

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

†(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

(iii) Revenue Officer not below the rank of Tehsildar.

(iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.

(v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lokshadweep.

APPENDIX V

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

CANDIDATES INFORMATION MANUAL

A. OBJECTIVE TEST

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write detailed answers. For each question (hereinafter referred to as item) several possible answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one response to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

B. NATURE OF THE TEST

The question paper will be in the form of a TEST BOOKLET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3, ... etc. Under each item will be given suggested responses marked a, b, c, ... etc. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best response. (see "sample items" at the end.). In any case, in each item you have to select only one response; if you select more than one, your answer will be considered wrong.

C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET will be provided to you in the examination hall. You have to mark your answer on the answer sheet. Answers marked on the Test Booklets or in any paper other than the answer sheet will not be examined.

In the answer sheet, number of the items from 1 to 200 have been printed in four 'Parts'. Against each item, responses, a, b, c, d, e, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given response is correct or the best, you have to mark the rectangle containing the letter of the selected response by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the rectangles on the answer sheet.

4. [a] [b] [c] [d] [e]

2. [a] [b] [c] [d] [e]

3. [a] [b] [c] [d] [e]

It is important that—

1. You bring and use only good quality HB Pencil(s) for answering the items;
2. If you have made a wrong mark, erase it completely and re-mark the correct response. For this purpose, you must bring along with you an eraser also;
3. Do not handle your answer sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

1. You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for starting of the examination and get seated immediately.
2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
3. No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have passed after the commencement of the examination.
4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the answer sheet to the Invigilator/Supervisor. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.
5. Write clearly in ink the name of the examination/test, your Roll No., Centre, subject, date and serial number of the Test Booklet at the appropriate space provided in the answer sheet. You are not allowed to write your name anywhere in the answer sheet.
6. You are required to read carefully all instructions given in the Test Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the answer sheet is ambiguous then you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.
7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpener,

and a pen containing blue or black ink. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you. You should write the name of the examination, your Roll no. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your answer sheet at the end of the test.

E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall, the invigilator will give you the answer sheet. Fill up the required information on the answer sheet with your pen. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet, each Test Booklet was so bound as to be sealed so that no one opens it before the invigilator is asked to open it for you. For your Test Booklet, examine the seal and the date of printing and it is sealed. Once you are given the Test Booklet, after you have done this, you should write the name and the number of your Test Booklet on the relevant space on the answer sheet. You are not allowed to break the seal of the Test Booklet until you are asked to do so by the supervisor.

F. SOME USEFUL HINTS

Although this is not a high speed, it is impossible to get a better speed than this is possible. Work very hard and try to get a good, steady, working career. Do not try to get a good career in the questions. Do not try to get a good career in the questions. Go on to the next question and come back to the difficult ones later.

All questions carry equal marks. Answer all the questions. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be negative marking.

The questions are designed to measure your knowledge, understanding and analytical ability, not just memory. It will help you if you review the relevant topics, to be sure that you **UNDERSTAND** the subject thoroughly.

G. CONCLUSION OF TEST.

Stop writing as soon as the Supervisor asked you to stop. After you have finished answering, remain in your seat and wait till the invigilator collects the Test Booklet and answer sheet from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet and the answer sheet out of the examination Hall.

SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

1. Which one of the following causes is NOT responsible for the down fall of the Mauryan dynasty ?
 - (a) the successors of Asoka were all weak.
 - (b) there was partition of the Empire after Asoka.
 - (c) the northern frontier was not guarded effectively.
 - (d) there was economic bankruptcy during post-Asokan era.
2. In a parliamentary form of Government
 - (a) the Legislature is responsible to the Judiciary
 - (b) the Legislature is responsible to the Executive
 - (c) the Executive is responsible to the Legislature
 - (d) the Judiciary is responsible to the Legislature.
 - (e) the Executive is responsible to the Judiciary.
3. The main purpose of extra-curricular activities for pupils in a school is to
 - (a) facilitate development
 - (b) prevent disciplinary problems
 - (c) provide relief from the usual class room work
 - (d) allow choice in the educational programme
4. The nearest planet to the Sun is
 - (a) Venus
 - (b) Mars
 - (c) Jupiter
 - (d) Mercury
5. Which of the following statements explains the relationship between forests and floods ?
 - (a) the more the vegetation, the more is the soil erosion that causes floods.
 - (b) the less the vegetation, the less is the silting of rivers that causes floods.
 - (c) the more the vegetation, the less is the silting of rivers that prevents floods.
 - (d) the less the vegetation, the less quickly does the snow melt that prevents floods.

